

वीर सेवा मन्दिर
दिल्ली

from : —

★

४३९५

क्रम संख्या

काल न०

शहर

०५८७ (५४५.९)

जे०

I-COPYER PVT. LTD.

F 3A Industrial Estate.

INDORE M. P.

Traders of Quality
Sensitized Papers

Phone No 2432

Gram. KOTHARI

जनता की सेवा में सदैव मनमोहक एवं
आकर्षक साड़ियाँ प्रस्तुत करने वाले

कोठारी सन्स

सराफा बाजार, ग्वाल्हियर-१

ग्वालियर जैन निर्देशिका

सम्पादक मण्डल

प्रधान सम्पादक

प्रो. नरेन्द्रलाल जैन
एम. कॉम साहित्यरत्न

सह सम्पादक

श्री कपूरचन्द्र खरया
एम. ए., साहित्यरत्न

सदस्य

श्री रविन्द्र 'नालव'
डी. एम. ई., बी. ए., विशारद

श्री कैलाशचन्द्र रांगवाल
बी. कॉम., एल-एल. बी.

श्री नरेन्द्र कुमार सोनी
बी. ए., एल-एल. बी.

प्रबन्ध-संचालक

श्री केशरीमल पाटनी
एम. कॉम., आर. एम. पी.

G W A L I O R J A I N D I R E C T O R Y

प्रकाशक

वर्तमान दि. जैन नवमुबक संघ
डीडवाना मोती, ग्वालियर-१

मुद्रक

साधना प्रेस, ग्वालियर-१

वीर नि. संवत् २४६५

दिनांक १ जुलाई, १९६६

वर्द्धमान दिग्गम्बर जैन नवयुवक संघ

डीडवाना ओली, ग्वालियर-9

वर्तमान सदस्यों की सूची

पदाधिकारी:—

संरक्षक	:	श्री मानिकचन्द जैन	एम. ए., एल-एल. बी., सेल्स टेक्स काउन्सलर
अध्यक्ष	:	प्रो. लालचन्द जैन	एम. कॉम., एल-एल. बी., सा० रत्न, एम. बी. ए.
उपाध्यक्ष	:	प्रो. एन. एल. जैन	एम. कॉम., साहित्य रत्न,
„	:	श्री धर्मचन्द वाकलीवाल	बी. कॉम.
सहायक	:	श्री केशरीमल पाटनी	एम. कॉम., आर. एम. पी.
सहायक	:	श्री कैलाशचन्द गंगवाल	बी. कॉम., एल-एल. बी., एडवोकेट
श्रीडायग्री	:	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	एम. बी. बी. एस.
ससितमन्त्री	:	श्री रविन्द्र 'मालव'	डी. एम. ई., बी. ए., विशारद
पुस्तकालय एवं	:	श्री प्रमोदकुमार पाटनी व	
बाचनप्रचार मंत्री	:	श्री कमलकिशोर गोधा डी० टी० टी०	
बाचनप्रचार प्रचार मन्त्री	:	श्री अजितकुमार बड़जात्या	एम. ए.
संस्कृत मन्त्री	:	श्री राजेन्द्रकुमार पांढ्या	
संस्थापक	:	श्री मोतीलाल बज. दानाओली	

कार्यकारिणी सदस्य:—

सर्वश्री नरेन्द्रकुमार सोनी बी० ए०, एल-एल० बी०, प्रमोदकुमार बिन्दायका बी० ई०, कमलचन्द कासलीवाल, तेजकुमार गंगवाल एम० ए०, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, अनिलकुमार गोधा, सुरेशचन्द जैन, ऋषभकुमार पापड़ोवाल बी० एस-सी०, कमलचन्द गंगवाल ।

साधारण सदस्य:—

प्रो० ज्ञान्तिचन्द गिरधरवाल एम० कॉम०, सर्वश्री उत्तमचन्द गंगवाल, सुरेन्द्र-कुमार जैन बी० ए०, धर्मकुमार गोधा एम० एस-सी०, होतीलाल जैन एम० कॉम०, निर्मलकुमार गिरधर-वाल बी० ई०, सुरेशचन्द जैन, विजयकुमार पांढ्या, अशोककुमार गंगवाल, पवनकुमार, राजकुमार पाटनी, जसवन्तकुमार गंगवाल, देवेन्द्रकुमार शौच, विनोदकुमार गंगवाल, नेमीचन्द जैन, अशोककुमार, नरेन्द्रकुमार पाटोदी, कन्नडकुमार गंगवाल, राजेन्द्रकुमार गंगवाल, रतनचन्द जैन, कपूरचन्द जैन, कृष्णकुमार, कपूरचन्द तिलकनगर, आनन्दकुमार जैन, अशोककुमार, राजेन्द्रकुमार जैन, बालकिशन, देवसूषण जैन, धर्मचन्द जैन, विमलचन्द पाटनी, नरेन्द्रकुमार, विनोदकुमार बिन्दायका, पी० सी० जैन, सुरेशचन्द जैन, प्रो० चनश्याम-दास जैन, विजयकुमार अजमेरा, निर्मलकुमार, रिशबचन्द, नेमीचन्द, सुमेरचन्द, पी० के० जैन, प्राणनारा-यण जैन, रमेशचन्द, जागचन्द, नेमीचन्द बरेया, नेमीचन्द जैसवाल, सतीशकुमार पाटनी, सन्तोषकुमार सेठी, मानकचन्द, बसन्तकुमार पाटनी, जिनेशचन्द ।

शुभ-सन्देश

कार्यवाहक राष्ट्रपति—भारत सरकार, नई दिल्ली

“मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप बर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक सघ, ग्वालियर के तत्वावधान में “जैन डायरेक्टरी ग्वालियर” प्रकाशित करने जा रहे हैं।

मैं आपके प्रयास की सफलता के लिये अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भेजता हूँ।”

—वी० वी० त्रिदि

मन्त्री—श्री अ० भा० दिगम्बर जैन शास्त्री परिषद्, बड़ौत (मेरठ)

“आप जैन डायरेक्टरी बना रहे हैं, जानकर प्रसन्नता हुई। कार्य कांटों से भरा है। पग-पग पर कांटे बिछे हैं। असफलता के इच्छुक बाधा पहुंचायेंगे, पर चिन्ता न करना, बढ़ते रहना। आपके साथ प्रभु शक्ति रहेगी।

वीर प्रभु से प्रार्थना है कि आप अपने इस शुभ कार्य में सफलता प्राप्त करें।”

—बाबूलाल जैन जमादार

मंचालक—साहित्य शोध विभाग, जयपुर

“यह जानकर प्रसन्नता हुई कि बर्द्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक सघ ग्वालियर ने ग्वालियर जैन डायरेक्टरी के प्रकाशन की एक योजना बनाई है। योजना अतीव मृन्दर है। मुझे सम्बन्धित कार्य में अपेक्षित सहयोग देने में प्रसन्नता होगी।

ग्वालियर जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है यहाँ की विस्तृत जानकारी प्रकाशित होना आवश्यक है।”

—डॉ० कस्तूरचन्द्र कासलीवाल

इस्पात, खान और धातु—राज्य मन्त्री

“यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप “ग्वालियर जैन डायरेक्टरी” नामक पुस्तक का प्रकाशन करने जा रहे हैं। जिसमें ग्वालियर जिले की जैन मण्डला, मन्दिर एवं अन्य सम्बन्धित बातों का विवरण किया जावेगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस पुस्तक के माध्यम से समाज के हर वर्ग के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। मैं आपके प्रयास की पूर्ण सफलता की कामना करता हूँ।”

—प्रकाशचन्द्र सेठी



गवालियर जैन निर्देशिका

विषय-सूची

क्रम	पृष्ठ संख्या	क्रम	पृष्ठ संख्या
प्रारम्भिकः—			
१	संस्था के सदस्यों की सूची	दो	२१
२	शुभ सन्देश	तीन	२२
३	विषय-सूची	चार	२३
४	भूमिका	पांच	२४
५	सम्पादकीय	छह	२५
सामान्य विवरणः—			
६	गवालियर—शरीर की दृष्टि में	१	२६
७	दिगम्बर जैन मन्दिर	१५	२७
८	श्वेताम्बर मन्दिर, दादावाड़ी व स्थानक	२६	२८
९	धार्मिक महोत्सव	३२	२९
१०	जैन धर्मशालायें	३६	३०
११	धार्मिक पाठशालायें	३६	३१
१२	शिक्षण संस्थाएँ	४१	३२
१३	जैन छात्रावास	४३	३३
१४	जैन शोधशाला	४४	३४
१५	बाचनालय एवं पुस्तकालय	४४	३५
१६	सांस्कृतिक संस्थायें	४६	३६
१७	प्राचीन वस्तु संग्रहालय	४६	३७
१८	धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट	४७	३८
१९	धार्मिक व सामाजिक संघ	४८	३९
२०	भारतवर्षीय संस्थाओं की शाखायें	५१	४०
			जनगणना—
			२८
			२९
			३०
			३१
			३२
			३३
			३४
			३५
			३६
			३७
			३८
			३९
			४०
			४१
			४२
			४३
			४४
			४५
			४६
			४७
			४८
			४९
			५०
			५१
			५२
			५३
			५४
			५५
			५६
			५७
			५८
			५९
			६०
			६१
			६२
			६३
			६४
			६५
			६६
			६७
			६८
			६९
			७०
			७१
			७२
			७३
			७४
			७५
			७६
			७७
			७८
			७९
			८०
			८१
			८२
			८३
			८४
			८५
			८६
			८७
			८८
			८९
			९०
			९१
			९२
			९३
			९४
			९५
			९६
			९७
			९८
			९९
			१००



● भूमिका

इस देश की आर्थिक सामाजिक एवं शैक्षणिक प्रगति इस बात पर आधारित है कि इसके निवासी कितने परिश्रमी, धार्मिक एवं गतिशील हैं। नागरिकों के समूह, जाति एवं सम्प्रदायों में बिभाजित होने के कारण उन्हें संगठित करने का एक मात्र उपाय यह है कि हम सीमित क्षेत्र की जनगणना करें एवं उस दिशा में उनकी समस्याओं को हल करने के प्रयत्न करें। आधुनिक युग में संगठन ही शक्ति है। इसी उद्देश्य से श्री बड्डमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ ने ग्रेटर स्वालियर की जैन जनगणना का कार्य सम्पन्न किया है।

स्वालियर का जैन समाज उत्साही, महत्वाकांक्षी एवं प्रगतिशील है। योग्य एवं दूरदर्शी व्यक्तियों के नेतृत्व में उसके नवयुवकों ने पिछले २०-२५ वर्षों में अनेक सामाजिक व धार्मिक कार्य सम्पन्न किये हैं। समाज के सदस्यों की वैयक्तिक प्रगति के लिये जितना कार्य होना चाहिए उतना फिर भी पूरा नहीं किया जा सका है। शिक्षा, स्वास्थ्य, नैतिक, मानसिक आदि स्तर पर संगठन के माध्यम से जितना कार्य उन्नति के लिए किया जाय, समाज व देश दोनों उनसे अधिक भूखी, समृद्ध व सन्तुष्ट होगा ऐसा मेरा विश्वास है।

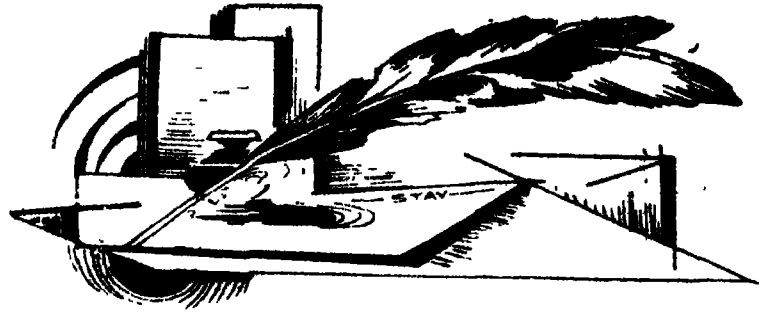
स्वालियर जैन समाज की जनगणना का यह मजबूत प्रथम प्रयास है इस कार्य में जिन नवयुवकों व समाज के अन्य महानुभावों ने सहयोग दिया वे बधाई के पात्र हैं। रचनात्मक कार्य की दिशा में उनका यह कार्य आधार स्तम्भ की तरह कार्य करेगा। मुझे आशा है कि इस जानकारी के माध्यम से जैन समाज भविष्य में शिक्षा, सामाजिक कुरीतियों के सुधार, आर्थिक उन्नति आदि का विस्तृत रूप से सर्वेक्षण कर सकेगा तथा अपने लक्ष्य तक पहुँचने में सफल होगा।

तथ्यों व आकड़ों के संग्रहण व सम्पादन में प्रो० एन० एन० जैन, श्री केशरीमल पाटनी श्री कपूरचन्द बरैया, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, श्री नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री कलाशचन्द जैन, श्री धर्मचन्द बाकलीवाल, श्री रविन्द्र 'मालव', श्री प्रमोदकुमार पाटनी, श्री मोहनलाल अग्रवाल, श्री प्रमोदकुमार बिन्दायका श्री कमलकिशोर आदि ने जो योगदान दिया है वह सराहनीय है। समाज सेवा के क्षेत्र में उनका यह सहयोग अन्य युवकों को व समाज की प्रेरणा देगा ऐसा मेरा विश्वास है।

१ जुलाई, १९६६

लालचन्द जैन
अध्यक्ष, बड्डमान दि० जैन नवयुवक संघ

संपादकीय



श्री बट्टमान दिगम्बर जैन नवयुवक सघ, ग्वालियर द्वारा जैन निर्देशिका का प्रकाशन कार्य इस बात का प्रमाण है कि यदि हम किसी कार्य को करना चाहते हैं और उसके प्रति हमारी सखी लगन है तो वह कार्य प्रारम्भ में साधन न होते हुये भी सम्पन्न हो सकता है।

व्यवसायिक, औद्योगिक, शैक्षणिक आदि कारणों से नगर के विभिन्न भागों और नई बस्तियों में समाज के व्यवसायी, दूकानदार, विद्यार्थी, नोकरी पेशा लोग बसते जा रहे हैं। यह आवश्यक है कि उनका संबध समाज से रहे और समाज को भी उनके सम्बन्ध में पूर्ण-पूर्ण जानकारी रहे उन्हें समय-समय पर होने वाले धार्मिक व सामाजिक उत्सवों से अवगत रखा जाय। समाज के मन्दिरों, धर्मशालाओं और अनेक बातों का इतिहास स्वयम् किसी भी नगर के स्थायी निवासियों को नहीं कहने पाना। इसलिए संग्रहित रूप में उनकी उपलब्धि अपना महत्त्व रखती है।

ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रमुख उद्देश्य सम्पूर्ण समाज का संगठन करना है जिसमें प्रत्येक की धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और सांस्कृतिक प्रत्येक दिशा में बिकाम करने का अवसर मिल सके इसमें समारोहों का सफलता पूर्वक आयोजन, खेलकूद का नियोजन, बाद बिबाद प्रतियोगिताएं, विचार गोष्ठियां, बाहर से आमन्त्रित बिद्वानों के भाषण और वैवाहिक सम्बन्धों के लिए समाज को आवश्यक जानकारी आदि ऐसे कार्य होंगे जिससे समाज में जागृति और नवचेतना का मन्थार हो सके।

बृहत्तर ग्वालियर में तीन उपनगर सम्मिलित हैं। (१) ग्वालियर (पुरानी बस्ती) (२) लखर और (३) मुरार। ग्वालियर : उत्तर पूर्व में पहाड़ी के नीचे बसी हुई प्राचीन बस्ती है, यहाँ किले का प्रमुख द्वार है।

लखर : ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर दक्षिण दिशा में है। लखर उपनगर मराठा और विशेष रूप से सिधिया शासकों के कारण बसा है। महाराजा दौलतराव सिधिया ने अपनी सेना के कैम्प के लिए इस स्थान को चुना था। बीरे-बीरे यह स्थान एक गांव से नगर और सिधिया की राजधानी होने के कारण नगर से एक सहर बन गया।

बृहत्तर ग्वालियर का तीमरा उपनगर मुरार है। यह ग्वालियर उपनगर से २ मील दूर पूर्व दिशा में मुरार नदी के किनारे स्थित है। मुरार अग्नेयों की सेना का स्थान (छावनी) था। सन १८४४ में इसे अग्नेयों

ने बताया था सन १८८५ में अजेजों ने काँसी के किले के बदले में ग्वालियर दुर्ग और मुरार छावनी मिथिया को ली थी ।

ग्वालियर जैन निर्देशिका में नगर के तीनों भागों में स्थित दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की जानकारी दी गई है । जिसे दो भागों में बाटा गया है:— प्रथम भाग में ग्वालियर के इतिहासिक विवरण मन्दिर, व स्थानक, धर्मशालायें, बीचवालय, पुस्तकालय, धार्मिक शिक्षण संस्थाओं, नवयुवक सचो, समीप स्थित तीर्थ क्षेत्रों, धार्मिक महोत्सवों आदि का विवरण दिया गया है । निर्देशिका का द्वितीय भाग जनगणना से सम्बन्धित है । इस भाग में बाजारों के अनुसार जैन परिवारों के १४ वर्ष से व उससे अधिक आयु के सदस्यों के नाम, आयु, शिक्षा, प्रमुख से सम्बंध, वैवाहिक स्थिति व जीवकोपाजैन सम्बन्धित विवरण है । इस कार्य में अत्यन्त उदार दृष्टिकोण रखा है । दिगम्बर, श्वेताम्बर (मन्दिर मार्गी, साधुमार्गी, तेरापन्वी) जैन समाज का विवरण अलग अलग दिया है । जिससे प्रत्येक वर्ग को समाज की पूर्ण जानकारी मिल सके ।

दिगम्बर समाज की उपजातियों के अनुसार सूची दी गई है जिसमें परिवार के पूर्ण सदस्यों की संख्या भी दी है । छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों का पूर्ण विवरण, नाम, शैक्षणिक योग्यता, वैवाहिक स्थिति, स्थायी पता आदि दिया गया है । पेशेवार, शिक्षा, उम्र आदि के अनुसार वर्गीकरण करके संपूर्ण स्थिति को सक्षेप में बतलाने का भी प्रयत्न किया है ।

ग्वालियर पिछले १५०० वर्षों से जैन संस्कृति और साहित्य का केंद्र रहा है । १४ वीं-१५ वीं सदी में जैन मुनी और आचार्यों के प्रभाव से तोमर बंशीय राजा जूगर सिंह, व कीर्ति सिंह के काल में ग्वालियर के विशाल दुर्ग के चारों ओर विशाल और लघु कुल मिलाकर १५०० से भी अधिक जैन मूर्तियों का उत्खनन हुआ । इस तरह ग्वालियर का दुर्ग एक जैन तीर्थ के रूप में परिवर्तित हो गया । इस अवधि में ग्वालियर दुर्ग पर एक जैन विद्यापीठ चला करता था । महाकवि रईधु और अन्य आचार्यों ने इस अवधि में विपुल मात्रा में जैन साहित्य की रचना की है ।

ग्वालियर के आस पास का क्षेत्र जैन पुरातत्व के अवशेषों से भरा हुआ है । दुर्ग पर गुजरी महत्व में स्थित म्यूजियम में सैकड़ों प्राचीन दिगम्बर जैन मूर्तियाँ और अनेक शिलालेख हैं । किले के उरवाई गेट पर कुल मिलाकर ११३० मूर्तियाँ उत्खनित हैं । गोपाचल के दाहरी हिस्से मरीमाता के ऊपर ३०० मूर्तियाँ स्थित हैं । पनिहार, सिहोनिया, नरवर, ग्योपुर, धुआ में जैन पुरातत्व के खडहर मंत्र दृष्टिगोचर होते हैं ।

ग्वालियर के अनेक मंदिरों में अत्यन्त प्राचीन जिनकिम्ब प्रतिष्ठित है । वे सन् १०२४ से १८८३ तक के हैं । जैन साहित्य और पुरातत्व के विस्तृत अध्ययन की आवश्यकता है । नगर के अधिकांश मन्दिर में शास्त्रों का प्रचुर संग्रह है । ग्वालियर में यति जी (भट्टारकों) के मन्दिर का शास्त्र भण्डार प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थों से भरा हुआ है किन्तु अनेक वर्षों से काल कोठरी में बन्द है जिसके निकलवाने का प्रयत्न जैन समाज लक्ष्कर को करना नितान्त आवश्यक है ।

जनसंख्या के सम्बंध में सबसे महत्व पूर्ण बात यह है कि वह सदैव बढ़ती रहती है । ये परिवर्तन जन्म, मृत्यु और प्रवास के कारण होते हैं । इसलिए हमारे द्वारा प्रदत्त जानकारी का केवल अल्पकालिक महत्व ही है । हमने समाज के सभी परिवारों के विवरण प्राप्त करने का प्रयत्न किया है फिर भी यह सम्भावना है कि कुछ परिवारों का विवरण रह गया हो हमने अत्यन्त उदार एवं विस्तृत दृष्टिकोण से अपने कार्य का सम्पादन किया है । नगर की जैन सभा के इतिहास में किया गया यह प्रथम प्रयास है । मुद्रण और तथ्य सम्बन्धी जो भी भूलें

और तृटिया हों उनकी और सूचिन कर पाठक वृन्द हमें अनुग्रहित करें। सम्बन्धित सुभाव भविष्य में सुचारु हेतु विनम्र भाव से आमन्त्रित हैं।

ग्वालियर जैन निर्देशिका के सम्बन्ध में संघ के सदस्यों ने बहुत श्रम किया है। यह बृहद कार्य उन्हीं के श्रम, लगन और मेवा का परिणाम है। यदि हम सुभावर्ग को उचित मार्ग दर्शन दें तो उनके सहयोग से कोई भी कठिन कार्य सरलता पूर्वक किया जा सकता है। हमने इस कार्य में नवयुवकों की सुप्त-गुप्त शक्ति और योग्यता का उपयोग किया है जो इस कार्य के अभाव में आलस्य; गपशप या आनन्द-प्रमोद में ढही समाप्त होती। निर्देशिका प्रकाशन में संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जैन के मार्ग दर्शन और संघ के महामन्त्री श्री केशरीमल पाटनी की प्रेरणा व लगन का विशेष मूल्य है। श्री केशरीमल ने फोटो बनाने, प्रैस-कार्य सम्हालने, सम्बन्धित सामग्री एकत्रित करने में दिन रात अधिक परिश्रम किया है और निर्देशिका को प्रत्येक आवश्यकता का यथोचित प्रबन्ध किया है। उनसे समाज को अनेक आशायें हैं। इस कार्य में नगर के सुप्रसिद्ध, धर्म प्रिमी वयोवृद्ध, सामाजिक कार्यकर्ता श्री मिथीलाल जी पाटनी के सहयोग को भुलाया नहीं जा सकता। आपने नगर के धार्मिक महोत्सव, आस पास के जैन तीर्थ, जनगणना, जातिवार सूची, आदि विवरण पर बहुत अधिक सामग्री दी और कार्य की आगे बढ़ाने में हर समय हर तरह की मदद देने में अग्रगण्य रहे हैं। मन्दिर मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज की जनगणना कार्य, मन्दिरों का विवरण आदि प्राप्त कराने में श्री मूरजराज जी घारीवाल ने उल्लेखनीय सहयोग दिया है।

डा. करनूरचन्द कासनीवाल, जयपुर जैन पुरातत्व अन्वेषक, श्री उरमानन्द शास्त्री, देहली, व प. सत्येश्वर जी सेठी, उज्जैन व श्री बाबूलाल जी जमादार मेरठ, से महत्वपूर्ण सुभाव प्राप्त हुये हैं (जिन में से कुछ को अलग परिशिष्ट में प्रकाशित करेंगे) उनके प्रति हम आभारी हैं।

इस कार्य में आर्थिक सहयोग देने हेतु हम सभी विज्ञापन दाताओं के आभारी हैं। श्री सरदार सिंह जी चौरहिया जनरल मैनेजर जे. सी. मिस्म, श्री हीरालाल जी श्रीमाल मैनेजर—ग्वालियर रेयन, इन्डो काँपीयर, इन्डौर, कोठारी मन्स के सहयोग के लिये विशेष आभारी हैं। विज्ञापन प्राप्त करने के कार्य में श्री पारसकुमार गगवाल, नरेन्द्रकुमार सोनी, श्री धर्मचन्द वाकलीवाल, श्री कौलाशचन्द गगवाल आदि ने उल्लेखनीय योग दिया है। श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, डीडवानाओली, नया मन्दिर, दानाओली, चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली, बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार, आदि मन्दिरों में आर्थिक सहयोग भी प्राप्त हुआ है।

अन्त में हम अपने उन बन्धुओं के प्रति हृदय से आभार प्रगट करते हैं जिन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप में सूक सेवा भाव से सहयोग दिया है परन्तु जिनके नाम का उल्लेख नहीं हो पाया है।

—नरेन्द्रकुलाल जैन



ग्वालियर



भारत की दृष्टि में

भारत के हृदय स्थल पर स्थित ग्वालियर नगर का इतिहास अत्यधिक प्राचीन एवं मननशील है। यहाँ के इतिहास के सबब में पर्याप्त शोध न होने के कारण अनेक ऐतिहासिक तथ्य प्रकाश में नहीं आ पाये हैं। ग्वालियर को ऐतिहासिक महत्व प्रदान करने वाला सबसे महत्वपूर्ण स्थल ग्वालियर का दुर्ग है।

“गोपाद्रि” “गोपागिरी” और “गोपाचल” शब्द यहाँ स्थित उस पहाड़ियाँ, जिस पर कि आज ग्वालियर दुर्ग स्थित है, के लिये प्रयुक्त किये गये हैं। वर्तमान नाम ग्वालियर भी इन्हीं प्राचीन नामों

गोपालगिरी-गवालहरि-ग्वालियर से उत्पन्न हुआ है। “गोपाली खेट” से इसका मराठी नाम “गवालहर” बना है।

ग्वालियर दुर्ग को भारतवर्ष के प्राचीनतम किलों में सबसे उत्तम माना जाता है। जनरल कनिंघम के अनुसार यह विश्वास किया जाता है कि इसकी स्थापना ईसा से करीब ३०० वर्ष पूर्व हुई।

बैसे इस दुर्ग के संबंध में सर्व प्रथम ऐतिहासिक प्रमाण सूर्य कुण्ड पर स्थित हूण और मिहिर कुल के एक शिलालेख द्वारा प्राप्त होता है जिसका काल लग-

भग ५१५ ई० माना जाता है। इस नगर निर्माण के काल से ही शनैः शनैः जैन धर्मावलंबी इस नगर में आकर बसने लगे थे।

इस समय खालियर पर तोरमन और उसके पुत्र मिहिर कुल का आधिपत्य था। इसका शासन काल बड़ा दुःखदायी रहा। सन् ५३३ ई० में यशोवर्मन द्वारा पराजित किये जाने पर वह काश्मीर भाग गया, पर स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। यशोवर्मन और उसके पुत्र नागवर्मन ने सन् ५५० ई० तक राज्य किया। इस प्रकार इन ८० वर्षों में राज्य की दशा बड़ी ही अस्थिर रही। इनके पश्चात् हर्ष के सम्राट होने पर उसने खालियर पर भी कब्जा कर अपने राज्य में मिला लिया। इसके राज्य में शांति रही यद्यपि वह स्वयं बौद्ध—मत्तावलम्बी था परन्तु वह धर्मान्ध नहीं था।

सन् ६४८ में हर्ष की मृत्यु के बाद कन्नोज के परिवार राजा भोजदेव ने भी कुछ समय के लिये इस दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया जिसका प्रमाण किले के बीच, सागर ताल पर स्थित सन् ८७५ तथा सन् ८७६ के चतुर्भुज मन्दिर के शिलालेखों से प्राप्त होता है। इनके शासन काल में श्री वज्रदान नामक जैन साधु द्वारा सन् ९७७ में वंशाख बन्दी पंचमी के दिन जैन मूर्ति स्थापित की गई।^१ इससे लगता है कि भोजदेव के काल में जैन धर्मावलंबियों की अच्छी दशा थी। इन्होंने १०वीं शताब्दी तक शासन किया। दसवीं शताब्दी में पुनः बरजुमन कछवाहो के नेतृत्व में राजपूतों ने इस क्षेत्र तथा दुर्ग पर अपना शासन स्थापित किया।

सास-बहू का मन्दिर:—

वर्तमान सास-बहू के मन्दिरों का भी निर्माण इसी काल में हुआ। ऐसा माना जाता है कि १०५ फुट लम्बा, ७५ फुट चौड़ा और १०० फुट ऊँचा यह मंदिर महीपाल नामक राजपूत शासक द्वारा नन्दीश्वर द्वीप अष्टानिका के जल के उपलक्ष में जिन मन्दिर के रूप

में निर्मित करवाया गया। यही कारण है कि उसमें देव देवागनाओं की नृत्य तथा अन्य मुद्राओं में मूर्तियाँ भुदी हैं। इसकी प्रतिष्ठा में पदमनाम खुल्लक आदि ने भी भाग लिया था। यह लगभग सन १०३६ में बनकर पूर्ण हुआ। इसके दरवाजों, छत और दीवारों की खुदाई दर्शनीय है। यह सास-बहू के मन्दिर के नाम से प्रसिद्ध है। वर्तमान में कुछ इतिहासकारों ने इसका प्राचीन नाम सहस्त्रबाहु का मन्दिर बताया हुये इसे विष्णु मन्दिर भी कहा है।

खालियर दुर्ग पर स्थित सास-बहू के मन्दिर के निकट अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में स्थित ३५ फुट लम्बे तथा १५ फुट चौड़े खडहर कमरे के संबंध में सन १८४४ में किये गये क्रोध कार्य के आधार पर जनरल कनिंघम ने इसे जैनियों के २३ वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मन्दिर माना है तथा इसका निर्माण कार्य ११०८ ई० के लगभग सम्पन्न होना माना है। उसके पूर्ण सर्वेक्षण, आसपास किये गये खुदाई के कार्य और स्तम्भों के आधार पर, उसका क्षेत्र पीछे ५० फुट और होना बताया है। उसके अनुसार यह मन्दिर लगभग ६६ फुट लम्बे तथा १५ फीट चौड़े क्षेत्र में फैला था। इसके निर्माण का समय सन् ११०८ इस बात की साक्षी देना है कि यह मन्दिर कछवाहो के शासन काल में ही निर्मित किया गया।

उपलब्ध ज्ञान के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जैन धर्मावलंबियों के परिवार मात्र निवास ही नहीं करते थे वरन् यहाँ जैनियों के सघ भी संचालित थे जिनमें संधाधिपति, सघपति (सिधई, सघवी) हुआ करते थे। इतना ही नहीं वे एक नियमित विद्यापीठ का भी संचालन करते थे। १५ वीं शताब्दी में बनी मूर्तियों से प्राप्त जानकारी से ये तथ्य और पुष्ट हो जाते हैं।

परिवार वंश:—

सन ११२२ ई० में परिवारों ने इस वंश के अंतिम राजा तेजकरण को निकाल दिया और स्वयं राजा बन

१. खालियर का अतीत, पृष्ठ १४।

बंटे थे। परिहार बंस के कुल ७ राजाओं ने दक्ष दुर्ग पर राज्य किया। इस बीच में एक बार सन ११६६ ई० में कुतुबुद्दीन ने खालियर पर आक्रमण कर दुर्ग पर अपना अधिकार स्थापित किया, परन्तु उसके हाथों में यह दुर्ग अधिक समय तक न रह सका और १६ वर्ष बाद सन १२१२ में परिहारों ने पुनः दुर्ग को वापिस ले लिया और सन १२३२ तक अपने अधिकार में रखा। सन १२३२ में अलतमश ने तत्कालीन परिहार सासक सारंग देव पर आक्रमण किया और ११ मास तक दुर्ग को घेरे रहा। अन्त में सारंगदेव ने स्वयं किले से निकलकर मुसलमानों से युद्ध किया। इस युद्ध में राजा सारंगदेव भी अपने पन्द्रह साथियों के साथ काम आये तब कहीं मुसलमान इस किले में कदम रख सके। इस तरह सन १३६८ तक यह दुर्ग मुसलमानों के अधिकार में रहा। उन्होंने किले को राजकीय कदवाने के रूप में प्रयोग किया। खालियर का यह क्षेत्र करीब १६६ वर्षों तक लूट लूटा और अत्याचार से आतन्त्रित रहा।

वीरमदेव बंसः—

वीरमदेव बंस के राजाओं ने कुल मिला कर १५० वर्ष खालियर दुर्ग पर अपना अधिकार रखा। इनमें वीरसिंह, उदरगणसिंह, वीरमदेव, गणपतिदेव, झगरसिंह, वीरसिंह, (किरणसिंह), कल्याणमल मानसिंह और विक्रमादित्य राजा हुए। वीरसिंह ने सन १३७५ से

सन १४०१ तक और उसके पुत्र उदरगणसिंह ने सन् १४०३ तक शासन किया। सन् १४०४ में सत्ता उदरगणसिंह के पुत्र वीरमदेव के हाथ में आई।

वीरमदेव बड़ा पराक्रमी था। इसके दरवार में कुशराज नाम का विश्वास पात्र महामन्त्री था। यह जैसवाल जैन कुल में उत्पन्न हुआ था। इसके पिता का नाम जैनपाल और माँ का नाम लोणा देवी था। यह राजनीति में बड़ा ही दक्ष और पराक्रमी था।^१ इसने भट्टारक विजय कीर्ति के उपदेश से खालियर में चन्द्र प्रभु का एक विष्णु मन्दिर बनवाया था और भारी धूमधाम से उसका प्रतिष्ठाोत्सव भमारोह आयोजित किया। महामन्त्री कुशराज ने दरवार के ही एक अन्य कायस्थ विद्वान पद्मनाभ से भट्टारक गुणकीर्ति के आदेशानुसार "यशोधर चरित्र" (दया मन्दिर विधान) नामक काव्य की रचना करवाई। इसके धारणकाल की सन १४०३, १४११, १४१२ और सन १४२२ की लिखी हुई चार ग्रन्थलिपि प्रणक्तियाँ अभी भी उपलब्ध हैं। सन १४०३ में गोपालचल में माहू वर देव के चैत्यालय में भट्टारक हेमकीर्ति के शिष्य भूमि धर्मचन्द्र ने माघ वदी दशमी के दिन "सम्यक्त्व कीमुदा" की प्रति आत्मपठनार्थ लिपिबद्ध की।^२ सन १४६८ में आपाह वदी २ शुक्रवार के दिन काष्ठा मघ, माधुरान्वय के आचार्य श्री भावमेन, महस्त्र कीर्ति और भट्टा० गुणकीर्ति की आम्नाय में साहू मरुदेव की पुत्री

१. वशोःभूजसवाले विमलगुणमूलणः साधुरत्नं, साधु श्री जैनपालो भवदुदितयाम्पन्मूनो दानशीलः । जनेन्द्रः गद्यनमु प्रभुदित हृदयः सेवकः भद्रगुणो, लोणाख्या सत्यशीला जनि विमलमतिजैनपालस्य भार्या जातः पटनन.याम्पयोः सकृत्तिलोः श्री हसराजोभवत्, नेपामाद्यतमस्तनरनदनुजः मौराजनामाऽ जनि । रंगजोभवराजकः गमजनि प्रख्यातकीर्तिमहा—माधुश्री कुशराजकस्तदनु च श्री देवराजी लघुः ॥६॥ जाताः श्री कुशराज एष सकलक्षमापाल भूडामणः, श्रीमन्नीमर-वीरमस्य विदिनी विश्वासपात्र महान् । मन्त्री मन्त्रिचक्षणः क्षणमयः क्षीणार्यपक्ष. क्षणानु । देवीमीक्षणरक्षणमति जनेन्द्र पूनारतः ॥७॥

—यशोधर चरित्र प्रशस्ति

२. सवत् १४६० शाके १३२५ पष्ठाब्दयोर्मध्ये विरोधी नाम मवत्सरे प्रवर्षन गापालन दुर्गस्थाने राजा वीरमदेव राज्य प्रवर्तमाने साहू वरदेश चैत्यालये भट्टा० श्री हेमकीर्तिदेव तत्क्षिष्य मुनि धर्मचन्द्रेण आत्मपठनार्थ पुस्तक लिखित माघ वदि १० भौमदिने ।—तेरापयी मन्दिर जयपुर, शास्त्र भण्डार

खालियर—अतीत की दृष्टि में

वेवसिरि ने "पंचास्तिकाय" टीका प्रतिलिपि लिपिबद्ध कराई। जो इस समय कारंजा के शास्त्र भण्डार में उपलब्ध है।¹

सन् १४१२ में आचार्य अमृतचन्द कृत प्रबन्धन सार्थी की तत्वदीपिका 'टीका लिखी गई। सन् १४२२ में आषाढ़ सुदी ५ बुधवार के दिन मड़ोत्पुर के तैमिनाथ वेद्यालय में जीतुका स्त्री सरो ने अपने ज्ञानवर्णी कर्णों के क्षयार्थ "वट्कर्मोपदेश" की एक प्रति लिखकर जैत श्री की शिष्या विमलमति को पूजा विधान महोत्सव के साथ समर्पित की थी जिसे पठित रामचन्द्र ने लिखा था। यह प्रति आमेर के भण्डार में सुरक्षित है।

वीरमदेव के पश्चात् उसका पुत्र गणपति देव मट्टी पर बैठा। उसका राज्य काल अल्प रहा।

डूंगरसिंह:—सन् १४२४ में गणपतिदेव के पुत्र डूंगरसिंह तवर गद्दी पर आसीन हुए। यह डोमर वंश का सब से प्रतापी राजा था। इसके काल में राज्य में सभी प्रकार की सुख शांति थी। इससे निकटवर्ती राज्यों के शासकों की ललचाई दृष्टि सर्वेव इसके राज्य पर लगी रहती थी और यदा कदा ग्वालियर पर आक्रमण होते रहते थे। राजा डूंगरसिंह ने सभी का डटकर मुकाबला किया और सभी में विजयी रहे। नरवरगढ़ में स्थित विजय स्तम्भ (जैत स्तम्भ) अभी भी इसकी साक्षी दे रहा है।

परन्तु इन सब विजय—अभियानों में व्यस्त रहते हुए श्री डूंगरसिंह का ध्यान विद्वानों, धार्मिक समारोहों

और निर्माणों की ओर भी गया। इन्होंने जैन धर्म के सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाया। जैन धर्म पर उनका मात्र अनुराग ही नहीं था किन्तु उस पर उनकी परम आस्था भी थी। वे जैन धर्म के प्रबल पोषक थे। जैन विद्वानों एवं सन्तों को बड़े ही आदर की दृष्टि से देखते थे। डूंगरसिंह के राज्य काल में ही ग्वालियर गढ़ की चट्टानों में जैन प्रतिमाओं के उत्खनन के कार्य का प्रारम्भ हुआ। सन् १४४० ई० के तीन गिनालेख इस बात के सूचक हैं कि इनके आश्रय में अनेक जैन धर्मावलंबियों ने दुर्ग के चारों ओर जैन प्रतिमाओं के खुदवाने का कार्य प्रारम्भ कर दिया। इन अभिलेखों में जैनाचार्य, देवसेन, यशकीर्ति, जय कीर्ति, आदि भट्टारकों का भी उल्लेख मिलता है। इस कार्य पर करोड़ों रुपये व्यय हुए तथा ३३ वर्ष का समय लगा। डूंगरसिंह अपने जीवन काल में इसे पूरा नहीं करा सके। तब उसके प्रिय पुत्र कीर्तिसिंह ने उसे पूरा कराया।

डूंगरसिंह के राज्य में ग्रंथ निर्माण और मूर्ति प्रतिष्ठा.—

मूर्ति निर्माण के अतिरिक्त राजा डूंगरसिंह के समय में ग्वालियर के जैन धर्मानुयायी श्रावकों ने ग्रंथ लेखन, मूर्ति निर्माण और प्रतिष्ठा का भी कार्य सम्पन्न कराया। सन् १४२९ में भट्टारक गुणकीर्ति के शिष्य भट्टा० यशकीर्ति ने आत्म पठनार्थ, "सुकुमाल चरित" और कवि श्रीधर की संस्कृत, "भविष्य दत्त

१. सवत्सरेस्मिन् विक्रमादित्य गताब्द १४६८ वर्ष आषाढ़ वदि २ शुक्र दिने श्री गोपाचले राजा वीरमेदेव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्धये पुष्कर गणे आचार्य श्री भावसेनदेवाः तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवाः तत्पट्टे भट्टारक श्री गुणकीर्तिदेवास्तेषां भ्राम्नाये संघई महाराजवधु साधु भरदेव पुत्री वेवसिरि तथा इदं पंचास्तिकायसार ग्रंथ लिखापिपम्।—कारंजा भण्डार जयपुर

२. संवत् १४८६ वर्ष अश्वणि वदि १३ सोमदिने गोपाचल दुर्ग राजा डूंगरसिंह देव विजय राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंघे माथुरान्धये आचार्य श्री भावसेन देवास्तत्पट्टे श्री सहस्त्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे श्री गुणकीर्ति देवास्तत्पट्टे श्री यशः कीर्तिदेवेन श्री निष्कानावरणी कर्म क्षयार्थ इदं सुकुमाल चरितं लिखापितं। कीयस्थ याजना पुत्र धनु लेखनीयं।—जयपुर भण्डार

पंचमी" कथा की प्रतियाँ लिखवाई थीं। इसके अतिरिक्त उन्होंने हरिवंश पुराण, रात्रि भोजन कथा, रविवार व्रत कथा, चन्द्रनाथ चरित्र आदि २३ ग्रंथ भी लिखे थे।

सन १४३५ से पूर्व अग्रवाल बंशज साहू खेमसिंह के पुत्र साहू कमलसिंह ने ११ हाथ ऊँची आदिनाथ की एक विशाल मूर्ति का निर्माण कराया। इसके प्रतिष्ठोत्सव में राजा हूंगरसिंहजी ने शासन से पूरा सहयोग प्रदान किया।^२ संघवी कमलसिंह सन् १४२४ से सन् १४५३ ई० तक हूंगरसिंह के राज्य में वित्त एवम् गृह मन्त्री थे।

सन १४३५ में साहू कमलसिंह ने महा कवि रईछू जो पद्मावती पुरवाल हरीसिंह सिन्धी के पुत्र थे से "सम्मत गुण निधान" नामक ग्रंथ की रचना करवाई जो भाद्रपद मास के पूर्णिमा के दिन समाप्त हुई। इसके बाद कवि रईछू ने "नेमिनाथ" चरित्र", "पार्श्वनाथ चरित्र" तथा "बलभद्र चरित्र" "राम चरित" नामक ग्रंथों की रचना की। सन १४३६ में रचे गये "सुकौमल चरित्र" नामक ग्रंथों में इन ग्रंथों की रचना का उल्लेख किया गया है।

बलभद्र चरित्र में केवल हरिवंश पुराण (नेमिजन चरित्र) के रचे जाने का भी उल्लेख मिलता है। हरिवंश पुराण में त्रिषण्डशलाका चरित महापुराण,

मेघेश्वर चरित्र, यमौघर चरित्र, वृत्तसार और जीबंघर नामक ६ अन्य ग्रंथों का भी उल्लेख किया गया है। ये सभी सन १४३६ पूर्व के रचे गये हैं। सम्पदजिन चरित्र प्रशस्ति में मेघेश्वर चरित, त्रिषण्ड महापुराण, सिद्धचक्रविधि, बलहृद् चरित्र, सुदर्शन चरित और बन्धुमार चरित नामक ग्रंथों का भी उल्लेख है। संभवतः ये सभी ग्रंथ कवि रईछू ने सन १४३५ और सन १४३६ के काल में लिखे हैं। इनमें एक और ग्रंथ "आत्म संबोध काव्य" की २६ पत्रात्मक जीर्ण प्रति भी उपलब्ध हुई है।^३ जो सन १३६१ की लिखी हुई है। इससे प्रतीत होता है कि कविवर रईछू दीर्घ जीवी रहे होंगे। उपलब्ध ग्रंथों से उनका रचनाकाल सन १३६१ से सन १४६० तक का उपलब्ध होता है।

सन १४४० (सं० १४६७) में "परमार्थ प्रकाश" ग्रंथ की सटीक प्रति की रचना की गई।^४ इसी वर्ष पांडु पुराण भी अपभ्रंश भाषा में लिखा गया। सन १४४६ में घनशाल की "भविष्यदरा पंचमी कथा" तथा सन १४५३ में "समय सार" नामक ग्रंथों की प्रतिलिपि की गई।^५ उनके अतिरिक्त ज्ञानार्णय, चन्द्र प्रभु चरित्र, परिवाल कवि, आगरा में श्रीपाल चरित्र आदि लिखे। सन १४४० और सन १४५३ (सं० १४६७ और सं० १५१०) में प्रतिष्ठापित मूर्तियों के लेख उपलब्ध हैं।^६

१. सम्बत् १४८६ वर्ष आषाढ़ वदि ६ गुरुदिने गोपाचल दुर्गे राजा हूंगरसिंह राज्य प्रवर्तमाने श्री काष्ठासंधे माधुरान्ये पुष्करगणे आचार्य श्री सहस्रकीर्ति देवास्तत्पट्टे आचार्य गुणकीर्ति देवास्ताच्छिष्य यशः कीर्ति देवास्तेन नियज्ञानावरणी कर्म क्षयार्थं इदं भविष्यदरा पंचमी कथा लिखापितं।

—नया मन्दिर वर्षपुरा दिस्वी

२. जो देवाहिदेव तित्यंकर, आइणाहू तित्थीय सुहकर। तहू पडिमा दुग्गइ-णिण्णासणि, जामिचछत-गिरिद-सारासणि, ज पुगु सव्वह सुहगइ-सासणि, जामहिरो-सोय-सुहणासणि।

३. सम्बत् १४४८ वर्ष फासुण वदि १ गुरो दिने स्त्रावण लव्णण कम्पजय विनासार्थं लिखितं। आमेर मंडार जयपुर में अभी भी सुरक्षित है।

४. यह अभी भी मयपुर के ठोलियों के मन्दिर के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

५. यह अभी भी कारजा के शास्त्र भण्डार में सुरक्षित है।

६. देखो जनरल एशियाटिक सोसाइटी, भाग ३१, पृ० ४२३ गोपाचल दुर्गे तीमरबखे राजा श्री गणपति देवास्त पुत्रों महाराजाधिराज श्री हूंगरसिंह राज्ये (प्रतिष्ठित) चौरासी मयुरा की भूलनायक मूर्ति का लेख।

टोहरमल जी, दीलजी काशलीवाल भी उनके काल में ही मारवाड़ से खालियर आये थे। उस समय तोमर व कछवाय जैन मत पालते थे। उन्होंने पहाड़ी पर गुफा व जैन मन्दिरों के निर्माण भी कराया।

तोमर बंशी राजा जूगरसिंहः—

यह जैन धर्म से बड़ा प्रभावित था। तत्कालीन मट्टा० गुणकीर्ति के प्रति इनके हृदय में अमीम श्रद्धा थी। उनके उपदेशामृत से इसने जैन धर्म स्वीकार किया। इस काल में गुणकीर्ति उनके शिष्यो तथा प्रशिक्ष्यों का भी जैन धर्म एवं जैन संस्कृति के प्रचार एवं प्रसार में सर्वाधिक योगदान रहा। इसके काल में अनेकों मन्दिरों व मूर्तियों का निर्माण हुआ तथा प्रतिष्ठाप्य करवाई गई। इसके काल में प्रजा सुखी तथा समृद्धि थी। जूगरसिंह ने कुल ३० वर्ष तक खालियर पर शासन किया।

कीर्तिसिंहः—

जूगरसिंह की मृत्यु के पश्चात् उनका पुत्र कीर्तिसिंह सन १४२४ में गद्दी पर बैठे। यह अपने पिता के समान ही गुणज्ञ, बलवान और राजनीति में चतुर था।^१

यह जैन धर्म में अत्यधिक आस्था रखने के कारण, अपने पिता द्वारा अचूरे छोड़े गये मूर्तियों के उत्खनन के कार्य को पूरा कराया। इसके काल में अनेकों नई मूर्तियां प्रच्छिन हुईं। जिनमें अस्ति लेखों में कीर्तिसिंह का उल्लेख मिलता है। उदाहरणार्थ— बाबा (एक पत्थर) की बाबड़ी के दहिनी ओर बनी पार्श्वनाथ की मूर्ति पर लिखे अभिलेख में महाराजा कीर्तिसिंह का विवरण दिया है। इस श्रद्धासन मूर्ति के निकट ही नौ अन्य मूर्तिया भी खुदी हैं जिनमें कुछ पदमासन भी हैं। इनके मुख मुसलमानों के शासन काल में खण्डित कर दिये गये हैं।

इन मूर्तियों का निर्माण मूर्ति कला के क्षेत्र में इस प्रदेश के कारीगरों का अभिनव प्रयास था जिसके

अन्तर्गत ३३ वर्ष के थोड़े समय में ही दुर्ग की ये वेडोल और मूक चट्टाने विशालता, वीतरागिता, शान्ति, एव तपस्या की भाव व्यञ्जना से सुलभित हो उठी। गढ़ के चारों ओर खुदी हुई इन सैकड़ों विशाल मूर्तियों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि इन मूर्तियों के निर्माणकर्ता अपनी श्रद्धा और भक्ति के अनुकूल विशाल प्रतिमाओं का निर्माण करना अथवा कराना चाहते होंगे। अतः इससे प्रेरित होकर उत्कीर्णको ने निर्माणक की निर्मल भावनाओं को साकार रूप प्रदान करने के उद्देश्य से उस विशालता में सौन्दर्य का और समावेश कर, कला की अपूर्व कृतियों का निर्माण किया। इन मारी प्रतिमाओं को ५ समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

(१) उरवाई समूह.— उरवाई द्वार पर कुल २२ जैन मूर्तिया हैं। इनमें से ६ मूर्तियों पर सम्बत १४६७ (सन १४४० ई०) से स० १५१० (सन १४५३ ई०) के अभिलेख खुदे हैं। इनमें २० नम्बर की आदिनाथ की मूर्ति स० में विशाल है। बाबर ने अपने 'बाबरनामा' में इसकी ऊँचाई २० गज अनुमान वा थी। परन्तु वास्तव में यह ५७ फुट ऊँचा है। इसकी चरण चौकी पर सम्बन् १४६७ लिखा है। वर्तमान में इसके नीचे का कुछ भाग मिट्टी में दब गया है। यह चरणों के पास ६ फुट चौड़ी है। यहाँ २२ नम्बर की नेमिनाथ की पदमासन मूर्ति है। जो ३० फुट ऊँची है। इतनी विशाल मूर्ति सायद ही भारत में अन्यत्र कही हो।

(२) दक्षिण पश्चिम समूह.— यह संबा ताल के नीचे उरवाई द्वार की बाहर की गिला पर है। इसमें ५ मूर्तिया हैं। १ नम्बर के प्रतिमा समूह में एकस्त्री, पुरुष तथा बालक की मूर्तिया हैं। २ नम्बर में एक ८ फुट लम्बी लैटी हुई स्त्री की प्रतिमा है। प्रारम्भ में लोग इसे बुद्ध की मूर्तिया समझते रहे, परन्तु विद्वेष शोध करने के पश्चात् इतिहासकार इसी निष्कर्ष पर पहुँचे कि ये मूर्तिया विशाला माता तथा महावीर की मूर्ति हैं।

१. समय सार लिपि प्र० सेनवण भंडार, कारजा।

(३) उत्तर पश्चिम समूह:—इसमें अविनाथ की एक महत्वपूर्ण मूर्ति बनी है जिस पर स० १५२७ का अभिलेख अंकित है।

(४) उत्तर पूर्व समूह:—इसमें भी छोटी-छोटी मूर्तियां हैं। उन पर भी कोई लेख न होने से ऐतिहासिक दृष्टि में अधिक महत्व नहीं रखती हैं।

(५) दक्षिण पूर्व समूह:—इस समूह की मूर्तियां कला की दृष्टि में अत्याधिक महत्वपूर्ण हैं। ये मूर्तियां फूलबाग के दरवाजे से निकलते ही लगभग आधे मील के क्षेत्र में खुदी हुई दिखाई देती हैं। अन्य मूर्तियों की अपेक्षा कुछ बाद में बनने के कारण ये अभ्यस्त हाथों द्वारा निर्मित हुई हैं। अतः इनमें कला का रूप निखर उठा है।

इस समूह में लगभग २० प्रतिमाये २० से ३० फुट तक की ऊंचाई की और लगभग इतनी ही चौड़ाई से १५ फुट की ऊंचाई लिये हुए हैं। इनमें अविनाथ, नेमिनाथ, पद्मप्रभु, चन्द्रप्रभु, सभवनाथ, कुन्दनाथ, और मङ्गलरी भगवान की मूर्तियां हैं। इनमें कुछ मूर्तियों पर सम्बत १५२५ से १५३० तक के अभिलेख लुप्त हुए हैं।

इनके अतिरिक्त तेली की लाट के पास तथा गुजरी मठल मण्डानय में रखी प्रतिमाये भी इनकी समकालीन प्रतीत होती हैं। इससे प्रतीत होता है कि उपरोक्त समूहों के अतिरिक्त अन्य प्रतिमाओं का भी निर्माण हुआ था।

ग्रन्थ निर्माण व मूर्ति प्रतिष्ठायें :—

कीर्तिसिंह के शासन काल में ही कुशा साह जी जैसवाल वंशज ने गोपाचल पहाड़ी के बाहरी तरफ कुछ गुफाओं में मूर्तियां खुदवाईं, तथा मन्दिर बनवाकर प्रतिष्ठायें करवाईं जिसमें लाखों रुपये व्यय हुये।

अधकाल वंशज गोपल गोत्री खल्हा नामक धर्म प्रेमी एतम आगम समझ सज्जन ने भी गोपाचल के बाहरी ओर गुफा-मन्दिर बनवाकर आचार्य महीचन्द जी महाराज द्वारा प्रतिष्ठा करवाई। सन १४५८ में बावडी की ओर गोपालारे वंशज कुमुदचन्द ने पाश्चिमाथ की मूर्ति की प्रतिष्ठा भट्टारक सिंहकीर्ति के सहयोग में करवाई।

सन १४६८ में खालियर के जैसवाल कुल भूषण उल्हा साह के जेष्ठ पुत्र साहू पदमसिंह ने अपने चबल लक्ष्मी का उपयोग करने के लिये २४ जिनालयों को निर्माण करवाया तथा १ लाख ग्रन्थ लिखवाकर भेंट किये।^१ इनके राज्य काल में जैन साहित्य रचना का भी कार्य हुआ। कविवर रईधू ने इनके राज्य काल में 'मन्मथ-कौमुदी' तथा 'श्रावकाचार' की रचना की।

उपरोक्त मन्दिरों में से कुछेक समाप्त हो गये हैं और कुछ का जीर्णोद्धार होकर नये मन्दिर बन गये हैं जो अभी भी खालियर में अपने परिवर्तित रूप में स्थित हैं। साहित्य में अधिकतर भाग नष्ट हो गया है बहुत कम ही शेष है।

सन १४६४ में 'जानपर्व' नामक ग्रन्थ की एक प्रतिलिपि, निपिबद्ध की गई।^२ भट्टारक गुणभद्र ने भी खालियर निवासी जैन श्रवकों की प्रेरणा से अनेकों कथाओं की रचना की।

कल्याणमल :—

कीर्तिसिंह की मृत्यु के पश्चात् उनके पुत्र कल्याणमल (मल्लसिंह) ने शासन की बागडोर सभाली इन्होंने सन् १४२४ से सन् १४२९ तक ही शासन किया। संभवतः अपने शासन काल के ७ वर्षों में इन्होंने कीर्तिसिंह के कार्यों को 'जो अचूरे थे' पूर्ण किया है।

१. विज्जुल चंचलु लच्छीसहाउ, भालोइविहुउ जिणधम्ममाउ। जिणधु निहावउ लक्खु एकु, सावय लक्खा हारीति रिक्खु। मुणि भोजन भुंजाविय सहासु, चउवीस जिणालउ किउ सुभासु—

—जैन ग्रन्थ प्रणस्ति सं० पृ. १४४ बाराबकी शासन मण्डार।

२. यह ग्रन्थ जैन सिद्धान्त भवन आरा में उपलब्ध है।

खालियर—प्रतीत की दृष्टि में

इनका काल बहुत शान्ति पूर्वक बीता। इनके काल का सं० १५५२ का केवल एक ही मसिलेख उपलब्ध है।^१ मानसिंह :—

सन १५८६ ई० में कल्याणमल की मृत्यु के पश्चात् उनका पुत्र मानसिंह गद्दी पर बैठा। यह राजा बड़ा प्रतापी, संगीत प्रिय और कला प्रिय था। और अपने पूर्वजों द्वारा संरक्षित एवं सम्बन्धित राज्य को स्वतन्त्र रखने में समर्थ रहा।^२

इसके काल में वहाँ एक संगीत विद्यालय भी था। सुप्रसिद्ध गायक तानसेन ने इसी विद्यालय में संगीत शिक्षा ली थी। इसके द्वारा बनवाया गया महल मान मन्दिर (चित्र महल) भारतीय स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना है। इसके अतिरिक्त इसने मृग मैत्री गूजरी के लिये गूजरी महल बनवाया। ध्रुपद गीतों का आविष्कार भी सर्व प्रथम महाराजा मानसिंह द्वारा ही हुआ। इन्होंने "मान कुतुहल" के नाम से एक संगीत ग्रन्थ की रचना की।

महाराजा जूगरसिंह एवं कीर्तिसिंह का राज्य काल:—

सन १५०१ में चैत्र सुदी १० सोमवार के दिन काष्ठासंघ नन्दिगच्छ विभागण के भट्टारक सोमकीर्ति और भट्टा० विजयकीर्ति के शिष्य ब्रह्मकाला द्वारा गोपाचल दुर्ग में आत्म पठनार्थ अमर कीर्ति के "षट्कर्मोपदेश" की प्रति लिखवाए जाने का उल्लेख मिलता है।^३ इसके अतिरिक्त सन १५१२ में गोपाचल में श्रावक श्रीमल के पुत्र जतरू ने ४४ पद्यों के

३. जैन लेख समग्र पूर्णचन्द्र नाहर भाग २।

४. एक सोबनकी लका निसि, तो वरू राउ सबल वरधोर। भुयबल आयु जु साहस धीर, मानसिंह जग जानिये। ताके राज सुश्री सब लोग, राज समान करहि दिनभोग। जैन धर्म बहुनिधि कलें, श्रावगदिन जु करेपट कर्म।—नेमीश्वर गीत

१. अर्थ नृपति विक्रमादित्य सम्बत १५५८ वर्ष चैत्र सुदी १० सोमवासरे अश्लेषा नक्षत्रे गोपाचल गढ़ दुर्ग महाराजाधिराज श्री मानसिंह राज्ये प्रवर्त्तमाने श्री काष्ठासंघे मदिगच्छे विभागणे भट्टा० श्री सोमकीर्ति देवभारतपट्टे भट्टा० श्री विजय सेन देवास्तत शिष्य ब्रह्मकाला ६ षट्कर्मोपदेशशास्त्र लिखाप्ये आत्म पठनार्थ।—प्रकाशित सं० आमेर पृ० १७३

२. यह ग्रन्थ अभी भी आमेर भंडार में सुरक्षित है।

"सवत पद्मह से दो गनें, गुनहकारि ताउपर भने। भादों बदि पंचमीवार, स्पेम नबिनु रेवती सार।।"

"नेमीश्वर गीत" की रचना की। इसमें जैनियों के २३ वें तीर्थंकर नेमिनाथ का जीवन परिचय अंकित है।^४

विक्रमादित्य :—

उधर सिकंदर लोदी की मृत्यु के पश्चात् इब्राहीम लोदी ने शासन संभालते ही अपने पूर्वजों की महत्वांकाक्षा को साकार करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग पर पुनः आक्रमण कर दिया। इसी बीच सन १५१९ ई० में महाराणा मानसिंह की मृत्यु हो गई और तलवारों की छाया में उनके पुत्र विक्रमादित्य गद्दी पर बैठे। उनके नेतृत्व में राजपूत जी तोड़कर लड़े पर अपने से अनुपात में कई गुनी अधिक लोदियों की सेना पर विजय न पा सके और लोदियों के सेनापति हुमायूँ से संधि करना पड़ी। वे अब शमशाबाद के एक जागीदार मात्र रह गये और उन्हें लोदियों की ओर में पानीपत में बाबर के विरुद्ध युद्ध करने भेजा गया। इस बीच तवर वग के एक दूसरे नेजस्वी राजकुमार रामसिंह तोमर ने ग्वालियर दुर्ग पर आक्रमण कर किले के अफगान अधिकारी तातार खा को परास्त कर दुर्ग पर अपने ऋधे गाड़ दिये, परन्तु तातार खां दुर्ग में ही छिपा रहा और जैसे ही बाबर दिल्ली का सम्राट बना तातार खा ने उसे गुप्त संदेश भेजकर उससे सहायता प्राप्त की और मोहम्मद गौस साहब की कृपा से स्वामी रहोम और शेन गोरन के नेतृत्व में विशाल सेना ने दुर्ग पर आक्रमण कर उसे अपने आधिपत्य में

ले लिया और राजा रामसिंह तोमर सेबाड़ की ओर भाग गये। इस प्रकार सन १५५६ में दुर्ग पुनः मुगलों के हाथ में चला गया। उधर विक्रमादित्य पानीपत युद्ध में वीरगति पा गये और इसके साथ ही तोमर बंस का सूर्य भी सदा के लिये अस्त हो गया। इसके साथ-साथ ही धार्मिक, साहित्यिक एवं कलात्मक गतिविधियां समाप्त हो गईं। विक्रमादित्य का परिवार अब हुमायूँ के आधीन हो गया। उसकी सद्भावना पाने के उद्देश्य से उन्होंने तंबरोँ द्वारा माझू के सुल्तानों पर प्राप्त विजय की निशानी रत्नों का मरताज (कोहिनूर) नामक विश्व प्रसिद्ध हीरा, हुमायूँ को भेंट कर दिया।

मुगलों के काल में ग्वालियर दुर्ग-बनाम बन्दोगृहः—

मुगलों का पूर्ण अधिकार हो जाने के बाद जब बादशाह बाबर स्वयं ग्वालियर आया तब इस दुर्ग का अवलोकन करते समय सन १५२७ में उसकी कुदृष्टि दुर्ग पर स्थित जैन मूर्तियों पर भी पड़ी। कहा जाता है कि एक रात्रि को वह और उसके सैनिक इतने दिग्भ्रान्त आकार की दिग्म्बर मूर्तियों को देखकर चकित एवं भयभीत हो गये। उसके क्रोध की सीमा न रही, वह जैन धर्म से इनना क्रुद्ध हुआ कि अगले दिन ही उमन अपनी सेना को दुर्ग पर स्थित सभी मूर्तियों को समूल रूप से नष्ट कर देने का आदेश दे दिया परन्तु यह कोई आसान कार्य नहीं था अतः मुगल सैनिक प्रतिमाओं को समूल रूप से तो नष्ट न कर सकें उन्हें खण्डित कर गये। इस प्रकार कुशल कारीपरो की ३३ वर्षों के कठिन परिश्रम से बनी मूर्तियों के सौन्दर्य को कुछ ही दिवसों में नष्ट कर दिया गया। क्रूर बाबर ने इस क्रत्य को अपनी आत्म कथा (बाबरनामा) में बड़े गौरव के साथ उल्लेख किया है। इस प्रकार यदि सब पूछा जाये तो इस सारी घटना में जैन ही उसके सर्वाधिक कोप भाजन रहे। इस थोड़े काल में, उसने दुर्ग पर स्थित इन मूर्तियों को ध्वस्त करने के अतिरिक्त नगरों में स्थित मन्दिरों को भी ध्वंस किया जहाँ उनको यह संभव न दिखा बहूँ

मूर्तियों और वेदियों को ही गष्ट कर अपनी सन्तुष्टि कर ली।

शेरशाह सूरीः—

परन्तु बाबर भी अधिक काल तक इस दुर्ग का उपयोग न कर सका और सन १५५० में यह दुर्ग मुगलों के हाथ से निकलकर शेरशाह सूरी के हाथों में आ गया। उसने इसे राजधानी के रूप में प्रयोज्य किया और यहाँ से बहु शेष राज्य पर शासन करता रहा। सन १५५६ ई० में अकबर ने सूरी बग को हरा कर ग्वालियर को अपने अधिकार में ले लिया।

उसके बाद लगभग २०० वर्षों तक ग्वालियर पर मुगलों का ही अधिकार रहा। इस कार्यकाल में दुर्ग का प्रयोग केवल बंदी गृह के रूप में ही किया गया। मुगल शासकों द्वारा अनेकों ऐसे गृहजादे, जागीरदार, बड़े सरदार तथा अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति जिन्हें जनता के समक्ष मृत्यु दण्ड देना अहितकर प्रतीत होता था, इस दुर्ग में लाये जाते थे तथा उन्हें यहाँ याताी मन्द जहर दे दिया जाता था या ऐसी यातनायें दी जाती थी जिनसे पीड़ित होकर स्वयं प्राणान्त कर लेते थे।

मोहम्मद गोस का मकबराः—

लगभग इसी काल के बारे में प्रचलित किंवदन्ती के अनुसार यह कहा जाता है कि मोहम्मद गोस साहब नामक फकीर की मृत्यु के बाद अकबर ने ग्वालियर दुर्ग में उनकी सहायता का उपकार चुकाने हेतु उनकी स्मृति को विरम्याई बनाने के उद्देश्य से उनका भव्य स्मारक बनवाने की इच्छा प्रकट की। चूंकि यह अल्पकाल में संभव नहीं था अतः उनके शव को वर्तमान ग्वालियर नगर में स्थित पूर्व निर्मित एक कलात्मक भग्ग भवन में ही दफना दिया गया। कहा जाता है कि इससे पूर्व इसमें भी एक जैन मन्दिर स्थित था जिसकी वेदी और मूर्तिया बाबर के सैनिकों द्वारा नष्ट कर दी गई थी। इसकी बनावट से भी ऐसा प्रतीत होता है कि यह प्रारम्भ में जैन मन्दिर ही रहा होगा।

जहांगीर:—

अकबर की मृत्यु के बाद जब जहांगीर दिल्ली के तख्त पर बैठा तब यह दुर्ग उसके अधिकार में आ गया। उसने लिखा है कि तख्त पर बैठने के अदसर पर उसने मुगल साम्राज्य के समस्त कंदियों की बन्दी गृह से मुक्त करने की आज्ञा दी। उस समय ग्वालियर दुर्ग से ७ हजार कंधी छोड़े गये।

परन्तु बाघ में बादशाह जहांगीर ने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में ही प्रयोग किया। इसके अतिरिक्त जहांगीर ने अन्य सरदारों को भी यहाँ बन्दी बनाकर रखा था। सिक्खों के छठवें गुरु श्री हरगोविन्द सिंह जी भी इसी दुर्ग में बन्दी बनाकर रखे गये थे। इसके बाद बादशाह बीमार पड़ा तो कुछ लोगो ने यह सलाह दी कि गुरु हरगोविन्द सिंह को छोड़ दी परन्तु गुरु जी ने कहा कि पहिले मेरे माथियों को रिहा किया जावे। जहांगीर की बीमारी बढ़ती ही गई। अंत में विषण होकर उसने गुरुजी की बात मान ली। इस दौरान जो भी सिक्ख लोग गुरुजी के दर्शन करने को यहाँ आते थे वे दरवाजे पर ही साये को टेक कर चले जाते थे। गुरु जी की मुक्ति पर जिन लोगों ने भी गुरु का दामन पकड़ा वे सब रिहा कर दिये गये। इस कारण ग्वालियर किला सिक्खों का भी तीर्थ स्थल बन गया।

जहांगीर के शासन काल में एक बार अट्टारक ब्रज भूषण के शिष्य पदमावती पुरवाल वशीय, टाणू निवासी श्री दह्लुगुलाल जी मुनि होने के बाद भ्रमण करते हुये ग्वालियर भी पधारे। मुनि के साथ-साथ वे उरुच कोटि के कवि भी थे। सन १६१८ ई० में उन्होंने यहाँ पर "त्रेपन क्रिया" नामक ग्रन्थ की रचना की। इसमें भावकों की त्रेपन क्रियाओं का सरल व सुन्दर भाषा में वर्णन किया गया है।

जहांगीर के बाद औरंगजेब उसका उत्तराधिकारी बना। उसने भी इस दुर्ग को बन्दीगृह के रूप में प्रयोग किया। अपने भाई, पुत्र और नातियों को इसी दुर्ग में कैद रखा। इस प्रकार दो शताब्दियों के इस काल में

ग्वालियर दुर्ग बन्दी घर के रूप में ही प्रयुक्त होता रहा। नगर, क्षेत्र तथा उसके विकास के ऊपर कोई ध्यान नहीं दिया गया और बादशाह के द्वारा नियुक्त नुमायन्दे ही राज्य की देखभाल करते रहें। इस काल में शासकों द्वारा धार्मिक स्वतन्त्रता का खुल कर हनन किया गया।

फिर भी जैन धर्मावलम्बियों की गतिविधियां पूर्णतः समाप्त न की जा सकी। यदा कदा अबसर प्राप्त होने पर जैन धर्मावलम्बी अपनी धार्मिक गतिविधियों को संचालित करते रहे। मंदिर निर्माण, मूर्ति उत्खनन, प्रतिष्ठा-महोत्सव आदि कार्य यथा-विधि चालू रहे।

मराठों का उत्कर्ष—महादजी सिन्धिया:—

१८ वीं शताब्दि के उत्तरार्द्ध के प्रारम्भ से ही मराठे लोग अत्याधिक शक्तिशाली हो उठे और दिल्ली तक हमले करने लगे। बाजीराव पेशवा ने राणोजी सिन्धिया का, मालवा राज्य को कमान सौंप दी। उन्होंने उत्तर भारत में राज्य विस्तार करने का अभियान प्रारम्भ कर दिया और ग्वालियर को इसका केन्द्र बनाया। राणोजी की मृत्यु के पश्चात् उनसे पुत्र जयप्पा और माधोजी ने उनका कार्यभार सम्भाला। इसी बीच सन १७६१ में पानीपत में युद्ध विभीषिका प्रज्वलित हो उठी और भारत भर में विभिन्न पक्षों के वीरों की तलवारें खिंच गई। माधव जी इसमें घायल हो गये। इस बीच भरतपुर के जाटों ने लोकेन्द्रसिंह के चाचा के नेतृत्व में दुर्ग पर अधिकार कर लिया। तब उत्तर भारत का और भी तमाम भाग मराठों के हाथ से निकल चुका था। पर शीघ्र ही पानीपत से लौटकर मराठा वीरों ने महादजी के नेतृत्व में पुनः उत्तर भारत में विजय अभियान प्रारंभ कर दिया और ग्वालियर दुर्ग को अपने अधिकार में ले लिया। इन्होंने इसे फौजी केन्द्र के रूप में प्रयोग करने के उद्देश्य से ग्वालियर दुर्ग के दक्षिण में १ लाख सैनिकों को बड़ी फौजी छावनी का कैंप लगाया और इसे लखर नाम दिया।

युद्ध के इस वातावरण के मध्य भी धार्मिक गति-विधियाँ यथाकदा संचालित होती रहीं। सन १७६८ के लगभग लखर क्षेत्र में श्री दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर, पुरानी सहेली और श्री दिगम्बर जैन २० पंथी मन्दिर चम्पाबाग का निर्माण कार्य संपन्न हुआ। इन दिनों ग्वालियर में महादजी का ही अधिकार था। उन्होंने उज्जैन को अपनी राजधानी के रूप में प्रयोग किया। यह बड़े प्रतापी शासक थे इनका सारा जीवन युद्धों में बीता।

अंग्रेजों का आक्रमण:—

बारेन हैस्टिंज ने ३ अगस्त सन १७६० को आधी रात के समय किले की पश्चिमी दीवार से चढ़कर उमने अपनी फौजी को दुर्ग में प्रविष्ट करा दिया। दुर्ग का यह भाग अभी भी 'फिरगी-पहाड़ी' के नाम से प्रसिद्ध है। इस प्रकार दुर्ग अंग्रेजों के हाथ में चला गया। १३ अक्टूबर सन १७८१ को पुन एक संधि में यह दुर्ग राणा लोकेन्द्रसिंह को मिला।

लगभग इसी काल में ग्वालियर नगर में "जनी जो के मन्दिर" के नाम से कह जाने वाले जैन मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ।

सन १७८३ में सिन्धिया शासकों ने अंग्रेजों की मदद प्राप्त कर एक पहरेदार की सहायता से इस दुर्ग में पुनः प्रवेश किया। राणा को मालूम पड़ने ही उसने गुलामी से बचने के लिये आत्म-हत्या कर ली। इस बीच महादजी ने लखर नामक फौजी छावनी के पास मोरली पर कचहरी स्थापित की। वे दक्षिण के राज्य को भी इसी राज्य में मिलाकर एक बड़ा हिन्दू राज्य स्थापित करना चाहते थे। इसी बीच १२ फरवरी सन १७९४ ई० को पूना से २ कोस दूर स्थित बानोडी नामक ग्राम में इनका देहान्त हो गया।

दौलतराव:—

महादजी के कोई पुत्र न था अतः इनकी मृत्यु के पश्चात् तुकोजी राव के १४ वर्षीय पुत्र आनंद राव

इनके उत्तराधिकारी बनाये गये और उनका नाम दौलतराव रखा गया। कार्य भार सम्हालने के एक वर्ष बाद ही इन्हें निजाम से युद्ध करना पड़ा जिसमें वे विजयी हुये और इन्हें करोड़ों रुपये की सम्पत्ति का लाभ हुआ। इसके बाद वे अन्य राजाओं के सहयोग में कार्य चलाते रहे। किन्तु इन्हीं दिनों उत्तर भारत में फिर से अज्ञाति फैल गई। अतः महाराजा दौलतराव पूना से उत्तर भारत की ओर आये। रास्ते में इन्होंने इन्दौर के होल्कर राजा को परेशा कर उनके राज्य को छूट्टा। परन्तु अंत में आपकी अंग्रेजों से युद्ध करना पड़ा। इस लड़ाई में दक्षिण भारत में स्थित अहमदनगर और अमीरगढ़ (अमीरगढ़) के बड़े बड़े किले इनके हाथ से निकल गये। इधर उधर भारत में भी लाई लेक ने धावा बोल दिया। जिसमें दिल्ली, अमीरगढ़, मथुरा और आगरा के इलाके इनके हाथ में जाते रहे। सन १८०२ में ग्वालियर दुर्ग भी इनके हाथ में चला गया। इनके अधिकांश सैनिक युद्ध में काम आ चुके थे। कोई रास्ता न देखकर इन्हें सन १८०५ में मजबूरी में अंग्रेजों से सन्धि करनी पड़ी जिसमें इन्हें ग्वालियर और आसपास का क्षेत्र वापिस कर दिया गया। सन १८१२ में इन्होंने अपने पिताजी द्वारा स्थापित फौजी कैम्प वाले मैदान लखर पर पुनः छावनी डाली। सन १८१२ में यहाँ नगर बसा कर इसी को ग्वालियर राज्य की राजधानी बनाया तथा इसका नाम लखर ही रखा।

कहा जाता है कि इसी फौजी छावनी में एक जैन ओवरसियर भी कार्य करते थे। जब मुरार में छावनी स्थापित की गई तो वे वहाँ रहने लगे। इनकी माँ बड़ी धार्मिक प्रवृत्ति की थी तथा नित्यप्रति दर्शन करने के पश्चात् ही अन्न ग्रहण करती थी। पुत्र ने अपनी माँ की सुविधा की दृष्टि से मुरार में एक कमरे के अन्दर मूर्ति प्रतिष्ठा कराकर मन्दिर की स्थापना की, जो आज अपने बड़े रूप में बना हुआ है। लखर में कसेरा जोनी में स्थित राजा जी का चैत्यालय भी इसी काल का बना हुआ है।

जनकीजीरावः—

इस प्रकार इस काल में महाराजा वीलत राव अंग्रेजों के सहयोग से राज्य कार्य चलाते रहे सन १८२७ में इनका स्वर्गवास हो गया। इनके पश्चात् उनकी पत्नी ने एक ११ वर्षीय नावालिम लड़के को गोद लिया और उसका नाम जनकीजीराव रखा। उनके युवा होने तक महारानी ने ही राज्य संचालन का कार्य किया। युवा होने पर उन्होंने स्वयं शासन भार संभाल लिया। दिनांक ७ फरवरी १८४३ ई० को अस्प्रायु में ही इनका स्वर्गवास हो गया।

नया बाजार लक्ष्कर में स्थित विगम्बर जैन मंदिर, ग्वालियर नगर में स्थित शोकुलचन्द्र का मंदिर इन्हीं के काल में निर्मित हुये थे।

जयाजीरावः—

महाराज जनकीजीराव की मृत्यु होने पर महारानी ताराबाई ने उनका पुत्र न होने के कारण एक ८ वर्षीय बालक को गोद लिया। उसका नाम जयाजीराव सिधिया रखा गया। महाराजा की नावालिगी में ६ वर्ष तक राज्य का सारा प्रबन्ध कौमिल ने किया।

इस कौमिल के शासन काल में भी लक्ष्कर दानाओली में जैसवालियों के मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ।

सन १८५४ में महाराज के बालिग होने पर वे स्वयं अंग्रेजों के मार्ग दर्शन में कार्य करने लगे। ३ वर्ष पश्चात् ही सन १८५७ में भारत के राष्ट्र भक्त वीरो द्वारा स्वतन्त्रता सशाम छेड़ दिया गया। महाराजा अंग्रेजों के परम भक्त थे। २८ मई को स्वतन्त्रता प्रेमी सैनिकों ने विद्रोह कर दिया। उधर महाराज अंग्रेजों की सुरक्षा का प्रबंध करने में जी जान लगाकर जुट गये। परन्तु समूह एक भक्ति होता है। १४ जून १८५७ की रात्रि को कन्स्टिबल फौज ने भी राष्ट्र प्रेमियों के समर्थन में विद्रोह कर दिया। अनेकों अंग्रेज अफसर मौन के घाट उतार दिये गये। महाराजा ने अपनी

भक्ति का परिचय देते हुए शेष सभी जीवित अंग्रेज पुरुषों को, महिलाओं व बच्चों सहित आगरा पहुँचा दिया। दिनांक २८ मई सन १८५८ ई० को नाना पेशवा, तान्या टोपे और महारानी लक्ष्मीबाई के नेतृत्व में स्वतन्त्र वीरों की सेना राष्ट्र द्रोहियों को रोदती हुई ग्वालियर की छाती पर चढ़ आई और १ जून से भयकर रूप में युद्ध शुरू हो गया। ग्वालियर के मारे राष्ट्र प्रेमी स्वतन्त्र वीरो ने उनका साथ दिया जिनसे भयभीत होकर जयाजीराव युद्ध स्थल से पीठ दिखाकर भाग खड़े हुये और अंग्रेजों की शरण में आगरा जा पहुँचे। इधर स्वतन्त्र वीरो ने सभी शासकीय केन्द्रों पर कब्जा कर लिया और ग्वालियर पर अपने झूठे गाड दिये। गोरखी में स्थित शासकीय खजाने को लूट लिया गया। वीर पुत्रों का संरक्षण या ग्वालियर की भूमि निहाल हो उठी। परन्तु दूसरी ओर सर फिहरोज ने वीरो से अनुपात में कई गुनी सेना लाकर उन्हें चारों ओर से घेर लिया। दिनांक १८ जून को भयकर युद्ध हुआ। जिनमें अनेकों वीरो सहित वीरांगना लक्ष्मीबाई भी शहीद हुईं। अक्सर पाकर अंग्रेज पुनः सत्ताकृद् हो गये। शांति स्थापित होने पर महाराजा जयाजीराव सिधिया भी ग्वालियर वापिस लौट आये। ग्वालियर आने के पश्चात् उन्होंने स्वतन्त्र प्रेमी निवासियों को दंड देने का अभियान चालू किया। बाद में महाराजा जयाजीराव सिधिया के इन भक्ति पूर्ण कृत्यों से प्रसन्न होकर दिनांक ३० नवम्बर सन ५८ को आगरा में एक समारोह आयोजित कर गवर्नर जनरल लार्ड कनिंग ने पुराने ग्वालियर राज्य में तीन लाख रुपये का राज्य और शामिल कर उन्हें पुनः औपचारिक रूप से राज्य भार सौंपते हुये अंग्रेजों की भक्ति के लिये उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की और साथ ही महाराजा की ओर बकाया लाखों रुपये की रकम भी छोड़ दी। और उन्हें अनेकों पदवियों से विभूषित कर ब्रिटिश सेना का आनरेरी जनरल नियुक्त किया। परन्तु दुर्ग पर अभी भी अंग्रेजों का ही आधिपत्य रहा सन १८८६ में अंग्रेजों ने भाँसी के दुर्ग को

लेकर बखले में खालियर दुबं और मुदार छादनी सिधिया को ले दी ।

इनके काल में अशांति पूर्ण वातावरण होते हुए भी अनेकों मन्दिरों आदि के निर्माण-कार्य संपन्न हुये । सन १८६४ के लगभग रामकुई पर नसिया जी के मन्दिर की स्थापना हुई और दानाओली में श्री नया मंदिर जी का निर्माण कार्य आरम्भ हुआ और लगभग १ वर्ष बाद ही क्षत्री बाजार स्थित मन्दिर का निर्माण हुआ । खालियर खच्चाराम मोहल्ला में स्थित मन्दिर भी इसी काल का बना हुआ है । सन १८७८ में मामा के बाजार में एक जैन मन्दिर का निर्माण कार्य संपन्न कराया गया ।

सन १८८५ के लगभग महाराजा की जलोघर रोग हो गया जिसकी पीडा में दिनांक २० जून १८८६ के दिन उनका प्राणांत हो गया ।

माधोराव:—

इनकी मृत्यु के समय इनके पुत्र माधोराव केवल १० वर्ष के थे । परन्तु परम्परा के अनुसार पिता की मृत्यु के पश्चात् उनका ही राज्याभियेक कर दिया गया । अवयस्कता के काल में अर्थियों द्वारा नियुक्त एक कौंसिल द्वारा सरदारों और अधिकारियों के सहयोग से राज्य कार्य का सञ्चालन किया गया । सन १८८८ में मामा के बाजार में, एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया ।

दिनांक १५ दिसम्बर १८९४ के दिन इस क्षेत्र के गवर्नर जनरल ने एक समारोह में ३० हजार वर्ग भोल में फीले ३२ लाख की आबादी और १॥ करोड़ रु की आय वाले त-कालीन खालियर के शासन का कार्य भार माधव राव सिधिया को सौंप दिया । अर्थियों का सरकार होने के कारण, ये सारे शासन काल में युद्ध आदि के भय से भिषिन्त रहे । अतः प्रजा के लाभ के कार्यों में अपना काफी समय दिया । इनके काल में क्षेत्र के सर्वांगीण विकास की ओर काकी ध्यान दिया गया । आपने सभी धर्मों को प्रगति का समुचित अव-

सर दिया । ये स्वयं सभी धर्मों के विशेष उत्सवों में भाग लेते थे ।

इनके शासन काल में अनेकों जैन मन्दिरों का निर्माण कार्य सररू हुआ । सन १९०३ में मामा के बाजार में एक और जैन मन्दिर का निर्माण कराया गया । जो बड़ा मन्दिर मामा के बाजार के नाम से जाना जाता है । इसके अतिरिक्त इनके काल में भूमि का बंदोबस्त और सर्वेक्षण हुआ । सन १९१२ में प्रशासन मुघार के हेतु पंचायतों का गठन किया गया । इन्होंने सड़कों के निर्माण कार्य में भी रुचि ली । तिबाई के माधन बढ़ाये । हर्षी बांध का निर्माण-कार्य इन्होंने ही प्रारम्भ करवाया । सन १९२५ में इनका स्वर्गवास हो गया, और महाराजा जीवाजी राव सिधिया ने राज्य भार सम्हाला । इस अवसर पर खालियर के जैन समूह के रूप में कार्यरत संस्था खालियर स्टेट दिग्-म्बर जैन ऐमोशियेसन द्वारा उनका अभिनन्दन करते हुये मानपत्र भेंट किया गया । इनके काल में राष्ट्रीय आन्दोलन प्रबल होता गया, लोक तान्त्रिक सरकार की मांग बढ़ती गई । सन १९३६ में लोकतान्त्रिक सत्ता की स्थापना हेतु प्रजासभा, राज्यसभा नामक विधान सभायें स्थापित की गईं ।

स्वतंत्रता काल:—

१५ अगस्त सन १९४७ को भारत वर्ष स्वतन्त्र हुआ । भारत सरकार के गृहमन्त्री के रूप में आसीन सरदार बल्लभ भाई पटेल ने देशी रियासतों को भारतीय गणतंत्र में विलीन करने की दिशा में अत्यन्त दृढ़ता से काम लिया । २८ मई १९४८ को महाराजा जीवाजीराव सिधिया ने राज्य विलय करने के प्रपत्र पर हस्ताक्षर किये और खालियर रियासत मध्यभारत राज्य में विलय हो गई । स्वतंत्र भारत के स्वछन्द वातावरण में भारतीय संविधान के अनुसार भारत को धर्मनिरपेक्ष प्रजातान्त्रिक गणराज्य घोषित किया गया । इस कारण जन साधारण में राष्ट्रीय एवं सामाजिक चेतना का उदय हुआ । और इन क्षेत्रों की धार्मिक गतिविधियों में तीव्रता आई । जैन धर्मावलम्बी इस

खालियर—प्रतीक की दृष्टि में

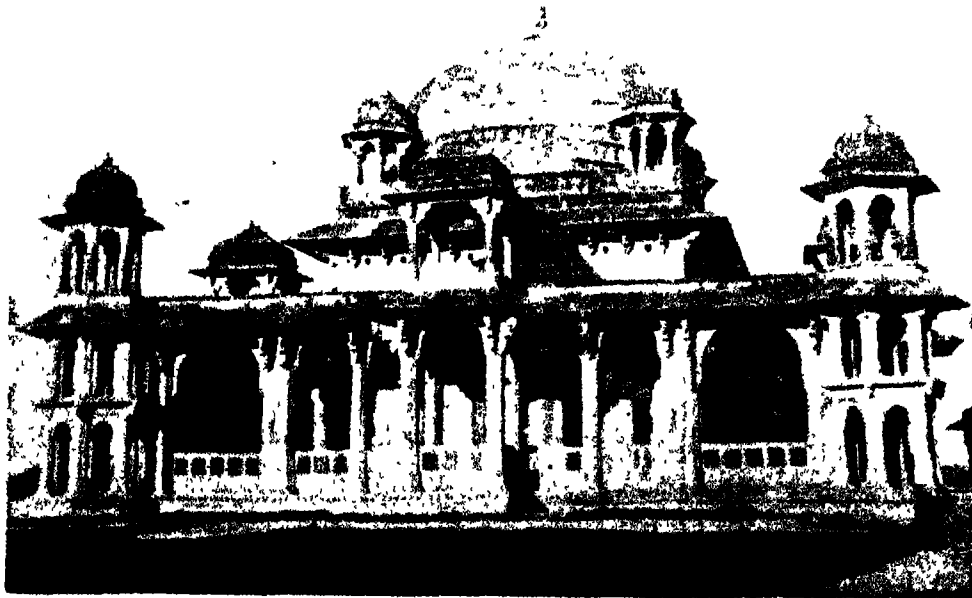
क्षेत्र में कभी किसी से पीछे नहीं रहे। अनेकों जैन अनुयाइयों ने अपने क्षेत्र की जनता का कुशल प्रतिनिधित्व किया। इस प्रकार अनेकों जैन घमाँव-लम्बियों ने मंत्रियों, सचिवों, विधायकों और अनेक उच्च पदों पर रह कर क्षेत्र की बिना किसी भेद-भाव के अमूल्य सेवा की।

सन १९५३ में इस नगर की पुण्य भूमि पर आचार्य श्री देवभूषण जी महाराज की प्रेरणा से सेठ राजाराम जी जैसवाल (मै. हरलाल मूलचन्द जी) ने मेला शक्ति पर विशाल जैन-पंच-कस्याणक महात्सव का आयोजन करवाया, जिसमें नगर के अतिरिक्त विभिन्न प्रदेशों के जैन लोग सम्मिलित हुये।

१ नवम्बर सन १९५६ को पुराने मध्यप्रदेश, मध्यभारत, विन्ध्य प्रदेश एवं भोपाल राज्य को मिला कर नये मध्यप्रदेश का गठन हुआ। जुलाई सन १९६१ में अकस्मात महाराजा जीवाजी राव सिधिया का निधन हो गया। उसी राज्य वंश की राजमाता विजयाराजे सिधिया का मध्य प्रदेश की राज्यनीति में इस समय भी महत्व पूर्ण (सचिव-नेत्री के रूप में) योग है।

इस तरह ग्वालियर का अतीत अत्यन्त गौरव शाली रहा है। हम भविष्य के प्रति श्री आणावान हैं और मंगल कामना रखते हैं कि यह वीर भूमि मदैव धर्म प्रेरणा का केन्द्र बनी रहे।

—रवीन्द्र 'मालव'



मोहम्मद गोस का मकबरा

(जिसके संबंध में यह कहा जाता है कि वह पहिले एक जैन मंदिर था
जिसे बाबर के शासन काल में नष्ट किया गया)

बृहत्तर ग्वालियर में स्थिति द्विगम्बर जैन मंदिर

नगर के विभिन्न मोहल्लों में स्थित जैन परिवारों की सुविधानुसार लक्ष्कर, ग्वालियर और मुरार में ३५ द्विगम्बर जैन मन्दिर, और ६ श्वेताम्बर जैन मन्दिर हैं। ग्वालियर, जैन पुरातत्व और सस्कृति का गढ़ है। अनेक मन्दिर अपनी विशालता और उत्कृष्ट स्थापत्य कला के कारण सहसा आकर्षण के केन्द्र हैं। इनमें प्राचीन मनोज्ञ जिनविम्ब विराजमान हैं। मन्दिरों के सरस्वती भण्डार प्राचीन शास्त्रों से भरे हुए हैं। प्रत्येक जैनी का यह कर्तव्य है कि वह प्रतिदिन देव दर्शन शास्त्र स्वाध्याय कर आत्म धुष्टि करे।

द्विगम्बर जैन मन्दिर, लक्ष्कर:—

१. श्री दि० जैन तेरापन्थी पंचायती बड़ा मन्दिर, पुगानी-सहेली, डोडवाना ओली
२. श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्थी पंचायती मन्दिर, दाना ओली
३. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, दाना ओली
४. श्री दि० जैन नया मन्दिर, खडेलवाल पंचायती नई-सहेली, दाना ओली
५. श्री दि० जैन नागोरा का मन्दिर, दाना ओली
६. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, भाऊ का बाजार
७. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकनग
८. श्री दि० जैन जैसवाल मन्दिर, छत्री बाजार
९. श्री दि० जैन मन्दिर, चाबड़ी बाजार
१०. श्री दि० जैन ते० म०, चितेराओली, माधवगंज
११. श्री दि० जैन बी० म०, चितेराओली, माधवगंज
१२. श्री दि० जैन चैत्यालय, मामा का बाजार
१३. श्री दि० जैन बरैया प० म० मामा का बाजार

बृहत्तर ग्वालियर में स्थित द्विगम्बर जैन मन्दिर

१४. श्री दि० जैन बरैया पंचायती बड़ा मन्दिर, मामा का बाजार
१५. श्री दि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, गुड़ी-गुडा का नाका
१६. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, नया बाजार
१७. श्री पाषर्बनाथ दि० जैन तेरा० म० दौलतगंज
१८. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, दौलत गंज
१९. श्री दि० जैन चैत्यालय कसेरा ओली
२०. श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, फालका बाजार
२१. श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, जयेन्द्र गंज
२२. श्री दि० जैन चैत्यालय, जिन्दे की छावनी
२३. श्री दि० जैन बीस० नसियाजी म०, रामकुई

द्विगम्बर जैन मन्दिर, ग्वालियर:—

२४. श्री दि० जैन गोकुलचन्दजी मन्दिर, लोहा मण्डी
२५. श्री दि० जैन चैत्यालय, कोटा बाला मोहल्ला
२६. श्री दि० जैन चैत्यालय, लक्ष्मणाराम मोहल्ला
२७. श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती मन्दिर
२८. श्री दि० जैन यती जी का मन्दिर
२९. श्री दि० जैन मानकरामजी की बगीची, मन्दिर
३०. श्री दि० जैन मुनीमजी का चं०, लखेरा गली
३१. श्री दि० जैन चैत्यालय, चासमण्डी

द्विगम्बर जैन मन्दिर, मुरार:—

३२. श्री दि० जैन मन्दिर गुनाबन्द की बगीची, ठाठोपुर
३३. श्री दि० जैन चैत्यालय, दीना नाथ की बगीची
३४. श्री दि० जैन पंचायती मन्दिर, जैन सतर
३५. श्री दि० जैन ब्रह्मचारी चैत्यालय, ठण्डी सड़क

सड़कर में स्थित दि० जैन मन्दिर:—

(१) श्री दि० जैन तेरापंची, पंचायती पुरानी सहैली- बड़ा मंदिर, डीडवाना ओली :— सन १७६८ में ~~सना १७६८ में~~, समाज के उरसाही एव दानशील व्यक्तियों के प्रयत्न से, इस अत्यन्त भव्य एव कलात्मक विशाल मन्दिर का निर्माण कार्य सम्पन्न हुआ है। यहाँ ४१ पाषाण, ६ मृगा, ७१ घातु, ६ स्फटिक मणी व १ चाँदी की प्रतिमार्थें प्रतिष्ठित हैं। पीतल के तीन विशाल मेरू व २ मानसम्भों की बनावट अत्यन्त आकर्षक एवं दर्शनीय है। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १०० हस्तलिखित और ३०० मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। इस मन्दिर द्वारा एक जैन पाठशाला संचालित की जाती है जिसके सुयोग्य अध्यापक श्री लाला भईया जी हैं। मन्दिर के अन्तर्गत दो भग्नांशालायें तेरापंची धर्मशाला, नई मठक व नवनिर्मित पाषर्वनाथ धर्मशाला, डीडवाना ओली, जैन मंदिर भाऊ का बाजार, सोनागिर तलहट्टी के ज. १, २ व ६ मन्दिर, तेरापंची धर्मशाला, सोनागिर की व्यवस्था सम्मिलित है। इस मंदिर के लम्बो, दीवारों व छतों पर पच्ची-कारी बसोने का काम है उनपर बने दृश्य प्राचीन, आकर्षक व कलात्मक है। मंदिर सम्बन्धित कार्य की व्यवस्था मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मानिक चन्द जी पाड़्या, मंत्री श्री लक्ष्मचंद जी बनवाल व कोषाध्यक्ष श्री रतनचंद जी गिरधरवाल हैं।

(२) श्री दि० जैन बीसपंची मन्दिर चम्पाबाग, दानाओली:— इस भव्य एवं विशाल मन्दिर की स्थापना सन १७६८ में हुई। यहाँ बीबारों व छतों पर अत्यन्त आकर्षक कलात्मक जड़ाऊ काम है, जो दर्शनीय है। मंदिर में २२६ जिनबिम्ब, १२५ हस्तलिखित और १५० मुद्रित शास्त्र ग्रंथ हैं। इस मन्दिर के अन्तर्गत श्री दि० जैन मंदिर, इन्दरगज, श्री दि० जैन मन्दिर नसिया जी, बीस पंची कोठी सोनागिर, बीस पंची चम्पाबाग धर्मशाला एवं मन्दिर में संचालित जैन पाठशाला की व्यवस्था, सम्मिलित है।

मन्दिर प्रबन्ध समिति के वर्तमान अध्यक्ष श्री मान सेठ कुचमलजी गंगवाल, मंत्री श्री केशरीमल जी गोषा व कोषाध्यक्ष श्री पारस कुमार गंगवाल हैं।

(३) श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती मन्दिर, दाना ओली:— दानाओली में सड़क के किनारे दूसरी मजिल पर स्थित उक्त मंदिर की स्थापना सन १८४८ में हुई। यहाँ मेरू सहित तीन वेदियों पर ११ घातु और २० पाषाण के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के शास्त्र भण्डार में १२५ शास्त्र व धार्मिक पुस्तकें हैं। प्रतिवर्ष बवार सुदी चतुर्थी के दिन गोपाचल दुर्ग स्थित एक पत्थर की बावड़ी पर जहाँ तोमर राजाओं के समय में उत्खनित अनेको विशाल जैन मूर्तियाँ हैं, एक मेला आयोजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रतिवर्ष कार्तिक शुक्ल सप्तमी के दिन यहाँ से रथयात्रा निकाली जाती है। इस मन्दिर की पंचायत के अन्तर्गत नवनिर्मित जैसवाल पंचायती धर्मशाला, दाना ओली की व्यवस्था सम्मिलित है। जिनके अध्यक्ष श्री मोहनलालजी, मंत्री श्री मुन्शीलाल जी व कोषाध्यक्ष श्री सप्यूलालजी जैन भी बाले हैं।

(४) श्री दि० जैन खड्डेलवाल पंचायती, नया मन्दिर, दानाओली:— नया मंदिर, दानाओली का निर्माण सन १८६६ में श्री पद्मालाल जी गंगवाल व श्री रत्नलाल जी पाटनी द्वारा हुआ। अत्यन्त भव्य एवं विशाल मंदिर की पाँच वेदियों पर २० पाषाण, २५ घातु, २ स्फटिक मणी, १ पद्मा, ३ पुनराज के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित है। यहाँ श्री आदिनाथ भगवान की श्वेत पाषाण की मूर्ति वि. सं. १५६ की व श्री चन्द्रा प्रभू भगवान की मूर्ति वि. सं. १६८ की प्रगति की है। प्राचीन जिन बिम्बों के अतिरिक्त साढ़ पत्र पर लिखे हुए 'सन्दूर-प्रकरण-ग्रन्थ', तत्त्वार्थ सूत्र, आदिनाथ श्लोक, जमोकार मन्त्र, एकपावल पर लिखे हुये ३५ अक्षरी जमोकार मन्त्र, पंच परमेष्ठी देखने योग्य प्राचीन बस्तुएं संग्रहीत हैं। यहाँ सरस्वती-भण्डार में ६२५ हस्तलिखित, २०० मुद्रित शास्त्र ग्रन्थ व ५०० धार्मिक पुस्तकें हैं। धार्मिक सामाजिक कार्य हेतु वर्तन,

विद्यायत भी उपलब्ध है। मन्दिर के क्षेत्र में एक धर्म-शाळा है जिसका उपयोग वर्तमान विद्यालय के अतिरिक्त स्थानीय बतियों को ठहराने, व अन्य धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रमों के लिये होता है। व्यवस्था कार्य निर्वाचित कार्य करिणी द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, मन्त्री श्री रूपचंद जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मनोहरलाल जी पांड्या हैं।

(५) श्री वि० जैन बीसपंथी नागार्गी जी मंदिर, बानाओली:—दानाओली के प्रारम्भ में आकर्षक कलात्मक खुदाई से सुशोभित गेट के अन्दर द्वितीय मंजिल पर स्थित तीन वेदियों में २५ धातु और ८ पाषाण के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जयपुरयान पचायत-कमेटी द्वारा की जाती है जिसके मुख्य कार्यकर्ता श्री गुलाबचन्द जी पसारी, व श्री मूलचन्द जी नंके बाले हैं।

(६) श्री वि० जैन तेरापंथी, मंदिर, भाऊ का बाजार.—भाऊ के बाजार में द्वितीय मंजिल पर स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६६ में की गई। यहाँ दो वेदियों पर ८ पाषाण व ८ धातु की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। इनके अतिरिक्त दो पीतल के आकर्षक मेरुस्तम्भ हैं। बड़ा मंदिर, पुरानी-सहंजी-कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था संचालित की जाती है। मंदिर की सामान्य व्यवस्था श्री मथुरा दास जी नरपत्या करते हैं।

(७) श्री वि० जैन बीसपंथी मंदिर, जनकगज—श्री प्यारेलाल जी टोंग्या द्वारा इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १९१७ में स्थापित कर सन १९३७ में सम्पन्न किया गया। द्वितीय मंजिल पर स्थित इस मन्दिर में ८ पाषाण, २ धातु के जिनविम्ब व २५ शाख विद्यमान हैं। मन्दिर की प्रबन्ध संचालन बीसपंथी सम्प्रदाय मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है। वर्तमान में व्यवस्था कार्य श्री रूपचंद जी टोंग्या करते हैं।

(८) श्री वि० जैन जैसवाल बंधायती मन्दिर, छत्री बाजार:—छत्री बाजार में द्वितीय मंजिल पर

स्थित मंदिर की स्थापना सन १८६५ में हुई। यहाँ २५ धातु, २ पाषाण के जिनविम्ब और २० शाख विद्यमान हैं। मंदिर की प्रबन्ध-व्यवस्था श्री प्यारेलाल जी जैसवाल कटि बाले करते हैं।

(९) श्री वि० जैन मंदिर, बावड़ी बाजार:—द्वितीय मंजिल पर स्थित बावड़ी बाजार के मन्दिर में सुनहरी आकर्षक जहाऊ वेदी पर ३ पाषाण, ७ धातु व १ पत्ता के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर का प्रबन्ध संचालन श्री नन्नेमान जी प्यारेलाल जी करते हैं।

(१०) श्री वि० जैन तेरापंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंज:—चितेरा ओली, माधवगंज में स्थित विद्यालय मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४० में सम्पन्न हुआ। समोमरण महित राव वेदियों व भोहरा में २६ पाषाण ३० धातु, १ स्फटिक मणी व १ मृगा के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। जिसमें से २ विद्यालय प्राचीन मूर्ति शौजना ग्राम व एक मूर्ति मनिहार ग्राम में लाकर विराजमान की गई है। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १५० शाख ग्रथ व पुस्तकालय में ३०० धार्मिक पुस्तकें हैं। मंदिर द्वारा धार्मिक पाठशाला, पुस्तकालय, वाचनालय व नवनिर्मित धर्मशाला संचालित हैं। धर्मशाला मन्दिर क्षेत्र में स्थित है। सम्बन्धित व्यवस्था कार्य श्री मुगनचन्द जी पाटनी, श्री नानूलाल जी चौबेगी व कपूरचन्द जी पाटनी द्वारा किया जाता है।

(११) श्री वि० जैन बीसपंथी मंदिर, चितेरा ओली, माधवगंज:—चितेराओली, माधवगंज स्थित बीसपंथी धामनाय के इस मंदिर में द्वितीय मंजिल पर तीन वेदियों में ५५ जिनविम्ब, जिनमें ३६ पाषाण व १६ धातु के हैं प्रतिष्ठित हैं। स्वाध्याय हेतु कुछ शास्त्र भी उपलब्ध हैं। यहाँ की व्यवस्था श्री लक्ष्मी चन्द जी बोहरा द्वारा की जाती है।

(१२) श्री वि० जैन चैत्यालय, मामा का बाजार:—सन १८८८ में इस चैत्यालय का निर्माण श्री जसराज जी गनपत लाल जी बरैया ने करवाया था। यहाँ ६ धातु के जिनविम्ब व १२ जैन शाख विद्यमान हैं। इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत

द्वारा की जाती है वर्तमान में कार्य संचालन श्री बाबू लाल जी द्वारा किया जाता है।

(१३) श्री वि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, माया का बाजार:—सन १८७८ में इस मंदिर का निर्माण कार्य श्री फूलूराम जी प्यारेलाल जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। तेरापची आमनाय के इस मंदिर में ६ पाषाण व १२ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ से प्रतिवर्ष मगसर वदी एकम् के दिन रथयात्रा महोत्सव आयोजित किया जाता है। इसकी प्रबन्ध व्यवस्था बरैया पंचायत द्वारा की जाती है, जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मंत्री प्रो. रामचरणलालजी व कोषाध्यक्ष प. भगवती प्रसाद जी हैं।

(१४) श्री वि० जैन पंचायती बड़ा मन्दिर, माया का बाजार:—तेरापची आमनाय के इस मंदिर का निर्माण सन १६०३ में हुआ। मन्दिर जी में ७ पाषाण व, १३ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित है। यहा सरस्वती भण्डार में ४ हस्तलिखित व १६ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर क्षेत्र में स्थित श्री ऋषभ नाथ धर्मशाला की व्यवस्था भी उक्त मन्दिर की प्रबन्ध समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री बालचन्द्र जी, मंत्री श्री भोभाराम जी व कोषाध्यक्ष श्री देवचन्द जी बरैया है।

(१५) श्री वि० जैन बरैया पंचायती मन्दिर, मुक्ती-मुक्ता का नाका:—नगर के अंतिम छोर पर स्थित उक्त मन्दिर का निर्माण समीप स्थित कुछ जैन परिवारों की सुविधार्थ हुआ। यहा घातु निर्मित ३ जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर व्यवस्था बरैया पंचायत द्वारा की जाती है।

(१६) श्री वि० जैन बीसपची मन्दिर, नया बाजार:—तृतीय मंजिल पर स्थित नया बाजार के इस मंदिर का निर्माण कार्य सन १८४३ में सम्पन्न हुआ। यहाँ दो मुख्य वेदियों पर ११ पाषाण व ८ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में २५ हस्तलिखित व ३५ मुद्रित शास्त्र विद्यमान हैं। मन्दिर व्यवस्था के अर्न्तगत संचालित, संगीत कला

शिक्षण विद्यालय भी है। वर्तमान व्यवस्था कार्य श्री हुकमचन्द जी बाकलीवाल, श्री रूपचन्द जी पाटनी और श्री फ़मनलाल जी द्वारा अत्यन्त लगन से किया जा रहा है।

(१७) श्री पाख्खनाथ वि० जैन तेरापची मन्दिर, बीलतगंज:—नगर का सर्व प्रथम यह मन्दिर ग्वालियर स्टेट की स्थापना के साथ ही साथ निर्मित हुआ। इस मन्दिर में १० पाषाण व १६ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित है। यहा के सरस्वती भण्डार में २५० शास्त्र विद्यमान हैं। वर्तमान में इस मंदिर की आकर्षक आधुनिक व्यवस्था का मानिकचन्द जी पाटनी करते हैं।

(१८) श्री वि० जैन बीसपची मन्दिर बीलत गंज:—द्वितीय मंजिल पर स्थित उक्त मंदिर में १२ पाषाण व ५ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर में एक जैन पाठशाला चलाई जाती है मन्दिर व पाठशाला से सम्बन्धित कार्य की देख-रेख श्री विमलचन्द जी बाकलीवाल व श्री बाबूलाल जी टोंग्या करते हैं।

(१९) श्री वि० जैन राजाजी बाला बंदरालय, कसेरा ओली:—बाराद्वारी के पास कसेरा ओली में तृतीय मंजिल पर स्थित उक्त चैत्यालय का निर्माण कार्य सन १८२० में श्री सालिनराम सवाईराम जी द्वारा सम्पन्न हुआ था। यहाँ १ पाषाण व ७ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। सरस्वती भण्डार में ४४ हस्तलिखित शास्त्र व प्राचीन हस्तकला निर्मित शिब्र हैं। वर्तमान में उसी परिवार के मुखिया श्री अमोलक चन्द जी राजा इसकी व्यवस्था करते हैं।

(२०) श्री वि० जैन तेरापची मन्दिर, फालका बाजार:—पुलिस चौकी के समीप फालके बाजार में स्थित तेरापची आमनाय के इस मन्दिर में ७ पाषाण व ५ घातु के जिनविम्ब व ५ शास्त्र ग्रन्थ विद्यमान हैं। नया मन्दिर दानाओली की प्रबन्ध कमेटी द्वारा इस मन्दिर की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में इसकी

बेल-रेख का कार्य अत्यन्त लगन व त्याग के साथ श्री बाबूलाल जी हुकमचन्द जी कागला करते हैं।

(२१) श्री वि० जैन बीसपथी मन्दिर, जयेश्वर षजः—स्वर्गीय श्री माधवराव सिधिया स्टेचू के सामने द्वितीय मंजिल पर स्थित जैन मन्दिर में २ पाषाण और ८ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर की प्रबन्ध व्यवस्था चम्पाबाग बीसपथी मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

(२२) श्री वि० जैन चैत्यालय जिन्हे की छावनी—सन १९२५ में श्री सुआनाल जी पाटनी द्वारा हम चैत्यालय की स्थापना निजी धर्म ध्यान व स्वाध्याय हेतु की गई थी। इस बाजार में स्थित लगभग १०० जैन परिवारों के लिये समीप वर्तीय उक्त एकमात्र जिनालय होने से सभी यही धर्मध्यान करने आते हैं। यहां १ पाषाण व दो घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस चैत्यालय की व्यवस्था वर्तमान में श्री प्रकाशचन्द जी पाटनी करते हैं।

(२३) श्री वि० जैन बीसपथी नमियां जी मन्दिर, गंडैवाली सड़क, रामकुई—सन १८६४ में रामकुई पर स्थित नसिया जी के विशाल क्षेत्र में उक्त मन्दिर की स्थापना हुई। यहां ६ पाषाण २ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के पास ही कुछ कमरे, बगीचा व विशाल मैदान है। इस स्थान को आकर्षक, भव्य व दर्शनीय बनाने हेतु श्री १००८ शाहीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची प्राचीन प्रतिमा सन १९४३ में श्रीमान बुधमलजी गगवाल ने बरई ग्राम से लाकर प्रतिष्ठित कराई। नसिया जी मन्दिर द्वारा कुवार सुदी छठ के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। इस मन्दिर व नसियां की व्यवस्था श्री वि० जैन बीसपथी चम्पाबाग मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

श्वालियर में स्थित वि० जैन मंदिरः—

(२४) श्री गोकुलचन्द जी जैसवाल पंचायती मन्दिर, लोहामण्डी—लोहामण्डी श्वालियर में स्थित जैसवाल पंचायती मन्दिर का निर्माण सन १८४३ में

स्वर्गीय श्री लाला गोकुलचन्द जी ने करवाया। इस मन्दिर में छह वेदियों पर ५० पाषाण व १५ घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के सरस्वती भण्डार में १५० शास्त्र ग्रन्थ हैं। संस्थापक श्री गोकुलचन्द जी के नाम से एक जैन धर्मशाला लोहामण्डी श्वालियर में स्थित है इसका प्रबन्ध कार्य मन्दिर कमेटी द्वारा किया जाता है कमेटी के वर्तमान अध्यक्ष श्री बाबूलाल जी कोठरीवाले, मन्त्री श्री खन्नाचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री घन्नालाल जी हैं।

(२५) श्री वि० जैन चैत्यालय, कोटा बाला लोहस्ताः—सन १८४३ में श्री घन्नालाल जी अग्रवाल द्वारा इस चैत्यालय की स्थापना की गई। यहाँ पांच घातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। वर्तमान में व्यवस्था श्री घन्नालाल जी 'धर्मवीर' द्वारा की जाती है।

(२६) श्री वि० जैन चैत्यालय, लखचाराम, लोहस्ताः—श्री अख्याराम लोहिया द्वारा सन १८६८ में इस चैत्यालय की स्थापना की गई वर्तमान में यहां की व्यवस्था श्री प्रभूदयाल जी लोहिया करते हैं।

(२७) श्री वि० जैन बांसपूज्य पंचायती मन्दिर.—अस्त व्यस्थ २२ चैत्यालयों को सम्मिलित करते हुये उन्हे एक ही स्थान पर व्यवस्थित रूप देने हेतु इस मन्दिर की स्थापना की गई। यहां मूननायक श्री बांसपूज्य भगवान की प्रतिमा सम्बत् १५३७ में प्रतिष्ठित किये जाने का लेख है। इसके अतिरिक्त मन्दिर में अनेक प्राचीन प्रतिमायें प्रतिष्ठित हैं। यहां के शास्त्र भण्डार में लगभग १०० शास्त्र हैं। इस मन्दिर द्वारा प्रतिवर्ष कुवार सुदी दोज के दिन रथयात्रा आयोजित की जाती है। कुवार बंदी अमावस के दिन श्वालियर दुर्ग पर प्राचीन उत्खनित विशाल मूर्तियों के सामने भरने वाले मेले में इस मन्दिर द्वारा भजन-कीर्तन के साथ रथ में विराजमान कर श्रीजी ले जाये जाने है। कृष्ण सुदी अष्टमी से प्रारम्भ होने वाले अष्टान-का पर्व में प्रतिवर्ष यहां सिद्धचक्र विधान का आयोजन किया जाता है और श्री बाहुबलि स्वामी का मस्तकामिषेक होता है। इस मन्दिर में महावीर जयन्ती के दिन, महोत्सव भी मनाया जाता है।

बृहत्तर श्वालियर में स्थित दिगम्बर जैन मन्दिर

सभीप स्थिति नानकराम जी की बगीची की व्यवस्था इस मन्दिर के दृष्ट द्वारा की जाती है। मन्दिर प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री अक्षयदास जी, मन्त्री श्री हरीशचन्द्र जी व कोषाध्यक्ष श्री अजितकुमार जी हैं।

(२८) श्री विगम्बर जैन जतीजी का मन्दिर, चौक बाजार:—मन्दिर पर लगे शिलालेखों के अनुसार, चौक बाजार में स्थित जती जी के मन्दिर का निर्माण कार्य सम्बत् १८५१ (सन १७६४) माघ बदी दशमी के दिन सम्पन्न हुआ था। यह मन्दिर भट्टारक जी के नाम से जाना जाता है। यहाँ अनेक प्राचीन मूर्तियों के अतिरिक्त, विशाल पक्ष-यक्ष्मी की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर के सरस्वती भण्डार में रईम कवि, भट्टारक जी आचार्यों व विद्वानों द्वारा रचित, सैकड़ों प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ हैं। इस पुराने मन्दिर के अन्दर दो भीड़ों भी स्थित हैं।

(२९) श्री विगम्बर जैन मन्दिर, नानकराम बगीची—बगीचे में स्थित मन्दिर में अत्यन्त आकर्षक कमकीली मूर्ति के अतिरिक्त एक घातु व पाषाण की मूर्ति भी प्रतिष्ठित है। इस मन्दिर की व्यवस्था श्री दि० जैन वासपूज्य पञ्चायती मन्दिर द्वारा की गयी है।

(३०) मुनीम जो का चैत्यालय, सनेरा गली— सन् १९२५ में इस चैत्यलय की स्थापना हुई। यहाँ मूलनायक श्री पार्श्वनाथ स्वामी की प्रतिमा के अतिरिक्त २ घातु की मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर के सचालक श्री रामजीदास लक्ष्मणदास जी हैं। व्यवस्था का कार्य श्री दर्शनलाल जी सञ्चालते हैं।

(३१) श्री विगम्बर जैन चैत्यालय, घासमण्डी:—द्वितीय मन्जिल पर स्थित, इस चैत्यालय का निर्माण श्री तोताराम जी किशोरीलाल जी ने सन् १९५३ में कराया। भवन निर्माण के समय मूलनायक मूर्ति का नीबू में प्राप्त होना ही चैत्यालय स्थापित करने का कारण मात्र बना। वर्तमान में व्यवस्था काय, इन्हीं के परिवार के सदस्यों द्वारा किया जाता है।

मुरार स्थित विगम्बर जैन मन्दिर:—

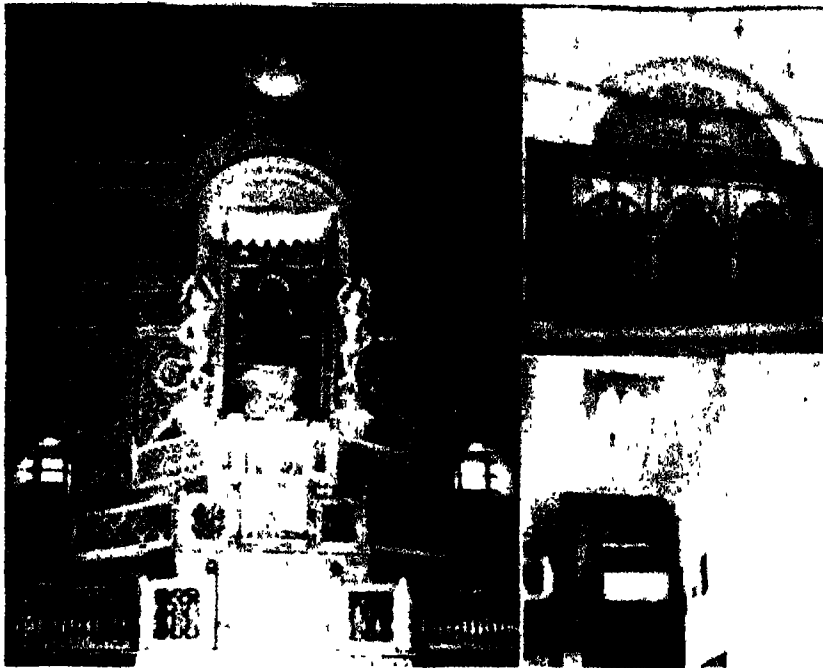
(३२) श्री विगम्बर जैन मन्दिर, गुलाबचन्द जी की बगीची:—ठाठीपुर-मुरार मार्ग पर सड़क की बायी

ओर स्थित बगीची में सेठ हजारीमल जी गुलाबचन्द जी दोषी ने सन् १९०५ में इस मन्दिर की स्थापना की यहाँ ५ घातु व २ पाषाण के अति विम्ब प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के जैन बन्धुओं को यह मन्दिर सबसे निकट पड़ता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था श्री गणेशीलाल जी करते हैं।

(३३) श्री विगम्बर जैन चैत्यालय दीनानाथ जी की बगीची—लश्कर, ठाठीपुर, मुरार मार्ग पर नदी के दाहिनी ओर श्री दीनानाथ जी की बगीची के मध्य उक्त चैत्यालय सन् १९६४ में स्थापित किया गया था। इस चैत्यालय में नोबेरा ग्राम से मूलनायक प्रतिमा को लाकर विराजमान किया गया। इसकी व्यवस्था श्री दीनानाथ जी ठेकेदार द्वारा की जाती है।

(३४) श्री विगम्बर जैन पञ्चायती मन्दिर, जैन सन्तर, मुरार:—लगभग १५० वर्ष पूर्व जबकि मुरार में अग्नेतो ने अपनी फौजी छावनी स्थापित की थी, उसी वक़्त में इस मन्दिर का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ। मूलनायक १००८ श्री सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा के अतिरिक्त यहाँ ११ पाषाण व ५३ घातु की प्रतिमाएँ प्रतिष्ठित हैं। यहाँ के सरस्वती भण्डार में ३०० हस्तलिखित व २०० मुद्रित शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध हैं। प्रतिवर्ष कुवैर सुदी छठ के दिन इस मन्दिर द्वारा रथ यात्रा निकाली जाती है, जिसके कलशाभिषेक नवमी के दिन मन्दिर जी में वापस श्री जी विराजमान कर, किये जाते हैं। इन्हीं दिनों कायकारिणी समिति का पुनर्गठन होता है। सन १९४८ में १०५ छुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्षों के आगमन पर, यहाँ धार्मिक शिक्षा हेतु एक पाठशाला स्थापित की गई, जो आज माध्यमिक स्कूल के रूप में चल रही है। मन्दिर की व्यवस्था कमेटी के अध्यक्ष श्री बपूरचन्द जी, मन्त्री श्री कन्हैयालाल जी व कोषाध्यक्ष श्री रतनलाल जी जैसवाल हैं।

(३५) श्री विगम्बर जैन चैत्यालय ठंडी सड़क मुकजी नगर, मुरार:—सड़क के किनारे मकान में स्थित इस चैत्यालय की स्थापना सन् १९६६ में बह्मचारी श्री रामचरण जी रिठोरे बाली ने की है। इसकी व्यवस्था वे स्वयं करते हैं।



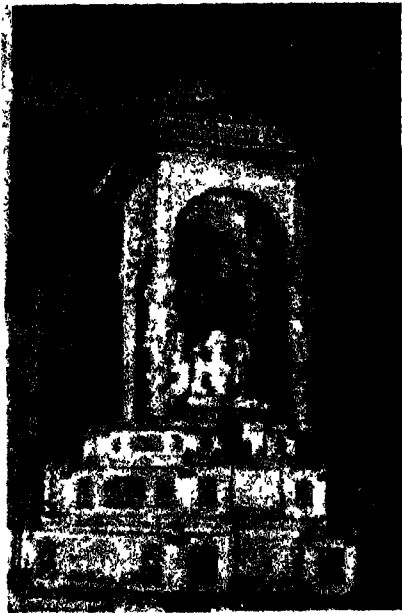
श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी पंचायती, बडा मन्दिर, डीडवाना भोली, लखर



श्री दिगम्बर जैन बीमपन्थी, चम्पाबाग पंचायती मन्दिर, दाना भोली, लखर



नया
मन्दिर
दानाओली
लखर



जैसवान्ण मन्दिर, दाना ओली, लखर

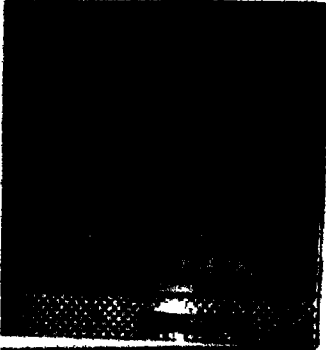
छायाकार—के० एम० पाटनी, रूपचन्द पाटनी



श्री विगम्बर जैन नया मन्दिर, दाना ओली, लखर

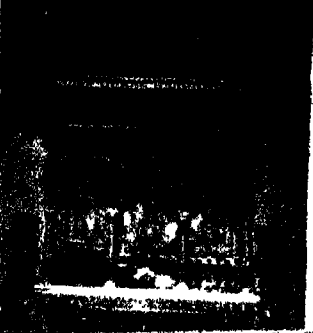
२२

म्बालियर जैन निर्देगिका



बड़ा मन्दिर

छोटा मन्दिर



श्री दिगम्बर जैन वरैया पंचायती मन्दिर, मामा का बाजार, लखर



१. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, माधवगज, चितेरा बोली, लखर

२. श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, चाबडी बाजार, लखर

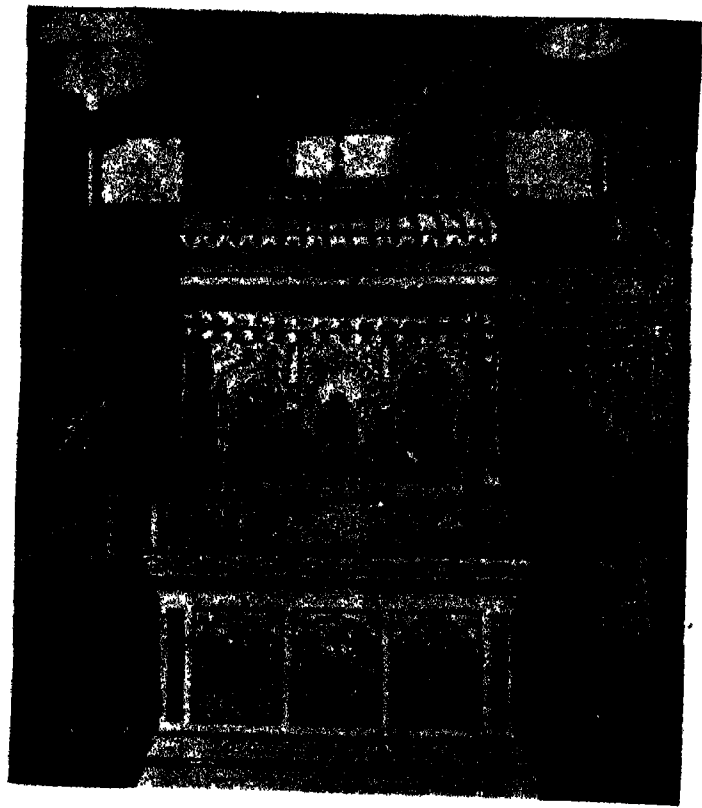
३. श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी मन्दिर, जनकगज, लखर

४. श्री दिगम्बर जैन नागौरा का मन्दिर, बाना(बोली), लखर



શ્રી વિગ્નેશ્વર જૈન લેકડપંચી મંદિર

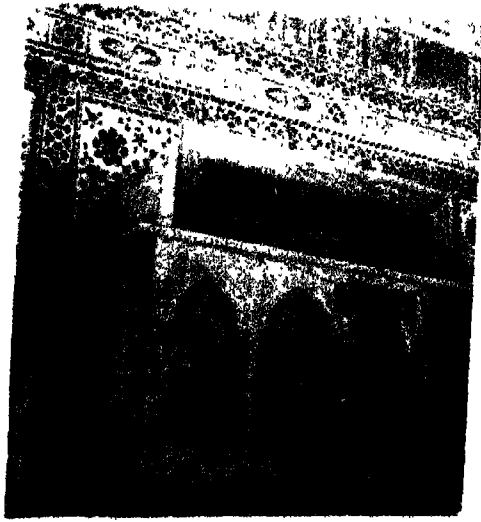
ચિતરાજાલી,
માધવ ગંજ
જાલકર



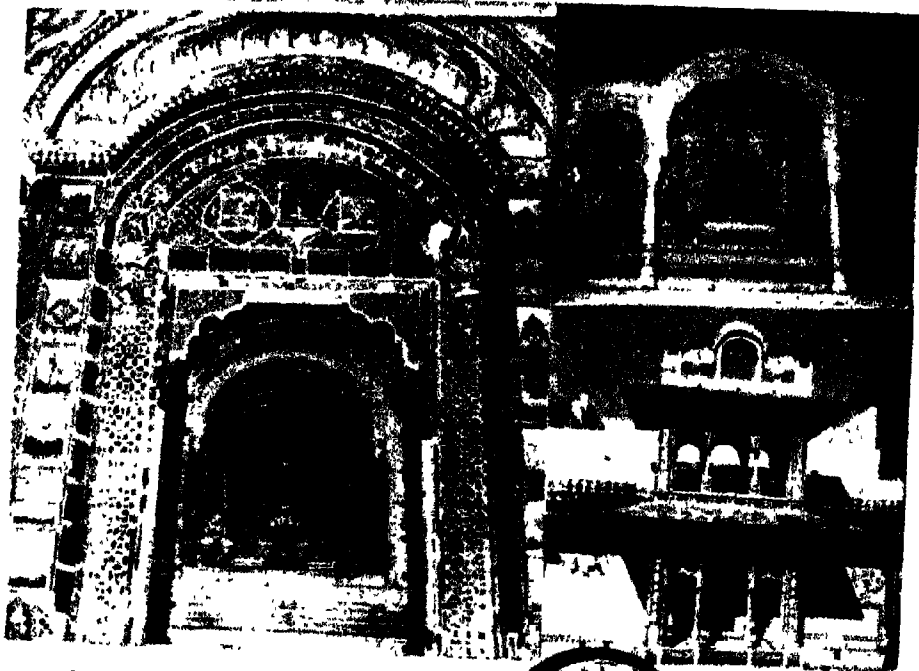
શ્રી પાર્શ્વનાથ દિગમ્બર જૈન તેરાવન્થી મંદિર, ઢોલતગંજ લગ્કર

(યહો ચિતામણિ સકલહરણ શ્રી ૧૦૦૮ પાર્શ્વનાથ ભગવાન કી અતિ-ભાયવાન મનોહર દર્શન કી પ્રતિમા પ્રતિષ્ઠિત હૈ ।)

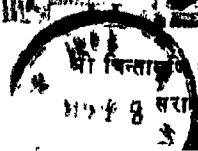
આયાકાર—
કે. એમ. પાટની, માનિકવન્દ પાટની



श्री दिगम्बर जैन बोजपन्धी मन्दिर, नसिया जी रामकुई, लखर



श्री शान्तिनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर,
कटीघाटी-दादाबाड़ी, लखर



श्री चिन्तामण पारवनाथ श्वेताम्बर जैन मन्दिर
सराहा बाजार, लखर

आयाकार—के० एम०, पाटनी

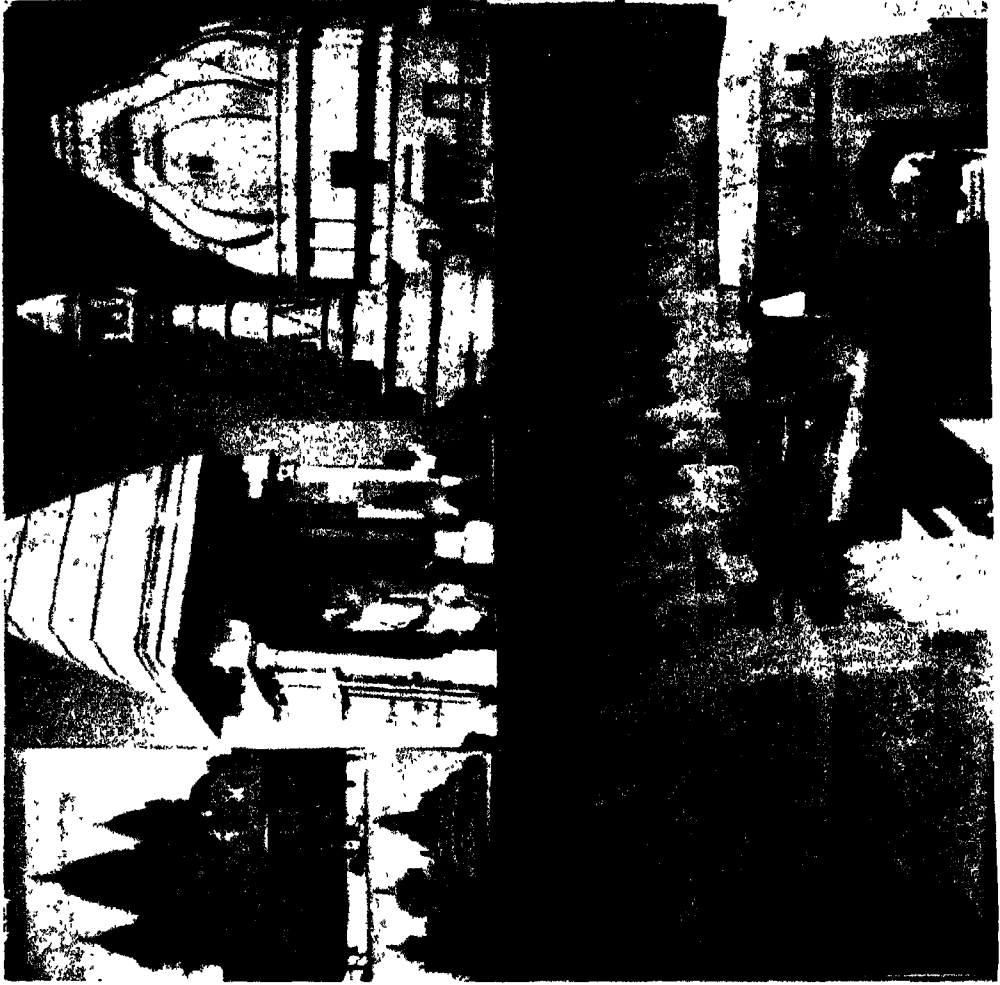


स्वालिबर दुर्ग, एक भस्वर की बागही (गोपाबल पर्वत) की विशाल प्राचीन मूर्तियाँ



स्वालिबर दुर्ग के उरवाई द्वार पर स्थित प्राचीन जैन मूर्तियाँ





श्री मनहर देव

श्री कल्पिताय भगवान की उक्त
 ११वीं शताब्दी में निर्मित विद्याल मूर्ति
 को चैव धाम में जनवरी १९६६ में
 लाकर सोनागिर में विराजमान किया
 गया है।

श्री चिंतामकर जैन चिह्नक्षेत्र सोनागिर के मयनाभिराम दृश्य

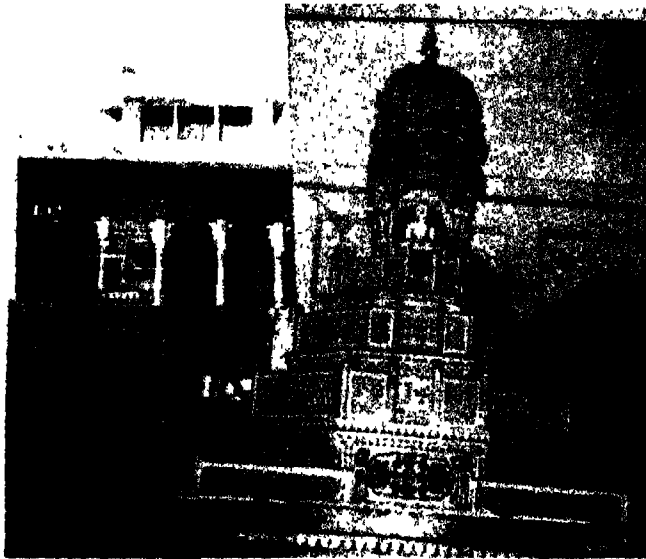
श्री लोकुलचन्द्र जी का मन्दिर

श्री बासपूज्य पं० मन्दिर

श्री यती जी का मन्दिर, खालियर



श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, खालियर



श्री दिगम्बर जैन पंचायती
मन्दिर, मुरार

जैन श्वेताम्बर मन्दिर,

दादाबाड़ी व स्थानक

श्वालियर में श्वेताम्बर आम्नाय के धर्मपालक बहुत समय से हैं। श्वेताम्बर साहित्य मे श्वालियर नगर का संदर्भ हैं। श्वेताम्बर "ग्रंथ प्रभावक चरित" में "तथा शोषगिरिं लेप्यमथ दिम्बयुतं नृप., श्री वीर मदिंरं तत्र त्रयोविंशति हस्तकाम" पत्तियां हैं जिनका अर्थ है कि गोपाचल पर्वत पर भगवान महा-बीर स्वामी की लेप्य पूर्ण तेईस हाथ ऊंची मूर्ति थी। विक्रम की १२ वीं सदी में श्री वाददेव सूरि ने श्री गणाधर द्विज को शास्त्रार्थ मे पराजित किया था।

श्वोपुर के किले में १४ वीं शदी की प्राचीन श्वेताम्बर जैन मूर्तियां पाई गई हैं। अनेक मूर्तियां सड़हरों में परिणित हो गई हैं। श्वोपुर के श्वेताम्बर जैन मन्दिर से १४ वीं शदी को निमित्त मूर्तियां श्री सूरजराज घारीवाल ने संवत् २००० मे श्री मन-मोहन पार्श्वनाथ श्वेताम्बर जैन मंदिर, सराफा बाजार में स्थापित की हैं। दिग्म्बर समाज की तरह श्वालियर में श्वेताम्बर समाज ने भी धर्म कार्यों में सर्वेव विशेष रुचि ली है। यहां श्वेताम्बर स्वामी गणों में १२५ वर्ष पूर्व हुए श्री जिनवल सूरि और श्री जिन कुजल सूरि का विशेष महत्व है। श्वेताम्बर समाज मुख्य रूप

से दो बर्गों में विभक्त है (१) श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ और (२) श्वेताम्बर साधू मार्गी संघ।

(१) मूर्ति पूजक संघ :—मूर्ति पूजक संघ दर्शन स्वाध्याय भजन, पूजन, हेतु मन्दिरों का निर्माण कर, उनमे मूर्तिया स्थापित करते हैं।

(२) श्वेताम्बर साधुमार्गी संघ :—(अ) श्वेताम्बर स्थानक वाली संघ :—इस बर्ग के जैन संघु अपने साधु, मुनियों और स्वाध्याय पर परम श्रद्धा रखते हैं। इनके भजन, पूजन व अध्यात्मिक चर्चा के स्थान "स्थानक" कहलाते हैं। इन स्थानकों में साधुगण ठहरा करते हैं और उपवेश दिया करते हैं। इन स्थानों में शास्त्र भंडार भी होते हैं। अनुयायी गण प्रतिदिन स्तुति, जप, पाषना यही करते हैं।

(ब) श्वेताम्बर तेरापन्थी—ये लोग भी शास्त्र स्वाध्याय और स्वामी कृतियों की सेवा मे विश्वास रखते हैं।

बृहत्तर श्वालियर में श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के ६ मदिर निम्नलिखित हैं:—

१ श्री चिन्तामनि पार्श्वनाथ श्वे० जैन बड़ा मदिर, सराफा बाजार, लखर।

जैन श्वे० मंदिर, दादाबाड़ी व स्थानक

२. श्री मनमोहन पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लखर ।

३. श्री श्रान्तिनाथ श्वे० जैन मन्दिर, कटोघाटी जीवाजीगंज, लखर ।

४. श्री पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, चिक संतर, मुरार ।

५. श्री पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, घास मन्डी, ग्वालियर ।

६. श्री श्वे० जैन मन्दिर (माधवचन्द्र यति जी द्वारा स्थापित) घास मन्डी ग्वालियर ।

इन मन्दिरों का विवरण निम्नलिखित है:—

१. श्री श्रान्तिनाथ पार्श्वनाथ श्वे० जैन मन्दिर, सराफा बाजार, लखर:—

सराफा बाजार में स्थिति, उक्त श्वेताम्बर मन्दिर की प्रतिष्ठा, माघ सुदी दसमी संवत् १८६३ (सन १८३६) में जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ द्वारा की गई। इस मन्दिर की मुख्य वेदी पर ५ पाषाण की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। मन्दिर की प्रदक्षिणा में चौबीसी विराजमान है। वेदी के किनारों पर चक्रेश्वरीदेवी विराजमान है। मन्दिर की बीवारों पर चारों ओर चित्रावण है जिसमें रत्न-जड़ित सुन्दर मीनाकारी भी दिखलाई गई है। माता के स्वप्न, समवधारण आदि के भाव भी खुदे हुए हैं। मन्दिर के फर्श पर भी पक्कीकारी है।

मन्दिर के समीप ही एक धर्मशाला व उपाश्रय है। उपाश्रय का निर्माण सन् १९६६ से हुआ है। उपाश्रय साधु साधवियों के ठहरने व उनके व्यावस्तु के प्रबन्ध का स्थान होता है। उपाश्रयों में आम्बल कार्य भी सम्पन्न होते हैं। विवाह आदि अवसरों के लिये बर्तन आदि भी उपलब्ध किये जाते हैं। जनवरी १९६९ से इसमें वैश्व धर्म की शिक्षा हेतु, एक धार्मिक पाठशाला भी प्रारम्भ की गई है। माघ सुदी १० के दिन मन्दिर की स्थापना का दिन मनाया जाता है। पर्यवण के पश्चात् भावों सुदी ५ को क्षमा-याचना पर्व मनाया जाता है।

मूर्तिपूजक संघ के लखर, ग्वालियर और मुरार के सभी मन्दिरों, दादाबाड़ियों और उपाश्रयों की व्यवस्था इस मन्दिर द्वारा ही की जाती है। व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री घोसूलाल जी पारख और मंत्री श्री बुधराज जी घारीवाल हैं।

२. श्री मनमोहन जैन श्वेता० मन्दिर, सराफा बाजार, लखर:—यह मन्दिर उक्त बड़े मन्दिर से ही स्थित है। इसे छोटा मन्दिर भी कहते हैं। इस मन्दिर की प्रतिष्ठा श्री सूरजराज घारीवाल ने सम्वत् २००० में करवाई। इस मन्दिर में स्थापित कुल मूर्तियां २४ हैं जिनमें ६ पाषाण और १५ धातु की हैं। पाषाण की ६ मूर्तियों में से ५ मूर्तियां श्री घारीवाल जी द्वारा श्योपुर के श्वेताम्बर मन्दिर से लाई गई थी ये मूर्तियां १४ वीं सदी की हैं जो श्योपुर के किले में मिली थीं। मन्दिर की व्यवस्था बड़े मन्दिर की व्यवस्था समिति द्वारा ही की जाती है।

३. श्री श्रान्तिनाथ जैन श्वे० मन्दिर, दादाबाड़ी कटोघाटी, जीवाजीगंज, लखर:—यह मन्दिर दादाबाड़ी में स्थित है। इस मन्दिर की स्थापना श्री नथमल जी द्वारा सम्वत् १९३३ में करवाई गई थी। इस मन्दिर में ३ पाषाण और ५ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। मुख्य वेदी के दोनों ओर दो वेदियां हैं जिन्हें स्व० सुधी रतनबाई ने सम्वत् १९६७ में बनवाया था। इन वेदियों में स्थापित मूर्तियां श्री सूरजराज घारीवाल और श्री सुमनचन्द कोठारी द्वारा श्योपुर से लाई गई थी। मन्दिर की व्यवस्था मूर्तिपूजक संघ द्वारा ही की जाती है।

४. श्री पार्श्वनाथ श्वेता० जैन मन्दिर, चिक संतर, मुरार:—इस जिनरयुक्त मन्दिर की स्थापना सम्वत् १९२७ में की गई। इस मन्दिर में १ पाषाण और ३ धातु के जिनविम्ब प्रतिष्ठित हैं। इस मन्दिर की व्यवस्था जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ, लखर द्वारा की जाती है।

५. श्री पार्श्वनाथ श्वेता० मन्दिर, घासमन्डी, ग्वालियर:—श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ की व्यवस्था के

ग्वालियर-जैन निर्देशिका

अन्तर्गत आने वाले इस मन्दिर में, १ पाषाण व चातु के जिनबिम्ब प्रतिष्ठित थे, परन्तु सन् १९६८ में इस मन्दिर के अत्यन्त प्राचीन मनोहर पीतल के जिन-बिम्ब, मूर्ति चोर, आतताइयों द्वारा चुरा लिये गये हैं। इनके स्थान पर अब पाषाण की मूर्तियाँ स्थापित कर दी गई हैं। मन्दिर की प्रबन्ध व्यवस्था मूर्ति पूजक लक्ष, लक्ष्मण द्वारा की जाती है।

६. श्री जैन इवेता० मन्दिर छाल मंडी, ग्वालियर:— यह मन्दिर श्री पारश्वनाथ इवेता० मन्दिर के निकट ही है। यह माधवचन्द्र यती जी द्वारा बनवाये गये घर "देराध्य" में स्थित है। इसे यती जी का मन्दिर कहते हैं। इस मन्दिर में ३ मूर्तियाँ प्रतिष्ठित हैं। व्यवस्था कार्य यति परिवार के सदस्यगण ही करते हैं।

दादाबाड़ी:—

हर नगर में जहाँ इवेताम्बर मूर्ति पूजक मध के अनुयायी होते हैं वहाँ मन्दिरों के अतिरिक्त कुछ अन्य धार्मिक स्थल भी स्थापित कर लिये जाते हैं। दादाबाड़ी वह स्थान होता है जहाँ पूज्य पुरुषों के चरण स्थापित रहते हैं। इनमें ठहरने की व्यवस्था रहती है। समय-समय पर धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। लक्ष्मण में दो और मुरार में एक दादाबाड़ी है जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:—

(१) दादाबाड़ी कटी घाटी, जीवाजीगंज लक्ष्मण:—

इस दादाबाड़ी के आगम में एक विशाल बगीचा है जिसमें अनेक सिंघारे हैं। नल और बिजली की व्यवस्था है। यहाँ वर्तन, बिछावत आदि का भी प्रबन्ध है। इस दादाबाड़ी में श्री शातिनाथ स्वामी का मन्दिर है। श्री जिनदत्त मूरि और श्री कुशल मूरि जी के चरण

प्रारम्भ में ही प्रतिष्ठित किये गये, बाद में श्री कुशल मूरि जी की प्रतिमा प्रतिष्ठित की गई। प्रत्येक सोमवार और पूर्णिमा की संघ के सभी व्यक्ति दर्शन, भजन-भावनाओं हेतु यहाँ आते हैं। यहाँ श्री रामचन्द्र मूरि की छतरी भी है। यहाँ प्रतिवर्ष शरदोत्सव आयोजित किया जाता है, स्वामी वात्सल्य का आयोजन भी यहाँ किया जाता है जिसमें सामूहिक भोज होता है।

(२) दादाबाड़ी, सागरताल, लक्ष्मण:— इस दादाबाड़ी में श्री जिनदत्त मूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं। यहाँ कुंवार बंदी १० की प्रतिवर्ष मेला होता है।

(३) दादाबाड़ी, मुरार:— यहाँ श्री जिनदत्त कुशल मूरि के चरण प्रतिष्ठित हैं।

स्थानक:—

साधु मार्गी संघ के यहाँ दो स्थानक हैं। पहिला स्थानक रियावालों का बाड़ा, सराफा बाजार, लक्ष्मण में स्थित है। इसे स्थापित हुए करीब ५०-६० वर्ष हो गये हैं। स्थानक "साधन स्थल" है जहाँ साधु-गण ठहरा करते हैं और धर्मोपदेश दिया करते हैं। यहाँ शास्त्र ग्रन्थ उपलब्ध रहते हैं। साधु मार्गी बन्धु यहाँ धर्म चर्चा करते हैं। दूसरा स्थानक मुरार में बस स्टैंड के पास, कपड़ा बाजार में स्थित है। इन स्थानकों की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री मूरजमल सवेनी और मन्त्री श्री दीपचन्द्र जी मूया करते हैं।

इवेताम्बर तेरापन्थी:—

आचार्य श्री भिक्षु के सिद्धान्तों पर चलने वाले तेरापन्थी इवे० जैन, स्थानक वासियों की तरह ही साधु, मुनि व स्वायिपोपर अटूट श्रद्धा रखते हैं। क्रांतदर्शी आचार्य भिक्षु की परंपरा में नवम् आचार्य श्री मुनसी हैं।

बृहत्तर ग्वालियर में प्रतिवर्ष आयोजित



जैन धार्मिक महोत्सव

नगर में स्थित व बाहर से आये हुए दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन बंधुओं के सूचनार्थ, गहा होने वाले धार्मिक उत्सवों का विवरण प्रकाशित किया जा रहा है। यह जानकारी बाहर से आये हुए व्यवसायी, निजी व सरकारी सेवा में लगे हुए व्यक्तियों व विद्याध्ययन करने आये हुए बाहर के विद्यार्थियों को लाभदायक सिद्ध होगी। प्रत्येक जैन धर्मावलम्बी को निम्नलिखित कार्यक्रमों में यथा समय सम्मिलित होना चाहिये।

(१) नव-सम्बत्—चैत्र सुदी एकम् को श्री दिगम्बर जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में प्रतिवर्ष नव वर्ष के अवसर पर प्रातः काल श्रीजी के कलशाभिवेक, सामूहिक उत्सव के रूप में किये जाते हैं।

(२) महावीर जयन्ती महोत्सव:—बृहत्तर ग्वालियर के दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की प्रतिनिधि एकमात्र संस्था 'श्री महावीर जयन्ती महोत्सव समिति' द्वारा प्रतिवर्ष चैत्र सुदी त्रयोदशी को पूरे दिन सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इसके अतिरिक्त धार्मिक, सांस्कृतिक, खेल-कूद, महिला—सम्मेलन, कवि सम्मेलन, जैन मेला व गोष्ठियाँ एक हफ्ते पूर्व से प्रारम्भ की जाकर महावीर जयन्ती के दिन समाप्त की जाती हैं। कार्यक्रम की विस्तृत सूचना स्थानीय समाचार पत्रों व प्रत्येक जैन मन्दिर में भेज दी जाती है। त्रयोदशी के दिन निम्नलिखित कार्यक्रम होते हैं:—

(अ) प्रभात-फेरी व भड्डा अभिवादन:—प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के अवसर पर प्रातः ६ बजे श्री

शुभनाथ धर्मशाला, मामा के बाजार से सामूहिक प्रभात फेरी प्रारम्भ होकर मानवगंज, जयाजी चौक, दीनसगज, पाटनकर बाजार, शंखानाओली, सराफा बाजार, दानाओली होती हुई चम्पाबाग मैदान, नई सड़क पर मुख्य अतिथि द्वारा करीब ८॥ बजे भड्डा अभिवादन व व्याख्यान के बाद विसर्जित होती है।

(ब) कलशाभिवेक:—भड्डा अभिवादन के पश्चात् श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर चम्पाबाग में श्रीजी के कलशाभिवेक किये जाते हैं।

(स) भाषण, कविता पाठ व गोष्ठी:—इसी दिन दोपहर २ बजे से ४ बजे तक चम्पाबाग मैदान, नई सड़क पर एक सभा महावीर जयन्ती समिति द्वारा की जाती है जिसमें स्थानीय व विद्वानों के व्याख्यान आदि होते हैं।

(द) आम सभा:—रात्रि ७ बजे गोरखी—प्रांगण जयाजी चौक में एक आम सभा महावीर जयन्ती के दिन जयन्ती समिति द्वारा आयोजित की जाती है जिसमें अध्यक्ष व मुख्य विद्वानों को बाहर से आमन्त्रित किया जाता है। स्थानीय एवं बाहर से पधारे हुए विद्वानों के, एकत्रित विशाल जन समुदाय में भाषण होते हैं।

(३) कलशाभिवेक:—ज्येष्ठ सुदी चतुर्दशी के दिन १००८ श्री ज्ञानिनाथ भगवान के कलशाभिवेक श्री दि० जैन बीसपन्थी नरियां जी रामकुई पर सामूहिक रूप में किये जाते हैं।

(४) जिनवाणी पूजन:—ज्येष्ठ सुदी पंचमी (श्रुत-पंचमी) के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली में समस्त शास्त्र ग्रन्थ निकाले जाकर जिनवाणी पूजन होती है। यह पूजन अन्य कई जैन मन्दिरों में भी की जाती है।

(५) श्री नन्दीश्वर-विधान व श्री सिद्धचक्र-विधान पूजन:—असाढ़ सुदी अष्टमी से पूर्णमासी तक प्रत्येक दिगम्बर जैन मन्दिर में प्रतिदिन की पूजा के अतिरिक्त श्री नन्दीश्वर विधान व श्री सिद्धचक्र विधान पूजन होता है। किसी-किसी मन्दिर में मङ्गल जो मांडकर विशेष महोत्सव भी मनाया जाता है।

(६) श्री पार्ष्णनाथ निर्वाण महोत्सव:—श्रावण सप्तमी (मोहर साते) के दिन श्री दि० जैन बीसपन्धी चम्पाबाग मन्दिर, दानाओली में श्री पार्ष्णनाथ निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है। इस दिन बालिकायें उपवास रखती हैं।

(७) श्री सप्त ऋषि पूजन:—श्रावण सुदी पूर्णमासी रक्षा बधन के दिन अनेक मन्दिरों में श्री सप्त ऋषि पूजन होती है तथा मुनि श्री विष्णुकुमार की कथायें पढ़ी जाती हैं। सोसह-कारण-व्रत का प्रारम्भ भी इसी दिन से होता है।

(८) जैन श्वेताम्बर पर्युषण पर्व:—भादों वदी बारस से भादों सुदी चौथ तक श्वेताम्बर जैन समाज में पर्युषण पर्व मनाया जाता है। पंचमी को जमा-याचना व भादों सुदी छठ को स्वामी वात्सल्य (स्वामी-विच्छल) दादावाड़ी, कटी घाटी जीबाजीमंज पर आयोजित किया जाता है।

(९) सन्धस्थी:—तेरापन्धी—साधुभार्षी—श्वेताम्बर जैन-समाज में प्रतिवर्ष भादों सुदी पंचमी के दिन संवत्-श्री के अवसर पर उपवास, धार्मिक प्रवचन, शास्त्र स्वाध्याय आदि किये जाते हैं।

(१०) लब्धि—विधान व्रत—भाद्रपद सुदी एकम के दिन लब्धि-विधान व्रत किया जाता है।

जैन धार्मिक महोत्सव

(११) चौबीसी—व्रत:—भाद्र सुदी तीज के दिन चौबीसी व्रत किया जाता है।

(१२) दिगम्बर जैन पर्युषण (दस-लक्षण) पर्व:—भाद्र सुदी पंचमी से चतुर्दशी तक प्रत्येक जैन मन्दिर में पूजन-पाठ शास्त्र स्वाध्याय के साथ सानन्द पर्युषण पर्व मनाया जाता है। इन दस दिनों में दस धर्म, याने उत्तम क्षमा, सार्दव, आर्दव, सत्य, शीच, संयम, तप, त्याग, आर्कचन और ब्रह्मचर्य विषय पर सुबह पूजा पाठ करके संबंधित धर्म पर चर्चा की जाती है। अनेक मन्दिरों में विज्ञान रूप में रात्रि को शास्त्र सभा आयोजित की जाती है, जिसमें शास्त्र स्वाध्याय, धार्मिक चर्चा, कीर्तन, भजन 'के अतिरिक्त बाहर से आमन्त्रित किये गये विद्वानों के भाषण होते हैं।

(१३) पुष्पांजलि व्रत समाप्ति कलशाभिषेक:—भाद्र सुदी नवमी के दिन श्री दि० जैन चम्पाबाग बीसपन्धी मन्दिर दानाओली में रात्रि को पुष्पांजलि व्रत समाप्ति के कलशाभिषेक होते हैं। बैठ-बाजे के साथ काफी मस्ज्या में स्त्री-पुरुष कलश भरने जाते हैं।

(१४) सुगन्ध-दशमी (धूप दशमी):—प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में दश लक्षण विधान का मङ्गल भादों सुदी दशमी के दिन माड़ा जाता है। इसी दिन समस्त दि० जैन व्यक्ति नगर में स्थित सभी दि० जैन मंदिरों पर धूप देने जाते हैं। इस अवसर पर प्रत्येक मन्दिर की पहल-पहल, सजावट नयनाभिराम होती है। प्रायः महिलायें इस दिन सुगन्ध-दशमी का व्रत रखती हैं।

(१५) अनन्त-चतुर्दशी:—प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में भाद्र सुदी चतुर्दशी के दिन पूजन विधान समाप्त कर सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक कल से कल-शाभिषेक होते हैं। इसी दिन सभी स्त्री, पुरुष व बच्चे उपवास रखते हैं।

(१६) रत्नत्रय मङ्गल:—भाद्र सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन नया मन्दिर दानाओली, बड़ा मंदिर, डीहवाना ओली आदि में रत्नत्रय-मङ्गल माड़ा जाता

है। दोपहर १ बजे से ५ बजे तक सामूहिक पूजन की जाकर कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(१७) सोलह कारण व्रत समाप्ति-कलशाभिषेक व क्षमावाणी वर्षः—आश्विन वदी एकम् के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में सायंकाल ५-३० बजे से ८-३० बजे तक सोलह कारण व्रत समाप्ति कलशाभिषेक किये जाते हैं। तदुपरान्त श्री दि० जैन मन्दिर, डीडवाना भोली व श्री दि० जैन चम्पाबाग मन्दिर, दानाभोली से सामूहिक रूप में जैन बन्धु शहर के जैन व्यक्तियों से क्षमा-याचना करने निकलते हैं। अनेक मम्हारों क्षमावाणी पर्व को अगले दिनों में भी मनाती रहती है।

(१८) उरबाई गेट (किले का) वार्षिक मेला:—यह मेला ग्वालियर किले के उरबाई गेट के नीचे कुवार वदी दोज के दिन भरता है। ग्वालियर पचासत की ओर से भजन-पूजन किये जाकर कलशाभिषेक सायंकाल ५ बजे किये जाते हैं।

(१९) एक पत्थर की बाघड़ी का वार्षिक मेला:—कुवार वदी चौथ के दिन श्री दि० जैन जैमवाल मन्दिर, दानाभोली से भजन, पूजन के साथ श्रीजी, एक पत्थर की बाघड़ी पर ले जाये जाते हैं। यहाँ ६००

वर्ष पूर्व की अनेक विशाल मूर्तियाँ हैं। वहाँ भाये हुए जैन बन्धुओं द्वारा सामूहिक भजन-पूजन के बाद कलशाभिषेक किये जाते हैं।

(२०) ग्वालियर मेला—कुवार वदी छठमी के दिन घाम मण्डो, ग्वालियर स्थित श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में मडल जी माडा जाकर, जति उत्साह के साथ भजन-पूजन होता है और मायकाल विशाल जन-समूदाय के बीच श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाकर ग्वालियर का मेला सम्पन्न होता है।

(२१) श्री च्छोलाल जी की बगोची का मेला:—आश्विन वदी दशमी के दिन विरमानगर रटेंगन के पीछे स्थित श्री नुबीलाल जी की बगोची में यह वार्षिक मेला आयोजित किया जाता है। सायंकाल कलशाभिषेक किये जाकर यहाँ सामूहिक गोट का जाती है। इस मेले का प्रवन्ध श्री दि० जैन बीमपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग की वार्यकारिणी कमेटो करती है।

(२२) ग्वालियर किले का जैन वार्षिक मेला:—आश्विन वदी अमावस के दिन श्री वासपूज्य मन्दिर ग्वालियर से जलेब प्रारम्भ की जाकर श्रीजी को ग्वालियर किले पर जिन में दिशाई गई विशाल जैन प्राचीन मूर्तियों के सामने त्रिराजमान किया जाता है। यहाँ उपस्थित जैन बन्धु सामूहिक भजन, नृत्य करते हैं और बाद में कलशाभिषेक किये जाते हैं। इस मेले के अवसर पर बड़ी संख्या में धर्जन व्यक्ति भी किले पर पहुँचते हैं। अनेक जैन नवयुवक मडल, व्यवस्था सम्बन्धी कार्य में प्रज्ञासमीप सहयोग देते हैं।

(२३) नमिया जी का मेला—रामकुई, लखर स्थित नमिया जी में प्रतिवर्ष आश्विन सुदी दशमी के दिन वार्षिक मेला आयोजित किया जाकर



[ग्वालियर-किले की विशाल प्राचीन जैन मूर्तियाँ]

भजन नृत्य के साथ श्रीजी के कलशाभिषेक किये जाते हैं ।

(२४) शरद महोत्सव:—आश्विन सुदी पूर्णमासी के दिन श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग मन्दिर में रात्रि को कलशाभिषेक किये जाकर शरद महोत्सव मनाया जाता है ।

(२५) श्री महावीर स्वामी निर्वाण महोत्सव:—कार्तिक कृथी अमावस्य के दिन प्रत्येक दि० जैन मन्दिर में भगवान महावीर स्वामी का निर्वाण महोत्सव सामूहिक लड्डू चढा कर मनाया जाता है । कुछ विशेष मंदिरों का लड्डू चढाने का समय इस प्रकार है:—

१. चम्पाबाग बीसपन्थी, मन्दिर—प्रातः साढ़े पांच बजे ।
२. तेरापन्थी मन्दिर, माधवगञ्ज—प्रातः सवा आठ बजे ।
३. तेरापन्थी मन्दिर, दौलतगञ्ज—प्रातः साढ़े आठ बजे ।
४. बड़ा मन्दिर, डीडवाना ओली—प्रातः नौ बजे ।
५. नया मन्दिर, दानाओली—प्रातः साढ़े नौ बजे ।

(२६) श्री दि० जैन रथ यात्रा मुरार:—कार्तिक सुदी छठमी के दिन श्री दि० जैन मन्दिर, मुरार से रथ यात्रा निकाली जाती है । यह मुरार के विभिन्न बाजारों से होती हुई चिक सन्तर मुरार स्थित धर्मशाला में कलशाभिषेक किये जाकर सम्पन्न होती है । यहाँ श्रीजी तीन दिन तक विराजमान रहते हैं । इस अवधि में भजन, पूजन, शास्त्र-वाचन, नृत्य आदि होते हैं ।

(२७) जंसवाल पंचायती रथयात्रा लखकर:—कार्तिक सुदी सप्तमी के दिन श्री दि० जैन जीसवाल पंचायती मन्दिर दानाओली से रथयात्रा निकाली जाती है, जो लखकर के प्रमुख बाजारों से होती हुई वापिस मन्दिर जी में आती है यहाँ कलशाभिषेक होते हैं ।

(२८) सामूहिक दिगम्बर जैन रथयात्रा:—नगर के समाज सेवा व्यक्तियों ने समाज में एकता की भावना जागृत करने के उद्देश्य से, वर्षों से निकाली जा रही तीन पृथक-पृथक रथ यात्राओं को एक बृहत रथयात्रा में परिवर्तित करके २६ जनवरी १९६६ को विशाल रथयात्रा निकाली, जिसमें तीन दिन तक विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित कर धर्म प्रभावना की गई । इसके पूर्व आश्विन सुदी त्रयोदशी को श्री दि० जैन नया मन्दिर, दानाओली, कार्तिक सुदी दौज को श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग दानाओली, मगसर माह में श्री दि० जैन बड़ा मन्दिर डीडवाना ओली द्वारा अलग अलग रथयात्रा निकाली जाती थी । सामूहिक रथयात्रा प्रतिवर्ष आयोजित करने के लिये एक 'श्री दिगम्बर जैन बृहत रथयात्रा महोत्सव समिति' गठित की गई है जिसके अध्यक्ष श्री मानिकचन्द्र खंगवान, मन्त्री श्री मिथीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी पान्ड्या हैं ।

(२९) श्री शुद्धवर्ष में गोपालदास जी बरैया जयन्ती महोत्सव:—स्याद्वाद बारिधि, बारिधगज केशरी, ग्याय वाचस्पति गुरुवर्य प० गोपालदास जी बरैया के नाम से सभी परिचित हैं । आप अनेक विद्वानों के जन्मदाता व सामाजिक क्रांति के सूत्रधार थे । आपने समाज को पुरानी रूढ़ियों से मुक्त करने के अनेक प्रयास किये । जैन शिक्षा के प्रसार व प्रचार में आपका योग जुलाया नहीं जा सकता । आगरा नगर में जैन कृष्ण १२ वि.स. १९२३ में आपका जन्म हुआ था । ऐसी महान् आत्मा के प्रति अपनी हार्दिक श्रद्धाञ्जलि व्यक्त करने हेतु जैन समाज प्रतिवर्ष जैन शुक्ला एकम् (गुड़ी पञ्चा) के दिन महावीर धर्मशाला, नई सड़क लखकर में व्याख्यान, भजन आदि का आयोजन करती है । जैन सिद्धान्तदर्पण जैन धर्म प्रवेशिका, जैन यूगोल, सुशीला (उपन्यास) आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं ।

—मिथीलाल पाटनी

नगर स्थित जैन धर्मशालायें

नगर के जैन, अर्जन व्यक्तियों के सामाजिक धार्मिक कार्यों को सम्पन्न करने हेतु बृहत्तर-खालियर में १२ दिगम्बर व १ श्वेताम्बर जैन धर्मशालायें स्थित हैं। इनमें से लखर में १०, खालियर में २, व मुबार में १ धर्मशाला है।

१. श्री दि० जैन तेरापन्थी, पुरानी सहेली, धर्म-शाला, नई सड़क, लखर।

२. श्री दि० जैन बीसपन्थी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क, लखर।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क, लखर।

४. श्री पार्श्वनाथ धर्मशाला, पुरानी सहेली डोडवाना ओली, लखर।

५. श्री जैसवाल पंचायती धर्मशाला, नक्कासा १, दानाओली, लखर।

६. श्री दि० जैन तेरापन्थी नई सहेली, धर्मशाला, दानाओली, लखर।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, दानाओली, लखर।

८. श्री दि० जैन पार्श्वनाथ धर्मशाला, बितेरा-ओली, लखर।

९. श्री जूधभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लखर।

१०. श्री जैन श्वेताम्बर धर्मशाला, बराका बाजार लखर।

११. श्री नोकुलचन्द जी धर्मशाला, लोहा मन्डी, खालियर।

१२. श्री दि० जैन वासपूज्य धर्मशाला, पसारी-ओली, खालियर।

१३. श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार।

उक्त धर्मशालाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री दिगम्बर जैन तेरापन्थी, पुरानी सहेली धर्मशाला, नई सड़क, लखर:—नई सड़क फिलिमस्तान टॉकीज के सामने १२५ वर्ष पूर्व श्री रोड़मल जी फतेहलाल जी ने उर्फ धर्मशाला का निर्माण कराया। इस धर्मशाला के विस्तृत आगम में फूल, पौधों और हरि-याली से परिपूर्ण आकर्षक सजा हुआ बगीचा लगा है। यहाँ ४ कमरे, ६ बरामदे, २ हाल तथा ५ अलमारिया हैं। विद्युत, नल, कुआ, रसोईघर, स्नान घर आदि की समुचित व्यवस्था होने से अधिकांश वैवाहिक, धार्मिक व सामाजिक कार्यों में इसका उपयोग किये जाता है। धर्मशाला की प्रबन्ध व्यवस्था, पुरानी सहेली, डोडवाना ओली स्थित दि० जैन बड़ा मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

२. श्री बीसपन्थी चम्पाबाग धर्मशाला, नई सड़क:—श्री दि० जैन बीसपन्थी मन्दिर, चम्पाबाग के अन्तर्गत नई सड़क पर, विशाल मैदान के रूप में यह धर्मशाला स्थित है। वर्तमान में इस धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने हेतु किया जाता है। विस्तृत मैदान होने के कारण यहाँ नाटक, जोमन व बड़े पैमाने पर किये जाने वाले समा-रोह सुविधापूर्वक सम्पन्न हो जाते हैं। इसके सामने ही

एक धर्मशाला और है जिसके एक भाग में अज्ञाना केम्टी व कुछ भाग में जैन छात्रावास स्थित है। इस छात्रावास के कमरे भी चांदमलजी फूलचन्द जी द्वारा बनवाये गये थे। शेष भाग में कमी-कमी जीवन व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उक्त दोनों धर्मशालाओं की व्यवस्था चम्पाबाग-मंदिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की दृष्टि से स्थान नहीं है।

३. श्री महावीर धर्मशाला, नई लडक, लडकर:— नगर के मध्य, पूर्ण सुसज्जित विशाल महावीर धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९३३ में श्री मणेशी-लाल जी फूलचन्द जी द्वारा सम्पन्न किया गया। इसमें ५५ कमरे, २ हाल, १ चौक, भोजनालय, शौचालय, स्नान घर, कुआ, हेन्डपम्प आदि हैं। इस धर्मशाला में यथा स्थान, नल व विद्युत की व्यवस्था है। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से स्थाई मैनेजर व नौकर उपलब्ध हैं। उचित व्यवस्था व अधिक सुसज्जित पूयक कमरे होने से यहा एक ही समय में दो-दो बारातो का ठहरना संभव हो जाता है। धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सभी प्रकार के अवसरों पर इसका यथा सम्भव प्रयोग जैन व अजैन समाज द्वारा किया जाता है। इसकी व्यवस्था श्री बुधमल जी गंगवाल करते हैं। सन् १९६४ में उक्त धर्म द्वारा एक ट्रस्ट का निर्माण किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य महावीर धर्मशाला की व्यवस्था करना है।

४. श्री पार्ष्णनाथ धर्मशाला, बड़ा मन्दिर, भीक-मण्डव जैन मार्ग, (खोडवाना ओली), लडकर:—बड़ा मन्दिर डीहवाना ओली के समीप स्थित पार्ष्णनाथ धर्मशाला का निर्माण ५ वर्ष पूर्व श्री कस्तूरचन्द जी सोनी के आर्थिक सहयोग एवं प्रयत्नों से हुआ। इसमें १ हाल ५ कमरे, व कई अलमारियां हैं। यात्रियों, स्थायी गणों के ठहरने व छोटे धार्मिक व सामाजिक कार्यों के लिये यह धर्मशाला सुविधाजनक है। इसकी व्यवस्था श्री कस्तूरचन्द सोनी व बड़ा मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है। धर्मशाला के एक भाग में श्री वर्द्धमान दिग-

नगर स्थित जैन धर्मशालायें

म्बर जैन गवयुक्त तब द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय स्थित है।

५. श्री दि० जैन जैसवाल पंचायती धर्मशाला, नक्कासा १, दानाओली:—जैसवाल जैन पंचायती मंदिर दानाओली के अंतर्गत इस धर्मशाला का निर्माण कार्य सन् १९६६ में प्रारम्भ हुआ। इस कार्य हेतु एक छोटी सी जगह खरीदी गई किन्तु कुछ समय बाद ही दाना-ओली नक्कासा न. १ में विशाल स्थान पर उक्त धर्मशाला का निर्माण कार्य किया गया। वर्तमान में इसकी एक मन्जिल बनकर पूर्ण हो चुकी है जिसमें ३ हाल व ८ कमरे हैं। उक्त धर्मशाला का उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों हेतु किया जाता है। व्यवस्था कार्य जैसवाल पंचायत द्वारा होता है। इसमें वर्तन, विद्यालय आदि की भी व्यवस्था है। जैसवाल पंचायत के वर्तमान अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री श्री मुन्शीलाल जी, व कोषाध्यक्ष श्री गण्पलाल जी भी वाले हैं।

६. श्री दि० जैन तेरापंची, नई सहेली, नया मंदिर धर्मशाला, दानाओली, लडकर-सन् १९१८ में श्री सदासुख जी महाचन्द जी गंगवाल ने तेरापन्ची-नया मन्दिर-क्षेत्र में इस धर्मशाला का निर्माण करवाया। इसमें ७ कमरे व २ हाल हैं। वर्तमान में इसका अगला भाग श्री वर्द्धमान माध्यमिक विद्यालय व खेल भाग धार्मिक, सामाजिक कार्यों और स्थायी गणों के निवास हेतु उपयोग में लाया जाता है। इन धर्मशाला में यात्रियों को ठहरने की व्यवस्था नहीं है। धर्मशाला की व्यवस्था नया मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है।

७. श्री दि० जैन बरैया पंचायती धर्मशाला, दानाओली, लडकर:—उक्त धर्मशाला जैन भवन' दानाओली के नाम से विख्यात है। इसकी स्थापना बरैया पंचायत द्वारा सन् १९६६ में की गई थी वर्तमान में इसका निर्माण कार्य अधूरा है जिसे शीघ्र ही सम्पूर्ण किया जा रहा है। धर्मशाला की व्यवस्था बरैया पंचायत कमेटी द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री मोहनलाल जी, मन्त्री श्री० रामचरणलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री नेमीचन्द जी हैं।

(ब) श्री दि० जैन पादवर्धनाथ धर्मशाला, चित्तौरा ओली, माधवगंज:—श्री दि० जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज क्षेत्र में स्थित पादवर्धनाथ धर्मशाला का निर्माण, मन्दिर जी द्वारा सन् १९६६ में हुआ। इनमें १ चौक, १ हॉल, ४ कमरों, नल, बिजली, के अतिरिक्त पक्के, आदि की भी सुविधाएँ हैं। यह धर्मशाला मन्दिर से लगी हुई है। इसका उपयोग धार्मिक कार्यों, सामाजिक कार्यों व अन्य समाज के कार्यों में सुविधाजनक सिद्ध होता है। यहाँ फर्म, वसंत, टाट-पट्टियाँ, विवाह के लिये चौरी, समयशरण, व जैन पद्धति से विवाह के लिये पंडित का भी प्रबंध है। धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि. जैन तेरापन्थी मन्दिर, माधवगंज द्वारा की जाती है। प्रबन्ध कार्य श्री मुन्शीलाल जी व कपूरचन्द जी द्वारा किया जाता है।

(६) श्री ऋषभनाथ धर्मशाला, मामा का बाजार, लखर:—मामा के बाजार में स्थित श्री ऋषभनाथ जैन धर्मशाला, समीप स्थित जैन परिवारों के धार्मिक व सामाजिक कार्यों में बहुत अधिक सुविधाजनक सिद्ध हुई है। इसमें एक चौक व कई तिहारें हैं। प्रतिवर्ष महावीर जयन्ती के दिन सप्तस्त दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन समाज की ओर से आयोजित की जाने वाली भगवान महावीर की प्रभात फेरी का प्रारम्भ इसी धर्मशाला से किया जाता है। इस धर्मशाला की व्यवस्था श्री दि० जैन पंचायती बड़ा मन्दिर, मामा के बाजार की प्रबन्ध समिति द्वारा की जाती है।

(१०) श्वेताम्बर जैन धर्मशाला, सराफा बाजार, लखर:—श्वेताम्बर जैन मन्दिर, सराफा बाजार के

निकट ही यह विशाल धर्मशाला स्थित है। इसका उपयोग धार्मिक, सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने व यात्रियों को ठहराने हेतु किया जाता है। सम्बन्धित कार्यों के लिये वसंत विद्यालय आदि भी यहाँ उपलब्ध हैं। धर्मशाला की व्यवस्था मूर्ति पूजक संघ द्वारा की जाती है।

(११) श्री गोकुलचन्द जी जैन धर्मशाला, लोहा-बग्डी, ग्वालियर:—लोहामन्डी (ग्वालियर) में स्थित गोकुलचन्द जी धर्मशाला का कार्य, गोकुलचन्द जी जैन मन्दिर प्रबन्ध कमेटी द्वारा संचालित है। इसका उपयोग सामाजिक व धार्मिक कार्यों के अलावा यात्रियों के निवास के लिये भी किया जाता है।

(१२) श्री दि० जैन वासपूज्य पंचायती धर्मशाला, जैन भवन, ग्वालियर:—पसारी ओली (ग्वालियर) में श्री वासपूज्य जैन मन्दिर से लगे हुए जैन भवन को धर्मशाला के रूप में निमित्त किया जा रहा है जिसका निर्माण कार्य चालू है। इनकी व्यवस्था श्री वासपूज्य जैन मन्दिर पंचायत द्वारा की जाती है।

(१३) श्री दि० जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार—विशाल चौक व अनेक आधुनिक कमरों से सुसज्जित चिक सन्तर मुरार में जैन-धर्मशाला स्थित है, जिसका प्रयोग धार्मिक व सामाजिक कार्यों में होता है। त्यागी व्रतियों के ठहरने के लिये मुरार क्षेत्र में यह उत्तम स्थान है। इसके एक हिस्से में जैन मिडिल स्कूल भी चलाया जाता है। वर्तमान में इनकी व्यवस्था श्री भोलाराम प्रेमराज जी करते हैं।

निर्भयता आध्यात्मिकता की सबसे पहली आवश्यकता है।

Fearless-ness is the first requisite of Spirituality.

—महात्मा गांधी

धार्मिक - पाठशालाएँ

लखनऊ नगर में ६ धार्मिक पाठशालायें विभिन्न मोहल्लो में खलाई जा रही हैं। पाठशालायों का उद्देश्य जैन बालक बालिकाओं में धार्मिक संस्कार डालना है। धार्मिक शिक्षा बच्चों को बड़े होने पर अन्य सभी धर्मों का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन करने में मदद देती है। उनके विचारों और दृष्टि-कोणों को एकांगी नहीं बल्कि, विस्तृत और उदार बनाती है।

धार्मिक संस्कार से रहित बच्चे अपने आने वाले जीवन में नैतिकता, उदारता, सदब्यवहार आदि गुणों को अपना आधार नहीं बना सकेंगे। जब बच्चों को धर्म का ज्ञान नहीं होता है तो वे शास्त्र सभा, धार्मिक आयोजन तथा सामाजिक कार्यक्रमों से दूर भागने लगते हैं। दर्शन, पूजन, जाप से भी जी चुराने लगते हैं। धार्मिक शिक्षा अनैतिक और कुमार्गी होने से बचाती है। आज के वैज्ञानिक युग के संसार में अनेकों आकर्षण मौजूद हैं और दिनोदिन बढ़ते जा रहे हैं ऐसी स्थिति में माँ बाप की सेवा, भाई बहिनी से प्रेम-पूर्ण व्यवहार, अपने पड़ोसियों से हिलमिल कर अच्छा सम्मान-पूर्ण जीवन व्यतीत करने का पाठ सिखलाने वाली संस्थाएँ 'धार्मिक-पाठशालायें' ही हैं। कुछ लोग धार्मिक शिक्षा ग्रहण न करना और धार्मिक आचरणों पर न चलने को ही प्रगतिशीलता का लक्षण मान बैठे हैं। जब हमारे नवयुवक विदेश में उच्च शिक्षा हेतु जाते हैं तब भी उन देशों के व्यक्ति उनसे जैन धर्म पर विशेष

जानकारी मांगते हैं और गिरजाघरों में उनके भाषणों का आयोजन करते हैं। हमारे देश में ही अनेक व्यक्ति समय-समय पर जैन धर्म पर प्रश्न पूछते हैं ऐसी स्थिति में धर्म का ज्ञान न होना उपहास का कारण ही बनता है। नगर की धार्मिक-शिक्षण संस्थाओं की संक्षिप्त जानकारी निम्न लिखित है :—

१. बड़ा मन्दिर जैन पाठशाला, डीहवाणा भोलो :—

लगभग ५० वर्ष पूर्व तत्कालीन बड़ा मन्दिर कमेटी द्वारा धार्मिक शिक्षा देने हेतु जैन पाठशाला की स्थापना की गई। सन् १९३८ से इस पाठशाला के एक मात्र अध्यापक पं. लाला भईया मुख्य अध्यापक के स्थान पर नियुक्त हैं। पाठशाला की व्यवस्था वर्तमान प्रबन्ध कमेटी श्री दि० जैन तेरापन्थी पुरानी सहेली द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन करीब २५ बालक उपस्थित होते हैं।

२. श्री दि० जैन पाठशाला, दामाभोलो :—

चम्पाबाग मन्दिर में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना, मन्दिर पंचायत द्वारा सन १९३८ में हुई। धार्मिक शिक्षा देकर बच्चों में धार्मिक भावनाओं की नींव डालते रहना ही इसका एक मात्र उद्देश्य है। पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर कमेटी द्वारा की जाती है। इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र धार्मिक शिक्षा ग्रहण करने हेतु उपस्थित होते हैं।

३. श्री वि. जैन पाठशाला, खिलेरा जोशी, माधवगंज—

तेरापन्थी मन्दिर माधवगंज में स्थित जैन पाठशाला की स्थापना सन १९२८ में मंदिर प्रबंधकों द्वारा की गई। इस पाठशाला में प्रतिदिन ३० छात्र छात्राएँ उपस्थित होती हैं। वर्तमान में इस पाठशाला के छात्रों को व्यवस्थित ढंग से प्रथम बालबोध से लेकर छहड़ाला रत्न काण्ड-आवकाचार तक की धार्मिक शिक्षा प्रदान की जाती है। प्रति वर्ष बम्बई व सोलापुर बोर्ड द्वारा लिखित व मौखिक परीक्षाएँ होती हैं। सुबह और दोपहर दोनो समय पाठशाला में पठित मोहनलाल जी द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाती है। पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर जी के अन्तर्गत प्रथक समिति द्वारा की जाती है जिसके अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी पाटनी, मन्त्री श्री धुन्नीलाल जी हैं।

४. श्री वि. जैन पाठशाला, वीसतगंज—

वीसपन्थी मन्दिर वीसतगंज में स्थित जैन पाठशाला की व्यवस्था मन्दिर के प्रबंधकों द्वारा की जाती है। यहाँ प. लाला भइया द्वारा बच्चों को धार्मिक शिक्षा दी जाकर धार्मिक संस्कारों को जायत किया जाता है। इस पाठशाला में २५ बालक-बालिकाएँ धार्मिक शिक्षा

प्राप्त करने हेतु उपस्थित होते हैं, जो अत्यंत प्रशंसनीय है।

५. श्री विगम्बर जैन बन्धु सभा, विन्धु पाठशाला, नया बाजार:—

श्री वि. जैन बन्धु सभा नया बाजार द्वारा संचालित उक्त पाठशाला की स्थापना २५ दिसम्बर १९६७ को मन्दिर के निचले भाग में स्थित कमरों में हुई। लगभग ८० बालक बालिकाएँ को यहाँ योग्य अध्यापक श्री स्वरूप चन्द जैन धार्मिक शिक्षा प्रदान करते हैं। पाठशाला की व्यवस्था जैन बन्धु सभा के निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा की जाती है। वर्तमान अध्यक्ष श्री बुधमल जी गगवाल, मन्त्री श्री ऋम्भनलाल जी और कोषाध्यक्ष श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं।

६. श्री श्वे० जैन पाठशाला सराफा बाजार, लखर—

यह पाठशाला जैन श्वेता० पाश्वंताथ मन्दिर, सराफा बाजार, लखर में स्थित है। यह जनवरी सन १९६९ में प्रारंभ की गई है। श्वेता० समाज द्वारा चलाई जाने वाली यह एक मात्र पाठशाला है। यह नथमल पारख ट्रस्ट द्वारा चलाई जाती है। वर्तमान में इसके अध्यापक श्री रामस्वरूप जी त्रिपाठी हैं।

केवल सत्य रहगा, शेष सब काल के गाल में चला जायगा।

Truth alone will survive and all the rest will be swept away before
(enduse) the tide of time.

सभी धर्मों में धर्मात्थता है। प्रकाश के साथ छाया होती ही है।

Humbug there Indouhtedly is about all religions, where there is light,
there is also shadow

—महात्मा गांधी

नगर की जैन शिक्षण संस्थाएँ

ग्वालियर में शिक्षण संस्थाओं के स्थापित करने और चलाने में समाज ने विशेष रुचि नहीं ली। लखर व मुरार में एक-एक मिडिल स्कूल समाज द्वारा चलाया जा रहा है जिसे अधिक प्रगति और रुचि का लक्षण नहीं माना जा सकता है। ग्वालियर लखर और मुरार की समाज के शिक्षा प्रेमी सज्जनों का कर्त्तव्य है कि वे समाज के दानप्रेमी सज्जनों को उच्च शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की सलाह दें और उपयोगिता से परिचित करवायें। समाज के बच्चों में भारतीय संस्कार बनाये रखने के लिये कॉन्वेंट स्कूल की तरह शिक्षण संस्था स्थापित करना चाहिये। लखर में एक जैन हाई स्कूल, एक जैन कॉलेज स्थापित किये जाने की काफी गुंजाइश है। इसके अतिरिक्त एक जैन शोध संस्थान के स्थापित किए जाने की भी आवश्यकता है। बनारस विश्वविद्यालय की तरह ग्वालियर विश्वविद्यालय में जैन दर्शन के अध्ययन हेतु एक जैन सीट की स्थापना का भी प्रयत्न करना चाहिए।

नगर की जैन शिक्षण संस्थाएँ

श्री महावीर वि० जैन माध्यमिक मिडिल स्कूल,
चिक सन्तर, मुरार

चिक सन्तर, मुरार में स्थित जैन मिडिल स्कूल का संचालन जैन मन्दिर पंचायत समिती द्वारा किया जाता है। मासकीय मान्यता प्राप्त मिडिल स्कूल में सामान्य शिक्षा के साथ साथ धार्मिक शिक्षा भी दी जाती है। इसमें लगभग ५०० विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करते हैं। स्वर्गीय १०५ धुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी की प्रेरणा से सन १९४८ में उनके चतुर्मास के अवसर पर इस स्कूल की स्थापना की गई थी जिसका विस्तृत रूप सामने है। उक्त स्कूल, जैन पंचायती धर्मशाला, चिक सन्तर, मुरार में चलाया जाता है।

श्री बट्टमान माध्यमिक विद्यालय,
दामा जोली, लखर

बालक ही समाज की धुरी है, यदि बालकों के व्यक्ति-
त्व का निर्माण सही दिशा में नहीं हुआ तो हो सकता

है हमारे वर्तमान समाज का दुःखा ही चरमरा जाय। हमें प्रसन्नता है कि इसकी पीड़ा सर्व प्रथम लखर समाज के प्रसिद्ध सराफि सर्व श्री गुलाबचन्द रेशमचन्द शाह ने अनुभव की और अपनी गाढ़ी कमाई से ५००० रुपये दान देकर उक्त विद्यालय का श्री गणेश किया।

यह विद्यालय दि. जैन नया मन्दिर कमेटी द्वारा प्रदत्त एक विद्यालय भवन में स्थित है। इसकी स्थापना सन १९६१ में हुई। लखर जैन समाज के सहयोग से इसकी व्यवस्था वर्द्धमान शिक्षा समिति द्वारा उचित ढंग से की जाती है। कक्षा आठ तक की शिक्षा यहाँ पर उपलब्ध है और लगभग २५० छात्र-छात्राएँ विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन करते हैं।

इसके अतिरिक्त छोटे छोटे बालको के हेतु एक नर्सरी विभाग है जिसमें माण्टेसरी पद्धति से बच्चों को पढ़ाया जाता है। प्राथमिक विभाग में ४ अध्यापिकाएँ तथा माध्यमिक विभाग में ५ अध्यापिकाएँ कार्यरत हैं। यह विद्यालय निकट नविद्य मे जैन हाईस्कूल मे परिणत होने जा रहा है।

इस समय विद्यालय शासन द्वारा मान्यता प्राप्त है तथा शासकीय अनुदान के रूप में ७००० रु. की धन-राशि उसे प्रतिवर्ष प्राप्त होती रहती है। इसके अति-रिक्त केन्द्रीय समाज कल्याण बोर्ड, न्यू देहली, से नर्सरी

विभाग को ७५० रु. की वार्षिक राशि भी मिलती है बालकों के स्वस्थ विकास के लिए आंतरिक एवं बाह्य क्रीडाएँ, पर्यटन एवं मनोरंजन के कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने-वाले विजेता छात्र एवं छात्राओं को समय-समय पर पुर-स्कृत भी किया जाता है।

बालक का सर्वांगीण विकास कैसे हो वह समाज और देश का सुयोग्य नागरिक कैसे बने। इसके लिये यह आवश्यक है कि उसके समाने प्रारंभ से ही शारी-रिक, मानसिक और नैतिक आदर्शों का उच्चतम मान स्थापित किया जाय। यहाँ के कार्यकर्ताओं का यह विश्वास है कि चारित्र के घरातल को उंचा किये बिना मनुष्य की सही उन्नति और समाज में उसके समा-योजन की प्रक्रिया और उसके स्वरूप नहीं निखरते। इसी लक्ष्य की प्राप्ति हेतु प्रारंभ से यह विद्यालय सतत जागरूक रहा है और शिक्षा के क्षेत्र में विषम परिस्थि-तियों से सघर्ष करने के बावजूद आज वह प्रगति के पथ पर अग्रसर है। संचालन समिति के पदाधिकारी निम्न प्रकार हैं :-

सरलक श्री रेशम चन्द शाह, अध्यक्ष श्री मानिक चन्द गगवाल, उपाध्यक्ष श्री लुकमचन्द अजमेरा, मन्त्री श्री कमलचन्द काशलीवाल, कोषाध्यक्ष श्री शान्तीचन्द पाटोदी।

—कपूरचन्द खरेया

किसी भी धर्म को उसके उत्कृष्टतम पक्ष से परखना चाहिये।
A religion has to be Judged by its best specimens.
नैतिकता के बिना कोई धर्म नहीं जी सकता।
No religion can exist without morality.
वामनापूर्ण हृदय को शुद्ध करने को प्रार्थना अशुभ वषा है।
Prayer is an unfailing means of clearing the heart of passions.
—महात्मा गांधी

नगर के जैन - छात्रावास

व्याप्तियर शिक्षा का प्रमुख केन्द्र है। यहां प्रतिवर्ष महस्त्रों की तादाद में छात्र विविध महाविद्यालयों में विद्याध्ययन करने आते हैं जिनमें आस-पास के अनेक जैन छात्र सम्मिलित होते हैं किन्तु उनके निवास की कोई समुचित व्यवस्था नहीं थी। स्थानीय समाज के बुद्धिजीवी वर्ग ने निवास की समस्या को सुलझाने के लिए चम्पाबाग धर्मशाला में एक हिम्मा देकर उसकी तत्कालीन व्यवस्था करदी। जैन छात्रावास की नींव पढ़ने का गृह प्रथम कदम था।

सन् १९५० में समाज के प्रबुद्ध शिक्षाविद प्रो. चासीराम जी जैन के नेतृत्व में "श्री वीर शिक्षा समिति" का गठन किया। इस समिति ने अपने कार्यकाल में अच्छी प्रगति की, अनेक मेधावी छात्रों का सहयोग पा करके उसने कई वार्षिक अधिवेशनो का आयोजन किया जिसके फलस्वरूप यह समाज के व्यक्तियों का ध्यान एक ऐसे अभाव की ओर खींच सकी जो आगे चलकर छात्रावास के उपयुक्त बातावरण को बनाने में अनुकूल सिद्ध हुई।

समय के चक्र से नगर में अनेक शिक्षण संस्थाओं का उदय हुआ पर स्थान की सीमितता के कारण उपरोक्त छात्रावास कुछ अपूर्ण प्रतीत हुआ। इस कारण समिति ने सर्व प्रथम छात्रावास हेतु एक नवीन सुविधा सम्पन्न भवन के निर्माण कार्य का संकल्प लिया। उसके अनेक विधिवत् प्रयत्न हुये। तत्पश्चात् २३ अक्टूबर १९५६ को कटोराताल स्थान के निकट २२ हजार वर्गफुट भूमि शासन से छात्रावास निर्माण करने हेतु प्राप्त हुई। समिति की अध्यक्ष १०५ कुल्लक श्री गणेश प्रसाद जी वर्णी तथा अध्यक्ष १०८ मुनि श्री देशभूषण महाराज के वादीर्वाह प्राप्त हुये हैं।

वर्तमान में छात्रावास के अन्तर्गत २० कमरे, एक रसीई घर, १० स्नानागार तथा छह भोजनालय हैं जिनमें लगभग ६००० रुपये व्यय हो चुके हैं। ४४ कमरे, पुस्तकालय, प्राशन भण्डार, स्वाध्याय भवन, एक बड़ा हाल, वाडन क्वार्टर, कामन रूप और क्रीडा स्थान का निर्माण कार्य होना शेष है जो दायरों के सहयोग की अपेक्षा करता है।

इस समय संस्था के आधीन दो छात्रावास चल रहे हैं। पहला छात्रावास नई सड़क चम्पाबाग धर्मशाला में स्थित है जिसमें २६ विद्यार्थियों के रहने का प्रबन्ध है। दूसरा नया छात्रावास है जो कटोराताल राजपायग रोड लश्कर पर स्थित है, जिसमें ४० विद्यार्थी रह रहे हैं। सन् १९६७ में प्रो. चासीरामजी के दान से छात्रावास में भोजनालय के भवन का निर्माण करवाया गया है जिसका संचालन छात्र परस्पर सहयोग के आधार पर करते हैं। छात्रावास के लड़कों में वार्षिक प्रवृत्ति उलाने हेतु वार्षिक शिक्षा की व्यवस्था की जाना अत्यन्त आवश्यक है।

छात्रावास का अतीत वास्तव में बड़ा उज्वल रहा है। यहां से निकले छात्र शासन के उच्च स्थानों पर पदासीन हैं, कई स्वतन्त्र व्यवसायी हैं और कई वार्षिक और सामाजिक सेवा में रत हैं। भविष्य में समाज को इससे अनेक आशायें हैं। वीर शिक्षा समिति के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं:—अध्यक्ष—श्री श्यामलाल पांडवीय, मन्त्री—श्री निर्मल कुमारजी एडवोकेट, कोषाध्यक्ष—श्री मुन्शीलालजी, अधीक्षक—प्रो. एन. एल. जैन व प्रचार मन्त्री श्री रूपचन्द जी पाटनी।

—रूपचन्द खरेबा

जैन औषधालय

श्रावण शुक्ला त्रयोदशी सम्बत् १९८६ को इस औषधालय की स्थापना नया मन्दिर धर्मशाला में हुई। स्व. श्री छगन लाल जी पांड्या स्व. श्री गुलाम चन्द जी मोषा, श्री मिश्रीलाल जी पाटनी आदि की प्रेरणा व इनके मासिक दान की स्वीकृति से औषधालय का प्रारम्भ हुआ। वर्तमान में यह औषधालय दानामोली चम्पाबाग के मन्दिर द्वारा ३ रु. माहवार पर दी गई उत्तम जगह पर स्थित है। वृहत्तर ग्वालियर की जैन समाज द्वारा चलाये गये इस एक मात्र औषधालय में आयुर्वेदिक पद्धति से चिकित्सा की जाती है। औषधालय की आर्थिक आवश्यकतायें समाज के व्यक्तियों द्वारा दिये गये मासिक, वार्षिक चन्दे व दान की राशि से पूरी की जाती हैं। महा प्रारम्भ में दवा का वितरण मुफ्त किया जाता था किन्तु कुछ वर्षों से १० पैसे प्रतिरोगी लेना चालू किया है जिससे रोगीगण दवा का दुरुपयोग न कर सकें।

३६ वर्ष की अवधि में इस औषधालय में विभिन्न अवैतनिक और वैतनिक योग्य बंधों ने छह लाख रोगियों को औषधि प्रदान कर रोगमुक्त करने का श्रेय जैन समाज, ग्वालियर को दिया है। इस औषधालय द्वारा सभी वर्ग के भक्तियों की श्रेयभाव रहित सेवा की जाती रही है। इस एक मात्र जैन औषधालय को पूर्ण विकसित करने के लिये समस्त जैन समाज का आर्थिक सहयोग निरन्तर आवश्यक है।

सन १९६० से १९६८ तक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी ने मन्त्री पद पर रहकर औषधालय का योग्यता पूर्वक संचालन किया है। वर्तमान में औषधालय के अध्यक्ष सेठ बुद्धपाल जी चंगवाल व मन्त्री श्री मानिकचन्द भी बोहरा हैं।

—मि श्रीलाल पाटनी

नगर स्थित पुस्तकालय एवं वाचनालय

वृहत्तर ग्वालियर में ५ दिगम्बर व २ श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय एवं वाचनालय हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

श्री बद्धमान पुस्तकालय एवं वाचनालय

डीडवाना ओली, लक्ष्कर

बद्धमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ द्वारा संचालित उक्त पुस्तकालय एवं वाचनालय को स्थापना पार्ष्वनाथ धर्मशाला, डीडवाना, ओली लक्ष्कर में २० नवम्बर सन' १९६७ को प्रो. शान्तिचन्द जी गिरधरवाल के प्रयत्नों से हुई। व्यवस्थित व विशाल रूप में पुस्तकालय को चलाने हेतु पुस्तक संग्रह अभियान चलाकर नवयुवकों ने समाज से सैकड़ों विभिन्न विषयों की पुस्तकें एकत्रित की हैं। इसके अतिरिक्त सैकड़ों नई पुस्तकें खरीदकर भी पुस्तकालय को उपयोगी बनाया गया है।

पुस्तकालय के साथ ही वाचनालय भी स्थापित किया गया है जिसमें धार्मिक, सामाजिक, राजनैतिक, दैनिक, पाठ्य, मासिक पत्र पत्रिकायें मगवाई जाती हैं। यहाँ धार्मिक, सामाजिक जासूसी बाल-शिक्षाप्रद, साहित्यिक, अंग्रेजी आदि विभिन्न विषयों पर २००० पुस्तकें हैं। जैन अर्जुन सभी व्यक्ति इस पुस्तकालय व वाचनालय से लाभान्वित होते हैं।

इसके अतिरिक्त यहाँ पुस्तक-कोष (Book-Bank) की व्यवस्था है, जिसके द्वारा छात्रों को वर्ष-काल में अध्ययन के लिये पाठ्यक्रम की पुस्तकें दी जाती हैं। पुस्तकालय एवं वाचनालय का संचालन बद्धमान दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा निर्वाचित पुस्तकालय मन्त्री

ग्वालियर जैन निर्देशिका

श्री प्रमोदकुमार पाटनी व कमलकिशोर गोधा द्वारा किया जाता है।

यदि पर्याप्त धन और पुस्तकें हान में मिलती रहें तो यह नगर के प्रमुख पुस्तकालयों की श्रेणी में आ सकता है। इस हेतु समाज का सहयोग अपेक्षित है।



२. जैन वीर वाचनालय चम्पाबाग, दानाओली, लखर:-

श्री वीरेन्द्र कुमार जी गंगवाल द्वारा सन १९६८ में चम्पाबाग मन्दिर के नीचे के कमरे में एक वाचनालय स्थापित किया गया। यहाँ दैनिक पत्र व पत्रिकाएँ नियमित रूप से मंगवाई जाती हैं। यहाँ श्री छद्म ही व्यवस्थित रूप से पुस्तकालय चलाये जाने की आशा है। वर्तमान में संचालन कार्य, जैन वीर सेवा संघ, चम्पाबाग द्वारा किया जाता है।

३. श्री जिनेन्द्र पुस्तकालय एवं वाचनालय, जैन भवन, दानाओली, लखर:-

वरिया पचायती धर्मशाखा जैन भवन, दानाओली में स्थित पुस्तकालय व वाचनालय की स्थापना सन् १९६७ में बरैया दि. जैन नवयुवक संघ द्वारा की गई। यहाँ लगभग २०० धार्मिक व सामाजिक पुस्तकें उपलब्ध हैं। वाचनालय में दैनिक पत्र-पत्रिकाओं की समुचित व्यवस्था है। संचालन कार्य श्री दि. जैन बरैया नवयुवक संघ की कार्य समिति द्वारा किया जाता है।

४. श्री पारश्वनाथ पुस्तकालय, चितौरा ओली, माधव पत्र, लखर:-

श्री दि. जैन तेरापन्धी मन्दिर, माधवगंज में सन १९५८ में श्री पारश्वनाथ पुस्तकालय एवं वाचनालय

की स्थापना की गई। वर्तमान में ३५० धार्मिक पुस्तकें व ३०० मासिक यहाँ उपलब्ध हैं। दैनिक पत्रों की भी समुचित व्यवस्था है। इसका प्रबन्ध कार्य मन्दिर पंचायत द्वारा किया जाता है।

५. स्थानकवासी श्वेताम्बर जैन पुस्तकालय, सराफा बाजार, लखर:-

दृहत्तर श्वालियर वर्तमान स्थानकवासी जैन युवक संघ द्वारा उक्त पुस्तकालय संचालित किया जाता है। इस पुस्तकालय में ३०० पुस्तकें हैं।

६. श्री जैन पुस्तकालय, माधव गंज, लखर:-

अशुभत-युवक-मण्डल द्वारा संचालित साधुमार्गी तेरापन्धी श्वेताम्बर जैनसमाज का यह पुस्तकालय, सरावगी सदन, माधवगंज में स्थित है। इसमें ५०० धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध हैं।

७. श्री वीर पुस्तकालय, जैन मन्दिर सन्तर, मुरार:-

स्वर्गीय १०५ श्रुलक श्री गणेशप्रसाद जी वर्णी की प्रेरणा से मुरार जैन पंचायत द्वारा २५ वर्ष पूर्व वीर पुस्तकालय की स्थापना की गई। इस पुस्तकालय में लगभग १००० धार्मिक एवं सामाजिक पुस्तकों का संग्रह है। पुस्तकालय की व्यवस्था माध्यमिक पाठशाला, कमेटी द्वारा की जाती है।

□ □ □

नगर में स्थित वाचनालय एवं पुस्तकालय

४५

सांस्कृतिक-संस्थायें

१. श्री दि. जैन भ्रामाकलब, नया बाजार, लखर:-

बच्चों में ललितकला में रुचि जाग्रत करने के उद्देश्य से नया बाजार जैन मन्दिर में श्री रूपचन्द जी पाटनी व श्री भ्रमनलाल जी के विशेष प्रयत्नों द्वारा इस भ्रामा कलब को स्थापित किया गया। वार्षिक उत्सवों के अवसर पर छोटे बालक व बालिकायें इस कलब के अन्तर्गत नाटक, भजन आदि प्रस्तुत करते हैं। इसकी व्यवस्था जैन-बन्धु-सभा द्वारा की जाती है।

२. महावीर नाट्य कला मन्दिर, लोहामण्डी, ग्वालियर

सन १९६३ में श्री दि. जैन महावीर सेवा-दल द्वारा इस नाट्य कला मन्दिर की स्थापना की गई। लोहा-मण्डी, ग्वालियर में श्री गोकुलचन्द जी के मन्दिर में स्थित नाटक समिति के संस्थापक श्री निर्मल कुमारजी हैं। इसका प्रबन्ध संचालन श्री ज्ञानचन्द जी व श्री ज्ञानचन्द जी बहारी द्वारा किया जाता है।

३. संगीत कला विद्यालय, नया बाजार, लखर:-

श्री दि. जैन मन्दिर नयाबाजार, लखर में स्थित संगीत शिक्षण संस्था के संचालक श्री भ्रमनलाल जी व श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं। यहां प्रत्येक अष्टमी व चतुर्दशी के दिन नियमित रूप से बच्चों को संगीत की शिक्षा दी जाती है। संगीत कला विद्यालय का संचालन जैन बन्धु सभा, नया बाजार द्वारा किया जाता है।

४. संगीत कला मण्डल, ग्वालियर:-

धर्मवीर श्री ब्रह्मलाल जी ने सन १९६४ में इस मंडल की स्थापना वांसपूज्य पंचायती मन्दिर में की। इसका प्रमुख उद्देश्य वार्षिक कार्यक्रम के अन्तर्गत होने वाले गायन भजन नृत्य आदि में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाना है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री हरीशचन्द जी, मन्त्री श्री प्रभुदयाल जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमारजी हैं।

प्राचीन-वस्तु-संग्रहालय

प्राचीन जैन साहित्य व हस्तकला वस्तु संग्रहालय:-

प्राचीन जैन साहित्य, चित्र व सिद्धों के संग्रह का श्रेय श्री मिश्रीलाल जी पाटनी को है जिसकी प्रेरणा उन्हें जैन मिशन, अलीगंज, एटा द्वारा प्रदर्शनी लगाने के आग्रह से प्राप्त हुई है। समय-समय पर पाटनी जी ने दिल्ली अलीगंज, आगरा, भोपाल, कानपुर, लखनऊ, गोवाटी (जासाब) आरौन, सोनागिर, उज्जैन आदि

विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनी आयोजित कर प्राचीन वस्तुओं से लोगों को अवगत कराया है। इससे प्रभावित होकर अनेक व्यक्तियों और संस्थाओं ने आपकी मान-पत्र भी भेंट किये हैं। यह संग्रहालय पाटनी निवास, जीखाना ओली, लखर में पाटनी जी के निवास स्थान पर ही स्थित है।

जैन धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट

नगर में धार्मिक व सामाजिक कार्यों को सम्पन्न करने की दृष्टि से अनेक ट्रस्ट स्थापित हैं जिनका संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है:—

१. श्री गणेशीलाल फूलचन्द जी गंगवाल ट्रस्ट, लडकर:-

स्वर्गीय सेठ गणेशीलाल जी फूलचन्द जी द्वारा श्री महावीर धर्मशाला, नई सड़क की व्यवस्था की जाती है। सन १९६४ में पृथक से व्यवस्था रखने हेतु उक्त ट्रस्ट की स्थापना की गई। इसका एक मात्र उद्देश्य धर्मशाला से सम्बन्धित कार्यों में आर्थिक मदद करना है। वर्तमान में इसके ट्रस्टी श्री बुधमल जी गंगवाल हैं।

२. स्व० श्री कस्तूरचन्द जी गंगवाल धर्माथ ट्रस्ट, लडकर:-

सन १९६७ में स्वर्गीय श्री कस्तूरचन्द जी गंगवाल ने पचास हजार रुपये की राशि से इस ट्रस्ट की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य धार्मिक व सामाजिक कार्यों में आर्थिक सहयोग देना है जिसकी व्यवस्था व्याज की रकम द्वारा की जाती है। श्री मानिकचन्द जी पाण्ड्या श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, श्री चिरोजीलाल जी गोधा, श्री कन्हैयालाल जी पाटनी व श्री चिरोजीलाल जी भरतपुर वाले इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं और उन्हें ही ट्रस्ट की राशि को संचालित कार्यों पर व्यय करने का अधिकार है।

३. श्री कस्तूरचन्द जी सोनी धार्मिक एवं सामाजिक ट्रस्ट, लडकर

सन १९६७ में श्री कस्तूरचन्द जी सोनी ने बीस हजार रुपये की राशि को बैंक में जमा कर एक ट्रस्ट स्थापित किया। व्याज की राशि को धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में व्यय करने का अधिकार निम्न पांच व्यक्तियों को है:—१. श्री केशरीमल जी गंगवाल २. श्री हुकमचन्द जी भजमेरा ३. श्री रेशमचन्द जी साहू ४. श्री निरजन लाल जी गंगवाल ५. श्री नेमीचन्द जी बाकलीवाल। इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य गरीबों की सहायता करना, मन्दिरों के जीर्णोद्धार में सहायता देना व अन्य सामाजिक व धार्मिक कार्यों में आर्थिक मदद करना है।

जैन धार्मिक व सामाजिक ट्रस्ट

४. स्व० श्री केशरीमल जी पहाड़िया ट्रस्ट, बीलतबंब, लडकर

स्वर्गीय श्री केशरीमल जी पहाड़िया ने उक्त ट्रस्ट को सन १९६६ में स्थापित किया। पहाड़िया जी बड़े धर्मात्मा व भजन प्रेमी थे। इसी कारण ट्रस्ट का उद्देश्य गायन स्कूल खोलना, भजनों की पुस्तकें प्रकाशित करना व धार्मिक सामाजिक कार्यों में सहयोग देना है। इसके ट्रस्टी श्री मानिकचन्द जी पाण्ड्या, श्री मानिकचन्द जी पाटनी, श्री मानिकचन्द जी भोंव श्री मानिकचन्द जी गंगवाल, श्री कृमलचन्द जी गंगवाल, व श्री हुकमचन्द जी भजमेरा हैं।

५. श्री नि. जैन वासपूज्य पंचायती मन्दिर ट्रस्ट, ग्वालियर

सन १९६८ में श्री दिगम्बर जैन वासपूज्य पंचायती मन्दिर की व्यवस्था हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना ग्वालियर उपनगर में की गई। मन्दिर सम्बन्धित आर्थिक व्यवस्था इस ट्रस्ट द्वारा की जाती है। इसके अध्यक्ष श्री ऋषभदास जी, मन्त्री-श्री हरीशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री अजित कुमार जी हैं।

श्वेताम्बर जैन ट्रस्ट

६. श्री मधुमल जी धारख ट्रस्ट, लडकर:—

धार्मिक शिक्षण संस्था चलाने हेतु इस ट्रस्ट की स्थापना सेठ नयमल जी धारख द्वारा की गई। पच्चीस हजार रुपये की राशि का व्याज व ट्रस्ट की जायदाद के किराये से धार्मिक शिक्षा हेतु आयोजित की गई पाठशाला की आर्थिक व्यवस्था इसी ट्रस्ट द्वारा की जाती है। श्री बीसलालजी धारख, श्रीतेजमलजी हर्षावत् श्री हीराचन्द जी कोठारी, श्री बुद्धराज जी धारीवाल व चौदमल जी मिश्री इस ट्रस्ट के ट्रस्टी हैं।

७. श्री राजमल जी कावड़िया ट्रस्ट, सराफा बाजार:—

दमलक्षण पर्व में आयोजित किये जाने वाले स्वामी वास्तव्य उत्सव की आर्थिक व्यवस्था मान्य करना इस ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित व्यय दोषी बाजार में स्थित मकान सम्पत्ति के किराये से पूर्ण किया जाता है। इस ट्रस्ट के ट्रस्टी श्री तेजमल जी हर्षावत् व श्री सुमनचन्द जी मूका हैं।

॥ ३ ॥

नगर में स्थित सामाजिक व धार्मिक संघ

नवयुवक ही समाज की चेतना और भविष्य के आधार स्तम्भ होते हैं। उनकी ही चेतना, योग्यता और विचार धारा पर कल के समाज का निर्माण होता है। इस नगर के नवयुवक वर्ग ने इस समाज में बहुत कुछ सोचा है। समाज की पुरानी पीढ़ी के लोगों का भी यह कर्तव्य है कि वे समाज के सामाजिक व धार्मिक कार्यों के संचालन के भार को नवयुवकों को सौंपें और उन्हें इस कार्य में दक्ष बनावें। सामाजिक सेवा का काम काटों से भरे हुए रास्ते के समान होता है। समय, पैसा, आराम आदि का त्याग करने के अतिरिक्त ईमानदारी, सच्चाई और सेवा एक आदर्श रूप समाज में सामने रखना पड़ता है।

समाज के सामने आज अनेक समस्याएँ हैं। समाज का नवयुवक वर्ग शिक्षा की ओर अग्रसर हो रहा है। ऐसी स्थिति में नवयुवकों में धार्मिक संस्कार बनाये रखने की इनके सगठन और भी आवश्यक है। समाज में आज भी दहेज प्रथा, मृत्यु भोज, वे-जेल विवाह आदि की समस्याएँ व्याप्त हैं। बृहत्तर ग्वालियर में उपयुक्त कुरीतियों को दूर करने व नवयुवकों के आध्यात्मिक, बौद्धिक, नैतिक, शारीरिक विकास करने के उद्देश्य से ६ दिगम्बर जैन और ३ श्वेताम्बर जैन संघ हैं जिनके नाम निम्नलिखित हैं:—

- (१) श्री बड़मान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डोडवाना ओली, लक्ष्कर
- (२) श्री दिगम्बर जैन और सेवा संघ, दानाओली लक्ष्कर
- (३) श्री जैसवाल दि० जैन नवयुवक मंडल, दाना ओली
- (४) श्री बरैया दि० जैन नवयुवक संघ, दानाओली

- (५) श्री दि० जैन बरैया बाल समाज स्वयम् सेवक दल, मामा का बाजार
- (६) श्री दि० जैन बन्धु समा, नया बाजार, लक्ष्कर
- (७) श्री दि० जैन जैसवाल बीर सेवा दल, शिंदे की छावनी लक्ष्कर
- (८) बृहत्तर ग्वालियर वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक मघ, सराफा बाजार, लक्ष्कर
- (९) प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लक्ष्कर
- (१०) अगुव्रत युवक मंडल; सरावगी सदन चिटनिस की गोठ, माधव गंज, लक्ष्कर
- (११) श्री दि० जैन महावीर सेवा दल, गोकुनचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर
- (१२) श्री दि० जैन बीर विद्यार्थी संघ, मुरार

इनकी सक्षिप्त जानकारी निम्नप्रकार है:—

१. श्री बड़मान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ, डोडवाना ओली, लक्ष्कर

२ अक्टूबर सन १९६६ को उत्साही नवयुवकों की प्रेरणा से इस संघ की स्थापना हुई। इसमें नगर के जैन समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सदस्य बनाने हेतु आमन्त्रित किया गया। समाज को नई रौशनी में नये ढंग से गठित करते हुये नवयुवकों का मानसिक, आध्यात्मिक, शारीरिक व बौद्धिक विकास करना इस संघ का प्रथम उद्देश्य है। वर्तमान में संघ द्वारा पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्तक-कोष, स्पोर्ट्स क्लब आदि संचालित किये जा रहे हैं। ग्वालियर जैन निर्देशिका का प्रकाशन इसी संस्था के सुप्रयत्नों का परिणाम है। श्री इस संघ के साहस, लगन और समाज सेवा का प्रतीक है। इस समय संस्था में ७० कर्जठ सदस्य हैं।

जिनमें से अधिकांश डॉक्टर इन्जीनियर, प्रोफेसर, वकील व उच्च शिक्षित व्यक्ति हैं। वर्ष में अनेक बार सभायें गोष्ठियाँ व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाकर इस मंच द्वारा नवयुवकों में धार्मिक प्रवृत्ति जागृत करते हुए सामाजिक समस्याओं को हल किया जाता है। संघ का प्रधान कार्यालय पार्श्वनाथ धर्मशाला, डोडबाना ओली लखर में है। वर्तमान में संघ के अध्यक्ष श्री० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज हैं। अन्य पदाधिकारियों का नाम व सत्पागत विवरण "प्रकाशकीय परिचय," में दिया गया है।

१. श्री वि. जैन बीर सेवा संघ, बाना ओली:-

सन १९५७ में सामाजिक व धार्मिक कार्यों में सह-प्रोग प्रदान करने हेतु इस सेवा संघ की स्थापना बाना ओली के उत्साही नवयुवकों द्वारा की गई। इसके द्वारा धार्मिक उत्सव मेलों आदि में स्वयं-सेवक के रूप में सहयोग दिया जाता रहा है। इसकी व्यवस्था संचालन समिति के अध्यक्ष श्री पारसकुमार गगवाल, मन्त्री श्री कैलाशचन्द बंद व कोषाध्यक्ष श्री बाबूलाल जी सुहाड़िया हैं।

२. श्री जैसवाल वि. जैन नवयुवक मंडल, बानाओली:-

सामाजिक और धार्मिक कार्यों में मदद करने, समाज में एकता स्थापित कर, युवकों में सामाजिक व धार्मिक रुचि उत्पन्न करने के उद्देश्य से जैसवाल समाज के समाजसेवी नवयुवकों ने सन १९६७ में एक नवयुवक मण्डल की स्थापना की। मण्डल द्वारा धार्मिक मेलों व अन्य सामाजिक कार्यों में स्वयम्-सेवक, साईकिल स्टेन्ड, प्याऊ आदि की व्यवस्था की जाती है। वर्तमान में मंडल के २५ कर्मठ सदस्य हैं। मंडल की कार्यकारिणी कमेटी के अध्यक्ष श्री पदमचन्द जी, उपाध्यक्ष श्री हरिणचन्द जी, मन्त्री श्री पारस दास जी व कोषाध्यक्ष श्री लालचन्द जी हैं।

५. श्री बरैया वि. जैन नवयुवक संघ, बाना ओली:-

सन १९६७ में बरैया जैन समाज के नवयुवकों ने कामावाणी पर्व के शुभ अवसर पर इस संघ की स्था-

पना की जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों की सेवा करना है। नवयुवकों के बौद्धिक विकास हेतु संघ ने पुस्तकालय, वाचनालय व खेल कूद की व्यवस्था की है। संघ का कार्यालय एच पुस्तकालय जैन भवन, बाना ओली में स्थित है। संघ की व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री सुगनचन्द जी, मन्त्री श्री भूपेन्द्र कुमार जी व कोषाध्यक्ष श्री नेमोचन्द जी हैं।

५. श्री वि. जैन बरैया बाल समाज स्वयं सेवक दल बाना का बाजार

बरैया बाल समाज के इस स्वयं सेवक दल की स्थापना सन १९२८ में हुई। स्वयं सेवक दल में कुल ३२ सहित ३२ स्वयं सेवक हैं जो विभिन्न धार्मिक कार्यों के अवसर पर व्यवस्था कार्य करते हैं इनकी सेवाएं अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं। इस दल द्वारा सामाजिक व धार्मिक कार्यों के लिये सामान भी प्रदान किया जाता है। वर्तमान में इसकी व्यवस्था निम्न पदाधिकारियों द्वारा की जा रही है:- अध्यक्ष श्री बालचन्द जी, मन्त्री श्री प्रकाशचन्द जी, कोषाध्यक्ष श्री मूरज मल जी, केप्टिन श्री गयाप्रसाद जी व धर्मोत्सव चन्द जी।

६. श्री वि. जैन बन्धु सभा, नया बाजार:-

नया बाजार के जैन उत्साही व्यक्तियों ने बन्धु सभा के नाम से एक सगठन स्थापित किया जिसका मुख्य उद्देश्य बाजार विषय में धार्मिक उत्सव व आवश्यक सामाजिक कार्यों में मदद करना है। सभा द्वारा दिसम्बर सन १९६७ में एक जैन पाठशाला, जैन मन्दिर नया बाजार में प्रारम्भ की गई है। बन्धु सभा का संचालन सदस्यों द्वारा निर्वाचित कमेटी करती है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष श्री कुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री भूमनलाल जी कोषाध्यक्ष व संयोजक श्री रूपचन्द जी पाटनी हैं।

७. श्री वि. जैन जैसवाल बीर सेवा दल, शिन्धे की छावनी, लखर:-

धार्मिक कार्यों की व्यवस्था में अधिकतम सहयोग देने हेतु बीर सेवा दल की स्थापना की गई। इस सेवा

दल द्वारा विभिन्न धार्मिक महोत्सवों व मेलों पर स्वयं-सेवक दल के रूप में व्यवस्था की जाकर प्रशसनीय कार्य किया जाता रहा है।

८. बृहत्तर ग्वालियर ब्रह्मज्ञान स्थानक वासी जैन आचक संघ, सराफा बाजार, लखर:-

यह श्वेताम्बर स्थानक वासी जैन आचकों की प्रतिनिधि संस्था है। इसका मुख्य कार्यालय सराफा बाजार, लखर में व उपकार्यालय बिरला नगर और मुरार में हैं। इस आचक संघ के अध्यक्ष श्री दीपचन्दजी मेहता और मन्त्री श्री सूरज मन जी सचेती हैं।

९. प्रगतिशील जैन नवयुवक संघ, सराफा बाजार, लखर:-

श्वेताम्बर जैन समाज के कुछ नवयुवकों ने सन १९६६ में इस नवयुवक संघ की स्थापना की जिसका मुख्य उद्देश्य आध्यात्मिक, बौद्धिक, नैतिक व आदीरिक विकास के साथ साथ धार्मिक कार्यक्रमों में अधिकसम सहयोग देना है। वर्तमान में इस संस्था की गतिविधियाँ कुछ रुक सी गई हैं। संघ के अध्यक्ष श्री देवेन्द्र जी सिधी मन्त्री श्री रामचन्द्र जी हैं।

१०. अनुसूत युवक मंडल, सराफागी सदन, चिटनीस की गौड, आचक संघ, लखर:-

इस मंडल की स्थापना सितम्बर सन १९६६ में साध्वी श्री मोहनकुमारी जी की प्रेरणा से हुई। सब धर्मों के प्रति आदर भाव रखना, मद्यपान, शूद्रपान

हिंसात्मक, प्रवृत्तियों को रोकना मंडल के मुख्य उद्देश्य हैं। मंडल जैन समाज के युवकों को संगठित कर उन्हें ईमानदारी सदाचारी व आध्यात्मिक बनाने की प्रेरणा देता है। वर्तमान में इसके अध्यक्ष, रामचन्द्र घोडावत, मन्त्री श्री सन्तोष कुमार और कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जैन हैं।

११. श्री वि. जैन महावीर सेवा दल, गोकुलचन्द जी का मन्दिर, ग्वालियर:-

यह सेवा दल नगर की जैन समाज के पुराने सेवा दलों में से है। श्री प्रभूदयाल जी के प्रयत्नों द्वारा सन १९३८ में इसकी स्थापना की गई थी। समाज सेवी संस्था के रूप में यह दल धार्मिक कार्यों की मदद में सदैव आगे रहा है। गोकुलचन्द जी के मन्दिर में ही इसका कार्यालय स्थित है। इसकी व्यवस्था समिति के अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार जी, मन्त्री श्री स्वचन्द जी वदारी, कोषाध्यक्ष श्री महावीर प्रसाद जी नायक हैं।

१२. श्री वि. जैन'वीर विद्यार्थी संघ, मुरार:-

सन १९६२ में धार्मिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने हेतु उक्त संघ की स्थापना की गई। वर्तमान में इस संघ की सदस्य संख्या १०० के लगभग है। इसकी व्यवस्था सदस्यों द्वारा निर्वाचित पदाधिकारियों द्वारा की जाती है। संघ के अध्यक्ष श्री रमेशचन्द जी, मन्त्री श्री सुरेशचन्द जी व कोषाध्यक्ष श्री दिनेश कुमार जी हैं।

- अहिंसा की पुस्तक में हार के लिये कोई स्थान नहीं है।
Defeat has no place in the dictionary of Non-Violence.
- अहिंसा एक सूत्र में बाधने वाली शक्ति है। वह अनेकता में एकता ले आती है।
Ahimsa is Unifying force. It discovers unity in diversity.
- पूर्ण अहिंसा के बिना कोई भी लोकतन्त्र पूर्ण नहीं हो सकता।
No perfect democracy is possible without perfect Non-Violence.
- जिस अर्थ व्यवस्था में नैतिक मूल्य नहीं वह सच्ची नहीं है।

भारतवर्षीय संस्थाओं की शाखाएँ

कुछ भारत वर्षीय स्तर के संघठनों की शाखायें इस नगर में भी हैं। ऐसी संस्थाओं का संक्षिप्त विवरण निम्न लिखित है:—

१. **सम्यक्प्रवेश विगम्बर जैन तीर्थ रक्षा समिति, लखर:**—इस समिति की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लखर में है। प्रधान कार्यालय इन्दौर में है। तीर्थ-क्षेत्रों की रक्षा करना, मूर्तियों की सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक कार्यवाही करना इस समिति का मुख्य उद्देश्य है। ग्वालियर के समीपवर्ती क्षेत्रों से चुराई गई जैन मूर्तियों से सम्बन्धित मामले इसी समिति के प्रयत्नों से अदालत में चलाये जा रहे हैं। इस कार्य में सम्पूर्ण जैन समाज का सहयोग अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में समिति के अध्यक्ष श्री बुधमल जी गंगवाल, मन्त्री श्री मिश्रीलाल जी पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री प्रेमचन्द जी हैं।

२. **अखिल विश्व जैन मिशन (अलीगंज), लखर:**—अखिल विश्व जैन मिशन की ग्वालियर शाखा का कार्यालय पाटनी निवास, डीडवाना ओली, लखर में है। प्रधान कार्यालय अलीगंज (एटा) में है। जैन साहित्य और जैन सिद्धान्तों का देश-विदेश में प्रचार व प्रसार करना इस मिशन का मुख्य उद्देश्य है। सम्बन्धित क्षेत्रीय कार्य हेतु मिशन शाखा की व्यवस्था निम्न

पदाधिकारियों द्वारा की जाती है:—अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, संयोजक श्री मिश्रीलाल जी पाटनी।

३. **जैन इवेताम्बर तेरापन्थी महासभा, लखर:**—इस महासभा का प्रधान कार्यालय, ३ पोर्बूगीज, चर्च स्ट्रीट, कलकत्ता-१ में है और ग्वालियर शाखा सरावगी सदन, माधवगंज में है। जिसके व्यवस्थापक श्री कमला प्रसाद जी सरावगी हैं इन महासभा के द्वारा समय-समय पर सभायें व्याख्यान व गोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं।

४. **अगुणत समिति, लखर:**—इस समिति का प्रधान कार्यालय देहली में है। ग्वालियर शाखा का कार्यालय सरावगी सदन माधवगंज लखर में है। श्वेताम्बर तेरापन्थी आमनाथ के २०५ वर्ष पूर्व हुए आचार्य श्री भिक्षु जी की परम्परा पर चलने वाले नवम् आचार्य श्री तुपसी जी हैं। आपने ही अगुणत आन्दोलन का बल दिया है। मनुष्य की नैतिक मूल्यों में आस्था बनाये रखने, आध्यात्मिक व चारित्रिक उत्थान हेतु आचार्य श्री तुपसी व उनके संघ के ६०० साधु, साध्वियाँ इस अगुणत आन्दोलन को सम्पूर्ण देश में व्यापक प्रचार व प्रसार करने में लगे हुए हैं। लखर शाखा के अन्तर्गत समय-समय पर गोष्ठियाँ, प्रवचनों तथा सार्वजनिक भाषणों का आयोजन किया जाता है।

ग्वालियर के समीपवर्तीय तीर्थ स्थल

ग्वालियर के आस पास के तीर्थ क्षेत्रों में सोनागिर, पनिहार, सिहोंनिया, और मनहरदेव हैं। सोनागिर के अलावा शेष तीर्थ क्षेत्रों की जानकारी केवल आस-पास व स्थानीय जैन समाज तक ही सीमित है। इनका संक्षिप्त विवरण निम्नप्रकार है—

१. श्री बि० जैन सिद्धक्षेत्र सोनागिर

ब्रह्मचर्याकुमारो कोट्टी मुनिवरा सहिया ।

सुवर्णगिरि-सहारे पिम्बाणगया णमो तेसिम् ॥

'निर्वाणकांड'

उक्त गायथा से स्पष्ट है कि सोनागिर पर्वत से अग और अनगकुमार तथा ५॥ करोड मुनिराज मोक्ष पधारे । इस कारण दिगम्बर जैनों में यह पर्वत परम पुनीत सिद्धक्षेत्र के रूप में विख्यात है। इस क्षेत्र का प्राचीन नाम 'स्वर्णगिरि' या 'श्रमणगिरि' है जो सार्थक है। पुरातन काल से ही यह पहाड़ी जैन श्रमणों या मुनियों की साधना-स्थली रही, जहा कठोर तपस्या करके उन्होंने आत्मा को पवित्र किया; उन्हीं की स्मृति स्वरूप होलिका पर्व के पश्चात् चैत्र प्रतिपदा में पञ्चमी तक विविध कार्यक्रमों के साथ एक विशाल मेला यहा प्रतिवर्ष लगता है जिसमें विभिन्न नगरों के व्यक्ति सोसाइ भाग लेकर दर्शनो का लाभ उठाते हैं।

यह क्षेत्र जिला दतिया (मध्यप्रदेश) में स्थित है। दतिया से छह मील दूर और ग्वालियर से ४० मील दूर देहली-बम्बई लाइन पर सोनागिर स्टेशन है। स्टेशन से तीन मील दूर एक मनोरम पहाड़ी पर मन्दिरों की कमबख्त शृंखला दृष्टिगोचर होता है। रेलयात्रियों

को मन्दिरों की भव्यता और अनेकता के सहज दर्शन लुभाये बिना नहीं रहने। घबल मन्दिरों पर भ्रुवन भास्कर की सहस्र-रश्मिया शिखरों को स्वर्णिम आभा प्रदान करती है। लश्कर से प्रतिदिन सोनागिर को को मोटरें जाती है।

पर्वत पर शिखरबद्ध ७७ तयनाभिराम जिन-मन्दिर है जिनकी बन्दना को जाने के लिये पक्के मार्ग बने हुए हैं। ये विविध कालीन वास्तु और शिल्प कला के प्रतीक हैं। मन्दिरों के अन्दर शीतलानिर्ग्रन्थ पद्यामन व खड्गासन प्रतिमाएँ, स्थित हैं। ये अधिकतम प्रतिमाएँ प्राचीन भी हैं, सम्भवतः १३ वीं सदी की प्रतीत होनी है। मन्दिर-निर्माण की विविध शैलिया भी यहाँ दर्शनीय है। गोलाकार तीन कटनियों में सुमज्जित पिमन-हारी (चक्री) का मन्दिर, अष्ट पंखुड़ियों से युक्त मुकुलित कमल तीन प्रदक्षिणाओं सहित मेरु एव मन्दिरों के अन्दर भी हरे कला के अद्भुत नमूने हैं। ५७ नम्बर पर मूलनायक श्री चंद्रप्रभु का विशाल मन्दिर है जिसमें १२ फुट ऊँची खड्गासन प्रतिमा है जो पहाड़ में से ही उकरी हुई है। एक शिलालेख से पता चलता है कि यह सम्वत् ३३५ की है। अनेक भक्तगण यहा चँबर, छत्र चढाकर बहुविध मनोलिया मनाते हैं तथा दीप धूप, फल में उनकी बन्दना-अर्चना करते हैं। इस मन्दिर का जोषोधार मथुरा के सेठ लक्ष्मीचन्द्र जी द्वारा करवाया गया था। मन्दिर के सामने ही एक भव्य कलात्मक समीकरण-मन्दिर सुशोभित है। पास ही गगनचुम्बी मानस्तम्भ स्थित है जो अपनी मोहकता के लिये प्रसिद्ध है। श्री बाहुबलि स्वामी की विव्य मूर्ति भी यही शोभा पा रही है।

स्थान-स्थान पर अनेक चरण-पादुकाएँ, छत्री, चक्र-सरे और समाधि के स्थान हैं। एक जिला में नारियल के आकार का एक कुंड बनाया गया है जिसे 'नारियल कुंड' कहा जाता है। पास ही एक 'बजनी मिला' भी है जिसे बजाने से धातु जैसा स्वर ध्वनित होता है। यहां से चारों ओर दृष्टि डालने पर प्रकृति की अद्भुत छटा दिखाई देती है।

पहाड़ी से नीचे तलहटी में १८ विशालकाय जिन-मन्दिर हैं जिनमें धातु पाषाण की अति उत्तम मूर्तियाँ सुशोभित हैं, १५ मुख्यस्थित धर्मशालाएँ हैं जो जैनों के विभिन्न वर्गों के आधिपत्य में हैं। किन्तु यात्रियों के ठहरने के लिये कहीं कोई प्रतिबन्ध नहीं है। कमेटी की ओर से जनता के लिये सर्व सुविधाएँ उपलब्ध हैं। श्री १०५ भट्टारक चन्द्रभूषण महाराज की गादी यहीं पर है।

पहाड़ी को चारों ओर घेरे हुए एक परिक्रमा-स्थल है जो उसकी भीमा-रेखा है। इसके चार झूटों पर चार छत्रियाँ हैं जिनमें चरण चिन्ह अंकित हैं। दृश्य उस समय बड़ा सुहाबना लगता है जब बच्चे, पुरुष और महिलायें भक्ति-भाव से गीत गते हुए इस मार्ग से चलते हैं। मेले के दिनों में रात्रि में बिद्युत की जगमगाहट क्षेत्र की शोभा को द्विगुणित कर देती है। सर्वत्र धार्मिक वातावरण छाया रहता है।

कमेटी की ओर से एक जैन पुरातत्व संग्रहालय भी है जिसमें अंग-मग मूर्तियाँ एवं किलालेखों का सग्रह है। 'सरस्वती-मंडार' में प्राचीन हस्तलिखित ग्रन्थ और लगभग दो हजार छपी हुई पुस्तकें हैं जिनसे स्वाध्याय-प्रेमी लाभान्वित होते हैं। यह कमेटी की सतत जागृकता का ही परिणाम है जो यह क्षेत्र दिनों-दिन बिका-सोन्मुख है।

अंतमान में क्षेत्र कमेटी के अध्यक्ष सेठ छदामीलाल जी किरौजाबाब, सचिव बाबू सानिकचन्द जी जैन भगवात, एडवोकेट और कोषाध्यक्ष श्री धनलाल जी अग्रवाल 'धर्मवीर' ग्वालियर हैं। ये सभी अनेक वर्षों से क्षेत्र की उन्नति में प्रयत्नशील हैं। यदि जैनों में परस्पर प्रेम,

ग्वालियर के समीपवर्तीय तीर्थ स्थल

आदुभाव और सहनशीलता की भावना रही तो इसमें कोई सन्देह नहीं कि क्षेत्र निरंतर प्रगति करता रहेगा।

श्री अतिशयक्षेत्र मनहरदेव

लखर (ग्वालियर) से २५ मील दूर डबरा के निकट एक करहैया नामक ग्राम है, जहाँ से उत्तर की ओर करीब ५ मील की दूरी पर चैत्य ग्राम में यह क्षेत्र स्थित है। प्रकृति का शांत और मुग्ध वातावरण यहाँ सर्वत्र व्याप्त है। पर्वत की श्रृंखलाओं से टकराती हुई मंद-मुग्ध समीर मार्ग की थकावट को दूर कर दर्शक के हृदय को आनंद से परिप्लुप्त कर देती है। यहाँ निर्जन बन की एक छोटी-सी पहाड़ी पर सेठ पाड़ासाहू द्वारा स्थापित सं० ११८४ की भगवान श्री ज्ञान्लिनाथ की ३॥ फुट चौड़ी और १४ फुट ऊँची एक लक्ष्मणन मूर्ति है जो अन्यन्त भव्य और चित्ताकर्षक है। इस मूर्ति को करहैया निवासी स्वर्गीय पं० लेखराज जी ने 'वरैया विलास' में श्री ऋषभनाथ नामांकित किया है किन्तु जैन समाज में उसकी प्रसिद्धि अभी भी श्री ज्ञान्लिनाथ के नाम से है इसलिये हमने प्रचलित नाम लिख देना ही उचित समझा है। अतिशय रमणीयता के कारण ही यह मूर्ति जनता में मनको हर लेने वाले देव यानि 'मनहरदेव' के नाम से प्रसिद्ध है। इसके अतिरिक्त भ० चन्द्रप्रभु और श्री नेमिनाथ की दो विशाल मूर्तियाँ और हैं किन्तु आतलाइयों द्वारा उनका शिरोच्छेदन और हस्तविच्छेद किया जा चुका है। छोटी-छोटी अनेक मूर्तियाँ तो यहाँ सण्डहरों में बिकरी पड़ी हैं जो अतीत के गौरव को अपने अंचल में समेटे हुये हैं। सन् १९६७ में इस स्थान की १६ अन्य मूर्तियों के सिर मूर्ति चोरों ने कटवा दिये।

यास-पास जैनियों की बस्ती न होने के कारण यह क्षेत्र अभी तक उपेक्षित दशा में ही रहा। केवल करहैया ग्राम के बोड़े से जैन ही इस क्षेत्र की किस तिल प्रकार रक्षा करते रहे। किन्तु कुछ समय से यहाँ भय और आतंक का ऐसा वातावरण छा गया कि ये लोग भी अब क्षेत्र की सुरक्षा करने में अपने आर्यकी असमर्थ समझने लगे। फलतः इस सामोपाय मूर्ति को

उन्होंने वहाँ से हटवाकर सोनागिर में माघ शुक्ला त्रयोदशी सं० २०२५ (३० जनवरी सन १९६६) को भट्टारक श्री अम्बभूषण जी की कोठी में विधिवत स्थापित करवा दी है। इस तरह मूर्ति की सुरक्षा तो हो गई किन्तु मूलनायक प्रतिमा के अभाव में क्षेत्र बीरान हो गया।

यदि आज जैन समाज चाहे तो शेष दोनों मूर्तियों की रक्षा व्यवस्था करके क्षेत्र को कायम रख सकती है लेकिन यह बात अभी भविष्य के गर्भ में निहित है।

क्षेत्र के मन्त्री सेठ श्री नाथूराम जैन डबरा और उपमन्त्री श्री मुञ्जालाल जैन करहैया हैं।

श्री वि. जैन अतिशयक्षेत्र सिहोनिया (म.प्र.)

आलियर से सिहोनिया क्षेत्र तक पहुँचने के लिये सुरेना मार्ग से जाना होता है। सुरेना से १६ मील दूर उत्तर की ओर यह क्षेत्र स्थित है। यह स्थल विस्तार से फँला हुआ है तथा जैन और हिन्दू संस्कृति का केन्द्र रहा है। पहिले यह नगर राजधानी था। सिहोनिया अत्यन्त रमणीय और प्राचीन क्षेत्र है। यहाँ पर लड्-गासन मुद्रा में श्री आन्तिनाथ तीर्थंकर की १६ फीट ऊँची प्रतिमा है, जो बड़ी भव्य और चित्ताकर्षक है। इनके दोनों ओर आजू-बाजू श्री चन्द्रप्रभु की ८-८ फीट ऊँची प्रतिमाएँ विराजमान हैं जिनके दर्शन करते ही हृदय गदगद हो जाता है और वहाँ से हटने का मन नहीं होता। अभावताप से तप्त भव्य प्राणियों को आज भी ये प्रतिमाएँ शान्ति का मन्देश देती हुई नजर आती है।

मूर्ति के उद्धार की घटना भी यहाँ दिलचस्पी से कही जाती है। अम्बाह निवासी ब्र० गुमानीलाल जी को एक टीले सहित इस मूर्ति का स्वप्न में दर्शन हुआ। उन्होंने जगह-जगह इसका जिक्र किया, पश्चात् उस स्थान पर खुदाई कराई जहाँ यह मूर्ति दिखाई पड़ी और वहीं पर उसको स्थापित कराई।

एक-दो शतकपरिक घटना भी इस क्षेत्र के साथ जुड़ी हुई है। कहते हैं क्षेत्र का प्रथम मेला श्री मोलाराम कुंजवाल करारी वालो ने बड़ी भूमिपाम से

कराया जिसमें लगभग २० हजार जन समुदाय एकत्रित हुआ। उन्होंने सबको प्रीतिभोज दिया किन्तु जल की विकट समस्या सामने आई। ग्राम के निकट जो नदी बहती थी- उससे गाड़ियों में कोठियों द्वारा जल लाया गया फिर भी जिलम्ब होने के कारण जनता की पूर्ति न हो सकी। बड़ी परेशानी हुई। अन्त में ब्र० गुमानो लाल जी ने मूर्ति के समझ जाकर प्रार्थना की 'हे प्रभु! पानी की बहुत कमी है, इस समय क्षेत्र की लाज रखना आपके हाथ है।' भक्ति से हृदय भर गया। तत्काल ही निकट की एक कुदिया में स्वयमेव पानी आ गया, तब किरमिच के परोहो द्वारा जल निकालकर उपस्थित जनता को सन्तुष्ट किया। इस घटना की सर्वत्र चर्चा हुई और सब लोग आश्चर्य चकित रह गये।

वहाँ की ग्रामवासी जनता श्री शान्तिनाथ भगवान को चेतनाथ बाबा के नाम से पूजती है। वहाँ तक कि जब कोई मनुष्य अथवा पशु बीमार पड़ जाता है तो लोग बोलारी बोलते हैं जिसके फलस्वरूप उसको तत्क्षण आराम हो जाता है।

जिन सज्जनों ने जैनबद्री मूलबद्री के दर्शन किये हैं उनका कहना है कि यह मूर्ति श्री १००८ बाहुबलि स्वामी सरोखी है, सिर्फ ऊँचाई में कम है। इसकी प्राचीनता वहाँ के शिलालेख में उत्कीर्ण अस्पष्ट सवत् १४१ से प्रकट होती है। इतनी प्राचीन होने पर भी ऐसी मालूम पड़ती है मानो अभी स्थापित की गई है। क्षेत्र के चारो तरफ प्रचुर मात्रा में जैन अभ्युदय भूगर्भ में छिपा पड़ा है जिसको प्रकाश में लाने की बड़ी आवश्यकता है।

मन्दिर के चारो ओर परकोटा लिखा हुआ है। स्थान-स्थान पर कोठे और तिबारे बने हैं जिनमें यात्रियों को ठहरने के लिये सर्व सुविधाएँ उपलब्ध हैं। मार्ग में जाते हुए एक उत्तुंग मानस्तम्भ भी दृष्टिगोचर होता है जिसे वहाँ की आम जनता भीष लाट के नाम से पुकारती है। किन्तु उसमें कोई प्रतिमा नहीं। सरकार द्वारा प्रदत्त पास ही पर्याप्त भूमि लगी है जिसमें कास्तकारी होती है। सिहोनिया कमेटी क्षेत्र की उन्नति में तत्परता से कार्य कर रही है।

यहा से ३ मील दूर १० वीं शताब्दी का कछवाहा राजा कीतिराज का बनवाया हुआ 'ककनमठ' नामक शिव मंदिर है जिसकी मूर्ति कला अत्यन्त भव्य है। जनश्रुति है कि यह मंदिर कनकावती रानी की आज्ञा से बना था। इसमें पत्थर की बनी लटकती हुई परियां आज भी सजीव-सी दिखलाई पड़ती हैं। 'ककनमठ' के निकट ही राजा सूर्यपाल का निवासग्रह था। क्रुष्ट रोग निवारण होने पर ग्वालियर बुर्ग में 'सूर्यकुण्ड' इन्होंने ही बनवाया था जो धाम भी विद्यमान है।

ग्राम के निकट नदी बहती है। पास ही हनुमान जी की मूर्ति सुशोभित है जो एक ही पत्थर से बनी हुई जाली की नक्कासी से चित्रित है। ऐसी महिमावंत मूर्ति समूचे भारत में अत्यन्त दुर्लभ है। क्षेत्र की प्रबन्ध कमेटी के निम्न पदाधिकारी हैं—

अध्यक्ष — श्री मोहनलाल जैन, लखर।

मन्त्री:—श्री महीपाल जैन 'साहुला' मुरेना।

कोषाध्यक्ष — श्री लच्छीराम जैन।

श्री विम. जैन अतिशय क्षेत्र बरई (पनिहार)

आगरा-बम्बई रोड पर ग्वालियर से १४ मील दूर पनिहार नामक ग्राम है। यह स्थान मुख्य सड़क से आधा मील दूर है। पनिहार, ग्वालियर, शिवपुरी छोटी रेलवे लाइन पर स्टेशन भी है। पनिहार से १ मील दूर बरई नामक ग्राम है। पनिहार और बरई के बीच एक सुन्दर मनोरम पहाड़ी है, जिस पर ५ विशाल खड्गासन प्राचीन जिन-विम्ब प्रतिष्ठित हैं।

इनमें से तीन जिनविम्ब आठ-आठ फुट ऊंचाई के हैं तथा दो मूर्तियां छे, छे, फुट ऊंचाई की हैं। इन मूर्तियों की स्थापना के काल का तो सही अनुमान लगा नहीं सकते, परन्तु ऐसा प्रतीत होता है कि जिन दिनों ग्वालियर में तोमर वंशीय डोंगरसिंह का राज्य था, ग्वालियर के किले के चारों ओर मूर्ति निर्माण और उत्खनन कार्य चल रहा था, सम्भवतः उसी काल में म. १४२४ (सं० १४८१) में इस पहाड़ी पर मनोज जिनविम्बों की स्थापना की गई।

ग्वालियर के संभीषवर्तीय तीर्थ स्थल

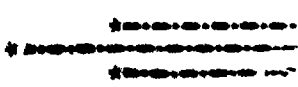
पनिहार में एक प्राचीन मिलर बद्ध जैन मन्दिर और एक भौहरा भी है। मुख्य सड़क से पनिहार जाने समय हा रास्ते में भौहरा मिलता है। इस भौहरे में चदेरी की प्रसिद्ध चौबीसी के समान ही चौबीसी प्रतिष्ठित है। मूर्तिया अत्यन्त मनोज एवं रंग बिरंगी हैं जो पद्मासन रूप में परम भव्यता लिये हुए हैं। इन २४ मूर्तियों में से दो मूर्तियां सुरक्षा की दृष्टि से प्यारेलाल जी का मन्दिर मामा का बाजार में लाकर बिराजमान कर दी गई हैं। धर्म प्रेमी स्वर्गीय श्री गणू लाल जी वाकलीवाल ने अत्यन्त धन के साथ इस भौहरे का जीर्णोद्धार करवाया जो अनुकरणीय है।

बरई ग्राम में भी जैन मन्दिर है। बरई के आस-पास के जगल प्रचुर जैन पुरातत्व से भरे पड़े हैं। जगह-जगह जैन मूर्तियों के भग्नावशेष दृष्टिगोचर होते हैं। नसियां जो रामकुई, लखर में भी शान्तिनाथ भगवान का २० फुट ऊंची खड्गासन मूर्ति को सुरक्षा की दृष्टि से बरई के जंगलों में ही लाकर श्री बुधमल जी गग-वाल ने प्रतिष्ठित कराई है।

ये जिनविम्ब जो सैकड़ों वर्षों से सुरक्षित थे और मानवीय मस्कृति की उदारता, कला के परम प्रतीक थे, आज घोर असुरक्षा के मध्य हैं। इस क्षेत्र के आम-पास नाम मात्र और केवल गिनती के जैनी रह गये हैं। बहती हुई असुरक्षा और घटते हुये त्रिविकोपाजंन के साधनों ने उन्हें अपनी परम पूज्य तीर्थ भूमि छोड़ना पड़ा है। इससे यह क्षेत्र मूर्ति चोरी की क्रीडा का केन्द्र बन गया। अगस्त म. १९६६ को मूर्ति चोर इस स्थान की दो बड़ी मूर्ति का सिर अधकटा छोड़ गये, जिससे सम्पूर्ण समाज बहुत दुःखी है और इस प्रकार दुष्कर्म करने वालों को कडा दण्ड दिवाने हेतु प्रयत्न-शील है किन्तु शासनिक सत्ता इस ओर मुक्त है। समाज को मूर्ति-सुरक्षा हेतु निरन्तर जागरूक रहना आवश्यक है।

कपूरचन्द्र बरैया

• • •



भारतीय जनगणना में जैन

एक निश्चित स्थान पर रहने वाले समस्त मनुष्यों की एक निश्चित तिथि या तारीख को गिनती करना और उनकी उम्र, पेशे, आय, लिंग आदि सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करने को समिष्ट रूप से जनगणना कहते हैं। जनगणना से किसी देश की जन-शक्ति, जन संख्या की वृद्धि और उस वृद्धि की दर आदि के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की जाती है। जनसंख्या सम्बन्धी आकड़े, व्यवसायिक एवं औद्योगिक विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, गृह निर्माण, मानव-कल्याण आदि योजनाओं के प्रारम्भ करने को तो आवश्यक है ही, परन्तु समाज की कुरीतियों को दूर करने, वैवाहिक आयु के निर्धारण, बाल-विवाह एवं वृद्ध-विवाह को रोकने, निर्वनता, पारिवारिक कलह, समाज की युवा पीढ़ी की समस्याओं को समझने और उनपर विचार करने के लिये भी अति आवश्यक है। हम कहाँ हैं और कितने हैं इसकी जानकारी हमें अपने समाज सुधार एवं सगठन के कार्य में भी विशेष सहायक सिद्ध होती है।

भारत में जनगणना का वस्तुस्थानीय प्रयास सन् १८७२ से प्रारम्भ हुआ। तब से प्रति दस वर्ष के बाद देश में जनगणना की जाती है। धार्मिक आधार पर जनगणना का प्रारम्भ सन् १९३१ में अग्नेयी-शासन ने प्रारम्भ करवाया। इस प्रकार की सूचना को सन् १९५१ में हुई स्वतन्त्र भारत की प्रथम जनगणना में महत्व नहीं दिया गया। पंचवर्षीय योजनाओं के हेतु अन्य अनेक तरह के आंकड़ों की आवश्यकता थी इसलिये सामाजिक व आर्थिक आंकड़ों पर अधिक जोर दिया गया।

जैन, भारतीय संघ के अभिन्न अंग हैं। इस देश की मिट्टी के कण-कण में उनका इतिहास छिपा है। धर्म के

आधार पर वे कट्टर पथी नहीं हैं। जैन धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक हैं। गुजरात, उत्तर-प्रदेश, दिल्ली आदि प्रदेशों में अनेक ऐसे जैन परिवार हैं जिनमें धर्म की किसी बाधा के वैष्णव-परिवारों में शादी सम्बन्ध होते हैं। वर-वधू अपने इच्छित धर्म को मानते हुए परस्पर एक दूसरे के धर्मों के प्रति आदर भाव रखते, हुए अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करते हैं। जैनियों ने अपनी धार्मिक उदारता को सामान्य जीवन से सदैव व्यक्त किया है। राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आंदोलन और अन्य राजनैतिक एवं आर्थिक क्षेत्रों में जैनों ने महत्वपूर्ण योग दिया है। जैन आज दुनिया के अनेक देशों में हैं। व्यवसाय हेतु जैन दक्षिण अफ्रिका, मारीसस, बर्मा, लका, पाकिस्तान आदि देशों में बसे हुए हैं। उच्च शिक्षा हेतु ब्रिटेन, अमेरिका, जर्मनी, कनाडा, आदि देशों में गये हुए अनेक बन्धु ऊँची नौकरियों के कारण वहीं बस गये हैं। जैन अपने धार्मिक संस्कारों के कारण अधिक जागरूक रहते हैं। साम्प्रदायिकता उनके धार्मिक विचारों का आधार नहीं होती। भारत में जैन अनेक वर्गों और उपवर्गों में बटे हुए हैं। उनमें अनेक सामाजिक कुरीतियाँ जैसे परदा प्रथा, बहेज प्रथा, रात्रि भोजन, अशिक्षा और स्वार्थ, भौतिकवादी वृत्तियाँ जैसे संग्रहण वृत्ति, परस्पर कलह, झगड़ो, पिअो और भोज उड़ाओ जैसे दुर्गुण भी बढ़ रहे हैं। समाज अनेक जातियों और उप-जातियों में बट गया है।

जैन समाज अपने सामान्य धार्मिक धर्म गुणों से जैसे दया भाव, प्रतिदिन मन्दिर जाना, व्रत-उपवास पानी छानकर पीना, रात्रि भोजन त्याग, प्याज, लेहसुन, लटे, महद आदि के त्याग से जाना जाता है। जैनियों के उत्सव बड़ी धूम-धाम से मनाये जाते हैं। जैन पुनियों

के विचारण एवं बिहार से अन्य लोग जैन त्यागियों से परिचित होते हैं। परन्तु आज की व्यवस्था में सरकारी और गैर सरकारी नौकरी एक बड़ा उद्योग बन गया है। प्रामोण क्षेत्रों के जैन शहरी क्षेत्रों में आ रहे हैं। नौकरी पेशे ने जैनियों को विकेंद्रित करके उनके धार्मिक संस्कारों को शून्य जैसा कर दिया है। हमारा युवा विद्यार्थी वर्ग, बी० ए०, एम० ए०, एम० कॉम आदि उच्च परीक्षाएं पास कर वकील, डाक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर बन रहे हैं परन्तु अनेकान्त, स्वादवाद जैसे जैन धर्म के सर्वे व्यापक सिद्धान्तों को भी नहीं जानते। उनकी स्थिति ऐसी ही है कि जी रहे हैं केवल अपने लिये।

जैन समाज में अधिकांश लोग गरीब हैं, वे मध्यम वर्ग के हैं, और उनकी अपनी अर्थिक, पारिवारिक और सामाजिक समस्याएँ हैं जिस ओर समाज के नेता कभी विचार भी नहीं करने पाते। कुछ परिवारों की समृद्धि ने सम्पूर्ण समाज को दूसरे वर्गों की दृष्टि में समृद्ध बना दिया है। ऐसे मध्यवर्गीय परिवारों की स्थिति बड़ी सकट में है। सामान्य समाज तो समझना है कि जैनी धनवान होते हैं इसलिये उन्हें मदद का प्रश्न नहीं उठता और दूसरी ओर जिन बन्धु शोमानों के कारण उन्हें ऐसा समझा जाता है, वे उनकी उल्लेखनीय मदद भी नहीं करते। मैसूर, महाराष्ट्र और तामिलनाडु में जैन बहुत गरीब हैं। मैसूर में तो कई जिलों में वे पिछड़ी हुई जातियों की सूची में हैं।

जैन समाज में स्त्रियों की दशा अधिक अच्छी नहीं कही जा सकती है। कुछ पढ़ी लिखी महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं का सामान्य-ज्ञान बहुत सीमित होता है। समाज में आज भी परदा-प्रथा का चलन है। दहेज प्रथा ने तो महिलाओं की स्थिति को और भी दयनीय कर दिया है। हमारे अधिकांश पढ़े-लिखे नवयुवक और उनके मां बाप शादी के मामलों में अत्यन्त लासली दिखलाई दे रहे हैं। दहेज प्रथा अस्वस्थ, असहिष्णु एवं अमानवीय समाज का प्रतीक है। यह सभी को ज्ञात है कि जैन धर्म महिलाओं की धर्मनिष्ठता और श्रद्धा पर ही टिका हुआ है।

एक दृष्टि में जनगणना

महिलाओं को विज्ञित करना जहाँ पहली समस्या है वहाँ उन्हें धर्म निष्ठ रखना दूसरी समस्या कही जा सकती है।

सन् १९६६ में लगाये गये अनुमान के अनुसार देश की जन संख्या ५० करोड़ से ऊपर है सन् १९६१ की जनगणना के अनुसार देश की जन संख्या ४३ करोड़ ९२ लाख थी इस जनगणना के अनुसार देश के प्रमुख देश के छः धर्मों के पालन कर्ता की जनसंख्या इस प्रकार थी:—

१. जैन	२० लाख
२. हिन्दू	३६ करोड़ ६५ लाख
३. मुसलमान	४ करोड़ ६५ लाख
४. ईसाई	१ करोड़ ७ लाख
५. सिख	७८ लाख
६. बौद्ध	३२ लाख

उपरोक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि जैन बहुत अल्प संख्या में हैं और सच्चे अर्थों में वे अल्प संख्यक हैं। मुसलमान इस देश का दूसरे नम्बर का बहु संख्यक वर्ग है परन्तु यह अत्यन्त दुर्भाग्य है कि उसमें अल्प संख्यक वर्ग माना जाता है।

सन् १९६१ की जनगणना में हिन्दुओं को छोड़कर शेष सभी धर्मावलम्बियों की संख्या में वृद्धि हुई है हिन्दुओं की संख्या के घटने का कारण महाराष्ट्र में हरिजनों द्वारा बड़ी संख्या में बौद्ध धर्म का अंगीकार किया जाना है। मुसलमानों की जन संख्या में वृद्धि का कारण पाकिस्तानियों द्वारा आसाम में की कुसपेठ व परिवार नियोजन की अवहेलना है।

१९६१ की जनगणना के अनुसार भारतीय संघ के विभिन्न प्रदेशों में जैनियों की संख्या इस प्रकार थी:—

१. आंध्र प्रदेश	६,०१२
२. आसाम	६,४६८
३. बिहार	१७,५६८
४. गुजरात	४०,७५४
५. मध्यप्रदेश	२,४७,९२७
६. महाराष्ट्र	२८,३५०

७. केरल	२,६६७
८. महाराष्ट्र	४,८५,६७२
९. मंसूर	१,७४,३६६
१०. उड़ीसा	२,२६५
११. पंजाब + हरियाणा	४६,७५४
१२. राजस्थान	४,०६,४१७
१३. पश्चिमी बंगाल	१,२२,१०८
१४. उत्तर प्रदेश	१,५५,५१५
१५. जम्मू और काश्मीर	१,४२७
१६. नागालैण्ड	२६३

केन्द्र प्रशासित क्षेत्र

देहली	२६,२६६
मणिपुर	२६,६४०
गोवा-डमन-द्यू	६८
हिमाचल प्रदेश	६५
अंठमान निकोबार	३

ग्वालियर में जैनियों की संख्या

सन १९६१ की जनगणना अनुसार ग्वालियर जिले की गिर्दे पिछोर और भांडेर तहसीलों में कुल जनसंख्या ६॥ लाख है जिसमें कुल जैन ६,४७५ हैं जिनमें ३,४०६ पुरुष और ३०६९ महिलायें हैं। कुल संख्या में से ५,५१२ ग्रहरी क्षेत्र में और शेष ९६३ ग्रामीण क्षेत्रों में बसते हैं। जैन कुल संख्या के केवल ७३% हैं जब कि जिले में अन्य धर्मावलम्बियों में ९२.३२% हिन्दू ७.५८% मुस्लिम हैं।

सन १९६६ में श्री बड्डमान दिगम्बर जैन तत्व-मुक्क संघ द्वारा लश्कर, ग्वालियर और मुरार की

गई जैन जनगणनानुसार जैनियों की संख्या केवल वृहत्तर ग्वालियर में ही ७५७६ है।

देश में आगामी जनगणना सन् १९७१ में होना है। प्रत्येक बन्धु को सचेत होकर अपने वर्ग, सरनेम आदि स्थान पर 'जैन' ही लिखवाना चाहिये तथा कर्मचारियों को पूर्ण और स्पष्ट जानकारी देना चाहिये। इस तरह दिगम्बर, श्वेताम्बर तेरापथी, बीसपथी, स्थानक वासी, समैया, खडेलवाल जैसवाल, वरैया, परवार, गोलापूर्व अग्रवाल आदि के स्थान पर 'जैन' शब्द को ही जनगणना पत्रक में भरवाना चाहिए। ऐसा करने का उद्देश्य किसी भी तरह की साक्षित भावना के उद्देश्य नहीं बल्कि सही संख्या ज्ञात हो सकने के उद्देश्य से किया जाना चाहिये।

जैनियों की जनगणना के सम्बन्ध में अखिल भारतीय दि० जैन शास्त्री परिषद के मंत्री श्री बाबूलाल जैन जमादार, १३६८ हाथी खाना, वडौत (मेरठ) पिछले ५ वर्षों से कार्य कर रहे हैं। उनके अनुसार भारत में जैन धर्मावलम्बी कम से कम एक करोड़ हैं। उन्होंने ५० लाख तक की गणना कर ली है उनके इस कार्य में योग देने के लिए भी जनगणना के समय प्रत्येक बन्धु को सजग रहना चाहिए।

समाज के नवयुवक को षचि पूर्वक नगरीय और जिला स्तर पर अपनी जनगणना करना चाहिए। इस सम्बन्ध में नगरीय स्तर पर इन्दौर जैन-जन संस्था पुस्तिका तथा दिल्ली जैन डायरेक्टरी में किया गया कार्य प्रशंसनीय है।

प्रो० सन० सल० जैन
आनन्द-श्रवण
फालके का बाजार, लश्कर

दशलक्षण पर्व के दिनों में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा जैनों की ढी गई सुविधा

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिगम्बर व श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारियों को घर्म पालन हेतु ढी जाने वाली सुविधाएँ :—

अनेक जैन बन्धुओं को दशलक्षण पर्व में दर्शन, पूजन, व्रत-उपवाम, घर्म-ध्यान, शास्त्र-पठन एवं श्रवण में अनेक कठिनाइयाँ होती हैं। परन्तु वे इस विषय में जातकारी प्राप्त करने का प्रयत्न ही नहीं करते हैं कि उस सम्बन्ध में उन्हें कुछ अनुकूल सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण सुविधा यह है कि श्वेताम्बर जैन सरकारी कर्मचारी दशलक्षण पर्व के दिनों में प्रतिवर्ष भादो बदी १२ में भादो सुदी ५ तक और दिगम्बर जैन सरकारी कर्मचारी भादो सुदी ५ से भादो सुदी

१५ तक अपने कार्यालयों में १२ बजे तक पहुँच सकते हैं। इस सुविधा का उपयोग सभी सरकारी कर्मचारियों डाक्टर, प्रोफेसर, जज, लेक्चरर, शिक्षक, क्लर्क सभी बन्धुओं को घर्म लाभ हेतु करना चाहिये। यह परिपत्र आज भी पूर्ण रूप से क्रियाशील है जिसकी पुष्टि मध्य-प्रदेश सरकार जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट ने अपने मेमोरेण्डम न० ५४०८—६६४९—१ (३) Dated the 27th Aug. 1967 में की है।

सामान्य प्रशासन विभाग के मेमो० न० 3425—973/1 (IV)14-8-63 के पत्र की मूल रूप इस प्रकार है:-

GOVERNMENT OF MADHYA PRADESH, GENERAL ADMINISTRATION DEPARTMENT,

Memo No. 3425-973-1 (IV) Dated, Bhopal the 23rd Srvn 1885 14th August 1963.

To

All Departments of Government,
The President Board of Revenue M. P. Gwalior,
All Commissioners of Divisions,
All Heads of Departments, and
All Collectors of Madhya Pradesh.

Subject:—Grant of concession to Jain employees under Govt. to attend office late in the month of Bhadra Pad every year for the religious observances.

In partial modification of General Administration Deptt's Memo. No. 5408-6694-I (III) dated 27th Aug., 1957, read with further clarification issued vide G. A. D. Memo No. 1306-1428 I (IV) '62, dated the 12th March '63' Government are pleased to grant permission as given below to officials by 12 Noon in the month of Bhadra Pad every year to enable them to perform certain religious observances:—

A	Shwetambar Jains	Bhadra Badi 12 to Bhadra Suda 5
B	Digambar Jains	Bhadra Suda 5 to Bhadra Suda 15

This concession however be subject to the conditions that state of work permits and the officials undertake to keep the work to date.

By order and in the name of the
Governor of Madhya Pr desh.
Sd/- S. N Rao
Under Secretary to Government.
Madhya Pradesh,
General Administration Department.

केंद्रीय सरकार द्वारा सरकारी जैन कर्मचारियों को सर्दी के दिनों में सूर्यास्त के पूर्व भोजन करने हेतु दी जाने वाली सुविधाएँ

इस सुविधा के अनुसार जैन कर्मचारी ठंड के दिनों में नवम्बर, दिसम्बर और जनवरी के महिनों में जब दिन थोटे होते हैं और सूर्य प्रकाश दफ्तर से घर पहुँचते-पहुँचते समाप्त होने लगता है तो दिन में ही भोजन करने वाले कर्मचारियों को बड़ी असुविधा होती है। इसलिये जैनियों को इन दिनों में दफ्तरों से आधा घंटा पहिले जाने की सुविधा है। अतः सर्विस कर रहे जैन व्यक्तियों को चाहिये कि उनका लाभ उठाकर धर्म सेवन करें।

CONCESSION IN TIME FOR JAIN COMMUNITY

“The Govt. of India, Ministry of Home Affairs have decided that members belonging to the Jain community, may, on their request, be allowed to leave office half an hour earlier than the usual closing time during the months of November, December and January in order to enable them to reach home in time to take their meds before sunset subject to the condition that they come to office half an hour earlier in the morning”

(Government of India, Ministry of Home Affairs, office memorandum No. 65-10/47- Public (B), dated the 9th December 1947 received under Auditor General's endorsement No. 58-NGE/480-47 dated the 10th January 1948)

(Paragraph—2 under Note—“Manual of office Procedure”—A. G. M. P. Gwalior) 1961.

सम्प्रदाय वार सूची

खराडेलवाल जैन समाज, लखकर

निर्देशिका क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या	क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या	क्रम	प्रमुख का नाम	सदस्य संख्या
कम्प्यू रोड लखकर:—			दानाघोली:—			२५६	श्री विमलक चन्द	२०
१६	श्री राजेन्द्रकुमार	२	२०४	श्री गुलाबचन्द	८	२६०	श्री सुरेन्द्रकुमार	६
माधवगंज:—			२०५	श्री कस्तूरचन्द	२	२६१	श्री मोतीलाल	२
२१	श्री महेशचन्द	३	२०६	श्री मोतीलाल	६	२६३	श्री मोतीलाल	३
२३	श्री पूनचन्द	७	२०७	श्री महेन्द्रकुमार	१२	२६६	श्री गोपीचन्द	७
७३	श्री रतनचन्द	७	२०८	श्री नारायणदास	१०	२६७	श्री विमलकुमार	१०
७७	श्री सुगनचन्द	१२	२१२	श्री देवेन्द्रकुमार	२	२६८	श्री सागरचन्द	२८
७८	श्री लक्ष्मीचन्द	२	२१३	.. चेतनमल	२	२६९	श्री मानिकचन्द	१०
७९	श्री ठुकमचन्द	१०	२१४	श्रीमती कोकाबाई	१	२७५	.. उत्तमचन्द	६
८०	श्री कौशलचन्द	८	२१६	.. गिलरचन्द	४	२७८	श्री हीरालाल	६
८१	श्री पूनमचन्द	५	२२०	.. तेजनारायण	६	२७९	.. चन्द्रमोहन	२
८२	श्री नानुलाल	७	२२२	.. मनोहरलाल	४	२८०	श्री कपूरचन्द	१०
८३	श्री घणालाल	३	२२६	.. फूलचन्द	२	२८१	श्रीमती रजोबाई	१
९२	श्री प्यारिलाल	८	२२७	.. कन्हैयालाल	६	२८४	श्री कौतिल प्रसाद	५
९३	श्री फूलचन्द	२२	२३१	श्री मोतीलाल	११	२८५	.. नेमीचन्द	६
९७	श्री चिन्दूलाल	६	२३२	.. बाबूलाल	६	२८६	.. गुलाबचन्द	२
९८	श्री पञ्चालाल	८	२३४	.. गोपीलाल	६	२९०	.. मानकचन्द	४
९९	श्री बाबूलाल	३	२३५	श्री मानकचन्द	५	२९२	.. कस्तूरचन्द	५
१०८	श्री मिलापचन्द	१०	२३६	श्री मोतीलाल	३	२९३	.. लक्ष्मीचन्द	१
४६९	.. पञ्चालाल	५	२४२	श्री सन्तलाल	१४	२९४	.. सोमागमल	१७
छिटमोश की मोठ:—			२४८	श्री वसन्तलाल	६	२९५	.. केसरीमल	६
१३१	श्री मिलापचन्द	१०	२५०	श्री चाँदमल	४	२९७	.. सुगनचन्द	११
१३२	श्री गुलाबचन्द	१	२५१	श्री मानिकचन्द	८	३०४	.. प्रकाशचन्द	६
जनकगंज:—			२५२	श्री पूरनचन्द	५	३०७	.. सोमागमल	५
१५६	श्री रमेशचन्द	२	२५३	श्री सुमैरचन्द	७	३०८	श्री. लालचन्द	६
१८८	श्री धूपचन्द	११	२५६	श्री हुस्तीमल	३	३०९	श्री फूलचन्द	६
१९५	श्री यादवचन्द	२	२५७	.. चाँदमल	३	३१०	.. चिरीजीलाल	६
२००	श्री मधुराशान	४	२५८	.. कमलचन्द	२	३११	.. मोतीलाल	५
				श्री ज्ञान चन्द	७	३१२	.. सोमागमल	६

३२१	सुरेन्द्रकुमार	७	४२४	श्री दीपचन्द	६	बौलतमंजः—		
३२२	रामलाल	१	४२५	भमोलकचन्द	८	५२१	श्री राजेन्द्रकुमार	७
३४०	भैरवलाल	२	४२६	कन्हैयालाल	२	५२२	श्रीमती लीजाबाई	१
३४१	धीमल	४	४२७	मदनलाल	२	५२३	श्री धर्मचन्द	१६
३४२	चिरंजीवाल	१०	४२८	धीमचन्द	४		श्रीमती गुलाबचन्द	१
३४३	शान्तीचन्द	३		मनीराम का बाड़ा:—		५२४	श्री ताराचन्द	५
३४६	पारसमल	४	४३२	मदनलाल	२	५२५	मुशालाल	७
३६१	ज्ञानचन्द	३	४३३	कलाशचन्द	६	५२६	राजमल	१२
३६२	कल्याणमल	१०	४३४	उम्मेदीलाल	२८	५२७	मदनलाल	६
	गस्त का ताजिया:—		४३५	चिरंजीवाल	५	५३२	मांगीलाल	६
३६७	श्री सिधीलाल	३	४३६	गेंदालाल	१	५३३	बाबूलाल	७
३६८	सूरजमल	५	४४५	मांगीलाल	६	५३४	फूलचन्द	१०
३६९	शान्तीचन्द	५	४४६	गनेशीलाल	१	५३५	बाबूलाल	५
३७१	आमुकुमार	३		सराफा बाजार:—		५३६	बाबूलाल	६
३७५	कपूरचन्द	५	४६६	मानकचन्द	४	७२२	सन्तोषकुमार	७
३७६	श्रीमती चिरंजीबाई	१	४७०	पवनकुमार	७	५३६	मदनलाल	४
३७७	श्री उत्तमचन्द	१	४७१	श्रीमती गुलाबदेवी	१		नया बाजार:—	
३८८	सीमाचन्द	६	४७७	विमलचन्द बँडा	६	५४८	हुकमचन्द	८
३८९	कपूरचन्द	३	७११	भंवरलाल	३	५४९	रूपचन्द	७
	डीडवानामोली:—		७१२	रिखवचन्द	७	५५०	गोपालदास	४
३९१	श्री विमलचन्द	१८	७१५	तेजकुमार	६	५५४	हुकमचन्द	३
३९४	मोतीलाल	२	७१६	सीमाचन्द	६	५७१	उत्तमचन्द	७
३९५	जयकुमार	६	४७८	प्रकाशचन्द	१५		शिन्डे की छावनी:—	
४०४	रूपचन्द	१०	४७९	श्री मानिकचन्द	११	६६९	जगदीश	१
	कसेराधोली:—		४८०	निरञ्जनलाल	७	६७०	सुमतकुमार	७
४०७	श्री फतेहचन्द	६	४८१	गुलाबचन्द	६	६७१	प्रकाशचन्द	८
४०८	प्रकाशचन्द	३	४८२	श्रीमती सरस्वतीबाई	१	६७२	देवेन्द्रकुमार	६
४०९	श्रीमती कस्तूरीबाई	१	४८३	श्री सूरजमल	१	६७३	कमलचन्द	५
४१०	श्री शान्तीचन्द	६	४८५	भजनलाल	२	६७४	सुरेन्द्रकुमार	६
४११	श्री शान्तीचन्द	१०	४९२	गुलाबचन्द	६		खालियर:—	
४१२	श्री कन्हैयालाल	४		नई सिडक:—		७६२	राजेन्द्रकुमार	७
४१९	इन्दरचन्द	७	५०३	श्री सुद्धमल गगवाल	१२		पुरार:—	
४२०	फूलचन्द	१	५०४	सरदारमल	६	८५५	केशरीमल	१७
४२१	श्रीमती संपूरीदेवी	३	५०५	गुलाबचन्द	१	९३६	गनेशीलाल	१८
४२३	श्रीमती केसरबाई	१	५११	श्रीमती मोहरी	१			
				भयोककुमार	१			

बरैया जैन समाज, लखकर

गुड़ी-गुड़ा का नाका:—

	४२	श्री गयाप्रसाद	५	८५	" मांगीलाल	७
१ श्री बन्नीप्रसाद	५	४३ " गगाराम		११	" केदारनाथ	६
२ " बन्नीप्रसाद	१०	४४ " परमानन्द		२	" इन्द्रसेन	२
३ " सुशीलाल	४	४५ " रामसनेहीलाल		४	" बाबूलाल	६
४ " गुलाबचन्द	८	४६ " रामकिशन		६	" मधुलाल	६
		४७ " मधालाल		७	" छोटेनाल	४
		४८ " अमरचन्द		७	१०० श्रीमती रज्जोबाई	२
कम्पू रोड		४९ " रामचरणलाल		७	१०१ श्री बलराम	७
१३ " प्रमूदयाल	३	५० " स्वरूपचन्द		१०	१०६ " नरबुलाल	२
सिकन्दर कम्पू		५१ " हरबिलाम		५	११० " फूलचन्द	७
१८ " सावलदास	७	५२ " जेतराम		२०	१११ " बाबूलाल	११
१९ " प्यारेलाल	१	५४ " देवचन्द		१२	११२ " भस्मनलाल	४
२० " जोखीलाल	४	५५ " मदनलाल		४	११५ " सम्पतलाल	७
हेमसिंह की परेड़		५६ " बालचन्द		५	११६ " बटामीलाल	६
२४ " देवीलाल	६	५७ " पतराम		१२		
२५ " बाबूलाल	१०	५८ " देवीलाल		६	कमाठीपुरा माधवगंज	
२६ " राजनलाल	७	५९ " अक्षरकीलाल		५	११८ " कपूरचन्द	२
२७ " बाबूलाल	६	६० " रामस्वरूप		३	१२१ " कमलचन्द	२
२८ " शोभाराम	७	६१ " बाबूलाल		७	१२२ " घर्मचन्द	५
मामा का बाजार		६२ " बाबूलाल		३	१२३ " शंकरलाल	७
३० " हरबिलास	४	६२ " देवचन्द		१४	१२४ " द्वारकाप्रसाद	६
३१ " विसनस्वरूप	५	६३ " लालचन्द		५	बापू डन्डी की गोठ	
३२ " दीनदयाल	८	६४ " मट्टलाल		८	१२५ " उत्तमचन्द	३
३३ " सन्तोषीलाल	७	६५ " मुन्नालाल		४	१२६ " जगन्नाथप्रसाद	७
३४ " रमेशचन्द	२	६६ " प्रेमकुमार		३	१२७ " पन्नालाल	७
३५ " राधेश्याम	४				१२८ " छोटेनाल	८
३६ " भगवानलाल	६	माधवगंज			१२९ " रघुनाथप्रसाद	१
३७ " दर्शनलाल	६	६८ " क्षीतलप्रसाद		६		
३८ " नेकसीराम	१	७४ " मोहनलाल		४	चिटनीश गोठ	
३९ " भांगुकुमार	६	७५ " भगवतीप्रसाद		६	१३६ " मूलचन्द	६
४० " रत्नेलाल	५	७६ " बाबूलाल		२	१३७ " फतेहचन्द	६
४१ " ज्ञानचन्द	३	८४ " उत्तमचन्द		३		

बाबाबाई का बाजार

१४३	,"	चिरोजीलाल	२
१४४	,"	भीकानाम	७
१४६	,"	चिरोजीलाल	६
१४४	,"	पंचमलाल	१

सासगी बाजार

१६०	,"	सुनहरीलाल	६
१६१	,"	भगवानलाल	३

डोलीकुमा का पुल

१६४	,"	बाबूलाल	८
१६६	,"	फूलचन्द	५

छत्री बाजार

१६७	,"	रामदयाल	१
१६८	,"	नेमीचन्द	२
१६९	,"	नेमीचन्द	७
१७०	,"	मुरारीलाल	४
१७१	,"	पदमचन्द	३
१७३	,"	महावीरप्रसाद	४
१८१	,"	बोलेलाल	५

जमकगंज

१८३	,"	चिरोजीलाल	३
१८४	,"	चन्द्रसेन	१६
१८५	,"	रतनलाल	२
१८७	,"	रतनलाल	१
		श्री मांगीलाल	२
		" श्रीवीराम	८
		" बिष्टूराम	१
		" धाम्तीलाल	५
		" बालचन्द	३

भाऊ का बाजार

१९१	,"	सुरेन्द्रकुमार	७
१९७	,"	श्रीमती सोनाबाई	३

१९८	,"	श्री गुलाबचन्द	
१९९	,"	मटहुलाल	

बानाश्रीली

२१०	,"	ताराचन्द	
२४१	,"	फूलचन्द	
२६५	,"	पूरनचन्द	
२७०	,"	गोपीलाल	
२८२	,"	नेमीचन्द	
२९६	,"	नेमीचन्द	
३००	,"	रामदयाल	
३०१	,"	अमरचन्द	
३०२	,"	श्रीमती सरस्वतीबाई	
३०३	,"	श्री नरथीलाल	
३१३	,"	महावीरप्रसाद	
३१४	,"	नेमीचन्द	
३१५	,"	रमेशचन्द	
३१७	,"	मुझालाल	
३१८	,"	वसन्त कुमार	
३१९	,"	पूरनचन्द	
३२०	,"	रामजीत	
३३०	,"	सुगनचन्द	
३३७	,"	किसनलाल	
३३८	,"	जोहरीलाल	
३४४	,"	हजारीलाल	
३४५	,"	मोहनलाल	
३४७	,"	नाराचन्द	
३४८	,"	बिहारीलाल	
३५५	,"	मकहनलाल	
३६३	,"	नाथूलाल	
३६४	,"	फूलचन्द	
३६५	,"	मुरारीलाल	

गस्त का ताजिया

३७३	,"	भगवानदास	
३७४	,"	होरालाल	
३७८	,"	श्रीसीलाल	

१	३७९	,"	रामचन्द	७
७	३८०	,"	लक्ष्मूराम	४
	३८१	,"	फूलचन्द	४
	३८२	,"	श्रीमती बेटीबाई	१
१०	३८३	,"	श्री रामविह	९
५	३८४	,"	रतनलाल	६
६	३८५	,"	श्यामीराम	२
३	३९०	,"	बाबूलाल	३
७	४००	,"	लक्ष्मूराम	३
८	४०१	,"	फुन्दीलाल	५

कसेरा श्रीली

१	४१२	,"	श्रीमती लीलोबाई	२
५	४१४	,"	श्री कपूरचन्द	५
३	४१५	,"	गुलाबचन्द	६
४	४१६	,"	श्रीमती सुमिबादेवी	१
८	४२२	,"	श्री भजनलाल	१०
११		,"	श्री लालाराम	४
२	४२६	,"	श्री प्रेमचन्द	२
७	४३१	,"	नालमन	५

मनीराम का बाड़ा

५	४३७	,"	श्री भागीरथप्रसाद	६
८	४३८	,"	श्री महेशचन्द	३
५	४३९	,"	श्री सन्तोषीलाल	५
१	४४०	,"	श्री खेरातीलाल	१
५	४४८	,"	प० लक्ष्मूराम	१
१	४४९	,"	श्री चन्द्रसेन	७
५	४५०	,"	श्री नुक्कीमल	१०
४	४५२	,"	श्री मुझालाल	३
		,"	गुलाबचन्द	७

घोसी बाड़ा

	४५४	,"	श्री रामचरणलाल	९
	४५५	,"	श्री पूरनचन्द	३
	४५६	,"	श्री सुगनचन्द	५
	४५७	,"	श्री देवीलाल	२
	४५८	,"	श्री मंगलचन्द	७

पारख जी का बाड़ा

४६७	श्री प्रतापचन्द	२
४६८	श्री हीरालाल	४
४६९	श्री पन्नालाल	८
७१०	श्री कासीराम	७
७१३	श्री प्रेमचन्द	१

दौलतगंज

५१७	श्री चर्मचन्द	९
५२८	श्री भरोसीलाल	७
५२९	श्री सालिगराम	३
५३७	श्री मन्मथलाल	६
५४२	श्री श्यामलाल	५
	श्री हेमराज	१०

नयाबाजार

५५६	श्री रामचरनलाल	५
५६२	श्री मन्मथलाल	१
५६५	श्री चम्पालाल	७

दाल बाजार

	द्वारकाप्रसाद	३
	गुलाबचन्द	३
	ताराचन्द	५

इन्दरगंज

५९७	श्री हजारीलाल	१०
५९८	श्री महाचन्द	१०
५९९	श्री बाबूलाल	१२
६००	श्री प्यारेलाल	१७

६०७	श्री रामदयाम	४
६०९	श्री ज्ञानचन्द	९
६१३	श्री सुगनचन्द	११
६१४	श्री विधीचन्द	५
६१५	श्री सुन्दरलाल	३
६१९	श्री द्वारकाप्रसाद	४

जिसीनाला हाईकोर्ट

६२४	श्रीमती चम्पाबाई	१
६२५	श्री सुरजमल	१७
६२६	श्री बाबूलाल	१०
६२७	श्री कामताप्रसाद	६
६२८	श्री कैलाशचन्द	४
६२९	श्री रोगनलाल	४
६३०	श्री लालचन्द	३
६३१	श्री मुकन्दीलाल	३
६३२	श्री शिवकुमार	२
६३३	श्री मोहनलाल	१७

शिंदे की छावती

६५१	श्री शकरलाल	६
६५२	श्री केशरीमल	७
६५३	श्रीमती अंगूरीबाई	३
६५५	श्री दत्तलाल	६
६५६	श्री बाबूलाल	६
६५७	श्रीमती प्रमनाबाई	१
६५८	श्री बिरोजीलाल	१५
६५९	श्री मनसुन्दरलाल	१०
६६०	श्री नवलकिशोर	५

६६१	श्री कासीराम	९
६६२	श्री मानोरम	९
६६३	श्री मनपतलाल	८
६६४	श्री हरलाल	७
६६९	श्री भगवानलाल	७
६९०	श्री ओमचन्द	३
	श्री सुरारीलाल	६
	श्री मुन्नीलाल	६
	श्री बालचन्द	१
	श्री प्रकाशचन्द	६
	श्री देवेन्द्रकुमार	६
	श्री दीपचन्द	६

फालका बाजार

६९६	श्री प्रकाशचन्द	९
६९७	श्री हजारीलाल	३

माधवगंज

७१८	श्री बुद्धामल	४
७१९	श्री पंचमलाल	५
७२०	केशरीमल	५
७२१	श्रीमती पुनियाबाई	१
	श्री नरवदीबाई	१
	श्रीमती बिम्बोबाई	१

खालियर

७८२	श्री मोतीलाल	१
७८३	श्री दुर्गाप्रसाद	१३

रूपया शासकीय जनगराना (१९७१) में अपने नाम के प्रागे सिर्फ "जैन" ही लिखवाईया। खन्डेलवाल, जंसवाल, बरैया, भयवाल आदि लिखवाने से जैनों की वास्तविक जनसंख्या ज्ञात नहीं हो सकती इससे उनका प्रतिघात अन्य जातियों से बहुत ही कम निकलता है।

जैसवाल जैन समाज

तिलक नगर लइकरः—

	२२८	श्री रामचरण	८	३३६ श्री महेशचन्द	२५
६ श्री विजयकुमार	४	२२९ श्री मुन्नालाल	५	३३९ ,, सुनहरीलाल	७
७ श्री किनेन्द्रकुमार	८	२३० श्री नत्थीलाल	६	३४६ ,, मंगलचन्द	१०
८ श्री बीरेन्द्रकुमार	५	२३३ ,, फूलचन्द	१	३५० ,, पूरनचन्द	३
९ श्री रघेशचन्द	३	२३७ श्री रामस्वरूप	४	३५२ ,, सुरेशकुमार	६
माधव गंज		२३९ श्री बट्टीप्रसाद	९	३५३ ,, रामचरणलाल	२
२९ श्री चांदमल	६	२४० श्री लक्ष्मणदास	६	३५४ ,, मांमीलाल	२
६७ श्री मुन्नीलाल	७	२४५ श्री रामस्वरूप	७	गस्त का ताजिया	
८६ श्री लक्ष्मीनारायण	५	२४६ श्री हुकमचन्द	११	३६६ ,, बलभद्रप्रसाद	३
८७ श्री नेमीचन्द	११	२४९ श्री मांमीलाल	८	४०२ ,, छोटेला	२
१०३ श्री राजाराम	६	२५४ श्री श्रीपत	१५	मोची ओली	
१०४ श्री रामचरणलाल	५	२५५ श्री रामदयाल	६	४०६ ,, लक्ष्मीचन्द	१९
११३ श्री गुलाबचन्द	८	२५६ श्री नेमचन्द	१	कसेरा ओली	
१३० ,, प्रेमचन्द	८	२६४ श्री स्वरूपचन्द	५	४३० श्री कौलाचन्द	२
१६५ श्री सतेन्द्रनाथ	३	२७१ श्री लक्ष्मीनारायण	६	मनीराम का बाड़ा	
छोत्री बाबावर		२७२ श्री गणूलाल श्री बाले	११	४४३ ,, नरथीलाल	६
१७४ श्री ध्यारेलाल	११	२७३ श्री नेमीचन्द	७	४४४ ,, बीरेन्द्रकुमार	२
१७५ श्री सुगमचन्द	४	२७४ श्री श्रवणलाल	५	४४७ ,, ज्ञानचन्द	२
१८० श्री नेमीचन्द	२	२८३ श्री पूरनचन्द	३	४५३ ,, लालचन्द	८
जनकगंज		२८८ श्री प्रेमचन्द	४	घोसी बाड़ा	
१८६ श्री श्रीचन्द	८	३०६ श्री सोलाराम	२	४५६ ,, श्यामलाल	३
बानाघोली		३२३ श्री मोतीलाल	१०	४६० ,, शंकरलाल	८
२१५ श्री राजकुमार	७	३२४ श्री मिश्रचन्द	५	४६१ ,, फूलचन्द	८
२१६ श्रीमती श्रीछोबाई	१	३२५ श्री गिरघाटीलाल	८	४६२ ,, छोटेला	३
२१७ श्री श्यामलाल	१	३२६ श्री बाबूलाल	९	४६३ ,, मानिकलाल	४
२१८ श्री नेमीचन्द	७	३२७ श्री पंचाराम	२४		
२२१ डा० बाबूलाल	६	३२८ श्री राजकुमार	२		
		३३२ श्री छोटेला	६		
		३३३ श्री ज्ञानचन्द	४		

बीलतगंज

५१२	"	सुरेन्द्रकुमार	२
५१३	"	भगवानदास	६
५१४	"	सीताराम	८
५३०	"	जमनादास	६
५३१	"	दाताराम	५
५४०	"	रोगनलाल	१४
५४१	"	मूलचन्द	६

नया बाजार

५७४	"	पवनकुमार	१
५७५	"	प्रयागनारायण	१
५७६	"	महेशचन्द	१
५७६	"	डा० ज्ञानप्रकाश	४

हन्दर गंज

६०३	"	कमोमल	१२
६०४	"	भागचन्द	५
६०५	"	भोगीराम	६
६०६	"	जवाहरमल	४
६१२	"	कैलासचन्द	१
६२०	"	दुर्गेशकुमार	५

जिन्सी नाला

६३४	"	प्रो० अमरचन्द	५
-----	---	---------------	---

शिन्वे की छावनी

६३६	"	श्री ग्यासीलाल	३
६४०	"	राजिन्द्रप्रसाद	३
६४१	"	गोविन्दीलाल	१०
६४२	"	बाबूलाल	५
६४३	"	नरेशचन्द	६
६४४	"	बंगालीबाबू	७
६४४	"	शंकरलाल	११
६४५	"	छोटेनाल	६
६४८	"	गोपीलाल	६
६४६	"	विरोजीलाल	११

६५०	"	पोथीराम	२
६६८	"	राजाराम	५
६७५	"	करणसिंह	११
६७६	"	ग्यासीलाल	६
६८३	"	रामनाथ	५
६८४	"	रामप्रसाद	४
	"	राधेशाल	७

स्टेशन रोड़

६८६	"	गनपतलाल	१७
६८७	"	जवाहरलाल	६

पाटनकर बाजार

६६३	"	हरीशचन्द	६
७०१	"	पं० त्रिलोकचन्द	६
७०२	"	श्री रवीन्द्रमालव	३
७०३	"	फूलचन्द	१५

जरी पटका

७०५	"	मोहनलाल	१२
७०६	"	बाबूलाल	४
७०७	"	रुयालीराम	८

कमलसिंह का बाग

७०६	"	डा० जवाहरलाल	११
-----	---	--------------	----

सराफा बाजार

७१४	"	बीरेन्द्रकुमार	५
७१७	"	पारसमल अत्री	४

छत्री बाजार

६८५	"	नेमीचन्द	५
-----	---	----------	---

खालियर

मोहल्ला खच्चाराम

७२४	"	गोपीचन्द	६
७२५	"	नत्थीलाल	३
७२६	"	बलमन्तराम	४

लोहा मण्डी

७२६	"	शंकरलाल	७
७३०	"	लज्जाराम	१०
७३१	"	ग्यासीराम	३
७३२	"	नन्दकिशोर	४
७३३	"	जीवाराम	८
७३४	"	श्रीचन्द	११
७३५	"	प्यारेलाल	१
७३६	"	नेमीचन्द	६
७३७	"	हरीशचन्द	८
७३६	"	मंगलचन्द	११
७३६	"	खूबचन्द	६
७४०	"	भीमगुरीमल	१०
७४१	"	सुखलाल	७
७४२	"	नेमीचन्द	६
७४३	"	हजारीलाल	३
७४४	"	आनन्दीलाल	१०
७४५	"	ओछेलाल	१
७४६	"	नन्दकिशोर	८
७४७	"	तुमसीराम	३
७४३	"	भजनलाल	७
७४४	"	रामचन्द्र	५
७४५	"	हीरालाल	८

कोटा वाला मोहल्ला

७५६	"	विहारीलाल	१०
७५६	"	मलहरीलाल	२

गंज

७६१	"	बोखेलाल	८
७६२	"	भोगीराम	८
७६३	"	फूलचन्द	७
७६४	"	चन्दनलाल	६
७६५	"	ज्ञानचन्द	७
७६६	"	खूबचन्द	३
७६७	"	अनुप्याप्रसाद	६
७७१	"	सुरेन्द्रकुमार	४

श्यालियर

७६३	श्री किशननाथ	५
७६४	" बहदेवप्रसाद	१०
७६५	" यदालाल	१
७६६	" रामबाबू	६
७६७	" सुनहरीलाल	४
७६८	" उषसेन	४
८०४	" नन्देलाल	३
८०५	" कन्धमलाल	६
८०६	" हरबयाल	१४
८१६	" प्रभुदयाल	११

ठाठीपुर कालोमी मुरार

८१६	श्री जगदीशचन्द	४
८२०	" चन्द्रशेखर जैन	४
८२५	" अणु. एस. जैन	५
८२६	" नरधीमाल	६

सह्यर बाजार:—

८२८	श्री गोकसचन्द	७
८६६	" कालीचरण	७
८६७	" विहारीलाल	८
८३१	" त्रदाशमनाथ	७
८३२	" गुलजारीलाल	६

बिक सभ्तर

८३३	श्री श्रीकाराम	१६
८३४	" दुन्देराय	२
८३५	" ज्ञानचन्द	६
८३६	" प्रेमचन्द	३
८३७	" वाताराम	७
८३८	" बन्धीधर	७
८३९	" राजाराम	६
८४०	" प्यारेलाल	६
८४१	" कन्हैयालाल	४
८४२	" मुरलीधर	८
८४३	" बालमुकुन्द	१२
८४४	" लक्ष्मण	८

८४५	श्री जगन्नाथप्रसाद	२१
८४६	" शोभाराम	६
८४७	" सुमतचन्द	४
८४८	" बाबूलाल	७
८४९	किशोरीलाल	१२
८५०	" छोतरमन	३
८५१	शंकरलाल	७
८५२	" हजारीलाल	७
८५३	" क्षेमचन्द	१०
८५४	" मुन्शीधर	१८

सत्यनारायण सन्तर मुरार

८५६	श्री धनीराम	२३
८६०	" गुन्वारीलाल	१५
८६१	" मनोहरलाल	११
८६२	" मूलचन्द	६
८६३	" प्रेमचन्द	४
८६४	" गिरिजचन्द	८
८६५	" बमीरचन्द	६

गगनाई सन्तर

८६७	श्री बाबूलाल	५
८६८	" बाबूलाल	६
८६९	" मधूलाल	१४
८७०	" भगवानदास	७
८७१	" पुरुषोत्तमदाम	६
८७२	" ज्वालाप्रसाद	४
८७३	" मांगीलाल	२
८७४	" विनोदकुमार	४
८७५	" धनीराम	७
८७६	" हसराम	५
८७७	" बटनलाल	१०
८७८	" दीनाभाषि	८
८७९	" नरेन्द्रकुमार	१०
८८०	श्रीमती ग्यालोबाई	१
८८१	श्री वारेलाल	८
८८२	" गणेशराम	१३
८८३	" मन्मोहरलाल	१६

८८४	श्री लालपति	६
८८५	" भजनलाल	७
८८६	" गुलाबचन्द	५
८८७	" रत्नलाल	६
८८८	" गिरधारीलाल	३
८८९	" विमलचन्द	६
८९०	" श्रीलाल	२०
८९१	" दीनानाथ	५
८९२	" शंकरलाल	७
८९३	" विधीचन्द	६
८९४	" मोनपाल	८
८९५	" धनश्यामदास	६
८९६	" रामकिशन	६
८९७	" गोपीचन्द	६
८९८	" दुर्गाप्रसाद	७
८९९	" किशनशंकर	४
९००	" टिल्ले भगवान	२
९०१	" मुन्शीलाल	५
९०२	" मुन्शीलाल	६

शम्भूमल की बगीची

९०६	श्रीमती राजवेटी	१
९०७	" अनेकाबाई	१
९०८	श्री चेताराम	१
९०९	" मुन्शीलाल	११
९१०	" कपूरचन्द	१४
९११	" हजारीलाल	४
९१२	" श्रीलाल	७
९१३	" दीपचन्द	१
९१४	" ज्ञानचन्द	७
९१५	" खूबचन्द	१२
९१६	" बोधिलाल	८
९१७	" मातादीन	११
९१८	" फूलचन्द	२०
९१९	" नरबीमाल	६
९२०	" भजनलाल	१०

ठण्डी सड़क, मुरार

६२१	„ कैलाशचन्द	१५
६२२	„ मदनलाल	४
६२३	„ भोकुलचन्द	३
६२४	„ कैलाशचन्द	२
६२५	„ हरलाल	८
६२६	श्रीमती रमकोबाई	२
६२६	श्री शान्तिनाथ	६

घास मण्डी

६३१	„ श्यामलाल	८
६३२	„ हरीशचन्द	८
६३३	„ बालाराम	८
६३५	„ छोटेनाथ	११

अनाज मण्डी

६३७	„ कालीचरण	१४
-----	-----------	----

सिंहपुर रोड

६३८	„ लक्ष्मीराम	२६
६३९	„ कन्हैयालाल	८

बजाज खाना

६४०	„ श्यामलाल	१०
६४१	„ रामचरण	१०
६४२	„ कैलाशचन्द	२
६४३	„ महावीरप्रसाद	२

कोतवाली सन्तर

६४४	„ मोतीलाल	५
६४५	„ श्यामलाल	११

नदी सन्तर

६४६	„ कुन्जलाल	७
-----	------------	---

सौदागर सन्तर

६४८	„ किन्नोरिलाल	८
-----	---------------	---

मुवामापुरी

६४९	„ अतुरीमल	५
६५०	„ विशाराम	६

६५१ „ गणेशराम

६५२ „ रतनलाल

नया सन्तर

६५४ „ प्रेमचन्द

६५५ „ नेंदालाल

खुला सन्तर

६५६ „ मंगलचन्द

६५७ „ बुद्धचन्द

रिसाला बाजार

६५८ „ रत्नचन्द

६५९ „ प्रागनारायण

सत्यनारायण सन्तर

„ गिरनारीलाल

अग्रवाल

गुड़ी-गुड़ा कानाकाः—

५ लक्ष्मीनारायण २

माधवगंज, लइकर

७१ श्री भगवानदास २

७२ श्री रामस्वरूप ३

१०६ श्री सुमीलाल ८

१३५ श्री कन्हैयालाल १२

१३६ श्री नेमीचन्द ६

१४५ श्री महेशकुमार १०

१५० श्री सीताराम ७

१६२ श्री पूनमचन्द ५

१६३ श्री क.पूरचन्द १०

जनकगंज

१६१ श्री नेमीचन्द १०

१६२ श्री रत्नचन्द ७

दानाघोली

२८७ श्री कौशलकिशोर दीवान ६

२८८ डा० जे० के० दीवान ६

२८९ श्री कैलाशबाबू २

२९१ श्री नानकराम २

२९९ श्री बाबूलाल ६

३१६ श्री शान्तीलाल ४

३५७ श्री लक्ष्मीचन्द १२

३५८ श्री गोपीलाल ६

३५९ प्रो० वासीराम २

३६० श्री प्रकाशचन्द ८

३६६ श्री प्रमचन्द ६

गस्त का ताजिया

३७० श्री जगन्नाथप्रसाद ६

३७२ श्री बिनोदकुमार ३

३८७ श्री कृष्णकुमार १

डीडवाना घोली

३९२ श्री रघुवीरश्याम ६

३९३ श्री नेमीचन्द १०

३९६ श्री कन्हैयालाल १२

३९७ श्री हुकमचन्द ८

३९८ श्री हीरालाल ८

३९९ श्री रामबाबू १२

सराफा बाजार

४७३ श्री अजुध्याप्रसाद १५

४७४ श्री शंकरलाल १०

४७६ श्री गुलाबचन्द ५

४८४ श्री रामचरणलाल २

४८६ श्री बाबूलाल १०

४८७ श्री तोसाराम १३

४८८ श्री रमेशचन्द १६

४८९ श्री गुलाबचन्द १६

४९० श्री गणेशराम १६

४९१ श्री आशाराम ६

नई सड़क

४६८ श्री श्यामलाल	७
५०० श्री आनन्दकुमार	१

बोलतगंज

५१५ श्री आनन्दकुमार	५
५१६ श्री रामचन्द्र	१०
५२० श्री सुरजनारायण	३
५३८ श्री गणपतलाल	१३
५४३ श्री मुरारीलाल	१

नया बाजार

५४४ डॉ० ओ. एस. दीवान	१४
५४५ श्री जिनेश्वरप्रसाद	७
५७२ श्री नरेन्द्रकुमार	३

इन्दर गंज

६१० श्री जैनेन्द्रकुमार	१
६११ श्री कृष्णकुमार	१
६२१ श्री मंकरलाल	७
„ मूलचन्द भोमप्रकाश	६

शिंदे की छावनी

६३८ श्री बनारसीदास	१०
--------------------	----

पाटनकर बाजार

६६१ श्री कन्हैयालाल	७
६६२ ओ भोमप्रकाश	५
६६६ श्री बाबूलाल कागला	६

नया बाजार

„ मनोहरलाल	४
------------	---

लोहिया बाजार

„ गिरराजकिशोर	८
„ सीताराम सराफा	६
„ श्रीराम	५
„ प्रभूमहावीरप्रसाद	६

ग्वालियर :-

चौक बाजार :-

७२७ „ रामजीदास	४
----------------	---

सोहा मंडी :-

७२७ „ अरविन्दकुमार	१०
७४८ „ मोतीलाल	८

कोटा वाला मोहल्ला

७५७ „ फूलचन्द	१८
७५८ „ घन्नालाल	११

गंज :-

७६० „ किशोरीलाल	८
७६८ „ रामभवतार	७
७७० श्रीमती विन्जोबाई	१

फोर्ट रोड :-

७७१ श्री हरप्रसाद	६
७७२ „ नीनकरन	१०
७७३ „ नीनकरण	१०
७७४ „ विभीचन्द्र	४
७७५ „ बाबूलाल	६

चौक बाजार

७७६ „ पन्नालाल	६
७७७ „ नारायणदास	११
७७८ „ सुन्दरलाल	६
७७९ „ रामजीदास	२०

पंसारी ओली :-

७८० „ हरीशचन्द	११
७८१ „ राजाराम	१२
७८६ „ राजाराम	८

सोडा का कुद्या :-

७८४ „ कैलासनाथ	८
७८७ „ मानेराम	८
७८८ „ सुन्दरलाल	४

७८६ „ बासुदेव	५
---------------	---

७९० „ भूपेन्द्रकुमार	३
----------------------	---

७९६ „ छोटेलाल	१०
---------------	----

८०० श्री प्रेमचन्द	५
--------------------	---

८०१ श्री हुकमचन्द	३
-------------------	---

८०२ श्री हालचन्द	३
------------------	---

८०३ श्री मोतीलाल	६
------------------	---

छोटा बाजार :-

८०७ श्री सीताराम	६
------------------	---

८०८ श्री बाबूलाल	६
------------------	---

८०९ श्री किशनलाल	२२
------------------	----

घास मण्डी :-

८१० श्री कन्हैयालाल	११
---------------------	----

८११ तोताराम	४
-------------	---

८१२ श्री किशोरीलाल	८
--------------------	---

८१३ श्री ग्यासीलाल	११
--------------------	----

तामेश्वर महादेव :-

८१४ श्री रामजीदास	६
-------------------	---

८१५ श्री दर्शनलाल	१६
-------------------	----

ठाठोपुर कॉलोनी, मुरार

८२१ श्री वी० एस० जैन	८
----------------------	---

८२२ श्री एस० एल० गोयल	८
-----------------------	---

८२७ श्री एस० एम० गोयल	६
-----------------------	---

जैन मंदिर संतर, मुरार

८६६ श्री कैलाशचन्द	२०
--------------------	----

शम्भूमल की बगीची :-

९०५ श्री सुरेन्द्रकुमार	५
-------------------------	---

कोतवाली संतर :-

९४७ श्री रत्नलाल	८
------------------	---

९४७ श्री मानिकचन्द	५
--------------------	---

९५३ श्री जिनैन्द्रकुमार	८
-------------------------	---

परवार

कम्पू रोड, लखनऊ

१०	श्री सरदारमल	२
११	" उत्तमचन्द	७
१२	" कालुराम	७
१५	" देवेन्द्रकुमार	४
२२	" डा० आर० के० जैन	२

मामा का बाजार

५३	" प्रकाशचन्द	३
६३	" मोतीलाल	६

माधवगंज

६६	" प्रमोदकुमार	६
८८	" मनोहरलाल	६
९६	" मदनलाल	६
१०२	" सुमतप्रसाद	७
११७	" पन्नालाल	१४
११९	" कल्याणदास	९
१२०	" कन्हैयालाल	४
१४०	" छैनबिहारीलाल	४
१४२	" दयाचन्द	७

लाला का बाजार

१५६	" बुद्धामल	६
२०२	" हरेन्द्रकुमार	१

बानाश्रीली

२११	" जयदेव	६
२३८	" महेन्द्रकुमार	८
२४३	" विजयकुमार	६
२४४	" कपूरचन्द	११
३३१	" रामबाबू	२
३४९	कमलकुमार	११

नई सड़क

४९३	" मूलचन्द	१२
४९६	" पी० सी० जैन	३

नयाबाजार

५४६	" डा० प्रकाशचन्द्र	७
५४७	" प्रेमचन्द	१२
५५१	" मोतीलाल	१०
५५७	" राजकुमार	२
५५९	" लक्ष्मीचन्द	६
५५९	" कुन्दनलाल	४
५६०	" वीरेन्द्रकुमार	६
५६६	" बाबूलाल	१६
५६६	" कपूरचन्द	८
५७७	" नरेन्द्रकुमार	१
५७८	" चम्पालाल	१

इन्दरगंज

५९४	" नेमीचन्द	७
५९५	" चम्पालाल	१०
५९६	" हुकमचन्द	८
६०१	श्री निर्मलकुमार	२
६०८	श्री गट्टूलाल	६

शिबे की छावनी

६५४	श्री छोटेलाल	४
-----	--------------	---

पाटनकर बाजार

६९४	प्रो० बाबूलाल	४
६९५	श्री सूरजमल	१

फालका बाजार

६९८	प्रो० नरेन्द्रलाल	७
७०६	डा० जवाहरलाल	११

जनकगंज

डा० शीतलचन्द	७
--------------	---

लोहा मन्डी, ग्वालियर

७४९	श्री मोतीलाल	८
७५०	श्री कस्तूरचन्द	७
७५१	श्री बाबूलाल	१३
७५२	श्री देवीराम	१०

सोडा का कुशा :—

७८५	श्री बृजलाल	२
ठाठीपुर, मुरारः—		
८२३	श्री गणेशप्रसाद	६
घासमंडी		
९३०	श्री कण्ठेदीलाल	१०
९३४	श्री दशरथलाल	८

गोलालारे

चिटनीश की गोठ

१७	डा० देवचन्द, कम्पूरोड	६
१३८	श्री मृन्दावनलाल	७

जनकगंज

१८२	श्री राजेन्द्रकुमार	५
१९०	श्री उग्रसेन	२
१९३	श्री लक्ष्मीनारायण	५
१९४	श्री शीतलचन्द	६
२०१	श्री मागीराम	५

कसेरा श्रीली

४१७	श्री हंसराज	५
४४१	श्री सुगनचन्द	८
४४२	श्री बिहारीलाल	६

घोसी बाड़ा

४६४	श्री जयकुमार	५
४६५	श्री छोटेलाल	४

नई सड़क

४९५	श्री नान्सीलाल	१
४९७	श्री सुगनचन्द	५
५०१	श्री महावीरप्रसाद	२
५०६	श्री पन्नालाल	६

नया बाजार

५६३ श्री इन्द्रसेन	७
५६४ श्री कुशलचन्द	२
५६७ श्री देवेन्द्रकुमार	३
५७० श्री मानिकचन्द	७

शिन्दे की छावनी

६१८ श्री जगराम	४
६६७ श्री मुरारीलाल	६
६६६ श्री मुन्शीलाल	६

दाल बाजार :-

श्री ज्ञानचन्द	६
श्री सुगनचन्द	१०
श्री तेजीचन्द	५

ठाठीपुर कालोनी, मुरार

८२४ श्री पी० सी० जैन	३
----------------------	---

चिक संतर, मुरार :-

८५६ श्री मुन्नालाल	७
८५७ श्रीमती लामोबाई	२

गंगामाई संतर

६०३ श्री ज्ञानचन्द	८
६२७ श्री भागचन्द	८

पल्लीवाल

१७६ श्री दुर्गाप्रसाद, खत्रीबाजार	१
४०५ ,, प्रेमचन्द, मोचीओली	७
४१३ ,, छोटेसाल, बसोराओली	६
४७२ ,, परसराम, सराफा	५

लोहिया बाजार

५८१ ,, देवीराम	१३
५८२ ,, बंसीधर	५
५८३ ,, रामोदरदास	६

५८४ ,, मिश्रीलाल	११
५८५ ,, कन्हैयालाल	१२
५८६ ,, गंगाराम	५
५८७ ,, लालाराम	६
५८८ ,, कुशलचन्द	६
५८९ ,, भरोसीलाल	५
५९० ,, हरीबाबू	३
५९१ ,, राजकुमार	६
५९२ ,, रतनलाल	१६
५९३ ,, बाबूलाल	८
१४५ श्री० घनश्यामदास	१०

शिन्दे की छावनी

६७६ श्री यतीन्द्रकुमार	५
मुरार	

८५८ श्री मोतीलाल	१०
६०४ श्री हरमोचिन्द	६

खरोंआ

माधवगंज :-

७० श्री सुभ्रालाल	२०
१४१ ,, केशरीचन्द	२
१४७ ,, मुन्नालाल	७
१४८ ,, बाबूलाल	८
१४९ ,, मित्राजीलाल	२
१५१ ,, महेन्द्रकुमार	६
१५२ ,, बाबूलाल	८
१५३ ,, विनोदकुमार	६
१५५ ,, भानुकुमार	७

दानाओली :-

२४७ ,, जयचन्द	११
४५१ ,, कुमजारीलाल	८
५०७ ,, गुलजारीलाल	८
५०८ ,, सतीशचन्द	३

नया बाजार

५५३ श्री निर्मल कुमार	६
५८० ,, राम स्वरूप	२५
६२३ ,, नरेन्द्र कुमार	४

शिन्दे की छावनी

६६७ श्री गुलाब चन्द	७
६८८ ,, रामसहाय नाकाचन्द्रवदनी	४

श्री कृष्ण धर्मशाला

श्री जवाहरलाल	७
" पल्लाल	३

लम्हेचू

दानाओली लश्कर :-

२०३ श्री जिनेश्वर दास	३
" प्रकाश चन्द	६
२७६ ,, राधा मोहन	३
४०६ ,, मन्नीलाल	१०

नया बाजार

५४५ श्री भ्रमन लाल	६
६७३ ,, प्रेमचन्द	८
श्री नरेन्द्र किशोर	३
" बुद्धसेन	६
" वीरेन्द्र कुमार	३

शिन्दे की छावनी

६३६ श्री गुलाब चन्द	७
६३७ ,, बाबूलाल	११
६७७ ,, कपूर चन्द	६
६८० ,, धीरेलाल	७
६८१ ,, श्रीचन्द	७
६८२ ,, स्वदेशीलाल	६

- ७०० " मनीराम ५
 " फूलचन्द, चाण्डी बाजार ३
 " मुन्नालाल, कटीघाटी ५

गोल सिंघारे

छत्री बाजार लइकरः—

- १७२ श्री बाबूलाल ५
 १७६ " बाकिलाल ६
 १७७ " हजारी लाल ३
 १७९ " नारायण प्रसाद २

दाना भोली

- २२३ " चन्द्र सेन ५
 २६२ " जलधारी ४
 ३२९ " सुगनचन्द ६

नई सड़क

- ४९४ श्री छदामी लाल ५
 ५१० " बाबूलाल ८

इन्दर गंज

- ६१६ श्री मिखारीलाल २७
 ६१७ " प्रकाश चन्द ८

फालका बाजार

- ७०४ श्री बुद्धिसेन १०
 ७०८ श्री कुन्दीलाल १२

पद्मावती परवाल

- १४ श्री काश्मीरी लाल, कम्पू ५
माधव गंज

- १०७ " श्यामलाल ३
 ११४ " चम्पालाल १३
 १३३ " हरबिलास ५
 १३४ " किशन स्वरूप ४

दानाभोली

- २२४ " श्रीमती राशमणि बाई १
 २२५ श्री महेश कुमार ४
 ४९९ " निर्मल कुमार ४
 ५१८ " दया प्रकाश, दीलतगत ३
 ५१९ " सत्यप्रकाश " ४

नया बाजार

- ५५२ " मोतीलाल १३
 ५६१ " सोमबाबू ३
 ६३५ " रोशनलाल ७

शिन्वे की छावनी

- ६४६ " बीरेन्द्र कुमार ६
 ६४७ " प्रकाश चन्द ५

बुढ़ेलवाल

दानाभोली लइकर

- ३३५ श्री पारस दास ३

- ५०२ " गुपारीवाल ११

हूमड़

- २७७ श्री उमसेन दानाभोली ४
 ३०५ " विमलचन्द " ४

वधेरवाल

इन्दर गंज, लइकर

- ६२२ श्री गुलाब चन्द ६

गोलापूख

इन्दर गंज, लइकर

- ६०२ श्री नन्दन चन्देनिया ५

गंगेलवाल

- ३३४ श्री मुरेश बाबू दानाभोली ३

श्रीमाल

सराफा बाजार, लइकर

- ४७५ श्री चिरोजी लाल ५

एक दृष्टि में:--

नगर की दिगम्बर जैन समाज

नं०	सम्प्रदाय	सशकर		भ्यासिधर		मुरार		कुल योग	
		परिवार/जन	सख्या	परिवार/	जन	सख्या	परिवार/जन	सख्या	परिवार/जनसंख्या
१	जैसवाल	१२०	७६५	४५	२६०	१२२	६३१	२८७	१६८६
२	बरीया	२४२	१३३४	२	१४	—	—	२४४	१३४८
३	कण्ठेलवाल	१७१	१०७३	१	७	२	३५	१७४	१११५
४	बगवाल	६५	४६३	३६	३४०	८	६८	११२	६०१
५	परवाल	४८	३१६	५	४०	३	२४	५६	३८०
६	गोलालारे	२६	१४०	—	—	५	२८	३१	१६८
७	पल्लीवाल	१६	१४८	—	—	२	१६	२१	१६७
८	बारीआ	२१	१५७	—	—	—	—	२१	१५७
९	लम्हेरू	१८	११४	—	—	—	—	१८	११४
१०	गोलसिधारे	१३	१०२	—	—	—	—	१३	१०२
११	पद्मावती परवाल	१५	८०	—	—	—	—	१५	८०
१२	बुधेलवाल	२	१४	—	—	—	—	२	१४
१३	इमड	२	८	—	—	—	—	२	८
१४	बघेरवाल	१	६	—	—	—	—	१	६
१५	गोलापूरव	१	५	—	—	—	—	१	५
१६	श्रीमान	१	५	—	—	—	—	१	५
१७	गंगेलवाल	१	३	—	—	—	—	१	३
१८	विभिन्न छात्रावासो में स्थित दिगम्बर जैन छात्र	—	—	—	—	—	—	—	८४
दिगम्बर जैन समाज		७६६	४७६३	६२	६६१	१४२	११०५	१०००	६६४३
श्वेताम्बर जैन समाज		१४०	८६१	—	—	८	४२	१४८	६३३
नगर के कुल जैन		९०६	५६२४	६२	६६१	१५०	११४७	११४८	७५७६

व्यवसायिक विवरण

सोने-चाँदी के जैन व्यवसायी

सराफा बाजार लडकर

मे०-आनन्दीमाल राजमल जैन सराफ

" गुलाबचन्द रेशमचन्द सराफ

" गुलाबचन्द नेमीचन्द "

" कजोडी मल मूलचन्द पाटनी "

" प्रो सुगनचन्द पाटनी "

" आसकरन भवरलाल "

" भेरीदान श्रीसूलाल "

" हमीरमल छगनमल "

" लक्ष्मी चन्द गुलाब चन्द "

" घन्नामल दीप चन्द "

" प्रताप मल पूरन चन्द "

" कुन्नामल कन्हैयालाल "

" गोपीलाल लक्ष्मी चन्द "

" गन्नामल घन्नालाल "

" अजुध्या प्रसाद भोगीराम "

" रिखव दास मोतीराम "

" मोती लाल बाबू लाल "

" नन्ने मल प्यारेलाल "

" कैलाश चन्द अग्रवाल "

" मोतीलाल लक्ष्मीचन्द "

" प्रेम चन्द खेम चन्द "

" बागमल फतेह चन्द "

" सुन्दर लाल छगन लाल "

" लक्ष्मन दास अजित कुमार "

" गुलाब चन्द सीताराम "

" छोटे भईया नेमीचन्द "

" इन्दर चन्द नानूलाल "

मे. नाथूलाल रामजीदास सराफ

" नेपाल मिह सराफ, नया सराफा "

" भूप किशोर मोहन लाल, मुरार

" चम्पालाल जयोध्या प्रसाद, ग्वालियर

" तोताराम किशोरीलाल "

" गुलाबचन्द किशोरीलाल "

" सटेराम गुलाबचन्द "

" मदनलाल रामजीदाम "

" नोनकरन चासीराम "

जैन वस्त्र व्यवसायी

बोक वस्त्र व्यवसायी, नया बाजार

मे. गणेशीलाल फूल चन्द

" अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार

" भईयालाल प्रेमचन्द

" पन्नालाल बिरघारीलाल

" सोनेलाल कुन्दनलाल

" प्रेमचन्द शतीस कुमार

" कुमालचन्द कैलालचन्द

" लक्ष्मी चन्द राजकुमार

" जैन क्लोथ स्टोर्स, दरी फेक्ट्री

बोक व खेरीज वस्त्र व्यवसायी, सराफा बाजार

मे० जिनैन्द्र वस्त्र मण्डार

मे० उदयचन्द बाबमल बापना

मे० बापना क्लोथ स्टोर्स

" गगाराम तोताराम

" तोताराम कन्हैयालाल

" सेन्चुरी रिटेल शॉप

" बरैया स्टोर्स

" पारस एन्ड सन्स

- ” पारस बदर्श
- ” देहली साही मण्डार
- ” कोठारी सन्ध
- ” केलिकलाच रिटेल काँप
- ” म्वालयर गोटा फेकटी
- ” गुलाब चन्द श्री राम
- ” हेम्पुम दरी मण्डार

छेरीज चल्त्र व्यवसायी, बही मण्डरी

- मे. नेमीचन्द भागचन्द
- ” अरुण कुमार देवेन्द्र कुमार
- ” जैन कटपीस एम्पोरियम
- ” पदम चन्द पवन कुमार
- मे. ताराचन्द बाबूलाल
- ” नरधी लाल अशोक कुमार
- ” लालचन्द महेशचन्द
- ” मूलचन्द कैलाश चन्द
- ” हस. के जैन एण्ड क.
- ” राजकुमार क्लोथ स्टोर्स
- ” रावसमल कमल कुमार
- ” ताराचन्द प्रबीण कुमार

चोक व छेरीज चल्त्र व्यवसायी, माधव मंज

- मे. सुरगढल कुन्दनमल
- ” पन्नालाल सीताराम
- ” लक्ष्मीचन्द धन्नालाल
- ” बाबूलाल शान्तिकुमार
- ” गंगाधर इन्दरचन्द
- ” इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद
- ” गोपीलाल ओमप्रकाश
- ” फौजी क्लोथ स्टोर्स
- ” चिरोजीलाल क्लोथ स्टोर्स
- ” कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
- ” मोरीशकर ओमप्रकाश
- ” मुन्नीलाल महेंद्रकुमार
- ” जयहिन्द स्टोर्स
- ” अमनलाल कन्हीयालाल

- ” नेमीचन्द भंवरलाल
- ” चम्पालाल अशोककुमार
- ” धेवरचन्द पवनकुमार
- ” जयचन्द निहालचन्द

किराना व गल्ला व्यवसायी

भगवानदास जोहरी लाल, इन्दर गज

- हरीदास प्रकाश चन्द “
- अशोक कुमार मुकेश कुमार “
- मोतीराम रामचन्द इन्दर गंज
- हीराचन्द छोटेलाल “
- ज्ञान चन्द जय कुमार वाल बाजार
- इयामलाल सुगनचन्द इन्दर गंज
- बाबूलाल मिजाजी लाल “
- मायाचन्द मनेशराम फालका बाजार
- फुन चन्द ज्ञान चन्द “
- ओमप्रकाश मूलचन्द “
- चम्पालाल गुना वाले “
- रुम्मन लाल शीतल प्रसाद, दाना ओली
- मोलाराज प्रेमराज नरकर व मुरार
- ओखेलाल विहारीलाल, गज, मुरार
- खच्चूमल नेमीचन्द “
- ज्ञानचन्द पदम चन्द “
- जिमोलाल गुन्धारीलाल “
- ग्यासी लाल ओखेलाल “
- जालम चन्द रामकिशन “
- रतन लाल अनूप चन्द “
- लल्लीराम नन्द राम “
- धनराम सगुन चन्द “
- उदयरज शंकर लाल “
- मोतीलाल नेमीचन्द “
- तुलाराम चतुर्भुज “
- हीरालाल मनोहर लाल “
- कल्याण दास भीलाराम “
- हजारी मस गुलाब चन्द “
- प्रेमराज जैन एण्ड सन्ध “

लोहे के व्यवसायो:—

में० चन्दर लाल गण्डूलाल,	डोडवाना ओली
में० फूलचन्द हीराचन्द,	लोहिया बाजार
„ प्रकाश आयरन स्टोर्स	“
“ बन्सीधर विमल चन्द	“
“ भोला नाथ सन्तोष कुमार	“
“ महावीर आयरन स्टोर्स	“
“ पी. सी. कोठारी एन्ड कम्पनी	“
“ प्रकाश आयरन इन्डस्ट्रीज	“
“ माखन लाल जैन	“
“ कन्हैयालाल किस्तूर चन्द	“
“ जैन आयरन स्टोर्स	“
“ सुभाष चन्द नरेन्द्र कुमार	“
“ त्रिजस आयरन स्टोर्स	“
“ कुशल चन्द कैलाश चन्द	“

इण्डस्ट्रीज व लघु उद्योग

मे.	जियाजीराब काँटन मिल्स लि. विरगना नगर
	जनरल मेनेजर-श्री एस. एम. चोरडिया
“	दि. खालियर रेयन सिल्क मैन्यु० एन्ड वीविंग
	मेनेजर-श्री हीरानाल श्रीमाल
“	सेन्ट्रल इण्डिया मशीनरी मैन्यु. कम्पनी
	मेनेजर के. एल. चोरडिया
„	गंगवाल इन्डस्ट्रीज, नई सड़क
„	नवमालव ट्रेडर्स, सुरार
„	रलोव मोटर पार्टस् इन्डस्ट्रीज
	श्री ज्ञानचन्द जैन
„	गगवाल टिन एण्ड टिन प्रिंटिंग वर्कर्स
	मेनेजर-श्री देवेन्द्र कुमार गोषा
„	केशरीमल गगवाल, खालियर-१
„	गंगवाल रोलिंग एण्ड मेटल वर्क्स
	डा० वीरेन्द्र कुमार गगवाल
„	भावना केमिकल एण्ड परफ्यूरी „
„	अग्रवाल केमिकल्स सराफा बाजार
„	रोज प्रोडक्ट्स दाना ओली
„	एम्प्लिप्लेट टाइल्स एण्ड सीमेंट इन्डस्ट्रीज
„	श्यामलाल पाडवीय सुरार

“	श्री रविन्द्र मालव
„	धारीवाल बुड कम्पनी, सराफा बाजार
„	जैन मेन्यु० केम्बरिंग क. सराफा बाजार
„	जैन कैमीकल्स कम्पनी, कसेरा ओली
„	सेटी कनर इन्डस्ट्रीज, डौलत गज ,
„	हरिमचन्द, जैन सोप वर्क्स, नया बाजार
„	खालियर अग्रेलाकेक्ट्री, नई सड़क

प्रोटोमोबाईल्स डीलर

एफको पिस्टन हाऊस, जयेन्द्र गंज, लखर	
जैन ओटोमोबाईल्स इन्जीनियर्स (वर्क शॉप)	
जैन मोटर्स, जयेन्द्र गंज, लखर	
खालियर मोटर हाऊस	“
इण्डिया ओटोपिस्टन मैन्यु०	“
डिनेश ओटोमोबाईल्स	पाटनकर बाजार
टोडरमल सिफारिस मल	“
रलोव पिस्टन मैन्यु०	लोहिया बाजार
रतीलाल बेचर दास	सराफा बाजार

जैन पेट्रोल परम्प—

अग्रवाल ओटोमोबाईल्स, पाटनकर बाजार	
जैन ब्रदर्स	जीबाजी गज
टोडर मल सिफारिस मल, वर्म मण्डल रोड	
रतीलाल बेचर दास	स्टेशन रोड
अमोलक चन्द जैन	ए बी. रोड

नगर के प्रमुख जैन न्यायाधीश व अभिभाषक

श्री गगवाल—मजिस्ट्रेट	
श्री देवेन्द्र कुमार जैन, सिविलजज	
“ मानिकचन्द S T. काऊन्सलर,	
“ मोहूर मल, सराफा बाजार लखर	
“ रजजनलाल	“
“ कैलाशचन्द	“
“ राजेन्द्रकुमार	“
“ रामजीत,	दाना ओली लखर
“ ज्ञानचन्द	“
“ आनन्द स्वरूप	डौलत गज
“ बाबूलाल चौधरी	“
“ अनूपचन्द	“

" ओम प्रकाश	दौलतगंज
" देवेन्द्र कुमार ,	लोहिया बाजार
" जिनेश्वर प्रसाद दीवान,	नया बाजार
" हुकम चन्द अजमेरा	"
" निर्मल कुमार,	"
" राजकुमार,	"
" नरेन्द्र कुमार	"
" मानिक चन्द	"

" रिद्धकरन पाटनी	नयाबाजार
" बुद्धसेन	"
" ज्ञान्तिलाल	"
" शंकर दयाल,	दाल बाजार
" नेमी चन्द,	छत्री बाजार
" भूयभदास,	खालियर
" रामजी दास	"
" रघुवर दयाल पांडवीय,	मुरार

नगर के प्रमुख जैन डॉक्टर

डॉ० बाबूलाल जैन	M. B. B. S. M. S.	मर्जिकल डॉक्टर, जे. ए. हास्पीटल व व्याख्याता
" राधेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, सदर बाजार, मुरार
" छोटेलाल जैन	M. B. B. S.	जैन क्लिनिक, दानाओली, लश्कर
" जुगलकिशोर दीवान	B. Sc., M. B. B. S.	मेडीकल ऑफीसर, माधव डिस्पेन्सरी
" विजयकुमार दीवान	M. B. B. S.	सी० एम० ओ०, माधव डिस्पेन्सरी
" शोतिकुमार दीवान	M. B. B. S.	डाक्टर, ठाठीपुर कॉलोनी, डिस्पेन्सरी
" प्रकाशचन्द जैन	M. B. B. S. M. D.	मेडीकल डिप० जे० ए० हॉस्पीटल
" वीरेन्द्रकुमार जैन	M.B.B.S.D.T.C.D.	असि० सिविल सर्जन, जे० ए० हॉस्पीटल
" आर० के० जैन	M. B. B. S.	आर० एम० ए०, जे० ए० हॉस्पीटल
" डी० सी० जैन	M.B.B.S. M. L O	डाक्टर—जे० ए० हॉस्पीटल
" जवाहरलाल जैन	M. B. B. S.	डाक्टर—प्रेमनगर, भ्खेड़ापती कॉलोनी
" केप्टिन बी. एस० दीवान	M. B. B. S. I. M. S.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एन्ड मेडीकल होम, लश्कर
" अजितप्रसाद दीवान	M. B. B. S. T. D. D.	मेडीकल इन्चार्ज सिविल फोर्ट व सिन्धिया स्कूल
" विमलेश कुमार दीवान	M. B. B. S.	रेजीडेंट पेथोलिस्ट, जी० आर० कॉलेज व हास्पीटल
" नाभिराजा दीवान	M. B. B. S. D. L. O. E.	डा० एम० एस० अमृतसर कालेज
" देवचन्द गोलालारे	M. B. B. S.	मेडीकल ऑफीसर जे० ए० हास्पीटल
" यशवन्तकुमार	M. B. B. S.	डिमोन्स्ट्रेटर जी० आर० मेडीकल कॉलेज
" सन्तोष कोषर	M. B. B. S.	कमलाराजा, फोडोओटिक डिस्पेन्सरी
" उत्तमचन्द परवार	M. B. B. S.	डाक्टर जे० सी० मिस्त अस्पताल
" श्रीमती प्रेमलता	M. B. B. S.	डाक्टर—सरकारी अस्पताल, डबरा
" सीतलचन्द सागर	B. A. M. S.	व्याख्याता शासकीय आर्युर्वेदिक कॉलेज
" गुलाबचन्द जैन	B. A. M. S.	फार्मसिस्ट शासकीय आर्युर्वेदिक कॉलेज
" प्रसन्नकुमार जैन	B. A. M. S.	डिमो० इन० पैथोलोजी " "
" जे. पी० जैन	A. M. B. S.	रिसर्च असिस्टेंट " "
" सतीशकुमार खरीमा	B. A. M. S.	शासकीय आर्युर्वेदिक कालेज
" भिकाजीलाल	आर्युर्वेदाचार्य	" "
" प्रकाशचन्द जैन	A. L. M. S.	प्रकाश क्लिनिक, इन्दर गंज

महा विद्यालयों में जैन अध्यापता

- श्री निर्मल कुमार—माधव इन्जी. कॉलेज
 श्री प्रमोद कुमार " " ;
 " मेहता " "
 " जी. पी. जैन—शासकीय विज्ञान महाविद्यालय
 " रामचरण लाल " "
 " धनश्याम दास- " "
 प्रो. लालचन्द—एम. एल. बी कॉलेज
 " शान्ति चन्द, डिप्टी कॉलेज, शहडोल
 श्री नरेन्द्र लाल, एम० एल० बी० कॉलेज
 " श्रृषभदास " विधिविभाग
 " बाबूलाल— कृषि महाविद्यालय
 " पारस मल भत्री " "
 " चन्द्रकान्त " "
 " राजेन्द्र कुमार नानावटी, के० आर० जी कॉलेज

प्रमुख जैन विद्वान व वक्ता

- पं. धन्नालाल जी, ध्वानियर
 प. सागर चन्द जी बड़जात्या, दानाओली
 प्रो लालचन्द जी जैन, दानाओली
 प. खन्चूराम जी बरैया ज्योतिषमार्तण्ड
 श्री कपूरचन्द जी बरैया, कसेरा ओली
 प. भगवती प्रसाद जी, माधव गज
 प्रो घासीराम जी, ५२३ थापर नगर, मे०ठ
 श्री श्यामलाल जी पांडवीय, मुरार
 श्री मानिकचन्द जी गगवाल, सराफा बाजार
 श्री मिश्रीलाल जी पाटनी, डीडवानाओली
 श्री युद्धमल जी गगवाल, नई सड़क
 श्री कपूरचन्द पाटनी, तिथिदर्पण निर्माता
 श्री तेजमल जी हर्षावत
 श्री सरदारसिंह जी चौरडिया
 डा० वीरेन्द्रकुमार जी गगवाल
 मा० हरदयाल, बिरसानगर

जैन गायनाचार्य एवं कविगण

- श्री फूलचन्द जी काला, दानाओली
 " प्यारेलाल जी बरैया, इन्दर गज

- श्री खंरातीलाल जी, आल्हा गायक
 " रूपचन्द जी पाटनी, नया बाजार
 " भम्भनलाल जी, हुजरात पुल
 " वसन्त कुमार बड़जात्या, दाना ओली
 " कन्हैयालाल जी, कटारिया
 " नेमीचन्द बरैया, डबरा वाले

स्वर्गीय जैन विद्वान

- पं. लाला लक्ष्मी चन्द जी गिरधरवाल
 प. गोपीलाल जी गोधा, दानाओली
 श्री कन्हैयालाल जी गंगवाल, सराफा बाजार
 श्री गणूलाल जी वाकलीवाल "
 श्री प्यारे लाल जी बरैया, मामा का बाजार

बैंकों में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

- बैंक ऑफ बड़ौदा लि., पाटनकर बाजार
 श्री भवर लाल शाह--एकाऊन्टेन्ट
 स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया, जीबाजी चौक
 श्री नेमीचन्द पांडवीय--एकाऊन्टेन्ट
 श्री वीरेन्द्र कुमार अग्रवाल
 " पदम चन्द जैन, खजान्ची
 " देवेन्द्र कुमार जैन "
 " सुभाष चन्द जैन "
 बैंक ऑफ इण्डिया, दाल बाजार
 श्री नेमी चन्द भण्डारी खजान्ची
 सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया लि., ज्येन्द्र गज
 श्री सूरजमल पांडया एकाऊन्टेन्ट
 " पूरन चन्द बरैया खजान्ची
 यूनाइटेड कमर्शियल, बैंक लि.
 श्री नेमीचन्द पल्लीवाल, नया बाजार
 " कमल चन्द कासलीवाल "
 " सुमल चन्द जैन "
 " गोपीचन्द पाटनी, प्रमुख खजान्ची, सराफा
 " महेश कुमार पारस सराफा ब्रांच
 " सुरेश कुमार बरैया "
 " प्रकाश चन्द, खजान्ची "

- „ मुरारी लाल एकाऊन्टेन्ट „
 „ जगदीश पाटनी, खजान्ची „
 के. बी. बैंक लि० जवाजी चौक
 श्री बसन्त कुमार बड़जात्या,
 „ नेमीचन्द जैन „
 के० बी० बैंक लि० जयेंद्र गंज ब्रान्च
 „ बस्तीमल जैन—एजेन्ट
 „ केजरीमल पाटनी, प्रमुख खजान्ची
 „ नेमीचन्द्र जैन
 „ नेमीचन्द बोहरा, गोडाऊन कीपर
 को—ऑपरेटिव बैंक

- श्री शीलल प्रसाद जैन, खाफीसर, डीडवाना ओली
 „ कैलाश चन्द बरैया मुरार
 „ बाबूलाल बरैया „
 „ रामस्वरूप जैन मुरार
 „ नेमीचन्द परवार—भूविकास बैंक
 „ रमेश चन्द कासलीवान „

ए. जी. ऑफिस (महालेखा कार) में कार्य करने वाले जैन व्यक्ति

अधीक्षक गणः—

सर्व श्री ताराचन्द, फालका बाजार, के. एम महाजन, सुमेरचन्द, दाना ओली, के. सी. जैन, नई सड़क, पी. एन. जैन नई सड़क, ओमप्रकाश, लोहामन्डी, खालियर, सुरेन्द्र प्रसाद, जवाहर नगर, फतेहलाल, माधव गज, जी. पी. जैन, के. सी. जैन, कपूरचन्द, डि. ए. सिन्हाई विभाग।

एल. जी. सी (सिलेक्शन प्रोड लिपिक)

सर्व श्री चन्द्रशेखर नंदगविकर, मुरार, विमलचन्द दोषी, दाना ओली, प्रभाप चन्द, नया बाजार, सोभागमल, बी. के. जैसवाल। कपूरचन्द जैन, कसराओली उरुच खेणी लिपिकः --

सर्व श्री सत्येन्द्र कुमार, दाना ओली, जगदीशचन्द ठाठीपुर, मुरार, होतीलाल, माधवगंज, महेशचन्द, केदार नाथ सिंघल, धीरेन्द्र कुमार, शिन्दे की छावनी, रमेशचन्द भी माल, नया बाजार, श्रवण कुमार, नाका गुडा-गुडी, ओमचन्द, नाका चन्दबदनी, अनन्त कुमार, शिन्दे की छावनी, विजेन्द्र बहादुर, जिन्ही नोला, किशोरीलाल, खालियर, हरीशचन्द्र, दानाओली, राधेलाल शिन्दे की छावनी, राजकुमार, दाना ओली, सत्येन्द्र-नाथ, खालियर, रमेशचन्द, मुरार, गणेशीलाल, खालियर, हरिश्चन्द शिन्दे की छावनी, बी. के. जैन तिलक नगर राधेश्याम, ठाठीपुर, मुरार, विजय कुमार, तिलक नगर, पदम चन्द, गणेश कालोनी, यादव चन्द, जीवाजी गज, अजित कुमार, दाना ओली, देवेन्द्र कुमार दाना ओली, देवेन्द्र कुमार, दया प्रकाश, जय कुमार, जिनेंद्र कुमार के. सी. जैन, कमन कुमार कन्हेयालाल, कोमल चन्द, काशित चन्द, एम. बी. जैन, महेशचन्द, मदनलाल, नेमीचन्द, पदमचन्द, पारमदास, राजेन्द्र-कुमार, राजेन्द्र कुमार, राजेश कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सत्येन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार, सुरेन्द्र कुमार निम्न श्रेणी लिपिकः--

सर्व श्री बाबूलाल, दाना ओली, पदमचन्द, दीनत गज, प्रेम चन्द, खालियर, जयदेव, दाना ओली, विमल चन्द, दानाओली, एम. के. जैन।

नमूने के अनुसार सुन्दर, कलात्मक सोने-चाँदी के आकर्षक आभूषण बनवाने का एक मात्र स्थान

म० कजोड़ीमल मूलचन्द सराफ (प्र० सुगनचन्द पाटनी)

सराफा बाजार, लडकर, खालियर

एक पत्थर की बाबड़ी या बाबा बावड़ी

शालियर समाज का बड़ा सौभाग्य है कि यहाँ पर 'बाबा बावड़ी' के नाम से एक ऐसा प्रसिद्ध स्थान है जिसके अवलोकन करते ही दर्शक एक बार तो अपने आपको भूल जाता है। जैन समाज जहाँ इन विशालकाय मूर्तियों को देखकर हर्ष-विभोर होती है वहाँ जैनेतर जनता पर इनकी भव्य शिल्पकला का अद्भुत प्रभाव पड़े बिना नहीं रहता। भा० इतिहास और पुरातत्त्व की प्रचुर सामग्री यहाँ बिलखी पड़ी है, इसी कारण यह स्थान पुरातत्त्व विभाग द्वारा सरक्षित घोषित कर दिया गया है।

फूलबाग गेट के पास खेड़ापात कॉलोनी की ओर जाते हुये मार्ग में ही यह स्थान मिलता है। किले के नीचे और जमीन से कुछ ही ऊँचाई पर मध्य में पहाड़ की कर्कस चट्टानों को काटकर कुशल शिल्पियों द्वारा अनेक पद्यासन व खड्गासन मूर्तियाँ उत्कीर्ण की गई हैं जिन्हें देखकर सड़क पर चलता हुआ यात्री भी आश्चर्य में डूब जाता है। ये मूर्तियाँ चाहे कला की दृष्टि से देखी जायें या धार्मिक दृष्टि से, दोनों में बेजोड़ है। यत्र तत्र प्राप्त शिलालेखों से विबित होता है कि इनका निर्माण तोमरवंशी राजा हूँगरसिंह और उसके पुत्र कीर्तिसिंह के राज्यकाल में हुआ जिनका समय वि० सं० १४८१ से १५३६ तक पाया जाता है। ये दोनों ही राजे वास्तव में शिल्पकला के अनन्य प्रेमी थे जिसका प्रत्यक्ष प्रमाण इन मूर्तियों द्वारा उपलब्ध होता है। एक शिलालेख में उन्हें 'हिन्दू सुरभ्राण' लिखा है जिससे यह स्पष्ट होता है कि जहाँ वे जैन धर्म के प्रति अट्टालु थे वहाँ वे अन्य धर्मियों के प्रति भी उतने ही सहिष्णु थे।

संक्षेप में हम कह सकते हैं कि इन राजाओं के राज्य में जैन धर्म जब फला-फूला, पर्वत का कोई ऐसा

स्थान (मूर्तियाँ बनने का) नहीं छूटा जहाँ उत्खनन कार्य न चला हो। अधिकांश मूर्तियाँ १५ वीं शताब्दि की बनी हैं तथा जिनकी प्रतिष्ठा-विधि उस समय के प्रसिद्ध विद्वान महाकवि पं० रङ्गू द्वारा सम्पन्न हुई हैं, जैसा कि एक प्रशस्ति-पत्र से मालूम होता है।

“श प्रभाकराः। भट्टारक श्री शुभचंद्र देवाः
प्रतिष्ठाचार्य पंडित रंघुकृत पादसेवाः।”

लेख का विषय है कि मुसलिम काल में इन सब मूर्तियों के मुख प्रायः लण्डित कर दिये गये, कितनी ही मूर्तियों को गारा-मिट्टी से चिनवा दिया। इस तरह वर्षों की साधना के फलस्वरूप यहाँ की संस्कृति को विधर्मियों ने नष्ट-भ्रष्ट करने का पूरा प्रयत्न किया किन्तु यह एक महान अतिशय की बात समझना चाहिये कि उन सब लण्डित मूर्तियों के बीच सुपाश्वनाथ तीर्थ-कर की ३३ फुट ऊँची व ३० फुट चौड़ी एक मूर्ति अधुष्ण रह गई। पद्यासन मुद्रा में स्थित इतनी ऊँची और विशाल आकारवाली प्रतिमा समूचे भारत में अन्यत्र दुर्लभ है। यों तो इस मूर्ति के आस-पास भ० आदिनाथ की दो मूर्तियाँ और भ० नेमिनाथ की एक प्रतिमा उतनी ही विशाल पद्मानन मुद्रा में और भी पाई जाती हैं किन्तु उनका निरोच्छेदन होने से वे जनता में अवहेलना का पात्र बन गई हैं।

पर्वत के कोने भाग में एक ही पत्थर की खुदी हुई बाबड़ी है जो करीब २० फुट लम्बी चौड़ी और इतनी ही गहरी है, जिसमें बारहों महिने मिठ और ठण्डा जल भरा रहता है। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी भीतरी स्रोत से इसमें बराबर पानी आता है और निर्मल ऋतु के रूप में बाहर बहता रहता है। क्षेत्र पर स्थित समस्त मूर्तियों की पूजा-प्रज्ञाल के लिये यह बाबड़ी निर्मित की

गई हो तो आश्चर्य की बात नहीं, क्योंकि यहाँ जितनी मूर्तियाँ गुफाओं में पाई गई हैं उन सबमें यथास्थान सोपान बने हुये हैं जिन पर चढ़कर भक्तगण मूर्ति प्रक्षाल किया करते थे। अतिशय रमणीय और चमत्कारिक होने से यह पूरा क्षेत्र इसीलिये जनता में 'एक पत्थर की बाबड़ी' से प्रसिद्ध कर दिया जान पड़ता है।

बाबड़ी के बगल में दाहिनी ओर ६ विशाल खड्ग-गासन मूर्तियाँ हैं जिन पर स० १५२५ अंकित हैं। प्रत्येक मूर्ति के ऊपर कलापूर्ण चँदावा बना है तथा आजू-बाजू हाथी अपने सूड में भरे हुये कलश जिनविम्बों पर ढोरते हुए दक्षिण गये हैं। आगे चलने पर ८ खड्ग-गासन मूर्तियाँ ओर मिलती हैं जो सम्भवतः २० से ३० फुट की ऊँची हैं किन्तु खण्डित होने से उपेक्षित दशा में पड़ी हैं। इसके अतिरिक्त चट्टान को काटकर एक मन्दिर का रूप दिया है जिसमें ६ खड्गगासन मूर्तियाँ स्थित हैं। आगे एक सुन्दर गुफा बनी है। जिसमें २४ तीर्थंकरों सहित इतनी प्रतिमाएँ खुदी हैं जिनका कुल योग १२५ आता है। थोड़ा दूर चलकर एक ऐसा सुरम्य स्थान दिखाई देता है जो केवल ध्यानाध्ययन के लिये बना प्रतीत होता है। अतः एक बड़ी गुफा मिलती है जिसमें आदि तीर्थंकर की करीब ३५ फुट ऊँची और १० फुट चौड़ी वृहदाकार कायोत्सर्ग मूर्ति विद्यमान है, वह पर्वत के आभ्यन्तर हिस्से में इतनी कदर उकेरी गई है मानो आज ही बनी है। ऊपर तक पहुँचने के लिये मार्ग दिया गया है जिस पर चढ़कर उसे पास से देखने का मौका मिलता है किन्तु दर्शक उस समय बड़ा निराश होकर लौटता है जब वह मूर्ति को बिना चेहरे का पाता है। ऊपरी दरवाजा बड़े कलात्मक ढंग से चित्रित किया है, जिसके पास ही एक चैत्यालय बना है जिसमें छोटी-छोटी ७२ मूर्तियाँ

ठकित हैं। आस-पास ३ खड्गगासन और एक पद्मासन मूर्ति है और तीबे पहुँचने पर २ खड्गगासन मूर्ति शोभती हैं। हवा और रोशनी के लिये सामने ही रोशनदान बना है लेकिन कोई व्यवस्था न होने से उल्लूक और चमगादड़ों ने उसमें रहने के लिये अड्डे बना लिये हैं। बरसात के दिनों में चरणों तक पानी भर जाता है जिससे दूर्गधि भी आने लगती है।

इस तरह १ या १॥ फर्लांग के मध्य फँला हुआ यह क्षेत्र छोटी-बड़ी मूर्तियों से सर्वत्र व्याप्त है। मूर्तियाँ बड़ी भव्य, आकर्षक और वैराग्योत्पादक हैं जिनमें शल चक्र, नदी, पद्म आदि चिन्ह अंकित हैं। चारों ओर प्रकृति का खुला क्षेत्र है, हरे-भरे सघन वृक्ष और उन पर पक्षियों की मद मद चहचहाहट मन को मोहनेवाली है। नगर का दृश्य भी यहाँ से सुहावना लगता है।

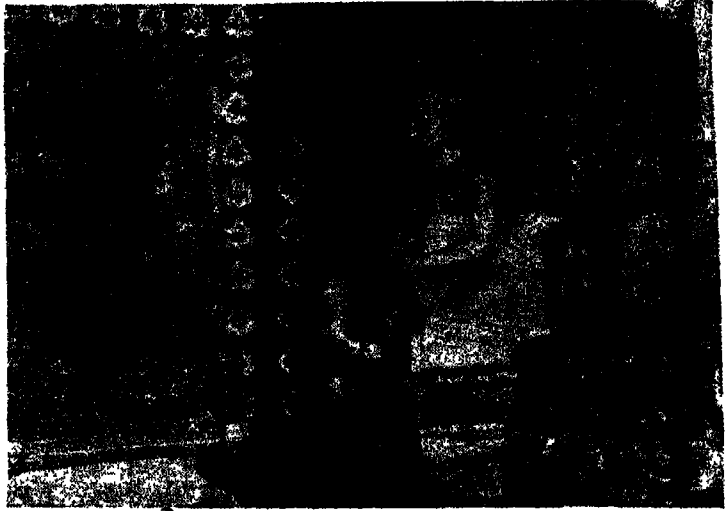
परन्तु क्षेत्र की कला जितनी विशाल और महान है उतनी ही शोचनीय भी। इस समय उसकी कोई उचित व्यवस्था न होने से उसके एक-एक खण्ड टूटने और बिखरने लगे हैं। जगह-जगह कूड़े-फकर के ढेर दिखाई देते हैं, गुफाओं के द्वार खुले होने से अर्वाञ्छित तत्वों का बेशक प्रवेश है। समाज की उपेक्षा के कारण ही निस्संदेह आज उसकी यह दशा है। यद्यपि मुरार चातुर्मास के अवसर पर पूज्य वर्णाजी ने यहाँ की कुछ मूर्तियों का जीर्णोद्धार करवा दिया था किन्तु उनके चले जाने के बाद हालत ज्यों की त्यों है।

प्रतिवर्ष क्षेत्र पर आसोज बदि ४ को मेला भरता है। इस दिन स्थानीय जैसवाल जैन समाज द्वारा श्रीजी का विमान लाया जाता है और दिन भर की धूम-धाम के पश्चात् वापिस हो जाता है। समाज के प्रत्येक व्यक्ति से नम्र निवेदन है कि वह ग्वालियर आते समय इस सुरम्य स्थल को देखना कदापि न भूलें।

—कपूरचन्द बरैया

समोपवर्तीय प्राचीन जैन अवशेष

इलासियर नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं संस्कृति का केन्द्र रहा है। इसके आस-पास अनेक क्षेत्रों में प्राचीन जैन मूर्तियों का भण्डार है। यही कारण है कि यहां मूर्ति चोर (बातताई लोग) अपने दुष्कर्मों में सफल हो जाते हैं। सुरक्षा की दृष्टि से पूजनीय सम्भव मूर्तियों को यथा समय नगर के जैन मन्दिरों में ल.कर प्रतिष्ठित किया जाता रहा है जिनका सक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है—



(१) सोजना ग्राम से दो विशाल पद्यासन मूर्ति श्री दिगम्बर जैन तेरापची मन्दिर माधवगंज में लाकर ३५ वर्ष पूर्व विराजमान की गई है। जिनको चित्र में नं० १ व ३ पर दर्शाया है।

(२) पतिहार ग्राम से पद्यासन मूर्ति को ३२ वर्ष पूर्व बरैया पंचायती मन्दिर, मामा के बाजार में प्रतिष्ठित किया गया।

(३) बरई ग्राम से १००८ श्री शांतीनाथ भगवान की २२ फुट ऊंची विशाल प्रतिमा को सन् १९४३ में लाकर नसिया जी, रामकुई पर श्री बुद्धमल जी द्वारा स्थापित किया गया।

(४) घुमां ग्राम से सन् १९६५ में श्री दिगम्बर जैन तेरापची मन्दिर माधवगंज में दो विशाल प्राचीन प्रतिमार्थे लाकर प्रतिष्ठित कराई गई जिनमें से एक चित्र में नं० ४ पर दर्शाई गई है।

मूर्तियों की सुरक्षा करने, प्राचीन कला व संस्कृति को बनाये रखने के लिये प्रत्येक व्यक्ति का यह कर्तव्य है कि वह इस ओर जागरूक रह कर हर सम्भव प्रयास करे।



Auto Leaf Springs. **They are dependable?**
More and More Transport Operators are now using them.

GWALIOR INDUSTRIAL CORPORATION

मानव जीवन के लिये अनिवार्य ग्यारह आवश्यकताएँ

धन प्राप्ति
धनरक्षा
समय की वचत
यश प्राप्ति
समालोचना रहित
असप्रह
नियमितता
आनन्द वृद्धि
स्वस्थ जीवन
कीर्ति रक्षा
दुःख निवारण

जब आप हमें सेवा का अवसर
देगें तो उक्त आवश्यकताओं
की पूर्ति के लिए समाधान
आपको अवश्य ही मिलेगा ।

उपभोक्ता विक्रय स्थल—

- नया बाजार, लश्कर
- सराफा बाजार, लश्कर
- बिरलानगर, ग्वालियर

जियाजीराव कॉटन मिल्स लि०

बिरलानगर ग्वालियर-४ मध्य प्रदेश

वैदेशिक एजेंट :
बिरला (ग्वालियर) प्रा. लि.

टेलीफोन नं० : ८०१ से ८०५
टेलीग्राफ : 'बिरला' बिरलानगर

द्विगम्बर जैन-समाज लखकर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	. आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	-----------------

नाका गुड़ी-गुड़ा :—

१—	श्री बट्टी प्रसाद बरैया	४६	मुखिय	११ बी	वि.	दुकान परचूनी
	श्रीमती पुनियाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री नरथीलाल	१५	पुत्र		अवि.	
२—	श्री बट्टी प्रसाद बरैया	६०	मुखिय		विधुर	दुकान परचूनी
	श्री मेवाराम	५२	भाई		विधुर	"
	श्री किशनलाल	४५	भाई		वि.	सविस, अग्रवाल केपीकल्स, सराफा
	श्रीमती गिणीबाई	४०	माईबहू		वि.	
	श्री जवाहरलाल	१५	मतीज		अवि.	
	श्री रामचरनलाल	३५	भाई		वि.	सविस नया बाजार
	श्रीमती कपूरीबाई	२८	माईबहू		वि.	
श्रीमती मन्नीबाई	७५	मां		विधवा		
३—	सर्वश्री चुन्नीलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	दुकान परचूनी
	„ गणेशराम	२६	पुत्र		वि.	
	श्रीमती ताराबाई	२१	पुत्रबहू		वि.	
४—	सर्वश्री गुलाबचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	सविस जन विभाग
	श्रीमती जमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री अचजकुमार	३०	पुत्र	एच काम.	वि,	प्र.अ. रामनारायण उ.पा.वि, नयाबाजार
	श्रीमती जीलाबाई	२५	पुत्रबहू		वि.	
	श्रीमती कंचनियाबाई	७०	मां		विधवा	
५—	श्री लक्ष्मीनारायण अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	अग्रवाल
	श्रीमती कौसाबाई	६०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका शिवरण
------------------	-----	-----	---------	--------	-------------------	---------------

तिलक नगर :—

६—	श्री विजयकुमार श्रीमती शोला	जैसवाल २३	२७ पत्नी	मुखिया पत्नी	एम. काम. मेट्रिक	वि. वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल
७—	श्री विनेन्द्रकुमार श्रीमती शारदा कु० सता श्री रमेशचन्द श्रीमती कटोरीदेवी	जैसवाल ३० ३० १४ २७ २०	३८ पत्नी पुत्री भाई मा	मुखिया पत्नी पुत्री भाई मा	बी.एस.सी. मेट्रिक मेट्रिक	वि. वि. अवि. अवि. वि.	सर्विस ए.जी. आफिस, जाधव महल सर्विस टेकमकेको, बिरना नगर विधवा
८—	श्री वीरेन्द्रकुमार श्रीमती मालतीदेवी	जैसवाल ३४	४० पत्नी	मुखिया पत्नी	एम. काम. इन्टर	वि. वि.	एस.जी सी ए.जी. आफिस, मोतीमहल
९—	श्री रमेशचन्द जैसवाल	२६	प्रपुत्र	बी.काम	अवि.	सर्विस ए जी आफिस	
१०—	श्री सरदारमल परवार श्रीमती मनोरमादेवी	२८ २५	मुखिया पत्नी	इन्टर	वि. वि.	सर्विस एन सी. सी. आफिस	

कम्पूरोड :—

११—	श्री उत्तमचन्द कटारिया श्रीमती मेमादेवी श्री अशोक कुमार कु० मोरा	३० २६ १४ १६	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्री	इन्टर मिडिल नवी नवी	वि. वि. अवि. अवि.	सर्विस, कमला राजा हॉस्पिटल
१२—	श्री कालूराम परवार श्रीमती सोमाबाई श्री सुभावचन्द श्रीमती सरोजबाई श्री सुरेन्द्रकुमार	५७ ५० २० १८ १५	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्रवधु पुत्र	वि. वि. वि. वि. अवि.	वि. वि. वि. वि. अवि.	अध्यसाय जैन सेव भण्डार, कम्पूरोड
१३—	श्री प्रभूदयाल बरैया श्रीमती शकुन्तलादेवी श्री अशोककुमार	३८ ३२ १४	मुखिया पत्नी पुत्र	वि. वि. नवी	वि. वि. अवि.	अध्यसाय स्कुटर रिपे०, नयाबाजार
१४—	श्री कजमीरीलाल प. परवार श्रीमती मगनबाई	३२ ३०	मुखिया पत्नी	मेट्रिक	वि. वि.	अध्यसाय जैन वेरिडिग वर्क्स
१५—	श्री देवेन्द्रकुमार परवार श्रीमती माला	२७ २२	मुखिया पत्नी	B.A.L.L.B. बी.ए. प्रथम	वि. वि.	सिक्सिज उज हार्डकोर्ट, स्वामिदर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्याजिकता विवरण
१६—	श्री राजेन्द्रकुमार सेठी	२५	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस ए.पी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१७—	डॉ. देवचन्द गोलालारे	३१	मुखिया	M.B.B.S	वि.	मेडीकल आफिसर, जे.ए. हास्पीटल
	श्रीमती सवितारानी	२५	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई	M.B.B.S. III	अवि.	

सिकन्दर कम्प्यू :—

१८—	श्री सावलदास बरैया	५८	मुखिया		वि.	दुकान परचूनी
	श्रीमती रत्नादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	बी.ए.	वि.	
	श्रीमती शिमलादेवी	१६	पुत्रधरू	मिडिल	वि.	
१९—	श्री प्यारेलाल बरैया	४०	मुखिया		अवि.	
२०—	श्री चोखेलाल बरैया	५०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

रायसिंह का बाग :—

२१—	श्री महेशचन्द्र पाटनी	२७	मुखिया	M.A., B.Com.	अवि.	अम निरीक्षक
२२—	श्री आर. के. जैन	२५	मुखिया	M.B.B.S.	वि.	सर्विस जे.ए. गुप हास्पीटल, ग्वालियर
	श्रीमती आर. के. जैन	२२	पत्नी		वि.	

आमदार खाना :—

२३—	श्री मूलचन्द वंश	४४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	भारती	अवि.	
	श्रीमती लीजाबाई	६०	मां		विधवा	

हेमसिंह की परेड :—

२४—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुलाबदेवी	३०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती पारोबाई	६०	मां		विधवा	
२५—	श्री बाबूलाल जी बरैया	४५	मुखिया	छठवी	वि.	घाटे की चक्की
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्शीलाल जी	४०	भाई	साहित्यरत्न	वि.	दुकान
	श्रीमती घनोबाई	३०	भाईवधु		वि.	
	कु० कमलाबाई	१४	भतीजी	छठवी	अवि.	
	श्रीमती छोटीबाई	६२	मा		विधवा	
२६—	श्री राजनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती मालतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री गुलामचन्द	४५	भाई		अवि.	
२७—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस गुड्स शौक, रेल्वे स्टेशन
	श्रीमती राजमती	३३	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० कुमुमबाई	१५	पुत्री		अवि	
२८—	श्री लोभाराम बरैया	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मकान की इलानी
	श्री इन्द्रकुमार	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	सायकल स्टोर्स
	श्रीमती मीनाकुमारी	२०	पुत्रवधु		वि.	
	श्री रूपचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	६०	भाई		विधुर	ठेकेदारी
माया का बाजार :—						
२६—	श्री चांदमल जैसवाल	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अगूरीबाई	२०	पत्नी		वि.	
३०—	श्री हृदयनाथ बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती अंगूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
३१—	श्री वि शानस्वरूप बरैया	२५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती कंचनबाई	२०	पत्नी		वि.	
	भासाजी किशनस्वरूप	५५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३२—	श्री हीनदयाल बरैया	२४	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२०	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्शीलाल	२०	भाई		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती आशादेवी	१६	भाईवधू		वि.	
	श्री रामचरनलाल	१६	भाई		अवि.	व्यवसाय
	श्रीमती बत्तासोबाई	४५	मां		विधवा	
३३—	श्री सन्तोषीलाल बरैया	४२	मुखिया	सातवी	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३०	पत्नी	छठवी	वि.	.
३४—	श्री रमेशचन्द	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	टेलर
	श्रीमती गुणमालादेवी	२६	पत्नी		वि.	
३५—	श्री राधेश्याम बरैया	३६	मुखिया		वि.	व्यवसाय स्टेशनरी विक्रेता
	श्रीमती रामकली	३०	पत्नी		वि.	
३६—	श्री भगवानलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलाबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२६	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्रीमती कलावती	५६	मां		विधवा	
३७—	श्री दर्शनलाल बरैया	२८	मुखिया		अवि.	व्यवसाय
	श्री कश्मीरीलाल	२५	भाई		अवि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्री आनन्दकुमार	२२	भाई	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	१८	भाईवधू		वि.	
३८—	श्री नेकसीराम बरैया पुजारी	७२	मुखिया		विधुर	रिटायर्ड पुजारी
३९—	श्री भानकुमार बरैया	२२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय जी. ई. बक्सला १
	श्रीमती कमलादेवी	१९	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	१९	भाई	नवी	अवि.	
	श्री कृष्णकुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४७	मां		विधवा	
४०—	श्री बत्तोलाल बरैया	४०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री नन्द कुमार	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती आनन्दीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४१—	श्री ज्ञानचन्द बरैया	२२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती मुन्नीबाई	१७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री ग्याप्रसाद बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस शा. रीजनल प्रेस, ग्वालियर
	श्रीमती इन्दुमती	२३	पत्नी		वि.	
४३—	श्री गंगाराम बरैया	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती केसरबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री प्यारेलाल	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्रीमती राजकुमारी	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नन्दकिशोर	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जमनाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	कु० कमलेश कु० रामवती	१६ १४	पुत्री पुत्री	सातवी	अवि. अवि.	
४४—	श्री परमानन्द बरैया	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय हूलवाई
	श्रीमती चिरोजीबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री हनुमचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४५—	श्री रामसनेहीलाल	२५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस मिडिलस्कूल मोहनपुर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४६—	श्रीरामकिशन बरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस गुडसर्जेंट रे०स्टे०, ग्वालियर
	श्रीमती चमेलीबाई	२८	पत्नी		वि.	
४७—	श्रीमन्नालाल बरैया	५५	मुखिया		वि.	सर्विस जी. वर्कशाप, ग्वालियर
	श्रीमती कासीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री छोटेलाल	२५	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस ग्वालियर पॉटरीज
	श्री कंलाशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४८—	श्रीवमरचन्द बरैया दीवान	४८	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती राजावटी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी. काम //	अवि.	व्य० प्लोरमिन्स, मामा का बाजार
	श्री कंलाशचन्द कु० गीता	१६ १४	पुत्र पुत्री	मेट्रिक छठी	अवि. अवि.	
४९—	श्रीरामधरणलाल बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती कौमाबाई	४०	पत्नी		वि.	
५०—	श्री स्वकृपचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रभावती	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री पद्मकुमार	२०	पुत्र	ग्यारवी	वि.	व्य० किराना मर्चेट, मामा का बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री उग्रसेन	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० उषा	१४	पुत्री		अवि.	
५१—	श्री हरविलास बरैया	५५	मुखिया		वि.	खेती ग्राम रिधोली
	श्री इन्द्रसेन	२८	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पद्मसेन	२३	पुत्र	ग्यारवी	वि.	सर्विस गगबाल इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती नर्मदादेवी	१७	पुत्रवधू	छठी	वि.	
५२—	श्री चेताराम	८०	मुखिया		वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती कौशल्याबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री घननालाल	४५	पुत्र	मिडिल	वि.	फाक्ट अ.गो.उ मा.वि., भ्वालियर
	श्रीमती जमनाबाई	४०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पौत्र	बी. ए प्रथम	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री मथुराप्रसाद	४२	पुत्र	साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक शा.उ.मा.वि., डबरा
	श्रीमती शीनमती	३५	पुत्रवधू		वि;	
	श्री नेमीचन्द	१६	पौत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री प्रेमनारायण	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	अध्यापक शा.उ.मा.वि., मिण्ड
	श्रीमती जैनमती	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशचन्द	१६	पौत्र	किष्कोपा लिखित	अवि.	
	श्री केशरीमल	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
५३—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२२	मुखिया	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२०	पत्नी	ग्यारवी	वि.	
५४—	श्री देवचन्द बरैया	५५	मुखिया		वि.	एजेन्ट रे किल. एन्ड फार., भ्वालियर
	श्रीमती सोनाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अमोलकचन्द	२५	पुत्र	एम. काम.	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ताराचन्द	१६	पुत्र	बी.एस.सी.	अवि.	
	श्री कीर्तिकुमार	१६	पुत्र	बी. एस.सी. I	अवि.	
५५—	श्री मदनलाल बरैया	२३	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस ए.जी आफिम, बाघवमहल
	श्रीमती मैनाकुमारी	१६	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	श्रीमती यशोदाबाई	५५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
५६—	श्री बालचन्द बरैया	४०	मुखिया		वि.	काश्तकारी अमरोप
	श्रीमती इमरतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२०	पुत्र	ग्यारवी होम्य.	अवि.	
	श्री नन्दकुमार	२२	मतीजा	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती कुमुमबाई	१८	मतीजवधू		वि.	
५७—	श्री पतराम बरैया	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कासीबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४२	पुत्र		वि.	ड्य. चाट की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती महादेवीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	कु. विमलाबाई	१४	पौत्री		अवि.	
श्री लक्ष्मीनारायण	३८	पुत्र		अवि.	व्यवसाय हलवाई	
५८—	श्री देवीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पद्मचन्द	२०	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्रीमती यशोधाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती अमनाबाई	८५	नानी		विधवा	
५९—	श्री अक्षरफीलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	सर्विस जे.सी. मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	पत्नी		वि.	
६०—	श्री रामस्वरूप बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस सिमको, ग्वालियर
	श्रीमती किशोबाई	२०	पत्नी		वि.	
६१—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस जे. सी. मिल
	श्रीमती कमलाबाई	३२	पत्नी		वि.	
६२—	श्री बाबूलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	पी. डब्लू. डी., चौकीदार
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बुद्धप्रकाश	१४	पुत्र	ग्यारहवी	अवि.	
६३—	श्री मोतीलाल पत्नीबाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती हीरोबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री हुकुमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस जे. सी. मिल्स, बिरला नगर
	श्रीमती राजबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नारायण प्रसाद	३०	पुत्र		वि.	सर्विस नया बाजार
	श्रीमती रामाती	२५	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६२—	श्री देवचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	घाट की दुकान
	श्रीमती केतकीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री जनसुन्दरलाल	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सबिस,से. टेनी. आफिस,बवेन्द्रगज
	श्रीमती वैजयन्तीदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री पुरनचन्द जी	४०	भाई	मिडिल	वि.	पोस्टमैन, जी.पी.ओ., ग्वालियर
	श्रीमती विजयकुमारी	३५	भ्रातवधू		वि.	
	कु० लीलाबाई	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
श्रीमती विलासोबाई	८५	मां		विधवा		
६३—	श्रीलालचन्द बरैया	५०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कलावती	३५	पत्नी		वि.	
६४—	श्री मंगूलाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	दलाल (मकान)
	श्रीमती सरस्वतीबाई	५०	पत्नी		वि.	
६५—	श्री कैलाशचन्द बरैया	२२	मुखिया	११वी	वि.	सदिस, म. प्र. को. बैंक, गुरार
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
	शं मुन्नालाल	४८	पिता		विधुर	
	श्री मिश्रीलाल	५५	ताऊ		विधुर	
६६—	श्री प्रेमकुमार बरैया	१७	मुखिया	बी.ए. II	अवि.	
	श्री पवन कुमार बरैया	१६	मुखिया	ग्यारवी	अवि.	
	डा० यशवन्त कुमार बरैया	२५	मुखिया	M.B.B.S.	वि.	डिमोन्स्टेटर, जी.आर. मेडिकल कॉलेज
माधवगंजः—						
६७—	श्री मुन्शीलाल जैसवान	५३	मुखिया	नवीं	वि.	कर्म—मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार,
	श्रीमती ज्ञानवती	४८	पत्नी		वि.	माधवगंज
	श्री महेन्द्र कुमार	२७	पुत्र	बी.ए. II	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६८—	श्री भीमल प्रसाद बरैया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	आफीसर—इन्चार्ज, ग्वालियर सेन्ट्रल
	श्रीमती शास्त्रीदेवी	३०	पत्नी		वि.	को. आपरेटिव बैंक, डीडवाना भोली
	कु० ऊषादेवी	१५	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६९—	श्री प्रसन्न कुमार परवार	२६	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, आयुर्वेदिक कॉलेज,
	श्रीमती राजमती देवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	ग्वालियर
	श्री दशरथ चन्द	२१	भाई	बी.एस सी. II	अवि.	
	श्री विनोद कुमार	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
७०—	श्री सुभालाल खरोडा	५०	मुखिया		विधुर	दुकान, जैन मैनपुरी स्टोर, घाड़ा
	श्री परम चन्द जैन	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	

परिवार संस्था	नाम	व्यायु सम्बन्ध	शिक्षण	वैवाहिक स्थिति	भाजीधिका विवरण
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२५ पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मल चन्द	२८ पुत्र	मिडिल	वि.	बूल कार्नेर, सराफा बाजार
	श्रीमती अरुणा देवी	२४ पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कपूर चन्द	२६ पुत्र	मिडिल	वि.	बनारसी पान स्टोर, सराफा बाजार
	श्रीमती कमला देवी	२२ पुत्रवधू		वि.	
	श्री. आनिक चन्द	२२ पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती सुवमा देवी	१८ पुत्रवधू		वि.	
७१—	श्री भगवान दास अग्रवाल	६८ मुखिया		वि.	बर्तनों के व्यापारी
	श्रीमती अयोध्या देवी	५० पत्नी		वि.	
७२—	श्री रामस्वरूप अग्रवान	५० मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती बसन्ती देवी	४० पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	१७ पुत्र		अवि.	
७३—	श्री हसन चन्द खेडी	३५ मुखिया	इंटर	वि.	फुटकर एजेंसीज
	श्रीमती पिस्ता देवी	३२ पत्नी		वि.	
७४—	श्री मोहन लाल बरैया	६७ मुखिया		वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती कौशल्या देवी	६२ पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	३० पुत्र	एम. ए	वि.	प्र.अ., श्री महावीर जूनियर कानेज,
	श्रीमती कमला देवी	२५ पुत्रवधू		वि.	फालके बाजार
७५—	प. भगवती प्रसाद बरैया	४२ मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली बिल्टी रेल्वे
	श्रीमती अंगूरी देवी	४० पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र प्रसाद	१८ पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, मॉडर्न इलेक्ट्रिक स्टोर
	श्रीमती कुसुमलता	१५ पुत्रवधू		वि.	
७६—	श्री बाबूलाल बरैया	३८ मुखिया		अवि.	मेस. श्रीचन्द्र बाबूलाल, गांधी मार्केट
	श्रीमती सोना देवी	५५ माँ		विधवा.	
७७—	श्री सुगन् चन्द पाटनी	६५ मुखिया	मिडिल	विधुर	मेस. कजौडीमल मूलचन्द्र सराफा
	श्री शिखर चन्द	३० पुत्र	मेट्रिक	वि.	(होम्यो एन्ड बायो डॉ.)
	श्रीमती खान्ती देवी	२५ पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पप्पू टॉयज इन्डस्ट्रीज
	डॉ० केशरी मल	२५ पुत्र	M.Com., M.D.H.	वि.	(कैम्ब्रियर, के.बी. बैंक लि., होम्यो.
	श्रीमती उमिना	२३ पुत्रवधू	बी. ए.	वि.	एन्ड बायो. डा. ए. नं. ४०३३)
	श्री विमल चन्द	२० पुत्र	बी. कॉम. II	अवि.	रेडियो एन्ड बाँध रिपेयर
७८—	श्री लक्ष्मी चन्द	८५ मुखिया		विधुर	मेस. लक्ष्मीचन्द्रवकासाल, कपडाव्यापार
	श्री लाल चन्द	५८ पुत्र		विधुर	सर्विस

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६—	श्री हृकमचन्द	४५	मुखिया		वि.	बस्त्र व्यापारी
	श्रीमती बौना देवी	४०	पत्नी	छठी	वि.	
	कुमारी सुशीला	२१	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री पदम चन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कुमारी आम्ता	१७	पुत्री	नवी	अवि.	
८०—	श्री कौशल चन्द पाटनी	५१	मुखिया	मिडिल	वि.	सविस, सोवे-बाई की दुकान, सराफा
	श्रीमती बभेली देवी	४५	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१४	पुत्री	छठी	अवि.	
८१—	श्री पूनम चन्द बोहरा	५४	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, सराफा अजाद,
	श्रीमती छोटी बाई	४३	पत्नी		वि.	लखर
	श्री हेमचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
८२—	श्री नानूलाल पाटीदी	६५	मुखिया		वि.	मे. इन्दरचन्द नानूलाल सराफ
	श्रीमती कनका देवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री बिम्बस चन्द	३३	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी शशि	१६	मासिनी	ग्यारवीं	अवि.	
८३—	श्री बन्नालाल बोहरा	३५	मुखिया		वि.	कपड़े के व्यापारी, माधवगंज
	श्रीमती रत्नाबाई	३२	पत्नी		वि.	चौराहा, लखर
८४—	श्री उत्तम चन्द बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	(सविस, दीनदयाल औषधालय,
	श्रीमती मनोबाई	२५	पत्नी		वि.	दौलतगंज)
८५—	श्री भागीलाल बरैया	३५	मुखिया	मेडिक	वि.	मे. जैन एन्ड क., ग्यूज वेपर्स ऐजेंट,
	श्रीमती राज कुमारी	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
८६—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सविस, हलवाई होटल संघ
	श्रीमती राजकुमारी	३०	पत्नी		वि.	
८७—	श्री नेमीचंद पांडवीय, जंसवाल	३२	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सविस, स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया
	श्रीमती मुन्नी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेश चन्द	२४	बाई	ग्यारवीं	वि.	असि० रजि०, को-आपरेटिव
	श्रीमती कपूरी देवी	१६	आलावधू		वि.	डिपार्टमेंट, मिचपुरी
	श्री सुदामीश्वार	२२	बाई	बी. ए. II	अवि.	
	श्री कान्ती प्रसाद	२०	बाई	छठी	अवि.	
	कुमारी शान्ती देवी	१४	बहिष्		अवि.	
	श्रीमती सुन्दर बाई	५५	बाई		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती प्रोपदी बाई	६५	बुआ		विधवा	
८८—	श्री मनोहरलाल पत्नीबा न	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, हूलबाई होटल मंच
	श्रीमती जय देवी	३१	पत्नी		वि.	
	कुमारी सरला देवी	१७	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
८९—	श्री केदारनाथ बरैया	३६	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, कपड़े की दुकान
	श्रीमती शान्ति देवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, बर्तन की दुकान
	श्रीमती सुशीला देवी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेंद्र कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस, कपड़े की दुकान
९०—	श्री इन्द्रसेन बरैया	२०	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, सब्जी मंडी, छत्री बाजार
	श्रीमती फूलबाई	१६	पत्नी	सातवीं	वि.	
९१—	श्री बाबूलाल बरैया	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती बदामी बाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती भग्मो बाई	४०	माँ		विधवा	
९२—	श्री प्यारेलाल जैन	५०	मुखिया		वि.	मे.स. फॅन्सी क्लॉथ स्टोर्स, माधवगंज
	श्रीमती निर्मला देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री किशन चन्द	४५	भाई		वि.	
	श्रीमती रामप्यारी देवी	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	सम्पादक — दैनिक जवाहर के लाल
	श्रीमती सन्तोष देवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२१	पुत्र	बी. एस. सी. II	अवि.	
९३—	श्री फूलचन्द पाटनी	८०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती केशर बाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	५५	पुत्र		वि. मे.	मोहन शिवणकला भवन, माधवगंज
	श्रीमती कंचनबाई	४८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	३४	पौत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२६	पौत्र वधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२६	पौत्र	मिडिल	वि.	सर्विस, छेदीलाल फूलचंद, नयाबाजार
	श्रीमती शान्ताबाई	१९	पौत्र वधू		वि.	
	श्री होतीलाल	२४	पौत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलाबाई	२३	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पौत्र	बी. कॉम I	वि.	
	श्रीमती मीना देवी	१८	पौत्र वधू	मिडिल	वि.	

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री बसन्त	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री रतनचन्द	५०	पुत्र	छठी	वि.	सर्विस, ट्रेजरी आफिस
९४—	श्री मन्मथनसाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, रेसमचन्द गुलाबचन्द सराफ
	श्रीमती ज्ञान्ती देवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार, लक्ष्कर
	श्री सुगतचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४	भतीजा		अवि.	
	श्रीमती सरवतीबाई	५०	भाभी		विधवा	
९५—	श्री छोटेलाब बरैया	२८	मुखिया	सातवीं	वि.	फिराना दुकान
	श्रीमती कस्तूरी देवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री रामदीन	३८	भाई		अवि.	
	श्री प्रभूदयाल	२२	भतीजा	बी० ए०	अवि.	
९६—	श्री मदनसाल परलीवाल	४५	मुखिया		वि.	प्रभात भाटा चक्की, माचवगंज
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभातकुमार	१४	पुत्र	नवीं.	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९७—	श्री चिन्टूलाल काला	४५	मुखिया		अवि.	पान की दुकान
	श्री बच्चूलाल	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती लीलाबाई	३०	भाई बहू		वि.	
९८—	श्री पन्नालाल बोहरा	४२	मुखिया		वि.	श्री पन्नालाल सीताराम, कपड़ा व्यवसायी,
	श्रीमती प्रकाशबाई	३५	पत्नी		वि.	माचवगंज, फोन नं. २२१९
	श्री प्रेमचन्द	१७	पुत्र	बी. काम. II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
९९—	श्री बाबूलाल छावडा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, सब पोस्ट आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
१००—	श्रीमती रज्जोबाई बरैया	२२	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री बलराम बरैया	४०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती कमला देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती पार्वती देवी	६५	मां		विधवा	
१०२—	श्री सुमतिप्रसाद परवार	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	भावना अगारवती प्रोबक्शन, सराफा बाजार
	श्रीमती मेघोदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	भाई		अवि.	
१०३—	श्री राजाराम जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	आढ़तिया, सक्की मण्डी
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	वयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आर्थिक विवरण
१०४—	श्री रामचरनलाल जैसवाल श्रीमती प्रियदेवी	४० ३५	मुखिया पत्नी		वि. वि.	सविस, सब्जी बंदी
१०५—	श्री मुन्नीलाल बरैया	३५	मुखिया		वि.	टाईपिस्ट, तबखेतकीस, हार्ड-क्रेडें
१०६—	श्री कुन्नीलाल अचवाल श्रीमती सरोजदेवी श्री बीरेन्द्रकुमार श्रीमती कुन्तीरानी श्री राजेन्द्रकुमार श्री अशोककुमार कु० उषा	५० ४९ २८ २४ २४ १६ १४	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्र बधू पुत्र पुत्र पुत्री	बी. ए. मिडिल एन. ए., एन. कां. ग्यारवी M Sc. ग्यारवी मिडिल	वि. वि. वि. वि. अवि. अवि. अवि.	स.-रामनारायण रोपसकास, बसावाजार सविस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया सविस-सुपर इलेक्ट्रिक एण्ड मेकेनिको, कम्पू मार्ग, लखनऊ
१०७—	श्री श्यामलाल पद्मा परवाल श्रीमती सुलोबाई कु० उर्मिला	६५ ५५ १४	मुखिया पत्नी पुत्री		वि. वि. अवि.	पान की दूकान
१०८—	श्री मिलापचन्द अजमेरा श्रीमती लक्ष्मीदेवी श्री सुभाषचन्द्र श्रीमती तारादेवी श्री ललित कुमार श्रीमती राजकुमारी श्री रतन कुमार कु० शकुन्तला	४४ ४२ २३ २० १८ ६६ १४ १५	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्र बधू पुत्र पुत्र बधू पुत्र पुत्री	बी. ए. I नवी ग्यास्हूवी नवी मेट्रिक मिडिल	वि. वि. वि. वि. वि. अवि. अवि.	दलाल, नया बाजार सविस, स्टेट बैंक आफ इण्डिया दलाल, नया बाजार
१०९—	श्री नरूलाल बरैया श्रीमती अम्बोबाई	५५ ५०	मुखिया पत्नी		वि. वि.	हलवाई की दूकान
११०—	श्री फूलचन्द मेठिया, बरैया श्रीमती मन्तीबाई श्री बाबूलाल श्री रमेशचन्द श्रीमती मुन्नीबाई श्री देवीचन्द	६० ५५ ३० २५ २० २१	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्र पुत्र बधू पुत्र		वि. वि. अवि. वि. वि. अवि.	सविस, प्रेस दुकानदारी
१११—	श्री बाबूलाल बरैया श्रीमती रामप्यारी श्री मोहनलाल श्रीमती लक्ष्मीबाई	५५ ५० २५ २२	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्र बधू	मिडिल	वि. वि. वि. वि.	जैन मिष्ठान्न मकान, मधुवाजार सविस, सतीसकुमार मन्दीरकुण्ड, नया बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	लिंग	शैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सोहनलाल	२२	पुत्र	बी. काम.	वि.	जैन मिष्ठान्न भंडार, माधवगंज
	श्रीमती शकुन्तला	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री किशनलाल	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मदनलाल	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
११२—	श्री भस्मनलाल सिधई, बरैया	६०	मुखिया		विधुर	किराने की दुकान, माधवगंज
	श्री लालचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१८	पुत्रवधू		वि.	
११३—	श्री गुलामचन्द जीसवाल	४०	मुखिया		वि.	सर्विस सतीशकुमार प्रदीपकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती कमलेशदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री शिलेशचन्द	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
११४—	श्री चम्पालाल पन्ना. परवाल	६०	मुखिया		विधुर	चम्पालाल दीलतराम, मिष्ठान्न भंडार
	श्री दीलतराम	५५	भाई		वि.	
	श्रीमती कलावती बाई	४५	भ्रातावधू		वि.	
	श्री श्यामकुमार	३०	भतीजा		वि.	
	श्रीमती रत्नाबाई	२५	भतीजवधू		वि.	
	कु० विमला	१५	भतीजी	मिडिल	अवि.	
	श्री मुन्शीलाल	५५	भाई		विधुर	
	श्रीमती केसरबाई	८०	मां		विधवा	
११५—	श्री सम्पतलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	दलाल, नया बाजार
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, प्रेस
	श्रीमती कुसुमबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र		वि.	असबांर-विक्रिता
	श्रीमती राजकुमारी	१६	पुत्रवधू		वि.	
११६—	श्री बादामीलाल	३८	मुखिया		वि.	जैन एण्ड को., न्यूज पेपर्स सोल एजेन्ट, डीडवानाभोली
	श्रीमती विमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
११७—	श्री पन्नालाल परवार	६०	मुखिया		विधुर	
	श्री बिहारीलाल	५७	भाई		अवि.	
	श्री बन्नीप्रसाद	५०	भाई		वि.	बन्नीप्रसाद अशोककुमार, मिष्ठान्न भंडार
	श्रीमती नगरवाली	४५	भ्रातावधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	३०	भतीजा	ग्यारवी	वि.	कम्पाउन्डर, आयुर्वेदिक अस्पताल, धामसी, लखनऊ
	श्रीमती शकुन्तला	२५	भतीजवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	दलाल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
------------------	-----	-----	---------	--------	-------------------	---------------

	श्रीमती उर्मिलादेवी	२४	भतीजबधु	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२६	भतीजा	इन्टर	वि.	सर्विस, नाप-तील विभाग
	श्रीमती बिमलादेवी	२२	भतीजबधु		वि.	

कमाठी पुरा, माधवगंज

११८—	श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालदास
	श्री चन्नायाम दास	३५	भाई		अवि.	हलवाई
११९—	श्री कल्याणदास परवार	७५	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती कल्याण दास	७०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३१	पुत्र		वि.	नमकीन का ठेला
	श्रीमती झारदादेवी	२७	पुत्रबधु	मिडिल	वि.	
	श्री श्रीप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती श्रीप्रकाश	१६	पुत्र बधु		वि.	
१२०—	श्री कन्हैयालाल परवार	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	कन्डक्टर, म. प्र. स्टेट ट्रान्सपोर्ट
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
१२१—	श्री कमल बरैया	४०	मुखिया		वि.	फुटकर दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
१२२—	श्री धर्मचन्द बरैया	३८	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	एकाउन्टेन्ट, कम्बलकेन्द्र, गोन
	श्रीमती दिनेश्वरी देवी	२५	पत्नी		वि.	पहाड़िया, लश्कर

गाडवे की गोठ

१२३—	श्री शकरलाल बरैया	३०	मुखिया		वि.	ठेला ठकाई
	श्रीमती कमला बाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१५	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	

घापागंज

१२४—	श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, जे.सी.मिल्स, मुनकर विभाग
	श्रीमती मुष्मीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	

बापू उन्डी की गोठ, माधवगंज

१२५—	श्री लक्ष्मणचन्द बरैया	२८	मुखिया		वि.	कम्पाउन्डर, हीनदयाल जीवशाला
	श्रीमती मुष्मीबाई	२५	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१२६—	श्री जगन्नाथप्रसाद बरैया श्रीमती काशीबाई	३०	मुलिया मां		विधुर विधवा	घाट ठेला
२७—	श्री पन्नालाल बरैया श्रीमती रूपाबाई श्री बसालाल श्रीमती प्रभावती	४५ ४० २५ २२	मुलिया पत्नी पुत्र पुत्र बधू	नहीं ग्यारवीं	वि. वि. वि. वि.	काकरी व्यापारी सबिस, ए.जी. आफिस, मोतीमहल
१२८—	श्री छोटेलाल बरैया श्रीमती शान्तीबाई	४० ३५	मुलिया पत्नी		वि. वि.	घाय का ठेला

पुलिस चौकी, माधवगंज

१२९—	श्री रघुनाथप्रसाद बरैया श्री जीवनलाल श्रीमती कमलाबाई श्री नेमीचन्द श्रीमती लक्ष्मीदेवी कु० सितारा	४५ ३६ ३० ३० २० १४	मुलिया भाई भाई बधू भाई भ्राता बधू भतीजा		विधुर वि. वि. वि. वि. अवि.	मे. सीताराम जीवनलाल, किराना व्यापारी, माधवगंज मे. जीवनलाल अशोककुमार, किराना व्यापारी
------	--	----------------------------------	--	--	---	---

चिटनीस की गोठ (माधवगंज):—

१३०—	श्री सुभाषचन्द अग्रवाल श्री अरिन्जयकुमार श्रीमती बनारोदेवी	२० १५ ३५	मुलिया भाई मां	ग्यारवीं मिडिल	अवि. अवि. विधवा	सबिस-नेमीचंद प्यारेलाल, माधवगंज सबिस-जगदीशप्रसाद राजीवकुमार
१३१—	श्री मिलापचन्द पापड़ीवाल श्रीमती गुलाबबाई श्री ताराचन्द श्रीमती हीरोबाई श्री लोकेन्द्रकुमार श्री भूपेन्द्रकुमार कु० चन्द्रकान्ता कु० मधु	५५ ५० ३५ ३० २३ २१ १७ १४	मुलिया पत्नी पुत्र पुत्रबधू पुत्र पुत्र पुत्री पौत्री	ग्यारवीं इन्टर मिडिल बी. काम. ग्यारवीं मेट्रिक	वि. वि. वि. विधवा अवि. अवि. अवि. अवि.	सबिस-रमेशचंद गुलाबचंद सर्राफ सबिस, M. P. S. R. T. C. कशीदाकारी का कार्य सबिस, म.प्र. राज्य परिवहन निगम
१३२—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	७०	मुलिया		अवि.	
१३३—	श्री हरबिलास पन्ना. परवाल श्रीमती अंगूरीबाई श्रीमती झोपतीबाई	३६ २५ ७७	मुलिया पत्नी मा	मिडिल	वि. वि. विधवा	सबिस, जे. सी. मिल्ल, बिरसानगर

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१३४—	श्री किशन स्वरूप पन्ना. पर. श्रीमती कचनबाई	२८ २४	मुखिया पत्नी	ग्यारबी	वि. वि.	सर्विस, जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
१३५—	श्री कन्हैयालाल गर्ग (अग्र.) श्रीमती गुणमाला श्री लक्ष्मणदास श्रीमती सरोजकुमारी श्री रिक्खवदास श्रीमती जैनमती	४५ ४० २४ २० २१ १८	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्रवधू पुत्र पुत्रवधू		वि. वि. वि. वि. वि. वि.	किराना दुकान, चिटनीस की गोठ सर्विस, ८ म. प्र. बटालियन दुकान
१३६—	श्री मूलचन्द बरैया श्रीमती सोनाबाई श्री रमेशकुमार श्रीमती इन्द्राबाई श्री सुरेशकुमार कु० पुष्पा	६० ५५ २० १७ १८ १४	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्रवधू पुत्र पुत्री	मिडिल बी. काम. मिडिल बी काम. III मिडिल	वि. वि. वि. अवि. अवि.	मुन्शी (अदालत) टाइपिस्ट हाईकोर्ट
१३७—	श्री फतेहचन्द बरैया श्रीमती प्रेमवती	३८ ३५	मुखिया पत्नी	B.A., L.L.B.	वि. वि.	सुपरि०, ए. जी. आफिस, जाधवमहन
१३८—	श्री बृन्दावनलाल गोलालार श्रीमती छोटीबाई श्री रामभवतार श्री श्रीचन्द	४५ ४० २२ २०	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्र		वि. वि. अवि. अवि.	हलवाई
१३९—	श्री नेमीचन्द बंसन (अग्र.) श्रीमती गोमतीबाई श्री भागचन्द श्री सुभाषचन्द कु० मनोरमा श्रीमती त्रिवेणीबाई श्रीमती नारायणीबाई	२७ २४ २२ २० १६ ४० ६०	मुखिया पत्नी भाई भाई बहिन माँ दादी	मेट्रिक नहीं बी. काम. III मिडिल	वि. वि. अवि. अवि. अवि. विधवा विधवा	श्री नेमीचन्द भागचन्द, कपड़े के ब्यापारी, दही मण्डी
१४०—	श्री छैलबिहारी परवार श्रीमती कमलादेवी	३५ ३०	मुखिया पत्नी	बी. काम. इन्टर	वि. वि.	सर्विस, लाइफ इन्शुरेन्स कार्पोरेशन
१४१—	केशरीचन्द खरोआ श्री रमेशचन्द	३५ २५	प्रमुख साला	B.A., L.L.B. बी. काम.	वि. अवि.	आडीटर, रजिस्ट्रार आफ को- आपरेटिव सोसाइटीज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

बालाबाई का बाजार :-

१४२	—श्री दयाकन्द परवार श्रीमती जसेली बाई	४०	मुखिया पत्नी		छठी वि. छठी वि.	हलवाई
१४३	—श्री चिरोजीलाल बरैया	३५	मुखिया		अवि.	कपड़े के व्यापारी
१४४	—श्री भीकाराम बरैया श्रीमती छोटीबाई कु० शकुन्तला	४५ ४० १४	मुखिया पत्नी पुत्री		वि. वि. अवि.	हलवाई
१४५	—श्री महेन्द्र कुमार अग्रवाल श्रीमती सुरेन्द्रीदेवी श्री शशीकान्त श्री किशोर कुमार कु० शोभा	४० ३५ २० १६ १४	मुखिया पत्नी पुत्र पुत्र पुत्री		वि. वि. बी. ए. इन्टर मिडिल	सर्विस, ट्रान्सपोर्ट कं० सर्विस, विजय एण्ड कं० नयाबाजार
१४६	—श्री चिरोजीलाल बरैया श्रीमती अंगूरीबाई	३६ ३०	मुखिया पत्नी		वि. वि.	चिरोजीलाल बालचंद, कपड़े के व्यवसायी, भाववगज
१४७	—श्री मुसालाल खरोआ श्रीमती पद्मश्रीदेवी कु० मिथलेश	४७ ४६ १३	मुखिया पत्नी पुत्री		मेट्रिक वि. वि. नवीं अवि.	परिचालक, M. P. S. R. T. C.
१४८	—श्री बाबूलाल खरोआ श्रीमती देवी कु. इन्द्रा श्री शिखरचन्द	३७ ३२ १४ ६५	मुखिया पत्नी पुत्री पिताजी		वि. वि. अवि. विधुवर	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
१४९	—श्री मिजाजीलाल खरोआ श्रीमती प्रेमलता	२० २०	मुखिया पत्नी	बी.काम. II	वि. वि.	बनारसी पान भण्डार, जयाजी चौक
१५०	—श्री सीताराम अग्रवाल श्रीमती लच्छोबाई श्री पुरुषोत्तमदास	५० ४५ १४	मुखिया पत्नी पुत्र		वि. वि. मिडिल अवि.	मुन्शी (अदालत)
१५१	—श्री महेन्द्रकुमार खरोआ श्रीमती कुसमादेवी श्री सन्त कुमार श्री मन्नीलाल श्रीमती बेटीबाई	३७ ३२ ३० २० ६०	मुखिया पत्नी भाई भाई यां		वि. वि. अवि. अवि. विधवा	अग्रोक पान भण्डार, इन्द्रगंज

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

माधवगंज :-

१५२—	श्री बाबूलाल खरोजा	५०	मुखिया		वि.	(बाबूलाल शान्तीलाल, कपड़े के व्यापारी, माधवगंज) कपड़े की दुकान
	श्रीमती ज्ञानदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	बी.काम. I	अवि.	
१५३—	श्री विनोद कुमार खरोजा	१८	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सुषमा	१६	बहिन	नवी	अवि.	
	कु० सरिता	१४	बहिन	सातवी	अवि.	
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	मा		विधवा	
१५४—	श्री पद्मलाल वरैया	२४	मुखिया		अवि.	सिलाई का व्यवसाय
१५५—	श्री भानुकुमार खरोजा	५२	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कान्तादेवी	४७	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	एम.काम.	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सतीश कुमार	२५	पुत्र	बी ए एम एस.	वि.	
	श्रीमती जैनश्रीदेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	

लाला का बाजार:-

१५६—	श्री बुढामल परवार	२३	मुखिया	ग्यारवीं	वि.	सर्विस, परिचालक, म० प्र० राज्य परिवहन
	श्रीमती भूरीबाई	१८	पत्नी	छठीं	वि.	
	श्रीमती बंकुण्ठीबाई	४५	मा		विधवा.	
१५७—	श्री इन्द्रजीत 'मास्वी' (धोलपुर)	२८	मुखिया	एम.ए.; बी.एड.	वि.	
	श्रीमती अनारकली	२५	पत्नी		वि.	
	श्री गोकलचन्द	२०	भाई	D.T. T. II	वि.	
१५८—	श्री राजेन्द्रप्रसाद	२७	मुखिया	एम. एस-ती.	वि.	

कासगी बाजार:-

१५९—	श्री रमेशचन्द कासलीवाल	२२	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस, ए.म. इस्टेब को-ऑपरेटिव बैंक लि हाबंवेयर मर्चेंट
१६०—	श्री सुनहरीलाल वरैया	४३	मुखिया	पांचवीं	वि.	
	श्रीमती विद्याबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजमती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री शिखरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

फडनीस की गोठ, चावडी बाजार:—

१६१—	श्रीभगवानलाल	६०	मुखिया		वि.	सिलाई का काम
	श्रीमती आनंदी बाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	४०	पुत्र		अवि.	हलवाई की दुकान,
१६२—	श्री पूनमचन्द गर्ग	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	कट्टोल की दुकान, डोलीबुआ का पुल
	श्रीमती सावित्री देवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
१६३—	श्री कपूरचन्द गर्ग	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	नन्होमल प्यारेलाल सराफ, सोना
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी		वि.	बादी के विक्रेता
	श्री ज्ञानचन्द	२०	पुत्र	बी. ए.	अवि.	
	कु० प्रभा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. मनोरमा,	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	भाई	नवीं	वि.	
	श्रीमती भगवती	२५	भ्रातावधू		वि.	

डोलीबुआ का पुल (जंकम साहब कम्प्यू)

१६४—	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती लच्छोबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रामचरण	३०	भाई	छठीं	वि.	हलवाई
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
	श्रीमती कौसाबाई	७०	मां		विधवा	
१६५—	श्री सत्येन्द्रनाथ जैसवाल	२७	मुखिया	एम० ए०	वि.	सबिस, ए जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजेश	२३	पत्नी	एम० ए०	वि.	
१६६—	श्री फूलचन्द बरैया	६७	मुखिया		विधुर	किराना व्यापारी
	श्री प्रह्लाद दास	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	सबिस, टेक्समेको, बिरसा नगर
	श्रीमती शकुन्तला देवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
१६७—	श्री रामदयाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर.	कपड़े के व्यापारी
१६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	बी.ए. III	वि.	अध्यापक, राष्ट्रीय शिक्षु विशालय,
	श्रीमती कमलेशकुमारी	१८	पत्नी	बी.ए. I	वि.	छवी बाजार
१६९—	श्री नेमीचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. विजयकुमार एण्ड ब्रदर्स, नरन
	श्रीमती पबलो देवी	३८	पत्नी		वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री अजितकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री इन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
१७०—	श्री मुरारीलाल बरैया श्रीमती अंगूरी देवी	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. अरुणकुमार देवेन्द्रकुमार, वस्त्र ब्यापारी, दही मण्डी
१७१—	श्री पदमचन्द बरैया श्रीमती कुसुमलता श्रीमती दुर्गाबाई	२२	मुखिया	इन्टर	वि.	जैन कटपीस एम्पोरियम, २६ बजरग कटरा, दहीमण्डी
१७२—	श्री बाबूलाल गोलसिघारे श्रीमती रत्नबाई श्री चन्द्रसेन श्रीमती विट्ठीबाई श्री महावीरप्रसाद	५०	मुखिया		वि.	घी के ब्यापारी
	श्रीमती रत्नबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	४०	भाई		त्रि.	
	श्रीमती विट्ठीबाई	३०	भ्राता वधु		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१६	भाई		अवि.	
१७३—	श्री महावीरप्रसाद बरैया श्रीमती बदामी देवी	५५	मुखिया		वि.	पदमचन्द पवनकुमार, वस्त्र ब्यापारी, २६ बजरग कटरा दही मण्डी
	श्रीमती बदामी देवी	४५	पत्नी		वि.	
१७४—	श्री प्यारेलाल जैसवाल श्रीमती कलावती श्री नेमीचन्द श्रीमती कलाबाई श्री प्रकाशचन्द श्रीमती वाढामीबाई श्री विमलचन्द श्री महेणचन्द श्रीमती गोराबाई	५५	मुखिया		वि.	मोतीराम रामचन्द, किराना मर्चेन्ट, इन्दर गज
	श्रीमती कलावती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, के. बी. बैंक, जयाजी चौक
	श्रीमती कलाबाई	२२	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना मर्चेन्ट
	श्रीमती वाढामीबाई	२०	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री विमलचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महेणचन्द	१८	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्रीमती गोराबाई	७०	मां		विधवा	
१७५—	श्री मुगनचन्द जैसवाल श्रीमती जैनमती	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मोतीराम रामचन्द, किराना मर्चेन्ट, इद्रगज
	श्रीमती जैनमती	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
१७६—	श्री बाकेलाल गोलसिघारे	४२	मुखिया		वि.	घी की दुकान
१७७—	श्री हजारीलाल गोलसिघारे श्रीमती रामबाई श्री पदमचन्द	६०	मुखिया		वि.	घा की दुकान, लक्ष्मीगज
	श्रीमती रामबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१०	पुत्र		अवि.	
१७८—	श्री नारायणप्रसाद श्रीमती सुश्रीदेवी	३७	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती सुश्रीदेवी	२२	पत्नी		वि.	
१७९—	श्री दुर्गाप्रसाद पत्नीवाल	७०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१८०—	श्री नेमीचन्द परब्रा श्रीमती कान्तादेवी	२६	मुखिया	M Com., M. M. B.	वि.	प्रबन्धक, ग्वालियर जिला सहकारी भू-विकास बैंक, ग्वालियर
	श्रीमती कान्तादेवी	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	
१८१—	श्री चोखेलाल बरैया श्रीमती कमलाबाई श्री सन्तोषकुमार	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, चम्पाबाग मन्दिर
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१६	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

जनकगंज :—

१८२—	श्री राजेन्द्रकुमार श्रीमती मनोरमाबाई	३०	मुखिया	बी. काम.	वि.	सविस, ए० जी० ऑफिस
		२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
१८३—	श्री विरोजीलाल श्री ईश्वरचन्द	७५	मुखिया		विधुर	मे. विरोजीलाल फुन्दीलाल हलवाई
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	
१८४—	श्री चन्द्रसेन वरैया श्रीमती रामकुमारी	५०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्री बाबूलाल	४६	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३५	भाई		वि.	
	श्रीमती प्रेमचन्द	३५	पुत्र		वि.	सविस, नागौरी एण्ड सन्स
	श्रीमती कपूरीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निर्मलचन्द	३३	पुत्र		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
१८५—	श्री रतनलाल वरैया श्रीमती अजुद्धीबाई	३७	प्रमुख		वि.	पान मचेंड, जनकगंज
		३०	पत्नी		वि.	
१८६—	श्री श्रीचन्द जैसवाल श्री बादशाह	६२	प्रमुख	मिडिल	विधुर	बी के व्यापारी
		३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
१८७—	श्री रतनलाल वरैया	५०	प्रमुख		विधुर	किराना व्यापारी, जनकगंज
१८८—	श्री धूपचन्द टोंग्या श्रीमती कान्ताबाई	४५	प्रमुख		वि.	सविस, ग्वा० रेयन-वेयर हाऊस
		३६	पत्नी		वि.	
	श्री शान्ती कुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	सविस सुवस्त्र भण्डार, नई सड़क
	श्री यशवन्त कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कु० राजकुमारी	१८	पुत्री	बी.ए. II	अवि.	
१८९—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल श्रीमती मुन्नीदेवी	२८	प्रमुख	इन्टर	वि.	ओवरसियर, वाटर वर्क्स
		२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
१९०—	श्री उग्रसेन गोलालारे श्रीमती कृष्णादेवी	२८	प्रमुख		वि.	कपड़े के व्यवसायी
		१८	पत्नी		वि.	
१९१—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल श्रीमती श्यामादेवी	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	(प्रधान कैशियर, के० बी० बैंक, इन्दौर शाखा)
		३६	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पद्मचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, आदर्श क्लोथ मिल्स, खा०
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री धर्मचन्द	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस, महावीर गोटा फेक्ट्री,
	श्री सुमनचन्द	१६	पुत्र	नवी	अवि.	मराफा बाजार
	श्री पारस कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० मनोरमा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
१६२—	श्री रत्नचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	हैंडलूम दरी भण्डार, सराफा बाजार
	श्रीमती अमूरीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० सुमनलता	१५	पुत्री	नवी	अवि.	
१६३—	श्री लक्ष्मीनारायण गोलालारे	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सीताबाई	२८	पत्नी		वि.	
१६४—	श्री शीतलचन्द गोलापूरव	४१	मुखिया	B.A.M.S.	वि.	व्याख्याता, शासकीय आयुर्वेद
	श्रीमती मशीकला	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	महाविद्यालय, ग्वालियर
	श्री मन्धर कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
१६५—	श्री यादव चन्द्र नेगी	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती राजाबाई	२०	पत्नी	एम. ए.	वि.	

भाऊ का बाजार :—

१६६—	श्री सुरेशकुमार वर्मा	१६	मुखिया	हायर सेकंड्री	अवि.	सर्विस, यूनाइटेड कर्मागियल बैंक
	श्री सुरेशचन्द	१८	भाई	नवी	वि.	लि०, सराफा बाजार
	श्रीमती मुझीबाई	१६	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई		अवि.	
	श्रीमती हंसो बाई	४०	मा		विधवा	
	श्रीमती पुनिया बाई	६०	बुआ		विधवा	
१६७—	श्रीमती सोना बाई वर्मा	४२	मुखिया		विधवा	किराना व्यापारी, छत्री मन्डी
	श्रीमती चिरोजी बाई	४५	बहन		विधवा	
	श्रीमती अजुद्धी बाई	७०	मा		विधवा	
१६८—	श्री गुलाबचन्द जी वर्मा	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
१६९—	श्री मट्टूलाल जी वर्मा	६५	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री भरोसीलाल जी	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामकलीबाई	३०	पुत्र वधू	छठी	वि.	
२००—	श्री मथुरादास जी नरपतिया	६७	मुखिया		विधुर	साहूकारी
	श्री प्रकाश चंद जी	३५	पुत्र		वि.	

श्रीमती.

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरोजबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
२०१—	श्री मांगीलाल जी	६२	मुखिया		वि.	मुनीम दही मण्डी
	श्रीमती रतनबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द्र	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	श्रीमती श्रीमती:-
२०२—	श्री हरेन्द्रकुमार जैन कटेरा	२१	मुखिया	इंटर D.M.B.	अवि.	सर्विस जैन औषधालय
२०३—	श्री जिनेश्वर प्रसाद लम्हेचू	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मिण्टान भंडार
	श्रीमती कौशाली देवी	३५	पत्नी		वि.	
२०४—	श्री गुलाब चन्द्रजी पांडया	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	किराता
	श्रीमती रतन देवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री मोहन लाल	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी मुष्ठी	१७	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती श्यामा देवी	६५	माँ		विधवा	
२०५—	श्री कस्तूर चन्द सोनी	६५	मुखिया		अवि.	बैंकर्स
२०६—	श्री मोतीलाल पांडया	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजकुमारी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
	श्री वंशेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
२०७—	श्री महेन्द्र कुमार गोधा	५०	मुखिया	माठवी	वि.	महेन्द्र प्रिंटिंग प्रेस
	श्रीमती अशर्की बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बसन्त कुमार	३०	पुत्र	B.Com ,L.L.B.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिस्स
	श्रीमती कुन्धा देवी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्र कुमार	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री धर्मेन्द्र कुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मनोज कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
	कुमारी सविता	१४	पुत्री	सातवीं	अवि.	
२०८—	श्री नारायणदास	७२	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस
	श्रीमती गणेशी बाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री चेतन कुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती बनारसी बाई	३७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भूपेन्द्र कुमार	२०	पोसा	B.Com	अवि.	सहयोग वस्त्र भण्डार, दही मण्डी
	श्री सन्तोष कुमार	१७	पोसा	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी दमयन्ती	१८	पोसी	B. A.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२०६—	श्री चांदमल पाटनी श्रीमती चांदमल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस में. चांदमल कामची, मयाबाजार
२१०—	श्री साराचन्द्र वर्मा श्रीमती राजमती	३०	मुखिया		वि.	कपड़े की दुकान, कटपीस कटरा, दहीमन्डी, दोसतगंज ग्वालियर
	श्री बानूलाब श्रीमती सुशीलादेवी	२४	भाई	M. Sc.	वि.	
	श्री कुन्दन लाल श्रीमती शकुन्तला	२०	भाता बघू	मिडिल	वि.	
	श्री सनतकुमार	२१	भाई	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१६	भाता बघू		वि.	
२११—	श्री जयदेव परवार श्रीमती शान्तीदेवी	२४	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस ए. जी. आफिस मोतीमहन
	श्री अश्वनीकुमार श्रीमती रानी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रानी	१८	भाई	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती रानी	१५	भाता बघू		वि.	
२१२—	श्री देवेन्द्र कुमार गो १ श्रीमती बाबो बाई	४५	मुखिया	B. A.	वि.	सर्विस, गमवाल फेक्ट्री
	श्रीमती बाबो बाई	४२	पत्नी		वि.	
२१३—	श्री चेतनमल पाडया श्रीमती कस्तूरी बाई	७५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कस्तूरी बाई	६०	पत्नी		वि.	
२१४—	श्रीमती कोकाबाई गोधा	६०	मुखिया		विधवा	
२१५—	श्री राजकुमार जैसवाल श्रीमती वैजयन्ती बाई	१६	मुखिया	हा० से०	अवि.	सर्विस
	श्रीमती वैजयन्ती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्रीमती गोराबाई कुमारी प्रभाबाई	६०	दादी		विधवा	
	कुमारी प्रभाबाई	१४	बहिन		अवि.	
२१६—	श्रीमती ओछीबाई दीवान जैसवाल	६०	मुखिया		विधवा	
२१७—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	चाट का शोधना
२१८—	श्री नेमोचन्द्र जैसवाल श्रीमती प्रेमवती बाई	२३	मुखिया	दसवीं	वि.	चाट का खोंमना
	श्रीमती प्रेमवती बाई	२१	पत्नी	पाचवी	वि.	
	श्री जयकुमार श्री विजय कुमार	१७	भाई	नवी	अवि.	
	श्रीमती राधा बाई	१५	भाई	आठवी	अवि.	
	श्रीमती राधा बाई	५५	नानी		विधवा	
२१९—	श्री शिखरचन्द्र गोधा श्रीमती सुशीला बाई	२७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सुशीला बाई	२३	पत्नी	छठवी	वि.	
२२०—	श्री तेज नारायण गोधा श्रीमती कंचन बाई	३६	मुखिया	दसवीं	वि.	गोधा के-टीन, जयाजी चौक, लक्ष्मर
	श्रीमती कंचन बाई	३२	पत्नी	पाचवी	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीबिका विवरण
	श्री मोहन कृष्ण	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी जयश्री	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेश चन्द्र	१४	पुत्र	आठवीं	अवि.	
२२१—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३६	मुखिया	M.B.B.S., M.S.	वि.	सर्जन, जे.ए. हास्पीटल; ध्याख्याता, गजराराजा मेडीकल कॉलेज (मिबास-फोन नं० २१२०)
	श्रीमती किरण देवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री विजय कुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री कुन्दनसाल	६५	पिता		विधुर	
२२२—	श्री मनोहरलाल पाण्ड्या	४६	मुखिया		वि	सोते चाँदी का व्यवसाय, सराफा बाजार
	श्रीमती राजकुमारी बाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस
	कुमारी मधुबाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२२३—	श्री चन्द्रसेन जी गोनश्रंगारीय	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, पी० डब्लू० डी०
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	
२२४—	श्रीमती राशमनीबाई	७५	मुखिया	जैन शिक्षा	विधवा	
२२५—	श्री महेश कुमार परवार	२०	मुखिया	बी० ए०	अवि.	सर्विस, ए० जी० ऑफिस.
	श्रीमती बाई	४५	माँ		विधवा	
	श्री चकनेश कुमार	१४	भाई	८ वीं	अवि.	
२२६—	श्री फूलचन्द रावका	४५	मुखिया		विधुर	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	जैन धृत भण्डार
२२७—	श्री कन्हैयालाल पाड्या	४८	मुखिया	५ वीं	वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमाला बाई	३६	पत्नी	४ वीं	वि.	
	कुमारी कुसुम	१५	पुत्री	८ वीं	अवि.	
२२८—	श्री रामचरन जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती बर्फीबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	आठवीं	वि.	पान की दुकान
	श्रीमती विमलाबाई	१५	पुत्र बधु		वि.	
	श्री रेशमचन्द	१४	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	कुमारी विद्या बाई	१५	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२२९—	श्री मुन्नालाल जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती शारदा बाई	२४	पत्नी	६ वीं	वि.	
	श्रीमती चमेली बाई	५०	माँ		विधवा	
२३०—	श्री नरथीलाल जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार
	श्रीमती गैबा बाई	३७	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री मूलचन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नी बाई	१४	पुत्री	पांचवीं	अवि.	
	श्रीमती लच्छो बाई	६८	माँ		विधवा	
२३१—	श्री मोतीलाल गोधा	३२	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	गस्ले का व्यवसाय
	श्रीमती शान्ति देवी	२८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	
	कुमारी शारदा बाई	१४	पुत्री	प्रा. शि.	अवि.	
	श्री कमल चन्द	२४	भतीजा	मिडिल	वि.	सर्विस, ठाठीपुर अस्पताल
	श्रीमती पद्मा बाई	१७	भतीज बधू	११ वीं	वि.	
२३२—	श्री बाबूलाल छावडा	५५	मुखिया	B. A.	विधुर	अध्यापक, बड्डमान विद्यालय,
	श्री पदम चन्द	३०	पुत्र	M. A	वि.	सर्विस, सिविल सर्जन आफिस, रवा.
	श्रीमती तारादेवी	२६	पुत्र बधू	किडिल	वि.	
	कुमारी प्रमलता	१४	पोती	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्र कुमार	२१	पुत्र	११ वीं	अवि.	सर्विस, म. प्र. राज्य परिवहन.
२३३—	श्री फूलचन्द जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	हलवाई'
२३४—	श्री गोपीलाल बोहरा	४५	मुखिया		विधुर	मुख्य लेखाधिकारी, जयविलास महल
	श्री नेमीचन्द	२२	पुत्र	B. Com	वि.	सर्विस, के.बी. बैंक, जयेन्द्रगञ्ज शाखा
	श्रीमती कंचन बाई	२०	पुत्र बधू	मिडिल	अवि.	
	श्री पारस कुमार	१६	पुत्र	B.Com II	वि.	
	कुमारी पवन	१६	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
	कुमार पुष्पा	१५	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२३५—	श्री मानकचन्द बोहरा	५०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१८	पुत्र	११ वीं	अवि.	किराना व्यापारी
	कुमारी कुसुम	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
२३६—	श्री मोतीलाल बोहरा	३५	मुखिया		अवि.	सर्विस, गंगवाल फैक्ट्री
	श्रीमती फूमी बाई	६०	माँ		विधवा	
३६७—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	४४	मुखिया		वि.	अनाज की दुकान
	श्रीमती जैनोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुञ्जालाल	२२	पुत्र	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती आनन्दी बाई	१६	पुत्र बधू	११ वीं	वि.	
२३८—	श्री महेन्द्रकुमार पारस	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, यू० को० बैंक
	श्रीमती प्रमलता	३५	पत्नी	८ वीं	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीबिका विवरण
	श्री देवेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A.	वि.	सविस
	श्रीमती लीला जैन	१८	पुत्र वधू	B. A. I	वि.	
	कुमारी बिमला	२०	पुत्री	B. A.	अवि.	
	कुमारी शशि प्रभा	१६	पुत्री	१० वीं	अवि.	
	कुमारी मनोरमा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२३६	श्री बन्नी प्रसाध जैसवाल	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्रीमती रतन देवी	४५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री प्रकाश चन्द्र	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सविस,
	श्रीमती प्रभा देवी	१६	पुत्र वधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१६	पुत्र वधू	३ वीं	वि.	
	श्री पदम चन्द	१५	पुत्र	६ वीं	अवि.	
२४०	श्री लक्ष्मणदास जी जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	श्रीमवा नमकीन
	श्रीमती लक्ष्मणदास	५५	पत्नी		वि.	
	पुत्र (लक्ष्मणदास जी)	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुत्र वधू	२४	पुत्र वधू		वि.	
२४१	श्री फूलचन्द जी	४८	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	नमकीन
	श्रीमती कुबंरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द जी	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुलोचना	२४	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
२४२	श्री सन्तलाल जी बिलाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान
	श्रीमती चमेलीबाई	५२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	श्री क्रान्तिकुमार जी	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	एकाउन्टेन्ट, मलेरिया विभाग
	श्रीमती कान्ताकुमारी	२५	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार जी	२१	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सविस, मलेरिया विभाग.
	श्री नरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	
	कु० मन्दर कुमारी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० शशि	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२४३	श्री विजयकुमार परिवार	२०	मुखिया	हा० से०	अवि.	व्यापार
	श्री सुरेशचन्द्र	१८	भाई	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१६	भाई	१० वीं	अवि.	
	श्रीमती गोरीबाई	३६	माँ		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२४४—	श्री कपूरचन्द परमार	३५	मुखिया	B.A., L.L.B.	वि.	सर्विस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती कान्तीदेवी	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द जी	३४	भाई	M.B.B.S.	वि.	सर्विस, जे. सी. मिस्स अस्पताल
	श्रीमती प्रेमलता	२६	आता वधु	M.B.B.S	वि.	डा०—सरकारी अस्पताल, डबरा
	श्रीमती मधुरा बाई	६५	माँ		विधवा	
	श्री प्रेमचन्द	४२	भाई		विधुर	
२४५—	श्री रामस्वरूप जैसवाल	३५	मुखिया	B. Sc.	वि.	मर्विस, शासकीय प्रेस
	श्रीमती सरोज बाई	३०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी गीता	१४	पुत्री		वि.	
२४६—	श्री हुकुमचन्द जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकान फिराना
	श्रीमती सरस्वती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रीतमचन्द	२३	भाई	B.Sc. I	वि.	
	श्रीमती सुमित्रा बाई	१६	आतावधु	मिडिल	वि.	
	कुमारी मुन्नी	१४	पुत्री	७ वी	अवि.	
	श्रीमती मधुरा बाई	५५	माँ		विधवा	
२४७—	श्री जयचन्द खरीआ	४५	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती अनारोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	२१	पुत्र	B. Sc.	वि.	
	श्रीमती मोतीरानी	१६	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	१८	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मायादेवी	१४	पुत्रवधु	प्रा० शि०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	श्री अशोक कुमार	१४	पुत्र	६ वीं	अवि.	
२४८—	श्री बसन्तलाल बिलाला	४५	मुखिया	मेडिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सूरज बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेडिक	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पुत्र	B. com. I	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२४९—	श्री मंगीबाल अग्रवा	५०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती मगो बाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२२	पुत्र	११ वीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
	श्री बिमलचन्द	१६	पुत्र	१० वीं	अवि.	

परिवार- संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५०—	श्री चाँदमल पाडया	५०	मुखिया	प्रा. शि.	वि.	
	श्री चम्पालाल	२३	पुत्र	B. Com.	वि.	सर्विस, P. W. D., मोतीमहल
	श्रीमती मंजू लता	१९	पुत्रवधू	१० वीं	वि.	
२५१—	श्री मानिकचन्द भोंव	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, अग्रवाल कैमि क्लस, सराफा
	श्रीमती अंगूरी बाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री देवेन्द्र कुमार	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, फूड आफिस कलैक्ट्रेट, गारखी
	श्रीमती सरोज बाई	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कुमारी मधु	१७	पुत्री	B. A. II	अवि.	
२५२—	श्री पूरनचन्द पाण्डया	४५	मुखिया	मिडिल	विधुर	दुकान किराना, दाना ओली
	श्री बिमल कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मुर्झा देवी	१९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२५३—	श्री सुमेरचन्द्र जी वैद्य	४५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	एकाउन्टेन्ट, बाटर वर्क्स, ग्वालियर
	श्री पारस कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हुकम चन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पदम चन्द	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री धर्म चन्द	१५	पुत्र	आठवीं	अवि.	
	श्री प्रकाशचन्द	१४	पुत्र	छटवीं	अवि.	
	श्रीमती फत्तिबाई	६४	माँ		विधवा	
२५४—	श्री श्रीपत जैसवाल	३७	मुखिया	प्रा० शि०	वि.	श्री का व्यवसाय
	श्रीमती कलावती	२९	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
	कुमारी कुमुम	१५	पुत्री		अवि.	
	श्री लालाजी राम	५८	पिता		विधुर	
२५५—	श्री रामदयाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, गवर्नमेन्ट लेण्ड रिक्कार्ड
	श्रीमती अजुद्धीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२९	पुत्र	B. A. I.	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री बिमलचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
२५६—	श्री छेमचन्द जैसवाल	३६	मुखिया		अवि.	हलवाई
२५७—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हलवाई की दुकान, दानाओली
	श्रीमती सुनहरीबाई	३५	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२५८—	श्री ज्ञानचन्द पाडया	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती सुगनकुमारी	२९	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
२५६—	श्री बिलोकचन्द बोहरा	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	एकाउन्टेन्ट, जे. सी. वि., बिरलानगर
	श्रीमती सूरजबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	बी० कॉम	वि.	
	श्रीमती सरोजबाई	१८	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेंद्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री मोतीलाल	५०	माई	मिडिल	वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स, सराफा
	श्री मानकचन्द	४८	माई	मेट्रिक	वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन, सेल्स विभाग
	श्रीमती अगूरीबाई	४०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेन्चुरी मिल्स रिटेल शाप, सराफा
	श्रीमती सुधारानी	२०	भतीजवधू	मेट्रिक	वि.	
	कुमारी ललिता	१६	पुत्री	६ वी	अवि.	
२६०—	श्री सुरेन्द्रकुमार जी पाण्ड्या	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सूरजबाई	६०	मां		विधवा	
२६१—	श्री मोतीलाल अजमेरा	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२६२—	श्री जलधारी जैन	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सॉमबा नमकीन
	श्रीमती इन्द्रारानी	२८	पत्नी		वि.	
२६३—	श्री मोतीलाल पाण्ड्या	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने चांदी की दुकान (फोन २०७१)
	श्रीमती कोकिलाबाई	४७	पत्नी	६ वी	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	पुत्र	बी० कॉम II	अवि.	
२६४—	श्री स्वरूपचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	बैद्य	वि	सहायक वैद्य, आयुर्वेदिक औषधालय
२६५—	श्री पूरनचन्द जी बरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस, पोस्ट आफिस, जयेन्द्रगज
	श्रीमती सुकमाबाई	३५	पत्नी		वि.	
	कुमारी विद्या	१६	पुत्री	८ वी	अवि.	
२६६—	श्री गोपीचन्द पाटनी	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	प्रमुख सञ्चालक, युनाइटेड कं. बैंक,
	श्रीमती रतनबाई	४८	पत्नी	प्रा. शि.	वि.	सराफा बाजार शाखा
	श्री पद्म कुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम	वि.	सर्विस-यू० को० बैंक, मिण्ड माला
	श्रीमती विमलाकुमारी	१८	पुत्र वधू	११ वी	वि.	
	श्री शान्तिकुमार	२१	पुत्र	D. M. E.	अवि.	
	श्री सुधाशकुमार	१४	पुत्र	१० वी	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१६	पुत्री	बी. ए.	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	वयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	असजीविका विवरण		
२६७—	श्री विमलकुमार छाबड़ा	३२	मुक्तिवा	मेट्रिक	वि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचंद- धंगवाल, मयाबाजार		
	श्रीमती राजकुमारी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.			
	श्री कमलकुमार	२८	भ्राता	मेट्रिक	वि.			
	श्रीमती स्वमणी बाई	२२	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.			
२६८—	श्री सागरचन्द्र बहुजात्या	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-साराफा बाई, जयलपुर, सर्विस-बीबाजीराव काटन मिल्स, ' बिरलानगर शासकीय सेवा शासकीय सेवा सर्विस-कृष्णराम बल्देव बैंक लि० सर्विस-ए. जी. आफिस सर्विस जनरल स्टोर्स, जयाजी चौक रेल्वे विभाग झांसी		
	श्रीमती कंचनकुमारी	४०	पत्नी	प्रा० शि०	वि.			
	श्री रत्नचन्द्र	४५	भ्राता	मेट्रिक	वि.			
	श्रीमती शान्तिदेवी	४०	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.			
	श्री श्रेयान्सकुमार	२०	भतीजा	B. E.	अवि.			
	कुमारी ऐला	१८	भतीजी	बी. ए.	अवि.			
	श्री उदककुमार	१७	भतीजा	बी.एस.सी. II	अवि.			
	कुमारी मंजूलता	१४	भतीजी	मिडिल	अवि.			
	श्री शीतलचन्द्र	३८	भ्राता	मेट्रिक	वि.			
	श्रीमती तारादेवी	३२	भ्राता वधू	प्रा. शि.	वि.			
	श्री कुशलचन्द्र	३४	भ्राता	इंटर	वि.			
	श्रीमती कंचनकुमारी	२६	भ्राता वधू	मिडिल	वि.			
	श्रीमती मोतीबाई	६८	मां	प्रा० शि०	विधवा			
	श्री वसन्तकुमार	३०	भ्राता	बी० काम०	वि.			
	श्रीमती शान्तिदेवी	२६	भ्राता वधू	एम. म्यूज.	वि.			
	श्री अजितकुमार	२६	भ्राता	एम० ए०	वि.			
	श्रीमती सितारादेवी	२४	भ्राता वधू	मिडिल	वि.			
	श्री चन्द्रकुमार	२४	भ्राता	एम. एस. सी.	वि.			
	२६९—	श्री मानिकचन्द्र सोनी	५०	मुखिया	मेट्रिक		वि.	अनरल स्टोर्स, जयाजी चौक रेल्वे विभाग झांसी
		श्रीमती रतनबाई	४५	पत्नी			वि.	
श्री मोतीलाल		४५	भाई	मिडिल	वि.			
श्रीमती हीराबाई		४२	भ्रातावधू		वि.			
श्री कैशरीमल		२२	पुत्र	हा० से०	वि.			
श्रीमती सरोज		२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.			
श्री धर्मचन्द्र		१६	पुत्र	बी. काम.	अवि.			
२७०—	श्री गोपीचन्द्र बरैया	५२	मुखिया		वि.	व्यापार		
	श्रीमती कोसाबाई	५०	पत्नी		वि.			
२७१—	श्री लक्ष्मीनारायण जैसवाल	४०	मुखिया	बी० ए०	वि.	इंफण्टस-मैन, ट्रान्सपोर्ट आफिस		
	श्रीमती शान्तिदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.			

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
	श्री पुष्पेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२७२—	श्री गण्धालाल जैसवाल	७४	मुखिया		वि.	घी की दुकान
	श्रीमती मनियाबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री मानिकचन्द	३५	पुत्र	प्रा० शि०	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	३२	पुत्र वधू	प्रा० शि०	वि.	
	श्री श्रवणलाल	३२	भतीजा	D. E. E.	वि.	सुपरवायजर, म प्र. विद्युत प्रमंडल
	श्रीमती कुसुमकुमारी	१८	भतीजवधू	प्रा. शि.	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	भतीजा	B.E. II	अवि.	
	श्री पुतनलाल	२०	भानजा	B. Com. L. L. B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस
	श्रीमती घनवन्ती कुमारी	१६	पुत्रवधू	६ वी	वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
२७३—	श्री नेमीचन्द जैन	४०	मुखिया		वि.	दुकान किराना
	श्रीमती बैजयन्तीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लालचन्द	१६	पुत्र	बी० काम	वि.	
	श्रीमती विमलेशकुमारी	१५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमत्तचन्द	१५	पुत्र	११ वीं	अवि.	
	कुमारी मुन्नीबाई	१४	पुत्री	७ वीं	अवि.	
२७४—	श्री सरमनलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खेती बाड़ी
	श्रीमती सोनाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२५	पुत्र		अवि.	सर्विस--अमर प्रिंटिंग प्रेस
	श्री निर्मलकुमार	२२	पुत्र		अवि.	
	कुमारी कुसुमबाई	१४	पुत्री		अवि.	
२७५—	श्रीउत्तमचन्द बैनाडा	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमला देवी	३२	पत्नी	प्रा० शि०	वि.	
२७६—	श्री राधामोहन सिंघई	३७	मुखिया	इन्टर	वि.	मे० विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त
	श्रीमती जानकीदेवी	३५	पत्नी	८ वीं	वि.	का ताजिया, फोन नं० २२१५
	श्री विजयकुमार	१४	भतीजा	१० वीं	अवि.	
२७७—	श्री उपसेन जैन	३८	मुखिया	B. Com L. L. B.	वि.	सर्विस-म० प्र० शा० जीवन बीमा
	श्रीमती सरोजकुमारी	३५	पत्नी	११ वीं	वि.	
	कुमारी मृदुला	१७	पुत्री	११ वीं	अवि.	
२७८—	श्री हीरालाल लुहाड़िया	६१	मुखिया	मिडिल	वि.	मेनेजर-भेसर्स-मन्दराम नारायणदास
	श्रीमती बेलनबाई	५२	पत्नी	५ वीं	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३१	पुत्र	१२ वीं	वि.	ठेकेदार (बतिया)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्दाबाई	२७	पुत्रवधू	= वीं	वि.	
	श्री बाबूलाल	२३	पुत्र	B. Com. II	अवि.	ठेकेदार
२७६—	श्री चन्द्रमोहन पाटनी	२३	मुखिया	M. B. B. S.	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१६	पत्नी	११ वीं	वि.	
२८०—	श्री कपूरचन्द छाबड़ा	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-मालियर इलेक्ट्रिक जनरल
	श्रीमती फूली बाई	५०	पत्नी		वि.	स्टोर्स, सराफा बाजार
	श्री वीरेन्द्रकुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	३०	पुत्रवधू	६ वीं	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	१० वीं	अवि.	
	श्री सुरजकुमार	१७	साले का पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
२८१—	श्रीमती रज्जोबाई वैद्य	४०	मुखिया		विधवा	
२८२—	श्री नेमीचन्द वरैया	४०	मुखिया		वि.	इलेक्ट्रिक फिटिंग वर्क्स
	श्रीमती किरणदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती श्रीला देवी	१६	पुत्र वधू		वि.	
२८३—	श्री पूरनचन्द जैसवाल	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान विक्रेता, दानाधोली
	श्रीमती स्नेहलता	२२	पत्नी	६ वीं	वि.	
२८४—	श्री शीतलप्रसाद वैनाड़ा	२५	मुखिया	नवी	वि.	पिस्टन मैन्यू-फैक्चरर्स, इन्दरगंज
	श्रीमती मुन्नीबाई	२१	पुत्री		वि.	
२८५—	श्री नेमीचन्द गगवाल	४३	मुखिया		विधुर	सर्विस-वर्म-कांटा, सराफा बाजार
	श्री मानिकचन्द	३८	भाई		वि.	सर्विस-मलेरिया विभाग
	श्रीमती शान्तीबाई	३४	भ्राता वधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
२८६—	श्री गुलाबचन्द चांदवाड़	७२	मुखिया		वि.	साहूकारी
	श्रीमती गैदाबाई	६०	पत्नी		वि.	
२८७—	श्री कौशलकिशोर दीवान	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि.	
	डा० शान्तिकुमार	३०	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	ठाठीपुर डिस्पेन्सरी
	श्रीमती सुधा	२०	पुत्र वधू	बी० ए०	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	२३	पुत्र	एम. बी. बी. एस.	अवि.	सर्विस
	श्री नरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	बी. एस. सी. I	अवि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	१६	पुत्र	नवी	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी शीला	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
२८८—	डा० जुमलकिशोर दीवान	५५	मुखिया	M. B. S. S.	वि.	मेडीकल आफिसर, माधव डिस्पेंसरी
	श्रीमती राजकुमारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	२६	पुत्र	एम.बी. बी.एस.	अवि.	सी. एम. ओ., माधव डिस्पेंसरी, लखर
	कुमारी विमला	२०	पुत्री	M. B. S. S. III	अवि.	
	कुमारी शकुन्तला	१८	पुत्री	बी० ए० I	अवि.	
	श्री महेशचन्द	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
२८९—	श्री कैलाश बाबू दीवान	४०	मुखिया		वि.	एकाउन्टेन्ट, वटनरी डिपार्टमेन्ट
	श्रीमती फूलवती	३५	पत्नी		वि.	
२९०—	श्री मानकचन्द पाटोदी	४७	मुखिया	मिडिल	वि.	सब्स्य, सेन्ट्रल इन्डिया कर्मागियल
	श्रीमती मोतीदेवी	४४	पत्नी		वि.	एक्सचेंज लि०, ग्वालियर
	श्री नरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र		अवि.	
२९१—	श्री नानकराम दीवान	२२	मुखिया	हा० से०	अवि.	
२९२—	श्री कस्तूरचन्द गंगवाल	६१	मुखिया		विधुर	सर्विस, -ग्वालियर गोटा फौजदारी
	श्री भागचन्द	३२	पुत्र		वि.	सर्विस, -नगर पालिका निगम
	श्रीमती मंगदेवी	२५	पुत्र वधू		वि.	
	श्री हृकमचन्द	२८	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री उत्तमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	व्यापार
२९३—	श्री लखमीचन्द कासलीवाल	६०	मुखिया		विधुर	व्यापार
२९४—	श्री सोभाग्यमल कासलीवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि	आन्दोमल राजमल सर्दाफ, सोने-
	श्रीमती कमला बाई	३२	भ्राता वधू	मिडिल	विधवा	चांदी का व्यवसाय
	श्रीमती मिमलाबाई	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री हृकमचन्द	२४	आई	बी.एस.सी. I	वि.	
	श्रीमती निर्मलाबाई	१९	भ्राता वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजयकुमार	१९	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री धनयकुमार	१६	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	श्री अजित कुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० अपुररानी	१८	भतीजी	बी० ए०	अवि.	
	कु० बलित रानी	१७	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० विनीता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६०	मां		विधवा	
२९५—	श्री केसरीमल गोषा	४५	प्रमुख	मेट्रिक	वि.	डेकेदार
	श्रीमती गुलाबबाई	७५	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री जिनेंद्रकुमार	१६	पुत्र	बी. काम. I	अवि.	मे० चांदमल फूनचन्द, बल व्यापारी
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	सराफा बाजार
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२६६—	श्री नेमीचन्द बरैया	३६	मुखिया		वि.	मे. नेमीचन्द सुरेसचन्द, कपड़े का
	श्रीमती कंडीबाई	३०	पत्नी		वि.	व्यावसाय, जीवाजी चीरू, लश्कर
	श्री सुरेसचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
२६७—	श्री सुगनचन्द पाटनी	६३	मुखिया		वि.	भासकीय ठेकेदार
	श्रीमती कपूरी देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री बसन्तकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
२६८—	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्रेता
	श्रीमती गुरुलोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री खेमचन्द	३२	पुत्र		अवि.	
	कु. पदमा	१३	पुत्री		अवि.	
२६९—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	४१	मुखिया	B A., LL.B.	वि.	उप-अधीक्षक, कार्यालय सैन्य भागीय
	श्रीमती पूणिमा	३०	पत्नी		वि.	आयुक्त रवालियर
	श्री माधूलाल	२५	भाई	मिडिल	अवि.	सर्विस-शासकीय आयुर्बेदिक फार्मसी
३००—	श्री रामदयाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती इमरती बाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	७०	मा		विधवा	
३०१—	श्री अमरचन्द बरैया	६५	मुखिया		वि.	मकानों की दलाली
	श्रीमती इमरती बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नत्थीलाल	१७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीला देवी	१४	पुत्रवधू		वि.	
३०२—	श्रीमती सरस्वती बरैया	७०	मुखिया		विधवा	श्री विक्रेता
३०३—	श्री नत्थीलाल	३५	मुखिया	एम.ए.	वि.	प्र. अ., हस्तिनापुर मिडिल स्कूल,
	श्रीमती स्वर्णलता	२१	पत्नी		वि.	लखिसपुर (म. प्र.)
३०४—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	३०	मुखिया	M.A., LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती विमला	२४	पत्नी		वि.	
३०५—	श्री बिमलचन्द दोषी	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीबिका विवरण
	श्रीमती विमला देवी	३०	पत्नी	विद्या-विनोदनी	वि.	
	कुमारी रेखा	१७	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी शशि	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३०६—	श्री तोताराम जैसवाल	२०	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती जमुना देवी	४६	माँ		विधवा	
३०७—	श्रीसौभाग्यमल विलाला	३५	मुखिया		वि.	सविस-गगवाल इन्डस्ट्रीज, ग्वा०
	श्रीमती लक्ष्मी देवी	२९	पत्नी		वि.	
३०८—	प्रो. लालचन्द्र जैन	४३	मु०	M.A., M.Com., LL.B M.B.A. (नूयार्क)	वि.	प्रो०, महारानी लक्ष्मीबाई कालेज, लखर
	श्रीमती कान्ता बाई	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कुमारी मधुवाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ऋषभ कुमार	२२	साला	बी.एस.सी.	अवि.	
३०९—	श्री 'फूलचन्द सोनी	४५	मुखिया		वि.	मे. लक्ष्मीचन्द राजकुमार
	श्रीमती कमला बाई	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र विक्रेता, नया बाजार
	श्री देवेन्द्र कुमार	२६	पुत्र		अवि,	
	श्री नरेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B.A.LL.B.	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३१०—	श्री चिरोजीलाल गोषा	४०	मुखिया		वि.	शासकीय ठेकेदार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री कमल किशोर	१६	पुत्र	D.T.T.	अवि.	
	श्री विमल कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३११—	श्री मोतीलाल वज	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	सविस-ग्वालियर इन्डस्ट्रीयल कारपोरेशन, जयगन्धगज
	श्रीमती कुसुम	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सीजा बाई	५०	माँ		विधवा	
३१२—	श्री सोभाग्यमल गोषा	६०	मुखिया		विधुर	सविस-बिरला पाईपफिटिंग, दोलतगज
	श्री रूपचन्द	३०	पुत्र	बी. ए. II	वि.	सविस-वाटर वर्क्स, एवं किराना
	श्रीमती पुष्पा देवी	२८	पुत्रवधु		वि.	व्यापारी दाना ओली
३१३—	श्री महावीर प्रसाद बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सविस-ग्वालियर रेजम
	श्रीमती कुसुमलता	१६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्रीमती दक्खी बाई	५०	माँ		विधवा	
३१४—	श्री तेजीचन्द मडारी	२२	मुखिया	एम. ए.	वि.	सविस-बैंक ऑफ इण्डिया, दाल-

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मुझीदेवी	१६	पत्नी		वि.	बाजार, जशकर
३१५	श्री रमेशचन्द वरैया	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सिमकौ, बिरलाभगर
	श्रीमती माया देवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३१६	श्री शान्तीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वस्त्रों की दुकान, सुभाष मार्केट
	श्रीमती पार्वती बाई	२०	पत्नी		वि.	
३१७	श्री मुसालाल वरैया	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम भैरोदान चौसूलाल सराफ,
	श्रीमती कपूरी बाई	४२	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री सतीश चन्द	२१	पुत्र	बी कॉम.	वि.	
	श्रीमती मुझी देवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भशोक कुमार	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अरुण कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३१८	श्री बसन्त कुमार वरैया	१५	मुखिया		अवि.	
३१९	श्री पुरनचन्द वरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	लजाची, सेंट्रल बैंक आफ इन्डिया
	श्रीमती मुझीबाई	३५	पत्नी	हाईस्कूल	वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३२०	श्री रामजीत वरैया	४५	मुखिया	B A., LL.B.	वि.	एडवोकेट, हाईकोर्ट, म० प्र०
	श्रीमती कपूरी देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अनश्यामदास	२२	पुत्र	हा० से०	वि.	सर्विस
	श्रीमती मशीकला	१६	पत्नी		वि.	
	श्री सुशील कुमार	१८	पुत्र		अवि.	
३२१	श्री सुरेन्द्र कुमार रावका	३५	मुखिया		वि.	सर्विस, बालकिशन तस्तेवाले,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी		वि.	दोलतगंज चौराहा
३२२	श्री रामूलाल चांदवाड	५०	मुखिया		अवि.	सर्विस, मे. लेखराज जमनादाम
३२३	श्री मोतीलाल जैसवाल	६१	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. रामनारायण गोपालदाम
	श्रीमती सोना बाई	५८	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री पुरुषोत्तमदास	२५	पुत्र	B. A.	वि.	टाईपिस्ट हाकोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती कमलावती	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	२२	पुत्र	B. E.	वि.	टेलीफोन ट्रेनिंग सेक्टर, जबलपुर
	श्रीमती सावित्री देवी	२०	पुत्रवधू	B A. I	वि.	
	श्री हरीशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	जैन सोन वर्कर्स, नया बाजार
३२४	श्री शिखरचन्द अगरीया	५८	मुखिया		वि.	मिष्ठान विक्केता
	श्रीमती केशरबाई	५५	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीबिका विवरण
	श्री नरेश कुमार	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सरोज बाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
३२५—	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मे. पन्नालाल गिरधारीलाल, कपड़े के धोक व्यापारी, नया बाजार
	श्रीमती महेन्द्री देवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोक कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मोहनी बाई	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३२६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	मे. बाबूलाल सुरेश चन्द, किराना मर्चेंट, दानाओली
	श्रीमती बाबूलाल	३५	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	२०	पुत्रवधू		वि.	
३२७—	श्री पचराम जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	दूध की डेयरी, दाना ओली
	श्रीमती अनारो देवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२२	पुत्र	B. A. I	वि.	बसक. हाईकोट (म० प्र०)
	श्रीमती प्रेमवती	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	वि.	मिष्ठान विर्कता
	श्रीमती शान्ती बाई	१७	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी पुष्पा	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री दिनेशकुमार	१६	पुत्र		वि.	
३२८—	श्री राजकुमार जैसवाल	२६	मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस, ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती राजकुमारी	१८	पत्नी	इन्टर	वि.	
३२९—	श्री सुगनचन्द गोलसिंधारे	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	श्री के व्यापारी, मोची ओली
	श्रीमती लालीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती भगवानीबाई	८०	माँ		विधवा	
	कुमारी लज्जावती	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३०—	श्री सुगनचन्द बरैया	३२	मुखिया	B. A. I	वि.	सर्विस, मेसर्स पारख एन्ड सन्स, सराफा बाजार
	श्रीमती शीला देवी	२६	पत्नी		वि.	
३३१—	श्री रामबाबू परवार	३२	मुखिया	हा० से०	वि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस, ग्वालियर
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
३३२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	श्री के व्यापारी, दाना ओली
	श्रीमती गेन्दाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द्र	१७	पुत्र		अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३३३	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल श्रीमती विमला	२२	मुखिया पत्नी		वि. वि.	व्यापार
३३४	श्री सुरेशबाबू गंगेरवाल श्रीमती कमला	२८	मुखिया पत्नी	इन्टर मेट्रिक	वि. वि.	सर्विस, कृषि विभाग
३३५	श्री पारस दास बुढ़ेलवाल श्रीमती शकुन्तला	२४	मुखिया पत्नी	B.Com.	वि. वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, जाधव महल, ग्वालियर
३३६	श्री महेशचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M. A.	अवि.	सर्विस, ए. जी. ऑफिस
३३७	श्री किशनलाल बरैया श्री देवीलाल श्रीमती लीलावती श्री हजारीलाल श्रीमती शकुन्तला	५० ४० ३० ३५	मुखिया भाई भ्रातावधू भाई		विधुर वि. वि. वि.	मिष्ठान-विक्रेता
३३८	श्री ओहरीलाल बरैया श्रीमती कपूरीबाई श्री सुषमादेवी	५० ४० १६	मुखिया पत्नी पुत्री	मिडिल	अवि.	सर्विस-गोपालदास हरविलास, इन्द्रगंज
३३९	श्री सुनहरीलाल जैसवाल श्रीमती शान्तिबाई श्री प्यारेलाल	३५ ३० ६०	मुखिया पत्नी पिताजी	मिडिल	वि. वि. विधुर	सर्विस, छेदीलाल फूलचन्द, नयाबाजार
३४०	श्री भवरलाल बड़जात्या श्री कपूरचन्द	५४ ४२	मुखिया भाई		अवि. अवि.	सलाहकार, विक्रय कर मकानों की दलाली
३४१	श्री चौधमल बड़जात्या श्रीमती मुन्नाबाई	३० २५	मुखिया पत्नी		वि. वि.	जल-विभाग, गुना
३४२	श्री चिरंजीलाल बड़जात्या श्रीमती चन्द्रकला कु० भमता श्री पवनकुमार	४० २८ १५ १५	मुखिया पत्नी पुत्री पुत्र	बी० ए० मिडिल मिडिल	वि. वि. अवि. अवि.	नगर पालिका निगम
३४३	श्री शान्तिचन्द वैद्य श्रीमती राजकुमारी श्री प्रकाशचन्द	३५ ३० १८	मुखिया पत्नी लाला	मेट्रिक मेट्रिक	वि. वि. अवि.	सर्विस-नगर पालिका निगम ग्वा. सर्विस
३४४	श्री हजारीलाल बरैया	५०	मुखिया		अवि.	व्यापार
३४५	श्री मोहनलाल बरैया श्री कपूरचन्द श्रीमती विमलादेवी	४८ २५ २२	मुखिया पुत्र पुत्रवधू	इन्टर	विधुर वि. वि.	सर्विस-जैन पाठशाला माधवगंज सर्विस-मलेरिया विभाग, जयन्त्रगंज

स्थापना : १९५६

टेलीफोन : २०८८

उत्तर भारत की एकमात्र विश्वसनीय
निर्माणा शाला में निर्मित:-

औद्योगिक सुगंधियाँ

एवं

अगरबतियाँ

निर्माता:-

भावना केमीकल

एराड

परफ्यूमरी प्राडक्ट्स

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

सुगंध सम्राट:-

भावना स्पेशल अगरबत्ती

सदैव प्रयोग करें !

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३४६—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-हिंद ट्रेडिंग कम्पनी,
	श्रीमती दुलारीबाई	१८	पुत्रबधू		वि.	नया बाजार
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
३४७—	श्री ताराचन्द बरैया	६०	मुखिया		अवि.	किराने की दुकान
३४८—	श्री बिहारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	किराने की दुकान
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
३४९—	श्री कमलकुमार परवार	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक, जैन पाठशाला नया-
	श्रीमती प्रेमकान्ता	३१	पत्नी	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री किशोरीलाल	३३	भाई हा.से.	साहित्यरत्न	वि.	अध्यापक, अनिबायं प्राथमिक विद्या-
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	भ्रातावधू		वि.	लय, जहाँगीर कटरा, ग्वालियर
३५०—	श्री पूरनचन्द्र जैसवाल	३५	मुखिया		वि.	मिष्ठान्न विक्रेता
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२०	पत्नी	हा. से.	वि.	
३५१—	श्री ताराचन्द बरैया	६३	मुखिया	मिडिल	अवि.	किराने की दुकान, साठे की गोठ
३५२—	श्री सुरेश कुमार	१९	मुखिया	B.Sc.II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	६५	दादी		विधवा	
	श्रीमती अगूरीबाई	३५	मां		विधवा	
३५३—	श्री रामचरणलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती कपूरीबाई	२२	पत्नी		वि.	
३५४—	श्री मांगीलाल	२४	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती पदमावती	१८	पत्नी		वि.	
३५५—	श्री मन्मथलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-चिरोजीलाल रामजीलाल,
	श्रीमती कपूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मोनाबाई	७०	मां		विधवा	
३५६—	श्री पारसमल कागदी	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	कागज के व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती पुष्पारानी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	लक्कर
	कु० इन्द्ररानी	१९	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० रञ्जना	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३५७—	श्री लक्ष्मीचन्द्र मिस्तल	५६	मुखिया		वि.	मे० गोपीलाल लक्ष्मीचन्द सराफ
	श्रीमती नारायणीदेवी	५२	पत्नी	मिडिल	वि.	फोन न.-निवास ६७१, दुकान २१६१
	श्री बाबूलाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मे० मोतीलाल बाबूलाल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अनारदेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	डा. रामलाल जैन	३०	पुत्र	एम.बी.बी.एस.	वि.	जैन क्लीनिक, सदर बाजार मुरार
	श्रीमती शीलादेवी	२८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द्र	१४	पुत्र	हाई स्कूल	वि.	लाद्यान्न विक्रेता, दाल बाजार
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२२	पौत्र	B.Sc. II	वि.	
	श्रीमती आशादेवी	२०	पौत्रवधू	B.A.(Pre)	वि.	
	श्री रामकिशन	१८	पौत्र	B.Sc.I	अवि.	
३५८—	श्री गोपीलाल मित्तल	५८	मुखिया	मिडिल	बिधुर	लाद्यान्न विक्रेता, दाल बाजार १५४७
	श्री मोतीलाल	४२	पुत्र	B. A.	वि.	गोपीलाल लक्ष्मीचन्द, सोने/चांदी के व्यापारी, सराफा
	श्रीमती लीलादेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	मे० हरीदास प्रकाश १०३
	श्री रामस्वरूप	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती भगवतीदेवी	३४	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री हरिदास	३४	पुत्र	B. Com	वि.	मे० अशोककुमार मुकेशकुमार
	श्रीमती बर्फीदेवी	२६	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	डॉक्टर छोटे लाल	२६	पुत्र	M. B. B. S.	वि.	जैन क्लीनिक, दानाबोली लश्कर
	श्रीमती सरोजकुमारी	२४	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	
३५९—	श्री. धासीराम जैन	७०	मुखिया	M. Sc. 1926	वि.	रिटा० विभागाध्यक्ष, भौतिकी, माधव
	श्रीमती धासीराम जैन	५५	पत्नी		वि.	इजी० कॉलेज, २२३ थापर नगर, मेरठ
३६०—	श्री प्रकाशचन्द्र अग्रवाल	४५	मुखिया	बी० ए०	वि.	रिटेल शाप, देहली क्लाय मिक्स.
	श्रीमती त्रिवेणीदेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	सराफा बाजार लश्कर, शाहन-सदर
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	बाजार मुरार
	कु० आशा	२०	पुत्री	एम. ए.	अवि.	
	कु० शशि	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
३६१—	श्री ज्ञानचन्द पाटीदी	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कमीशन ऐजेन्ट, सैन्ट्रल इंडिया,
	श्रीमती चमेलीबाई	४२	पत्नी		वि.	कमिश्नियल एक्सचेन्ज, लश्कर
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
३६२—	श्री कल्याणमल कासलीवाल	५५	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती अनारबाई	५२	पत्नी		वि.	
	श्री चांदमल	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	सिलाई का कार्य
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू	हा० से०	वि.	

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री ताराचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस—ग्राजिवर रेवन
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि०	
	श्री विमलकुमार	२२	पुत्र	बी. कॉम	अवि.	सर्विस—ए० जी० आफि।
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नाथूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	सर्विस—साबुन कारखाना
	श्रीमती रतनबाई	३५	पत्नी		वि.	
३६४—	श्री फूलचन्द बरैया	५०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता
	श्रीमती चमेलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस
३६५—	श्री मुरारीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान-विक्रेता, सराफा बाजार
	श्रीमती इमरती देवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२८	भाई		वि.	
	श्रीमती मन्नोदेवी	२२	भ्राता वधू		वि.	
	श्रीमती अनारदेवी	६०	मां		विधवा	
३६६—	श्री प्रेमचन्द अग्रवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे. भग्नमनलाल शीतलप्रसाद, गल्ले
	श्रीमती इलायचीदेवी	२४	पत्नी		वि.	के अयबसायी, दानाओली
	श्री प्रकाशचन्द्र	२५	भाई	मिडिल	वि.	रेडीमेड बदन व्यापारी
	श्रीमती सावित्रीबाई	२३	भ्राता वधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२१	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री शीतलप्रसाद	१८	भाई	हा० से०	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	भाई		अवि	
श्री भोकमचंद जैन मार्ग (गस्त का ताजिया)						
३६७—	श्री मिश्रीलाल पाटनी	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	साहूकारी, ब मेनदेन
	श्रीमती अणफाईबाई	५०	पत्नी		वि	
	श्री सुमेरचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३६८—	श्री सूरजमल पांडया	४०	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	ऑफीसर-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती राजुलदेवी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
३६९—	श्री शान्तीचन्द पाटोदी	३५	मुखिया		वि.	सर्विस मे. गुन्नाबचन्द रेणमचन्द,
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
३७०—	श्री अगस्त्यप्रसाद अग्रवाल	७०	मुखिया		वि.	फर्म-अग्रवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, गस्त
	श्रीमती भ्यासीबाई	६५	पत्नी		वि.	का ताजिया, डोडवाना ओली
	श्री नारायणदास	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-अग्रपुर झूटी करनीचर मार्ट
	श्रीमती राधाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	दैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री गोवर्धनदास	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कान्तीबाई	२०	पुत्र वधू	मेट्रिक	वि.	
	कु० मकुन्तला	२२	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३७१—	श्री भानुकुमार	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	सर्विस
	श्री ऋषभकुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती रत्नेश्वरी	२५	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
३७२—	श्री विनोदकुमार अग्रवाल	४५	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	सर्विस-वन विभाग
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बिस्तोदेवी	७०	मां		विधवा	
३७३—	श्री भगवानदास बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-भगवानदास जीहरीलाल,
	श्रीमती कौशल्याबाई	५०	पत्नी		वि.	गुड़ व भूगफली के थोक व्यापारी
	श्री जोहरीलाल	५२	भाई		विधुर	इन्दरगंज
	श्री सुरेशचन्द	२०	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	१६	भतीजवधू	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशचन्द	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३७४—	श्री हीरालाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	कृषि-कार्य, (बनवार ग्राम)
	श्रीमती चिरोजीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री कपूरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदार
	श्रीमती शीलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	दुकानदारी, (बनवार ग्राम)
	श्रीमती ब्रह्मादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती सुष्मीदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३७५—	श्री कपूरचन्द सोनी	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कम्पाउन्डर, जनकगंज हॉस्पिटल
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पत्नी		वि.	
३७६—	श्रीमती चिरोजीबाई	६०	मुखिया		विधवा	
३७७—	श्री उत्तमचन्द सोनी	४५	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस-भार. जे. एण्ड संस, सराफा
३७८—	श्री भरोसीलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	खोमचा
	श्रीमती कृष्णाबाई	३०	पत्नी		वि.	
३७९—	श्री रामचन्द्र बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	होटल (आंतरी अदालत)
	श्रीमती सीताबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि	
	श्रीमती रक्खोबाई	६०	मां		विधवा	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
३८०	श्री खण्डूराम बरैया	६५	मुखिया		विधुर	
	श्री सतीशचन्द	२८	पुत्र	हा० से०	वि.	कम्पाउन्डर-श्री. मिश्रा का दवाखाना
	श्रीमती जंगूरीबाई	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	पाटनकर बाजार
	श्री राजेन्द्र कुमार	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३८१	श्री फूलचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, विजय रेस्टोरेंट, नई सड़क
	श्रीमती रामप्यारी बाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	खोंमचा
	श्रीमती सागरदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
३८२	श्रीमती बेटीबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कृषिकार्य, (सिरसा ग्राम घाटीगांव)
३८३	श्री रामसिंह बरैया	४०	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती सुमित्रादेवी	७०	मां		विधवा	
	श्री महावीरप्रसाद	२४	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्रीमती सुशीलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
३८४	श्री रतनलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती विसालोबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री सरदारसिंह	१६	पुत्र	हा० से०	वि.	परचूनी की दुकान
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	१५	पुत्रवधू		वि.	
३८५	श्री ख्यालीराम बरैया	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	गायनाचार्य
	श्रीमती बेटीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३८६	श्री बलभद्रप्रसाद जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	खोंमचा, गस्त का ताजिया
	श्रीमती हमरतीदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	कु० मुन्नीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३८७	श्री कृष्णकुमार अग्रवाल	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	
३८८	श्री सौभाग्यमल पाटनी	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती कान्तादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१६	पुत्र	B. Com. I	अवि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
३८९	श्री कपूरचन्द गोषा	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-मे० लालचन्द कपूरचन्द जैन,
	श्रीमती कंचनदेवी	४२	पत्नी		वि.	कन्ट्रोल की दुकान, फालके बाजार
	श्रीमती अचरजदेवी	७०	मां		विधवा	
३९०	श्री बाबूलाल बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० जैन इलेक्ट्रिक वर्क्स,
	श्रीमती भीनाबाई	२६	पत्नी		वि.	डीडवाना ओली

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-------------	--------	----------------	---------------

श्री भीकमचंद जैन मार्ग (डीडवाना ओली)

३६१—	श्री विमलचन्द बाकलीवाल	४०	मुखिया	वि.	फर्म-चन्दरलाल गण्णुलाल, लोहे
	श्रीमती शान्तीबाई	३५	पत्नी	वि.	एवं पाईप के व्यापारी,
	श्री नेमीचन्द	३५	भाई	वि.	डीडवाना ओली (फो. २२८०)
	श्रीमती विमलाबाई	३२	भ्राता वधू	वि.	
	श्रीमती गुलाबबाई	४०	भ्राता वधू	विधवा	
	श्री धर्मचन्द	२४	भतीजा B. Com.	वि.	
	श्रीमती स्नेहलता	१६	भतीजावधू B A.II	वि.	
	श्री अभय कुमार	१७	पुत्र B. Com	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१५	भतीजी	मेट्रिक अवि.	
	श्रीमती केशरबाई	६५	माँ	विधवा	
३६२—	श्री रघुवीर दयाल अग्रवाल	७०	मुखिया	विधुर	फर्म- नेशनल साईकल स्टोर,
	श्री ताराचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक वि.	सराफा बाजार, फो. नं.२०३२
	श्रीमती रामकली	४०	पुत्र वधू	वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२४	पौत्र M. A.	अवि.	फर्म-मे०विजय केमिकल्स, मिन्ड
	श्री बीरेन्द्र कुमार	१६	पौत्र B.Sc. I	अवि.	
	श्री विजय कुमार	१७	पौत्र B. Sc. I	अवि.	
	कु० सरोज	१७	भतीजी M. B. S. II	अवि.	
	श्री प्रमोद कुमार	१५	पौत्र	अवि.	
	श्री सुनील कुमार	१४	पौत्र हा० से०	अवि.	
३६३—	श्री नेमीचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया	मिडिल वि.	फर्म--गुलाबचन्द नेमीचन्द सराफ,
	श्रीमती शान्तीबाई	३०	पत्नी	वि.	सराफा बाजार
	श्री सीताराम	३०	भाई	मेट्रिक वि.	फर्म--गुलाबचन्द सीताराम सराफ
	श्रीमती सूरजबाई	२५	भ्राता वधू	वि.	
	श्री श्रीराम	२६	भाई B. Com.	वि.	फर्म--गुलाबचन्द श्रीराम, वस्त्र
	श्रीमती शान्तीबाई	२२	भ्राता वधू	वि.	व्यापारी, सराफा बाजार
	श्री विमलचन्द	१६	भाई	मेट्रिक अवि,	
	श्रीमती बसन्तीबाई	४५	माँ	विधवा	
३६४—	श्री मोतीलाल अजमेरा	६०	मुखिया	विधुर	सविस्-मोदी ब्रदर्स
	श्री देवेन्द्र कुमार	२४	पुत्र B. Com	अवि.	सविस्-मू. फो. बैंक, डबरा शाखा
३६५—	श्री जय कुमार बड़जात्या	३२	मुखिया	मेट्रिक वि.	सविस्
	श्रीमती पुष्पराजबाई	२७	पत्नी	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
३६६—	श्री कन्हैयालाल अग्रवाल	५६	मुखिया		विधुर	फर्म—पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्री लक्ष्मण दास	३६	पुत्र		वि.	फर्म—लक्ष्मणदास अश्वीकुमार सराफ
	श्रीमती शिवेगीबाई	३४	पुत्र वधू		वि.	
	कु० सेरोज	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री रामजीदास	३०	पुत्र	B. A. LL. B.	वि.	पेट्रोल पम्प, पाटनकर बाजार
	श्रीमती रामकली	२६	पुत्र वधू		वि.	
३६७—	श्रीहृकमचन्द अग्रवाल	४०	मुखिया		वि.	फर्म—पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्रीमती कस्तुरी बाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री रिलवदास	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
३६८—	श्री हीरालाल अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	फर्म—पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
३६९—	श्री रामबाबू अग्रवाल	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म—मे० श्याम मेटल स्टोर्स
	श्रीमती पुष्पाबाई	२०	पत्नी		वि.	
	श्री राजाराम	२३	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रामरतन	२१	भाई	B. A. II	अवि.	
	श्री भगवानदास	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरयोबिन्द	१४	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती असफोबाई	५५	माँ		विधवा	
४००—	श्री लक्ष्मणराम बरैया	६०	मुखिया		वि.	सर्विस, मे. इन्जीनर विमलचन्द जैन
	श्रीमती छोटीबाई	५४	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार
४०१—	श्री फुन्दीलाल बरैया	५५	मुखिया		विधुर	दाससेन का कॉमन्स
	श्री प्रतापचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्म:—जैन इलेक्ट्रिक वर्क्स.
	श्रीमती रामकली	२७	पुत्रवधू		वि.	डीडवाना जोली
४०२—	श्री छोटेलाल अग्ररैया	७६	मुखिया	इन्टर	विधुर	रिटायर्ड
	श्री अशोक कुमार	२०	ना०	B. A. II	अवि.	
४०३—	श्रीमती दासाबाई	५०	मुखिया		विधवा	
	श्री मोहनलाल	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	कम्पाउन्डर, बीमा अस्पताल
	श्रीमती सुषीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैशरीमल	१६	पुत्र	B. A. II	अवि.	

Phone : { Office : 398
Residence : 312

Gram : 'Barjatya'

BARJATYA TRADERS

General Merchants & Commission Agents

Agents :— **PRAG VANASPATI PRODUCTS (GOPI BRAND) ALIGARH**

Behind Purana Mills, Vijaynagar, Hathras (U. P.)

Always Avail Our Services For Purchase or Sale :

**Grains, Pules, Cotton. Oilseeds, Cattle
Fodder, Yanaspati Oils Etc.**

Associated Concern :

SHREE ARIHANT DALL MILLS

Behind Purana Mills, Vijaynagar, Hathras (U. P.)

Manufacturers of Qualitative Pulses By Modern
Scientifically & Hygienically Ways



He's only 5 years old -and already he's earning money!

Smart boy? Maybe. But wiser parents. They opened a Minors' Savings Account in his name with the Bank of Baroda. A present for his last birthday.

When he grows up, he'll have enough money for his education. Medicine? Law? Engineering? Whichever he decides on.

The Bank of Baroda Ltd. can help your child, too, save for his future. Open a Minors' Savings Account in his name today!

- You can start a Minors' Account even with Re. 1...and earn 4% interest p.a.!
- You operate the account till your child is 14 years of age. Then he starts operating it himself—and so begins his education in thrift.



Then shalt forever be prosperous with

The Bank of Baroda Ltd.

(Estd. 1908) Regd. Office: Mandvi, Baroda Over 300 branches in India and abroad.

Please ask for a FREE copy of our 'MAY WE HELP YOU' Booklet at your nearest branch, or write for it.

Ship: bob 11A/67

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

श्रीमती श्रीमती लक्ष्मी

४०४—	श्री रूपचन्द गोधा	४१	मुखिया	B.A.L.L.B.	वि.	सर्विस-बोर्ड आफ रेवेन्यू
	श्रीमती गुणमाला	३८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री हरिश्चन्द्र	३८	भाई	इन्टर	वि.	अध्यापक, जे. सी. मिक्स स्कूल
	श्रीमती प्रेमदेवी	३२	भ्राताबंधु	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	२५	भाई	B. A.	वि.	सर्विस-सांख्यिकीय विभाग, भेलसा
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२२	भाईबंधु	B.A. I	वि.	
	श्री नरेश कुमार	१८	पुत्र	B.Sc. II	अवि.	
	श्री अनिल कुमार	१६	पुत्र	B.Com. I	अवि.	
	श्रीमती कमलादेवी	५५	मां		विधवा	
४०५—	श्री प्रेमचन्द पत्नीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-वरैया वस्त्र भण्डार,
	श्रीमती रामवती	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
४०६—	श्री लखमीचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	फर्म:- सुनील केमिकल्स कम्पनी
	श्रीमती जमनादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुक्लोबाई	३२	पुत्रबंधु		वि.	
	श्री खूबचन्द	२२	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती अंशूरीदेवी	१८	पुत्रबंधु		वि.	
	कु. ज्ञानवती	१५	पौत्री	मिडिल	अवि.	
	कु. पंचवती	१४	पौत्री		अवि.	

कसेरा श्रीमती

४०७—	श्री फतेहचन्द गोधा	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म : जैन केमिकल्स कम्पनी,
	श्रीमती पद्मबाई	७५	मां		विधवा	एजेन्ट व स्टॉकिस्ट-शेबी केमिकल्स
	श्रीमती विमलेश	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	व मिनिरल एक्सिडन्ट,
	श्री धर्मकुमार	२४	पुत्र	M.Sc.(Pre)	अवि.	डेकेदारी-केमिकल्स व जनरल
	श्री प्रद्युम्न कुमार	२१	पुत्र	B. Com. II	अवि.	सप्लायर्स
	कु. रबनी	१७	पुत्री	B. A. I	अवि.	
	कु. कुमुदनी	१५	पुत्री	हा. से.	अवि.	
४०८—	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-एथर फोर्स ऑफिस,
	श्रीमती बुधमांसी	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	महाराजपुरा, ग्वालियर
४०९—	श्रीमती अंशूरीबाई गोधा	४५	मुखिया		विधवा	

परिचय संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४१०—	श्री कन्तिचन्द गिरधरवाल	६०	मुखिया	B. A.	विधुर	एकाउन्टेन्ट, सुपर मार्केट, भोराल
	श्री रतनचन्द	३४	पुत्र	B.A., B.Ed.	वि.	सर्विस—जीवाजी राव जू० कालेज
	श्रीमती कमलेशदेवी	२७	पुत्रवधू	B. A.	वि.	
	श्री निर्मलकुमार	२३	पुत्र	B. E.	अवि.	
४११—	श्री क्वांतिचन्द गिरधरवाल	४१	मुखिया	M Com.	वि.	प्रो-गवर्नमेंट डिग्री कालेज, षाहडोल
	श्रीमती फूलवती	३३	पत्नी	B. A.	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	३६	भाई	इन्टर	वि	मलेरिया इन्स्पेक्टर, भोपाल
	श्रीमती गुणमाला	३०	भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री विमलचन्द	२५	भाई	M. A.	अवि.	सर्विस—शासकीय विद्यालय, इन्दीर
	श्री प्रमोद कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४१२—	श्रीमती लीलोबाई बरैया	४०	मुखिया		विधवा	
४१३—	श्री छोटेरालाल पल्लीवाल	५०	मुखिया		विधुर	
	श्री नेमीचन्द	२६	पुत्र	M.Com C.A.II B.	वि.	सर्विस—पू. को. बैंक, नयाबाजार
	श्रीमती शिमलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	D.M.E., B.Com. II	अवि.	सर्विस—स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया
	श्री रतनचन्द	१८	पुत्र	B.Com. II	अवि.	
४१४—	श्री कपूरचन्द बरैया	४५	मुखिया	M. A.	वि.	आडीटर—ए. जी. ऑफिस
	श्रीमती चन्दनदेवी	४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई	B. A.	वि.	सर्विस—के. बी. बैंक, जयेन्द्रगंज
	श्रीमती चन्दाबाई	२०	भ्रातावधू		वि.	
४१५—	श्री गुलाबचन्द बरैया	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, परचूनी की दुकान,
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		वि.	इन्दर गंज
	श्री मटकमल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४१६—	श्रीमती सुमित्रा बरैया	४५	मुखिया		विधवा	
४१७—	श्री हंसराज गोलालारे	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पान की दुकान, जीवाजी चौक
	श्रीमती शान्तिदेवी	३५	पत्नी		अवि.	
	श्री अजित कुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० बेटाबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४१८—	श्री कन्हैयालाल पाटनी	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	केलियर-ट्रेजरी, गोरखी
	श्रीमती बिट्टीबाई	४२	पत्नी		विधवा	
	श्रीमती छोटीबाई	७०	मां		वि.	
४१९—	श्री इन्दरचन्द झावड़ा	६७	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	पेन्शनर सचवांणी, स्टेट बैंक
	श्री देवेन्द्र कुमार	३०	पुत्र	B. A.	वि.	केलियर—स्टेट बैंक, ब्यालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२०—	श्री फूलचन्द काला	७०	मुखिया		अवि.	कवि, साहित्यकार प्रकाशक
४२१—	श्रीमती अंगूरी पहाड़्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका-कल्याणी कन्या शाखा
४२२—	श्री भजनलाल बरया	६५	मुखिया		वि.	दुकान (आमोल, शिवपुरी)
	श्रीमती हमरतीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री हौशीलाल	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	मुनीम, मे० खेरीलाल फूलचन्द,
	श्रीमती असरफीबाई	३२	पुत्रवधू		वि.	नयाबाजार
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेगी	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४२३—	श्रीमतीकेशरबाईवाकलीवाल	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, सेन-देन
४२४—	श्री दीपचन्द रात्रा सोगानी	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम, सिख महान्न एम्प्लॉय नि०
	श्रीमती बादामीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४२५—	श्री अमोलक चन्द सोगानी	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	होटल-कसेरा ओली
	श्रीमती गुनमालाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विजय कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्रीमती कपूरीबाई	७०	मां		विधवा	
४२६—	श्री कन्हैयालाल कटारिया	५५	मुखिया		वि.	किराने की दुकान, दाना ओली
	श्रीमती मूलीबाई	४०	पत्नी		वि.	
४२७—	श्रीमदनलाल कटारिया	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यापारी, कसेरा ओली
	श्रीमती भोलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
४२८—	श्री भीषमचन्द कटारिया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सविस, विजय इलेक्ट्रिक स्टोर्स,
	श्रीमती कुसुमलता	२५	पत्नी		वि.	डीडवाना ओली
४२९—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया		वि.	सविस, प्रह्लाददास हजारीलाल,
	श्रीमती त्रिवेणी	५०	पत्नी		वि.	इन्दरगंज
४३०—	श्री कैलाशचन्द जंघवाल	२८	मुखिया	हा० से०	वि.	सविस, मे० मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार
	श्रीमती बिमलादेगी	२५	पत्नी		वि.	माधवगंज
४३१—	श्री लालमन बरैया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	बरैया आभूषण भण्डार,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार
	श्री शीतल प्रसाद	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	मनीराम का बाड़ा					
४३२—	श्री मदनलाल शाह	४५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यवसाय,
४३३—	श्री कैलाश चन्द टौंग्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती कमलीबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महावीरप्रसाद कुमारी किरन	२५	भाई	हा० से०	अवि.	सर्विस, जीवाजी विश्वविद्यालय, ब्यालियर
	कु० कमल	१८	बहिन	B.A. II	अवि.	
	कु० कमल	१५	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
४३४—	श्री उम्मेदीलाल छाबड़ा	५५	मुल्लिया	मिडिल	वि.	सर्विस, मे. मोहनलाल हरगोविन्द
	श्रीमती जावित्रीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मी चन्द	३६	पुत्र	B.A., LL.B.	वि.	सर्विस जे. ए. हास्पिटल
	श्रीमती कंचनदेवी	३५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री विमल चन्द	३७	पुत्र	B. Com.	वि.	D.A.O. राज्य, परिवहन निगम, मद्र
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	३३	पुत्र	M. A.	वि.	सुप०, ए. जी. आफिस
	श्रीमती विमलादेवी	२८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री भरमचन्द	३०	पुत्र	B.Com., S.A.S.	वि.	इन्स्पेक्टर
	श्रीमती निर्मला देवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्र कुमार	२५	पुत्र	M. Sc.	अवि.	लेक्चरर, दलिया हा. से. स्कूल
	श्री मामिकचन्द	२१	पुत्र	M.B.B.S.IV	अवि.	
	श्री नरेन्द्र कुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४३५—	श्री चिरीजीलाल काला	३०	मुल्लिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती ऊषादेवी	२७	पत्नी		वि.	
४३६—	श्री गेंदालाल	५०	मुल्लिया	मिडिल	अवि.	सर्विस, दैनिक नवप्रभात प्रेस
४३७—	श्री भागीरथ प्रसाद बरैया	४७	मुल्लिया		वि.	सर्विस, गुड मर्चेंट, बाल बाजार
	श्रीमती सकुन्तलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री कपरचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
४३८—	श्री महेशचन्द बरैया	२१	मुल्लिया	हा० से०	वि.	रेडियो मेकैनिक
	श्रीमती ज्योत्सना	१६	पत्नी	मिडिल	वि.	
४३९—	श्री संतोषीलाल बरैया	३०	मुल्लिया		वि.	सर्विस-सिमकी, बिरसानगर
	श्रीमती विद्यादेवी	२५	पत्नी	हा० से०	वि.	
४४०—	श्री खंटातीलाल बरैया	४८	मुल्लिया	मिडिल	विधुर	रेडियो सिनर, आल्हा कायक
४४१—	श्री सुयनचन्द गोलासारे	४०	मुल्लिया		वि.	वर्तनों का व्यवसाय
	श्रीमती राजोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
४४२—	श्री विहारीलाल गोलासारे	३२	मुल्लिया		वि.	सिक्किम सर्विस
	श्रीमती सोनबाई	२८	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४४३—	श्री नरसीलाल जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म—नरसीलाल अशोक कुमार, बलोच मर्चेन्ट, इट्टेमण्डी
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	२६	पत्नी		वि.	
	श्री प्यारेलाल	६०	पिता		विधुर	
४४४—	श्री वीरेन्द्र कुमार जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस, फेन्सी जैन बलोच स्टोर, भाषवगंज
	श्रीमती फूलदेवी	५०	पत्नी		वि.	
४४५—	श्री मांगीलाल	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	रिटायर्ड
	श्रीमती गिदोडाबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२०	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्रीमती अम्मा जी	६८	माँ		विधवा	
४४६—	श्री गनेशीलाल काला	५२	मुखिया	मिडिल	अवि.	सबिस—चंदरलाल गणूलाल,
४४७—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	३६	मुखिया	B. A , LL. B.	वि.	पार्टनर—ग्लोब मोटर्स पार्ट्स मैन्यू०, लोहिया बाजार
	श्रीमती प्रमोद कुमारी	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
४४८—	पं. खच्चुराम बरैया	५५	मुखिया	ज्यो० मार्तण्ड	वि.	पंडित, आटे की दुकान
४४९—	श्री चन्द्रसेन बरैया	३०	मुखिया	M-Com-LL.B.	वि.	सेक्रेटरी, म्युनिस्पल बोर्ड, ग्वालियर
	श्रीमती सुखियाबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाश चन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	६०	माँ		विधवा	
४५०—	श्री चुनखोमल	५५	मुखिया		वि.	हलबाई
	श्रीमती सुखियाबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नन्दलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
४५१—	श्री गुलजारीलाल खरोजा	६०	मुखिया		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती सुशीलादेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजमल	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती निर्मला	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कस्तूर चन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० मुन्नीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
४५२—	श्री मुल्लाभाऊ बरैया	२६	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस, एस. ए. एक. सेक्टर
	श्रीमती चन्द्रकांता	२२	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४५३—	श्री लालचन्द जैसवाल	५६	मुखिया		वि.	फर्म-मे० लालचन्द महेशचन्द,
	श्रीमती केसरबाई	५०	पत्नी		वि.	क्लांथ मर्चेट, दहीमन्डी
	श्री कान्तीचन्द	२५	पुत्र	M. Com.	वि.	सत्रिस, ए. जी. आफिस
	श्रीमती अम्बिका चन्द	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री दिनेशचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.		
घोसी बाड़ा, दाना घोली						
४५४—	श्री रामचरणलाल बरैया	३३	मुखिया		वि.	सत्रिस, चिन्तामन, किशनलाल
	श्रीमती कमलादेवी	२८	पत्नी		वि.	बजाज, नया बाजार, लखकर
	श्री विमल चन्द	१८	पुत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री महेश कुमार	१४	पुत्र	मिडिल	वि.	
४५५—	श्री पूरनचन्द सिंघई	२४	मुखिया		वि.	जलजीरे का सौमचा
	श्रीमती मुष्मीबाई	२०	पत्नी		वि.	
४५६—	श्री सुगनचन्द बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सत्रिस, जगदीशप्रसाद रमेशचन्द,
	श्रीमती मुष्मीबाई	२०	पत्नी		वि.	नया बाजार
	श्री प्रभूदयाल	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
४५७—	श्री देवीलाल बरैया	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती मुष्मीबाई	२२	पत्नी		वि.	
४५८—	श्री मंगलचन्द बरैया	५४	मुखिया		वि.	सौमचा
	श्रीमती रामकली	५०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सौमचा
	श्रीमती मासती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	२०	पुत्र		वि.	सौमचा
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू		वि.	
४५९—	श्री श्यामलाल जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	कृषि-कार्य
	श्रीमती म्यासोबाई	५०	पत्नी		वि.	
४६०—	श्री शंकरलाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	नमकीन का सौमचा
	श्रीमती अशाफती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री अम्जनलाल	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुष्मीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कु० गुस्लोबाई	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४६१—	श्री कूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	नमकीन का सौमचा
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मायाचन्द	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरी	२१	पुत्रवधू		वि.	
४६२—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४८	मुखिया		विधुर	मिष्ठान व्यापारी
	श्री कैलाशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-मे० मूलचन्द बबोष्या प्रसाद
	श्रीमती किरनदेवी	१७	पुत्रवधू		वि.	इन्दरगंज
४६३—	श्री मानिकबाल जैसवाल	२५	मुखिया		वि.	सर्विस, हलवाई की दुकान
	श्रीमती जमनादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तिलाल	२३	भाई		वि.	सर्विस, साबुन कारखाना
	श्रीमती कमलादेवी	२०	भ्रातावधू		वि.	
४६४—	श्री जयकुमार गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	कवाड़े के सामान का व्यवसाय
	श्रीमती मायादेवी	३३	पत्नी		वि.	
४६५—	श्री छोटेलाल गोलालारे	७०	मुखिया		विधुर	
	श्री भागचन्द	५०	पुत्र		वि.	मुनीम
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी		वि.	
पारख जी का बाड़ा						
४६६—	श्री मानिक चन्द पांड्या	६५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	रिटायर्ड
	श्री विजय कुमार	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	बिजस इलेक्ट्रिक एजेन्सीज
	श्रीमती रमारानी	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
४६७—	श्री प्रतापचन्द	४५	मुखिया		वि.	खोये का व्यवसाय
४६८—	श्री हीरालाल बरैया	१८	मुखिया	इन्टर	अवि.	बरैया क्लथ मर्चेंट सराफा बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	४५	माँ		विधवा	
४६९—	श्री पन्नालाल बरैया	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस-पोस्ट आफिस
	श्रीमती बादामीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री द्वारका प्रसाद	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री नाथूलाल	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-एअर फीस, महाराजपुरा
	श्री सुभाष कुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री दिनेश कुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनाबाई	६४	माँ		विधवा	
सराफा बाजार						
४७०—	श्री पवनकुमार सेठी	३०	मुखिया	M. A.	वि.	सर्विस, रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज,
	श्रीमती साखदेवी	२८	पत्नी		वि.	कार्यालय
४७१—	श्रीमती मुखाबदेवी सेठी	२५	मुखिया	मिडिल	विधवा	अध्यापक

गार { बरिहंत
ARIHANT

दूरभाष { कार्यालय 275872
निवास 262624

सुमेरचन्द जैन

होलसेल क्लोथ मर्चेन्डिस एन्ड कमीशन एजेन्ट्स
कटरा शहनशाही, चाँदनी चौक, देहली-६

स्टाकिस्ट :

आर्ट सिल्क और टैरीन गुड्स

- * दि ग्वालियर रेयन सिल्क मिल्स बिरलागनर (ग्वालियर)
- * डी० सी० एम० सिल्क मिल्स देहली
- * विनार मिल्स कलकत्ता
- * श्रीराम सिल्क मिल्स कलकत्ता
- * कलकत्ता सिल्क मिल्स कलकत्ता
- * पेंरागन मिल्स बम्बई
- * एलोरा सिल्क मिल्स बम्बई
- * गारडन सिल्क मिल्स सुरत
- * एन० एस० सिल्क ग्रहमबाबाद
- * उजागर प्रिन्ट्स बम्बई

इन मिलों के अलावा और मिलों का नाम हमारे
यहाँ बहुत ब्यापक से मिलता है।

हमारे यहाँ हर प्रकार की सहुलियत व्यापारी
को दी जाती है।

व्यापारी को भलाई हमारी भलाई है।

हेड ऑफिस:—

सूरजलाल सुमेरचन्द

कटरा शहनशाही, चाँदनी चौक, देहली-६

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४७२—	श्री परशुराम पत्नीबाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	सविस-गंगवाल इन्डस्ट्रीज
	श्रीमती पंथोबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	२२	पुत्र	M. Com.	वि.	सविस, ए. जी. बाफिस
	श्रीमती मनोरमा	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७३—	श्री अयुध्याप्रसाद अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म—मे० चम्पालाल अयुध्या प्रसाद सराफ, सराफा बाजार
	श्रीमती सूरजबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री भोगीराम	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सोनाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
४७४—	श्री शकरलाल अग्रवाल	५७	मुखिया	मिडिल	वि.	मिष्ठान व्यापारी, सराफा बाजार
	श्रीमती चमेलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीश प्रसाद	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती जैनमती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारामण	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
४७५—	श्री चिरोजीलाल	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	सोने, चाँदी के दलाल
	श्रीमती श्यामाबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती अमृतबाई	३५	पुत्र		विधवा	
	श्री देवेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	हा. से.	अवि.	
	कु. उमिला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४७६—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	७२	मुखिया		विधुह	फर्म—अग्रवाल केमिकल्स सराफा
	श्रीमती अयुध्याबाई	६०	मां		विधवा	फो. नं. २०८६
	श्री बाबूलाल	४७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मिन्टोबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	
४७७—	श्री विमलचन्द वैद्य	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्सनर
	श्रीमती अयुध्याबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री जगदीश कुमार	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	कढ़ाई कसीदे की दुकान
	श्रीमती कृष्णकुमारी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
४७८—	श्री प्रकाशचन्द गंगवाल	५३	मुखिया		वि.	हेड कैशियर-के० बी० बैंक, लखनऊ
	श्रीमती सुकमोबाई	५७	पत्नी		वि.	
	श्री कमलकन्द	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	हेड कैशियर—यू० को० बैंक,

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती आशादेवी	२६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	विरसानगर
	श्री ब्रह्मन्तकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन यूँड मैन्यू केम्बरिंग क०सराफा
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B.Com.L L.B.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती रागनीदेवी	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	१६	पुत्र	M. B.B. S.II	अवि.	
	कु० प्रेम	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री महावीरकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४७६—	श्री मानिकचन्द गंगवाल	४६	मुखिया	MA LL. B.	वि.	शासकीय अभिभाषक, फोन नं० २०६४
	श्रीमती बाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	महावीर घर्म काँटा, चन्द्रवदनी नाका
	श्रीमती प्रमिला	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२३	पुत्र	B.Com.,LL.B.	अवि.	अभिभाषक
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	बी एस. सी I	अवि.	
	कु० सरोज	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री बोरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४८०—	श्री निरंजनलाल गंगवाल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म:-न्वालियर गोटा केकूट्री
	श्रीमती कान्ताबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनीतकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४८१—	श्री गुलाबचन्द पापड़ीवाल	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	भूमिपति
	श्रीमती चन्द्रमुखी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सहकारी भण्डार
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी०ए० III	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
४८२—	श्रीमती सरस्वतीबाई	६२	मुखिया		विधवा	
४८३—	श्री सूरजमल लुहाड़िया	६०	मुखिया		अवि.	भूमिपति
४८४—	श्री रामचरनलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने चाँदी के दलाल
	श्रीमती तुलसीबाई	४५	पत्नी		वि.	
४८५—	श्री भजनलाल लुहाड़िया	५५	मुखिया		विधुर	भूमिपति
	श्रीमती सोनाबाई	६०	भान्जी		विधवा	
४८६—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	सोने-चाँदी की दलाली

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामप्यारीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री रामकुमार	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	रोज प्रोक्कसन, रंग बनील के निर्माता
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सबिस-जे. डी. मिल्स बिरलानगर
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शान्तीबाई	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४८७—	श्री तोताराम अग्रवाल	५२	मुखिया		वि.	फर्म-तोताराम गंगाराम, बल्न
	श्रीमती बदामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	व्यापारी
	श्री गंगाराम	४८	भाई		वि.	न्यू धोली झाऊस, सराफा बाजार
	श्रीमती छोट्टनबाई	४१	भ्रातावधू		वि.	
	श्री रामजीदास	३५	भाई		वि.	ऐजेन्ट-एकलसियर सिलाई मशीन,
	श्रीमती दक्खोबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	डीडवानाओली
	श्री शिखरचन्द	२४	भाई B. Sc. I'		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भतीजापुत्र	मिडिल	अवि.	
४८८—	श्री रमेशचन्द अग्रवाल	३५	मुखिया		वि.	फर्म-विधीचन्द रमेशचन्द सराफ
	श्रीमती कमलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१७	पुत्र	हा. से.	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बदामीबाई	५०	मां		विधवा	
४८९—	श्री गुलाबचन्द अग्रवाल	४६	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-लखमीचन्द गुलाबचन्द सराफ
	श्रीमती विद्यावती	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री जगदीशचन्द	३८	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती उमिला	३३	भाईवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतीशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५२	मां		विधवा	
	कु० ऊषा	१९	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कु. रेखा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
४९०—	श्री गणेशराम अग्रवाल	६४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	६०	पत्नी		वि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री किशनलाल	४२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुनीम
	श्रीमती कान्तादेवी	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री फूलचन्द	३६	पुत्र		वि.	सबिस, नगर फालिका
	श्रीमती रामकृष्णी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बालकिशन	२३	पुत्र	D. E. E.	अवि.	सबिस-जे० सी० मिस्त्र
	श्री विमलचन्द	१४	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पौत्री	हा०से०	अवि.	
	कु० आशादेवी	१६	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६१—	श्री आभाराम अग्रवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-पुष्पामल कन्हैयालाल सराफ
	श्रीमती मंतीबाई	३५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार, फोन न० २२२६
	श्री विमलचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
४६२—	श्री गुलाबचन्द शाह	७५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-गुलाबचन्द रेशमचन्द, सराफा
	श्रीमती नरसीबाई	७०	पत्नी		वि.	बाजार, फोन न. २२२६
	श्री रेशमचन्द	३३	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती साराबाई	३०	भतीजा वधू		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	मा		विधवा	
	श्री पवनकुमार	१७		हा०से०	अवि.	

श्री-सङ्क—

४६३—	श्री मूलचन्द जैन परिवार	६५	मुखिया		वि.	मूलचन्द कैलाशचन्द, कपड़े के
	श्रीमती मंदाबाई	६०	पत्नी		वि.	व्यापारी, दुकान नं. २१, दही मण्डी
	श्री निमलकुमार	३४	पुत्र	डिप्लोमा	वि.	सबकर
	श्रीमती शीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
४६४—	श्री छदामीलाल गोलसिंधारे	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	महावीर जनरल स्टडीस
	श्रीमती चमेलीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री चन्द्रसेन	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
४६५—	श्रीमान्तीलाल	२२	मुखिया	M. A., LL. B.	अवि.	व्यवसाय

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यवसायिक विवरण
४६६—	श्री पी. सी. परवार	३६	मुखिया	B. Sc.	वि.	स्टेटस्टीकल, एन. एस्. एस्. भारत—
	श्रीमती शशी	२४	पत्नी	मिडिल	वि.	सरकार फोन ७६
४६७—	श्री सुगनचन्द	३५	मुखिया	B. Sc. (Ag)	वि.	सहसंचालक
	श्रीमती पुष्पलता	२८	पत्नी		वि.	
६६८—	श्री श्यामलाल गोयल	६०	मुखिया	B. Com.	वि.	मेनेजिंग डायरेक्टर—बालाजी ग्लास
	श्रीमती गायत्री	४५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वधु
	कु० अन्जना	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
४६९—	श्री निर्मलकुमार प. परवार	२६	मुखिया	M. E.	वि.	लेक्चरर, भावव इन्जीनियरिंगकालेज
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पत्नी	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री गणेशरकुमार	२०	भाई	B. Sc. I	अवि.	
५००—	श्री आनंदकुमार गोयल	२२	मुखिया	M. Com	अवि.	
५०१—	श्री महेश्वरप्रसादगोलखिचरे	२०	मुखिया	D. M. E., B. A. II	अवि.	
	श्री उग्रसेन	१६	भाई	D. E. C	वि.	पान की दुकान
५०२—	श्री मुरारीलाल कुड़ेजवण	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	विजली के ठेकेदार
	श्रीमती रामदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री रामकिशन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती रुकमणी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीनारायण	२४	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती प्रेमलता	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामसेवक	२०	पुत्र	नवीं	वि.	
	श्रीमती शकुन्तला	१७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विद्यासागर	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
५०३—	श्री बुधमल गंगवाल	६७	मुखिया		वि.	मे० गणेशीलाल फूलचन्द फोन नं. ५७७
	श्रीमती गुट्ट्याबाई	६५	पत्नी		वि.	
	श्री केशरीमल	४५	पुत्र		वि.	मेसर्स श्री केशरीमल गंगवाल
	श्रीमती धनोजकुमारी	४३	पुत्रवधू		वि.	फोन नं. २४२१
	श्री० बीरेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	M. Com. LL. B.	वि.	गंगवाल इन्डस्ट्रीज फोन नं. २२६३
	श्रीमती चन्द्रलक्ष्मी	२३	पुत्रवधू	M. A.	वि.	
	श्री धारसकुमार	२६	पुत्र	M. Com.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२३	पुत्रवधू	B. A.	वि.	
गंडेवाली संघ—						
५०४—	श्री सरदारमल विलास	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर स्टोर्स,
	श्रीमती गुलाबबाई	३५	पत्नी		वि.	सराफा बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० तेज	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री प्रवेशकुमार	१६	पुत्र	दशवी	अवि.	
५०५—	श्री मुसाबचन्द बेंछ	५०	मुखिया		विधुर	हलवाई
	श्रीमती सुमित्राबाई	६०	मामी		विधवा	
५०६—	श्री पन्नालाल मोलसारे	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती घनदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री नेमाचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	सविस
	श्रीमती मासलीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरसेन	२१	पुत्र		अवि.	सविस
५०७—	श्री मुलआरीलाल जरीआ	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती श्रीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	नहीं	वि.	सविस, बिजलीघर
	श्रीमती इन्द्राणी	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रानीदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
५०८—	श्री सतीशचन्द खरोआ	३०	मुखिया		वि.	सविस, बिजलीघर
	श्रीमती कमलाबाई	१६	पत्नी		वि.	
५०९—	श्री मन्नीलाल लमेचू	४६	मुखिया		वि.	पान की दुकान
	श्रीमती सुनहरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मूलचन्द	१६	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पदमाबाई	११४	पुत्रवधू		वि.	
५१०—	श्री बाबूलाल गोलसिंधारे	५५	मुखिया		वि.	गत्ले के व्यापारी
	श्रीमती रामवती	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
गोलतगज:-	श्री इन्द्रादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	
५११—	श्री अशोककुमार बड़जात्या	१८	मुखिया	B. Sc. II	अवि.	जीरा निवासी
५१२—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	M.Com.	वि.	आडीटर, ए०बी० आफिस, जाधव
	श्रीमती कमला जैसवाल	२४	पत्नी	B. A.	वि.	महल, सक्षर
५१३—	श्री भगवानदास जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	मिष्ठान विभेता वही मन्त्री
	श्रीमती कमलावती	३०	पत्नी		वि.	
५१४—	श्री सीताराम जैसवाल	२६	मुखिया		वि.	मिष्ठान विभेता, हुजूराल पुल

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२५	पत्नी		वि.	
५१५—	श्री आनन्द स्वरूप अग्रवाल	३५	मुखिया	B.A, LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती कामावती	३०	पत्नी		वि.	
५१६—	श्री रामचन्द्र जैसवाल	६०	मुखिया		विधुर	घाट की दुकान
	श्री रामदास	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती रामकली	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-दैनिक नवप्रभात
	श्रीमती पुष्पाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतचन्द्र	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५१७—	श्री धर्मचन्द्र बरैया	२१	मुखिया		वि.	सर्विस-लक्ष्मी फॅन्सी स्टोर्स
	श्रीमती बँजोबाई	१६	पत्नी		वि.	
	श्री हेमराज	५०	बाबा		अवि.	व्यापार
	श्री बाबूलाल	४०	बाबा		अवि.	सर्विस-विटोला में
	श्री बद्रीप्रसाद	४६	बाबा		अवि.	सर्विस
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	मां		विधवा	
५१८—	श्री दयाप्रकाश पश्चावती परवाल	२२	मुखिया	M.Com.	वि.	आर्टिटर ए. जी. आफिस ग्वालियर
	श्रीमती सुशीलादेवी	१९	पत्नी		वि.	
५१९—	श्री सत्यप्रकाश पश्चावती परवाल	२४	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक, गोरखी विद्यालय
	श्रीमती सरोजबाला	१९	पत्नी		वि.	
५२०—	श्री सुरजनारायण अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	न्यू जनता ट्रान्सपोर्ट कम्पनी,
	श्रीमती रामादेवी	३५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, फोन नं. ७१९
५२१—	श्री राजेन्द्रकुमार पांड्या	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-नगर पालिक निगम
	श्रीमती सारादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
५२२—	श्रीमती तीजाबाई पांड्या	६३	मुखिया		विधवा	
५२३—	श्री धर्मचन्द्र वाकलीवाल	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मे० बिनोद फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स
	श्रीमती सुमतिबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र	नहीं	अवि.	
	श्री विमलचन्द्र	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	व्यापार
	श्रीमती रत्नमाला	२६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मन्नीबाई	५८	मां		विधवा	
	श्री कम्पाबाई	५२	बुधा		विधवा	
	श्री भानुकुमार	२६	भान्जा	बी. ए.	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	भतीजा	११वीं	अवि.	

आफिस फोन नं० { २६६२५६
२६४६३२

शुभ कामनाओं सहित !

सिद्धोमल एन्ड संस

चावडी बाजार, देहली-६

हर प्रकार के देशी तथा विनायती
कागज के थोक व्यापारी

फोन नं० . ३३३६

शुभ कामनाओं सहित !

गुलाबचन्द रेशमचन्द जैन

सोना, चांदी एवं आभूषणों के थोक विक्रेता

सराफा बाजार, लश्कर-गवालियर (म. प्र.)

सोने एवं चांदी के सुन्दर आकर्षक

आभूषण

मिलने का एक मात्र स्थान !

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण	
	श्री कमलकुमार	२३	भतीजा	बी. कॉम	वि.	सर्विस-विनोद पिक्चर्स	
	श्रीमती सरोजकुमारी	१८	भतीजा	बच्चू	वि.		
५२४—	श्री ताराचन्द सेठी	४३	मुखिया		वि.	मे० सेठी कलर इन्डस्ट्रीज, ग्वालियर	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३३	पत्नी		वि.		
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र	नवीं	वि.		
५२५—	श्री मुन्नालाल सोनी	३६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय टेकेदार	
	श्रीमती विद्याबाई	३०	पत्नी		वि.		
	श्री विजयकुमार	१४	पुत्र		अवि.		
	श्री पदमकुमार	२३	भान्जा	बी. एससी.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल	
	श्रीमती वीणाबाई	२०	भान्जा	बच्चू	वि.	ग्वालियर	
५२६—	श्री राजमल चाँदबाड़	४५	मुखिया		वि.	व्यापार	
	श्रीमती मुन्नाबाई	३७	पत्नी		वि.		
	कु० चन्दाबाई	१७	पुत्री	B. A. I	अवि.		
	श्री सतीशकुमार	१५	पुत्र	१० वीं	अवि.		
	श्री सुमतचन्द	२२	भाई	M Com.	वि.	सर्विस-यू. को. बैंक, नया बाजार	
	श्रीमती किरण	१७	भ्राता	बच्चू	११ वीं	वि.	लश्कर
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	भाई		१२ वीं	अवि.	
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पुत्र	B. Com.	अवि.		
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मां		वि.		
५२७—	श्री मदनलाल रांका	३०	मुखिया		वि.	मे० मदनलाल, बन्नालाल कलई	
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी		वि.	के व्यापारी फोन नं० २१०१	
५२८—	श्री भरोसीलाल	४१	मुखिया		वि.	व्यापार	
	श्रीमती भगवतीदेवी	३२	पत्नी		वि.		
	श्रीमती छोटीबाई	५५	मां		विधवा		
५२९—	श्री सार्वभाम बरैया	४०	मुखिया		अवि.	सुपारी के व्यापारी	
	श्री स्वादाबाई	७०	मां		विधवा		
	श्री भूरेलाल	३०	भाई		अवि.		
५३०—	श्री जमनादास जैसवाल	३२	मुखिया		वि.	मिष्ठान व्यापारी	
	श्री बिमलाबाई	२७	पत्नी		वि.		
५३१—	श्री दाताराम जैसवाल	२७	मुखिया	B. A.	वि.	इन्डिया ओटोपिस्टन एण्ड मोटर	
	श्रीमती विजयबाई	२६	पत्नी		वि.	पाटंस मैन्यूफैक्चरर, फोन नं० ३०	
५३२—	श्री भांगीलाल चौधरी	७०	मुखिया		वि.		
	श्रीमती कस्तूरीबाई	६७	पत्नी		वि.		

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अनूपचन्द	२५	पुत्र	बी. कॉम	वि.	आयकर-विक्रय कर सलाहकार
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पुत्रवत्		वि.	
५३३	श्री बाबूलाल बोधरी	४२	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	अभिभाषक, कर सलाहकार, फोन नं० २६०५
	श्री शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
५३४	श्री फूलचन्द पाटीदी	६०	मुखिया		वि.	सोने-बांदी के दलाल
	श्रीमती बिरोजीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री हन्दरचन्द	३०	पुत्र		वि.	जैन होटल, दीलतगंज
	श्रीमती सुशीलाबाई	२६	पुत्रवत्		वि.	
	कु० विजया	१५	पुत्री		अवि.	
५३५	श्री बाबूलाल पाटीदी	५०	मुखिया		वि.	हन्दरचन्द फूलचन्द एन्ड संस, वस्त्र व्यापारी, फोन नं० २०८१
	श्रीमती किरणबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री मानकचन्द	४०	भाई		वि.	
	श्रीमती कंचनबाई	३६	आता वत्		वि.	
	श्रीमती फूलबाई	७०	मां		विधवा	
५३६	श्री बाबूलाल टोंग्या	४५	मुखिया		वि.	मकानों के दलाल
	श्रीमती रतनबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री बन्शीधर	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-मे० गणेशीलाल फूलचन्द,
	श्री किशनचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री धनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सगुनीबाई	७०	मां		विधवा	
५३७	श्री मकसूनलाल बरैया	३२	मुखिया		वि.	सर्विस, ग्वालियर गोटा फंक्टी
	श्रीमती गुनमाला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रदीप कुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
५३८	श्री गनपतलाल अग्रवाल	५५	मुखिया		वि.	टिम्बर मर्चेन्ट, दीलतगंज
	श्रीमती गनेशीदेवी	५२	पत्नी		वि.	
	श्री ओम प्रकाश	२९	पुत्र	B. Com.	वि.	कर सलाहकार
	श्रीमती कृष्णादेवी	२६	पुत्रवत्		वि.	
	श्री धर्म प्रकाश	२७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	टिम्बर मर्चेन्ट
	श्रीमती इयामादेवी	२४	पुत्रवत्		अवि.	
	श्री चन्द प्रकाश	२५	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	श्री पदम चन्द	२३	पुत्र	B. A. II	अवि.	
	कु० विद्याबाई	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० पदमाबाई	१५	पुत्री	मेट्रिक	वि.	
५३९—	श्री मदनलाल कटारिया	५७	मुखिया		वि.	जैन ब्रदर्स, टोरी बाजार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री नरेश कुमार	२२	पुत्र	B. E.	वि.	
	श्रीमती त्रिशला कुमारी	१८	पुत्रवधू		वि.	
५४०—	श्री रोशनलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	ऐपको मोटर पार्ट्स मैन्यू-फैक्चरर्स, जयनगरगंज
	श्रीमती ऐशोबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री किशन चन्द	३२	पुत्र	B. A.	वि.	जैन-ओटोमोबाइल, जयनगरगंज
	श्रीमती प्रभादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री निरजनलाल	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सतीशचन्द	३३	काका	B. Com.	वि.	
	श्री योगेशकुमार	१६	पुत्र	६ वीं	अवि.	
	श्री निर्मलकुमार	१४	पुत्र	७ वीं	अवि.	
५४१—	श्री मूलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	स्टेशन मास्टर, दतिया
	श्रीमती कपूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	२०	पुत्र	D. E. E.	अवि.	
	श्री नरेशचन्द	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० प्रमिता	१९	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
५४२—	श्री श्यामलाल वरैया	३०	मुखिया		वि.	सबिस, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती ताराबाई	२५	पत्नी		वि.	
५४३—	श्री मुरारीलाल	२५	मुखिया	B A.,LL.B.	अवि.	अभिभाषक

हजरात मार्ग—

५४४—	डॉ. के. ओ. एस. वीवान	५६	मुखिया	M.B.B.S. IM S.(X)	वि.	ईश्वरी प्रसाद सर्जिकल एण्ड मेडिकल होम, हजरात रोड लखर
	श्रीमती कलावतीदेवी	७५	माँ		विधवा	
	श्रीमती रामकलीदेवी	५४	पत्नी		वि.	
	डॉ. अभीतप्रकाश	३०	पुत्र	M.B.B.S. T. D. D.	वि.	मेडिकल आफिसर इन्चार्ज सिविल फोटो एण्ड सिविया स्कूल
	श्रीमती आचमकुमारी	२१	पत्नी	M.B.B.S. IV	वि.	रेजिडेन्ट पेथोलिस्ट, जी. आर. मेडिकल कालेज एण्ड जे. ए. ग्रुप आफ हा० एम. एस. अमृतसर कालेज
	डॉ. बिमलेशकुमार	२८	पुत्र	M.B.B.S.	अवि.	
	डॉ. नागिराश	२६	पुत्र	M.B.B.S. D.L.O.E.VIरपेसिटर	अवि.	
	कु० पथा	२२	पुत्री	M.B.B.S. IV	अवि.	

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री अजयकुमार	१८	पुत्र	M.B.B.S.III	अवि.	
	कु० मधु	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
५४५—	श्री क्रमनलाल लखेंच	५८	मुखिया		वि.	कास्तकारी, अटेर (भिण्ड)
	श्रीमती अनारबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभाचन्द्र	३८	पुत्र	B.A.,LL.B.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, ऐ. सी.
	श्रीमती हृदयवती	३४	पत्नी	मिडिल	वि.	डी. सेवान
	कु० सरिता	१५	पुत्री	११ वी	वि.	अध्ययन
५४६—	श्री प्रकाशचन्द परवार	२८	मुखिया	M.B.B.S.,M.D.	वि.	जे. ए. हास्पिटल,
	श्रीमती उमिला	२४	पत्नी	M A.	वि.	
	कु० सुलोचना	२०	बहिन	B. A. III	अवि.	अध्ययन
	श्री महेन्द्रकुमार	१७	भाई	B. Sc. II	अवि.	अध्ययन
	श्री विजयकुमार	१७	क. भाई	B A. I	अवि.	
५४७—	श्री प्रेमचन्द परवार	६०	मुखिया		वि.	भयालाल प्रेमचन्द, थोक कपडे के
	श्रीमती मम्मोबाई	५५	पत्नी		वि.	व्यापारी, नया बाजार फो.न. १६४१
	श्री विरधीचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री बालचन्द	३८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पौत्र	M B B.S. II	अवि.	
	नयाबाजार—					
५४८—	श्री हुकमचन्द बाकलीवाल	४२	मुखिया		वि.	अमोलकचन्द जोहरीलाल नया बाजार
	श्रीमती केशरबाई	६२	माँ		विधवा	कामज व स्टेमनरी विक्रेता
	श्रीमती हमरतीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री मयोककुमार	१८	पुत्र	B.Com.	अवि.	
	कु० सन्तोष	१४	पुत्री	सातवी	अवि.	अध्ययन
५४९—	श्री रूपचन्द पाटनी	६२	मुखिया	मेडिक	वि.	फोटोग्राफर, होम्योपैथ-चिकित्सक
	श्रीमती माहीरबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रिडिकरत	२८	पुत्र	B A ,LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती मुष्मी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
५५०—	श्री.श्रीपालदास साहू	३६	मुखिया		वि.	कागज की दुकान, नया बाजार
	श्रीमती श्रीपालदास	५५	पत्नी		वि.	
	श्री आरुणकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	अध्ययन
५५१—	श्री मोतीलाल परवार	६५	मुखिया		वि.	कपडे की दलाली, नया बाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चेताबाई	५५	पत्नी		वि.	
	कु० विमला	१५	पुत्री	दसवी	अवि.	अध्ययन
	श्री हुकमचन्द	३५	पुत्र		वि.	कपड़े की दुकानी, नयाबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
५५२	श्रीमती लालयशोवती परवार	५०	मुखिया	B. A.	वि.	असिस्टेंट इन्स्पेक्टर, शिक्षा, विभाग
	श्रीमती श्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	मंडल ग्वालियर
	श्री सुरेशचन्द	३०	पुत्र	टे. औ. सियर	वि.	ओवर सियर पब्लिक हेल्थ,
	श्रीमती उषा किरत	२८	पत्नी		वि.	डिपार्टमेंट बिचपुरी
	श्री अरविन्दकुमार	२०	पुत्र	P. T. 4th Semi.	अवि.	अध्ययन, से० टे० इन्स्टीट्यूट
	कु० सुनन्दा	१६	पुत्री	B. A. II	अवि.	अध्ययन
५५३	श्री निमोनकुमार खरऊरा	४०	मुखिया	B.A., LL.B.	वि.	दीवानी-फौजदारी वकालत
	श्रीमती मोहनदेवी	६५	मां		विधवा	
	श्रीमती चमेलीदेवी	३६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री उदयकिशोर	१६	पुत्र	B. Sc.	अवि.	अध्ययन
५५४	श्री हुकमचन्द अजमेरा	३७	मुखिया	B.Com.	वि.	सेल्म टे०, हुकम टे० प्रेसिडसन
	श्रीमती कनकदेवी	३२	पत्नी		वि.	
५५५	श्री जिनेश्वर प्रसाद दीवान	४५	मुखिया	B.Sc., LL.B.	वि.	दीवानी-फौजदारी वकालत
	श्रीमती कलावती	७०	मा		विधवा	
	श्रीमती श्यामादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषिकुमार	१८	पुत्र	B.Sc. I	अवि.	
	कुमारी ऊषा	१६	पुत्री	B. Sc. I	अवि.	
५५६	श्री रामचरनलाल वरैया	३५	मुखिया		वि.	प्रोफेसर गवर्नमेन्ट माईन्म कॉलेज,
	श्रीमती कुन्डीबाई	३०	पत्नी		वि.	लखर
५५७	श्री राजकुमार परवार	२०	मुखिया	B. Com. II	अवि.	फर्म:-लखमीचन्द राजकुमार
	श्री प्रकाशचन्द	१८	भाई	B. A. I	अवि.	थोक क्लोथ मर्चेंट, नयाबाजार
५५८	श्री लखमीचन्द परवार	४३	मुखिया		वि.	लखमीचन्द राजकुमार, नयाबाजार
	श्रीमती वैनी बाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१६	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
५५९	श्री कुन्दनलाल परवार	३६	मुखिया	मिडिल	अवि.	सोनेला न कुन्दनलाल, कपड़े के
	श्रीमती संगीबाई	५०	मां		विधवा	ध्यापारी, नयाबाजार
	श्रीमती चन्दोबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री अनन्त कुमार	१६	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
५६०	श्री बीरेन्द्रकुमार परवार	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	जैन क्लोथ स्टोर, नयाबाजार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३६	मां		विधवा	
	श्रीमती कमलाबाई	२३	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	भाई	B.Com. I	अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. Sc. II	अवि.	
	श्री किनोदकुमार	१६	भाई	B. E. II	अवि.	माधव इन्जीनियरिंग कॉलेज
	श्री नन्दनकुमार	१७	भाई	मेट्रिक	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
५६१—	श्रीसोमबाबूपचावती परबाल	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, कलेक्ट्रेट, मुरंवा
	श्रीमती सरलादेवी	२५	पत्नी	B. A.	वि.	अध्यापिका
५६२—	श्री मन्सूनलाल बरैया	२२	मुखिया	Medical II	अवि.	
५६३—	इन्द्रसेन गोलालारे	४०	मुखिया		वि.	सब-रजिस्ट्रार, म्वालियर
	श्रीमती लोंगशी	३२	पत्नी		वि.	
५६४—	श्री कुशलचन्द गोलालारे	१७	मुखिया	B.Com.	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द जैन,
	कैलाशचन्द	१४	भाई	नवी	अवि.	नयाबाजार, कपड़े के व्यापारी
५६५—	श्री चम्पालाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	कपड़े की दलाली, नयाबाजार
	श्रीमती मगवतीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१७	पुत्री	हा. से.	अवि.	
५६६—	श्री बाबूलाल परवार	६०	मुखिया		वि.	अभिनन्दनकुमार सुरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती सोनाबाई	५८	पत्नी		वि.	होलसेल इसाँथ मर्चेन्ट, नयाबाजार
	श्री अभिनन्दनकुमार	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	फोन : १२०२
	श्रीमती शान्तिबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
५६७—	श्री देवेन्द्रकुमार गोलालारे	२१	मुखिया	M.A. Final	अवि.	
५६८—	श्री नेमीचन्द	२२	मुखिया	M.A. Final	वि.	सर्विस-ए. जी. ऑफिस, यू. डी. सी.
	श्रीमती नेमीचन्द	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	जाधव महल,
५६९—	श्री कपूरचन्द परवार	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े की दुकान, नयाबाजार
	श्रीमती शान्तिबाई	३०	पत्नी		वि.	
	कुमारी विमलेष	१५	पुत्री	नहीं	अवि.	
५७०—	श्री मानिकचन्द गोलालारे	३७	मुखिया	B.Com.LL.B.	वि.	अभिभाषक, हाई कोर्ट (म० प्र०)
	श्रीमती शोभाकुमारी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री रविकान्त	१४	पुत्र	हा० से०	अवि.	

नया बाजार, खालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५७१—	श्री उत्तमचन्द कटारिया	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	स्टोर्स इन्चार्ज, कमलाराजा
	श्रीमती प्रेमादेवी	२६	पत्नी	मिडिल	वि.	अस्पताल, लखर
	कुमारी भीरा	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री अणोककुमार	१४	पुत्र	मर्बी	अवि.	
५७२—	श्री नरेन्द्रकुमार जैन	२८	मुखिया	M.Com.,LL.B.	वि.	सिमल एन्ड कं. चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट,
	श्रीमती मोतीरानी	२४	पत्नी		वि.	नयाबाजार, फोन नं. १४१५
	श्री सत्येन्द्रकिशोर	१८	भाई	B. Sc.	अवि.	
५७३—	श्री प्रेमचन्द समेंपू	४५	मुखिया		वि.	मे. प्रेमचन्द सतीशचन्द, नयाबाजार
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	पुत्र	बा. एससी. I	अवि.	
	श्री अमरचन्द	१६	पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी सरिता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
५७४—	श्री पवनकुमार जैसवाल	२३	मुखिया	B.Com.;LL.B.	अवि.	विद्याध्ययन
५७५—	श्री प्रयागनारायण जैसवाल	२४	मुखिया	बी. ई. IV	अवि.	"
५७६—	श्री महेशचन्द जैसवाल	२२	प्रमुख	बी. ई. V	अवि.	"
५७७—	श्री नरेन्द्रकुमार परवार	२३	मुखिया	B. A.,LL B.	अवि.	"
५७८—	श्री चम्पालाल	२३	मुखिया		अवि.	"
५७९—	डॉ० ज्ञानप्रकाश जैन	३८	मुखिया	M. Sc., Ph.D.	वि.	प्रोफेसर, जीव-विज्ञान,
	श्रीमती प्रेमकान्ता जैन	३१	पत्नी	M. A.	वि.	शा. विज्ञान महाविद्यालय, खा.
खोहिया बाजार—						
५८०—	श्री रामस्वरूप गोलालारे	५४	मुखिया		वि.	डायमण्ड सेफ इन्डूस्ट्रीज, नयाबाजार
	श्रीमती रामश्री	४५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	३२	पुत्र	B.Com.,LL B.	वि.	सेल्स टेक्स व इन्कमटेक्स वकालत
	श्रीमती हंसमुखी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री भानुकुमार	२६	पुत्र	M. A.	वि.	शिक्षक, अमायन (मिन्ड)
	श्रीमती रानीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
	डॉ० बीरकुमार	२७	पुत्र	M.B, B S; D.T.C D'	वि.	असिस्टेंट सर्जन, मुरार
	श्रीमती महेंद्रकुमारी	२३	पत्नी	M. A.	वि.	
	श्री आर. कुमार	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	कपड़े के व्यापारी व बैंकर्स,
	श्रीमती शशिकुमारी	२२	पत्नी		वि.	अमायन
	श्री प्रकाशचन्द	२२	पुत्र	M. Sc. (Ag)	अवि.	छात्र एग्रीकलचर कालेज, लखर
	श्री नरेशचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द पुत्र मन्सनलाल	२१	पुत्र	B.E. II	अवि.	छात्र, इन्जीनियरिंग कानेज, रायपुर

शुभ कामनाओं सहित ।

कॉपर वायर एवं जाली के निर्माता

व

गवर्नमेंट सप्लायर्स

मै. सोभाग्यमरु जी लुकमान जी

राजा दरवाजा, वाराणसी (यू. पी.)

लोहिया बाजार, एवालयर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आर्थिक विवरण
	कु० कृष्णा पुत्री मन्सूनलाल	१५	पौत्री बी. ए.		अवि.	
५८१—	श्री देीराम पल्लीवाल	३४	मुखिया		वि.	जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती आनन्दीबाई	१०	माँ		विधवा	
	श्रीमती चन्द्रकला	२८	पत्नी		वि.	
	श्री मिश्रीलाल	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती शान्तीबाई	२८	पत्नी		वि.	
५८२—	श्री बन्शीधर पल्लीवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	मेस० बन्शीधर विमलचन्द जैन,
	श्रीमती अजुद्दीदेवी	५२	पत्नी		वि.	आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार,
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फोन नं० ७२१
	श्रीमती विमलादेवी	१८	पत्नी	मिडिल	वि.	
५८३—	श्री दामोदरदास पल्लीवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मे० सुभाषचन्द नरेन्द्रकुमार,
	श्रीमती दुर्गाबाई	४५	पत्नी		वि.	लोहिया बाजार, लखर
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती अगूरीबाई	२७	पत्नी		वि.	
५८४—	श्री मिश्रीलाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व किराना के दाना
	श्रीमती गुल्लोबाई	१०	मा		विधवा	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री स्वरूपचन्द	३५	भाई	B. Com.	वि.	सर्विस-जे. सी. मिस्स, बिरलानगर
	श्रीमती सरोज	३०	पत्नी		वि.	
५८५—	श्री कन्हैयालाल पल्लीवाल	४५	मुखिया		वि.	मे. कन्हैयालाल कस्तूरचन्द, आयरन
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, लोहिया बाजार
	कु० गुणमाला	१४	पुत्री	नवी	अवि.	
	श्री सोहनलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती आशारानी	२२	पत्नी		वि.	
	श्री सन्तोषकुमार	२३	पुत्र	हा० सेकेन्डी	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	१९	पत्नी		वि.	
	श्री वीरेन्द्र कुमार	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
५८६—	श्री गंगाराम पल्लीवाल	६५	मुखिया		वि.	जे० विजय आयरन स्टोर्स लोहिया
	श्रीमती मुराबाई	५५	पत्नी		वि.	बाजार, लखर
	श्री नैनीचन्द	२२	पुत्र	बी ए	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री पद्मचन्द	१९	पुत्र	हा०.से०	अवि.	

लोहिया बाजार, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५८७—	श्री लालाराम पल्लीवाल	४७	मुखिया		वि.	परभूनी की दुकान
	श्रीमती केशरबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री अशफ़ीलाल	२३	पुत्र		वि.	पान की दुकान, नई सड़क
	श्रीमती फूलवती	१८	पत्नी		वि.	
	श्रीमती गौरीबाई	६५	मां		विधवा	
५८८—	श्री कुशलचन्द पल्लीवाल	१८	मुखिया	B. Sc I	अवि.	कुशलचन्द कैलाशचन्द, लोहे के व्यापारी, लोहिया बाजार
	श्रीमती रामप्यारी	३५	मां		विधवा	
	श्री कैलाशचन्द	१४	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८९—	श्री भरोसीलाल पल्लीवाल	३०	मुखिया		वि.	महावीर आयरन स्टोर, फोन नं. ७४३
	श्रीमती राजाबेटी	२५	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२०	भाई	हा० सेकेन्डी	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेी	१८	पत्नी		वि.	
५९०—	श्री हरीबाबू पल्लीवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन किराना स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती रामकली	२५	मुखिया		वि.	
५९१—	श्री राजकुमार पल्लीवाल	२८	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	हीरालाल छोटेला, दालबाजार
	श्रीमती कमलाबाई	२२	पत्नी		वि.	
५९२—	श्री रत्नलाल पल्लीवाल	४६	मुखिया		वि.	प्रकाश आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार
	श्रीमती सोनाबाई	५०	मां		वि.	
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री पातीराम	४०	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रामश्री	३१	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१८	पुत्र		अवि.	
५९३—	श्री बाबूलाल पल्लीवाल	७२	मुखिया		वि.	भोलानाथ सन्तोषकुमार, लोहिया बाजार, फोन १७३४
	श्रीमती दुर्गादेवी	६५	पत्नी		वि.	
	श्री भोलानाथ	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रबहू		वि.	
इन्दरगंज—						
५९४—	श्री नेमीचन्द बांकल, परिवार	४५	मुखिया		वि.	दलाल, इन्दरगंज
	श्रीमती चिरंजीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३०	पुत्र	बी० ए०	अवि.	
	श्री हरीबाबू	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	दलाल, इन्दरगंज
	कु० शारदादेवी	१५	पुत्री	नवी	अवि.	

इन्द्रगंज, अशालिखर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
५६५—	श्री चम्पालाल परवार	६०	मुखिया		वि.	मे० चम्पालाल एण्ड फं०, कमीशन
	श्रीमती रतनदेवी	५०	पत्नी		वि.	एजेन्ट, दाल बाजार
	श्री बाबूलाल	२८	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती शकुन्तलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री छोटेला	५०	भाई		अवि.	
५६६—	श्री हुकमचन्द्र परवार	४५	मुखिया	B. Sc.	वि.	दलाल—दाल बाजार
	श्रीमती किशनदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	D. C. E. (Fin)	अवि.	
	श्री हेमेशचन्द्र	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
५६७—	श्री हजारीलाल बरैया	५४	मुखिया		अवि.	
	श्री फुन्दीलाल	५२	भाई		वि.	जैन मिष्ठान भण्डार, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४८	भाईवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मणप्रसाद	१८	भाईपुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती आशा	१६	भाई पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द्र	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भगोबाई	५०	भाईवधू		विधवा	
५६८—	श्री महाचन्द्र बरैया	७५	मुखिया		विधुर	मिष्ठान विक्रेता, इन्द्रगंज
	श्री शकरलाल	६५	भाई		विधुर	
	श्री भगवानदास	५०	भाई		विधुर	किराना मर्चेंट, चन्द्रवदनी का नाका
	श्री चन्दनलाल	४५	भाई		वि.	इन्द्रगंज
	श्रीमती बसन्तीबाई	४०	भाईवधू		वि.	
	श्री सुरेशकुमार	१५	भाईपुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	भाईपुत्री		अवि.	
५६९—	श्री बाबूलाल बरैया	२५	मुखिया	इण्टर	वि.	छबिल—कॉपरेटिव बैंक
	श्रीमती नारामणी बाई	२२	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द्र	२२	भाई	मेट्रिक	वि.	पटवारी, मिठरवार
	श्रीमती विमलाबाई	२०	भाईवधू		वि.	
	श्री मल्हीलाल	२०	भाई		वि.	हुलवाई, रोसनीबर
	श्रीमती भीनाबाई	१८	भाईवधू		वि.	
	श्रीमती चन्दनबाई	४०	माँ		विधवा	

इन्दरगंज, ज्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६००	श्री प्यारेलाल बरैया	६५	मुखिया		वि.	घर्म-ध्यान एवं कवि
	श्रीमती इमरतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री इन्द्रचन्द्र	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय-कुटी मशीन
	श्रीमती बसन्तीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१६	पौत्र	बी० ए० II	वि.	
	श्रीमती देवा	१६	पौत्रवधू		वि.	
	श्री पद्मचन्द्र	१५	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुगनचन्द्र	३०	पुत्र	एम० ए०	वि.	गविस-वाटरवर्कस
६०१	श्रीमती श्रीमादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द्र	२१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कुसमदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
६०२	श्री निमलकुमार परवार	२७	मुखिया	B. Sc.	वि.	मैडीकल रिपरिजेन्टेटिव, एलेम्बिक
	श्रीमती अरुणादेवी	१६	पत्नी	बी० ए०	वि.	कम्पनी
	श्री नंदन चन्देलिया गेलापूर्व	३७	मुखिया	B Sc., LL.B.	वि.	सुपरवाइजर, टेलीग्राफ आफिस
६०३	श्रीमती रत्नप्रभा	३२	पत्नी	१० वी	वि.	जयेन्द्रगंज
	कुमारी चन्दना	१४	पुत्री	११ वी	अवि.	
	श्री कन्नोमल जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-रामचन्द्र फुन्दीसाल, भोपाल
	श्रीमती भगवानदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० निमल कान्ता	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री० उर्मिला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री बाबूलाल	३६	भाई	मेट्रिक	वि.	जैन महावीर स्टोर्स, इन्द्रगंज चौराहा
	श्रीमती कुसुमलता	३०	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती बासोबाई	६०	मां		विधवा	
६०४	श्री भागचन्द्र जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	सायकल स्टोर्स, इन्द्रगंज
	श्रीमती रामनवरूपी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० गुणमाला	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६०५	श्री भोगीराम जैसवाल	५०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री कलाशचन्द्र	३०	पुत्र	बी० ए०	वि.	सेक्रेटरी-अन्धी कमेटी, मुरार
	श्रीमती भान्तीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हीराचन्द्र	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सरला	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
६०६	श्री जवाहरमल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस

इन्दरगंज, खालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती रामदेवी	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मुनेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	B. A.	अवि.	
६०७	श्री रामदयाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	जनरल मचेंट, इन्द्रगंज
	श्रीमती शान्तीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
६०८	श्री गदूदलाल परकार	४०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती गुणमालादेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२५	भाई	D. C. E.	वि.	बोर्डरसियर-टाऊन बिल्डिंग विभाग
	श्रीमती सुधादेवी	२२	भाईवधू		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२०	भाई	B. A. III	अवि.	
	श्री उमेशचन्द	१८	भाई	ग्वारबी	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१५	भाई	मिडिल	अवि.	
६०९	श्री ज्ञानचन्द चौधरी	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र जयकुमार, अनाज विक्रेता,
	श्रीमती प्रेमाबाई	४०	पत्नी		वि.	इन्द्रगंज
	श्री जयकुमार	२२	पुत्र	ग्वारबी	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कृष्णकुमार	१८	पुत्र	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती विमलाबाई	१४	पुत्रवधू		वि.	
६१०	श्री जेनेन्द्रकुमार	१९	मुखिया	D.C.E.II	अवि.	छात्र, केन्द्रीय तकनीकी संस्थान
६११	श्री कृष्णकुमार	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	(पीलीटेकनीकल) कालेज
६१२	श्री कैलाशचन्द	२०	मुखिया	D.E.E.II	अवि.	" " "
६१३	श्री सुगनचन्द बरैया	४२	मुखिया		वि.	इयामलल सुगनचन्द, गल्ले के
	श्रीमती चन्दनश्री	३५	पत्नी		वि.	व्यापारी, इन्द्रगंज
	श्री जयकुमार	१४	पुत्र	नवीं	अवि.	
	श्री नेमीचन्द	३०	भाई	मेट्रिक	वि.	अध्यापक-प्राथमिक विद्यालय, बरेठा
	श्रीमती राजुलमती	२७	भाई वधू		वि.	
६१४	श्री विधीचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	दलाल इन्द्रगंज
	श्रीमती कौशल्यादेवी	३९	पत्नी		वि.	
६१५	श्री सुन्दरलाल	६५	मुखिया		विधुर	होटल
	श्री भरोसीलाल	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
६१६	श्रीमिकारीलाल गोलसिंधारे	६०	मुखिया		विधुर	बाबूलाल मिजाबीलाल, इन्द्रगंज
	श्री बाबूलाल	५०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चमेलीबाई	४५	पुत्रवधू		वि.	

इन्द्रगंज, ग्वालियर-१

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजकुमार	२०	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मिनाजीलाल	४५	पुत्र	आयुर्वेदाचार्य	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रतनलाल	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	सविस, मन्डी कमेटी, लश्कर
	श्रीमती बसन्तीबाई	३२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द्र	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती बिमलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
६१७—	डॉ. प्रकाशचन्द गोलसिधारे	४३	मुखिया	A. L. M. S.	वि.	प्रकाश क्लीनिक, इन्द्रगंज
	श्रीमती हरखोदेवी	३२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शान्तकुमार	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुमत्तचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६१८—	श्री प. जगराम गोलसिधारे	८०	मुखिया	जैन प०	विदुर	महाजन
	श्री महेंद्रकुमार	३८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सविस, ग्वालियर ट्रंजरी
	श्रीमती शान्तीदेवी	३४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सनदकुमार	१८	पौत्र	B. Sc. II	अवि.	
६१९—	श्री द्वारकाप्रसाद बरैया	१६	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सविस, महिला बुनियादी शिक्षण, संस्था ग्वालियर
	श्रीमती कमलादेवी	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	
६२०—	श्री दुर्गसकुमार जैतवाल	३७	मुखिया	एम. ए.	वि.	प्रधानाध्यापक, तिलक नगर
	श्रीमती बनमालादेवी	३३	पत्नी		वि.	
६२१—	श्री शंकरलाल गोयल	३४	मुखिया		वि.	एडवोकेट
	श्रीमती उमादेवी	३०	पत्नी		वि.	
६२२—	श्री गुलाबचन्द बघेरवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	शेड, इन्स्पेक्टर, सी. टी. आई., स्टेशन रोड
	श्रीमती रामश्रीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
ललितपुर कॉलोनी—						
६२३—	श्री एन० के० जैन	२०	मुखिया	ग्वारबी	वि.	अध्यापक
	श्रीमती आई. के. जैन	१७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री एस. के. जैन	१६	माई	बी. एस-सी.	अवि.	
	श्री बी. के. जैन	२६	माई	हा० से०	अवि.	
जिम्सी नासा, हाईकोर्ट—						
६२४—	श्रीमती चम्पाबाई बरैया	४५	मुखिया		विधवा	कुटी, आटे की ब दूध की दुकान
६२५—	श्री सुरजमल बरैया	४०	मुखिया		वि.	अत्तार, दुआरात पुस के पास

जिन्सी नाला, हाईकोर्ट, लखर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	जिला	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती नर्मदा	३५	पत्नी		वि.	
	श्री कुलदीप कुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री मानिकचन्द	४५	भाई		वि.	टेला ओमवा
	श्रीमती लच्छोबाई	४०	भाई बचू		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१५	भाई पुत्र		अवि.	
	श्री अशोककुमार	२८	भाई		वि.	सर्विस-भाटे की बक्की पर,
	श्रीमती चमेलीबाई	२५	भाई बचू		वि.	जिन्सी नाला
६२६-	श्री बाबूलाल बरैया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती चमेलीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हृकमचन्द	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	मुन्शी (मदनमोहन कौशिक,
	श्रीमती कलावती	२५	पुत्रबचू		वि.	एडवोकेट के बहू)
	श्री हेमचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	कन्डक्टर
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रबचू		वि.	
६२७-	श्री कामताप्रसाद बरैया	४०	मुखिया		विधुर	असार, हुजरात पुल के पास
	श्री नन्नु लाल	२०	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस-सनातन धर्म कन्या जूनियर
	श्री चन्द्रबोखर	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	कॉलेज, धर्म मंदिर मार्ग, लखर
६२८-	श्री कैलाशचन्द बरैया	४५	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स द्वारकादास पुरुपोत्तम
	श्रीमती कुन्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	दास, 13 बली वाले, सराफा बाजार
	कुमारी उर्मिला	१४	पुत्री	६ वीं	अवि.	
६२९-	श्री रोशनलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	सर्विस, रामस्वरूप मदनलाल,
	श्रीमती कलावती	३२	पत्नी		वि.	माघबग
६३०-	श्री लालचन्द बरैया	२९	मुखिया		वि.	सर्विस, मेसर्स पन्नालाल रोडलाल,
	श्रीमती गौलाबाई	२५	पत्नी		वि.	दालबाजार
६३१-	श्री मुकन्दीलाल बरैया	४५	मुखिया		वि.	भाटे की बक्की, म्वालियर
	श्रीमती मुकन्दीलाल	४०	पत्नी		वि.	
६३२-	श्री शिवकुमार बरैया	२०	मुखिया		वि.	जैन भोजनालय, जिन्सी नाला,
	श्रीमती रज्जोबाई	४०	माँ		विधवा	लखर
६३३-	श्री मोहनलाल बरैया	५३	मुखिया		वि.	जैन रेस्टोरेंट, जिन्सी नाला
	श्रीमती कलावती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री शंकरलाल	३३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२५	पुत्रबचू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	

शुभ कामनाओं सहित:-

फोन नं. { २२६३
२४२१

गंगवाल
इण्डस्ट्रीज
लशकर, ठवालियर

फोन नं. ५७७

मे. गनेशीलाल फूलचन्द

होल सेल क्लोथ मर्चेन्ट

नया बाजार, लशकर

जिल्हो नाता, हाईकोर्ट, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भावीविका विवरण
	श्रीमती कमलश्री	२५	पुत्रवधू	६ बी	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	आई कथू		विधवा	
६३४—	श्री अमरचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	M. A., LL. B.	वि.	प्रोफेसर, राजकीति कलेज, गवर्मेट, कलिका, भिन्ड
	श्रीमती बसन्तीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
६३५—	श्री रोगनलाल पद० परवाल	५५	मुखिया		वि.	गंजेवर, कैलाह लॉक, पाटनकर,
	श्रीमती मालादेवी	४०	पत्नी		वि.	बाजार लखनऊ
	श्री सतीशचन्द	२३	पुत्र	मिडिल	वि.	चाट का ठेका
	श्रीमती कंचनदेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र		वि.	
दिान्दे की छावनी :—						
६३६—	श्री गुलाबचन्द लमेचू	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	दुकान-सुगर कन्ट्री
	श्रीमती बसन्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
६३७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती अंगूरीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२१	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६३८—	श्री बनारसीदास अगवाल	६१	मुखिया	हाई स्कूल	वि.	रिटायर्ड-पोस्ट मास्टर
	श्रीमती सरस्वती देवी	५८	पत्नी		वि.	
	श्री रघुवीरप्रसाद	३६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	पोस्ट मास्टर, R.P.O., ग्वालियर
	श्रीमती डा० सुनीलादेवी	३८	पुत्रवधू	M.D.H. विचारद	वि.	जैन होम्पैथीयिक मेडीकल हाल,
	श्री विनोदकुमार	२१	पौत्र	B. Sc.	अवि.	रामदास बाटी, लखनऊ
	श्री सन्तोषकुमार	१८	पौत्र	B. A.	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पौत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्रीमती मधु	२३	पौत्री	M.A. चतुर्थक	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३९—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	३०	मुखिया	छठवीं	वि.	ठेका
	श्रीमती मीनादेवी	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती सान्डीदेवी	६०	मां		विधवा	

शिक्षण की छावनी, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६४०—	श्री राजेन्द्रप्रसाद जैसवाल	२५	मुखिया	M.Com.	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, जाधव महल
	श्रीमती सीमादेवी	२०	पत्नी	हाई स्कूल	वि.	
६४१—	श्री गोविंदीलाल जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस-बीज भंडार, ग्वालियर
	श्रीमती किष्मोदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री विविचन्द्र	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पुत्र बच्चा		वि.	
	श्री भागचन्द्र	२७	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती फूलोदेवी	२४	पुत्रबच्चा		वि.	
	श्री पदमचन्द्र	२३	पुत्र	पाठवी	अवि.	
	श्री प्रीतमचन्द्र	२०	पुत्र		अवि.	
६४२—	श्री बाबूलाल	५६	मुखिया		वि.	हुकानदारी
	श्रीमती पदमादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मुझालाल	१८	पुत्र		अवि.	
६४३—	श्री नरेशचन्द्र	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	किराना मर्चेंट
	श्रीमती नरेशचन्द्र	३०	पत्नी		वि.	
	श्री० मालती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री रमेशचन्द्र	३२	भाई	मेट्रिक	अवि.	
शिक्षण की छावनी, हनुमान घाटी :—						
६४४—	श्री बंगालीबाबू जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना मर्चेंट
	श्रीमती प्रेमवती	२६	पत्नी		वि.	
	श्री श्रीगुरीलाल	२५	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती मुझीदेवी	२२	भाई बच्चा		वि.	
	श्री रामदयाल	५५	पिता	छटी	वि.	
	श्रीमती मुझीबाई	५०	मां		वि.	
	श्री शंकरपाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती जयेलीदेवी	३६	पत्नी		वि.	
	श्री दर्शनलाल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती बलामोदेवी	२२	पुत्रबच्चा		वि.	
श्री नेमीचन्द्र	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.		
६४५—	श्री छोटेलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	खेती
	श्रीमती शकुन्तला	३६	पत्नी		वि.	
	श्री विश्वरचन्द्र	२१	पुत्र	B. A. II	वि.	

शिबे की छावनी, हनुमान घाटी, लुधकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्यावसायिक विवरण
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
६४६—	श्री श्रीरेन्द्रकुमार प. परवाल	३५	मुखिया	बी. ए.	वि.	सुपरबाइजर-सेन्ट्रल टेलिग्राफ आफिस, जयपुरगंज
	श्रीमती राजकुमारी	३२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री विजेन्द्रकुमार	२१	भाई	B. E. IV	अवि.	
६४७—	श्री प्रकाशचन्द पया. परवार	३२	मुखिया	बी. ए.	वि.	' केथियर-गुनाइटेड कामशिवल बैंक, सराफा बाजार
	श्रीमती प्रकाशदेवी	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६४८—	श्री गोपीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	दिनेश बी स्टोर्स, गिन्दे की छावनी
	श्रीमती सहृद्राबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती अशरफीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	
६४९—	श्री चिरोजीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	जैन रेस्टारेंट, गिन्दे की छावनी
	श्रीमती बमेलीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री शान्तीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	सेतीबाड़ी
	श्रीमती नारायणीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गुलजारीलाल	२३	पुत्र	बी. ए., बी. एड.	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२१	पुत्रवधू	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५०—	श्री पोथीराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	श्री महावीर पलोर मिल, गिन्दे की छावनी
	श्रीमती अजुढीबाई	४८	पत्नी		वि.	
६५१—	श्री शंकरलाल चौधरी	४५	मुखिया		वि.	डाइवर-बम्बल केनाल विभाग
	श्रीमती कौसावती	३८	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२१	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	मुन्नी
	श्रीमती चम्पाकिरण	१६	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६५२—	श्री केशरीमल बरया	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	परिचालक-एम. पी. आर. एस. टी.
	श्रीमती रामकलीबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६५३—	श्रीमती अंगूरीबाई	३८	मुखिया		विधवा	पान की दुकान
	श्री अशोककुमार	१२	पुत्र		अवि.	

शुभकामनाओं सहित :—

फोन नं० ५०

मुरेना त्रायरन एन्ड स्टील इन्डस्ट्रीज

परगज, छुरी, वलुआ, फाल, कीलें, कुन्दा, नून,
हुंनर, गेंली इत्यादि के निर्माता

जीवाजीगंज रोड़, मुरेना

व

फोन नं० ७२१

बन्शीधर विमलचन्द जैन

आयरन मर्चेन्ट, लोहिया बाजार, लडकर

फोन नं० २००६

शुभकामनायें अर्पित करते हूरे :—

मे. रतीलाल बेचरदास

मोटर पार्टस विक्रेता, सराफा बाजार, लडकर
पेट्रोल पम्प, महारानी लक्ष्मीबाई रोड, लडकर

ए व म्

फोन नं० १६८६

ग्वालियर मोटर हाऊस

जयेंद्रगंज, लडकर

मोटर पार्टस् एवं टायर ट्यूब विक्रेता

शिंदे की छावनी, हनुमान घाटी, लडकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६५४—	श्री छोटेला परवार	२७	मुखिया	M. Com.	वि.	सर्विस-लेन्ड रिकार्डस्
	श्रीमती सुशीलाबाई	२३	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६५५—	श्री दशंतलाल बरैया	४०	मुखिया		वि.	हलवाई की दुकान
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री फूलचन्द	५२	भाई		अवि.	
६५६—	श्री बाबूलाल बरैया	४५	मुखिया		अवि.	बाबूलाल ओडेलास, किराना मर्चेन्ट
	श्री ओछेलाल	४२	भाई		वि.	शिन्दे की छावनी
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	भाई वधू		वि.	
६५७—	श्रीमती जमनाबाई बरैया	५५	मुखिया		विधवा	
६५८—	श्री चिरंजीलाल बरैया	६०	मुखिया		वि.	हजवाई की दुकान, शिन्दे की
	श्रीमती ग्यासोदेवी	५५	पत्नी		वि.	छावनी
	श्री पूरनचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शकुन्तादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बाबूलाल	३७	पुत्र	इन्टर	वि.	किराना जनरल स्टोर्स, शिन्दे की
	श्रीमती सुखदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	छावनी
	श्री जगदीशचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	१८	पुत्रवधू		वि.	
६५९—	श्री घनसुन्दरलाल बरैया	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र	छठीं	अवि.	
	कु. शकुन्तला	१४	पुत्री	छठीं	अवि.	
६६०—	श्री नवलकिशोर बरैया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	नवलकिशोर रामकिशोर, किराना
	श्रीमती दक्खोबाई	२५	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट, शिन्दे की छावनी
६६१—	श्री काशीराम बरैया	३६	मुखिया	सातवी	वि.	हलवाई
	श्रीमती सुषीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० कमला	१४	पुत्री	सातवी	अवि.	
६६२—	श्री भागीरथ बरैया	२५	मुखिया		वि.	चाट भन्डार
	श्रीमती बदायीदेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री चन्नालाल	२२	भाई		अवि.	
	श्रीमतीगोमतीबाई	५०	मां		विधवा	
६६३—	श्री गनपतलाल बरैया	४२	मुखिया		विधुर	स्वास्तिक जनरल स्टोर्स, कालका बाजार
	श्री अनन्त कुमार	२३	पुत्र	एम. एससी.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

शिक्षण की छावनी, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीलादेवी	१६	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री केशरीमल	२१	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-सी० ओ० डी०, आगरा
	श्रीमती सुशीलादे	१८	पुत्रवधू	सातवी	वि.	
	श्री पद्मचन्द	१८	पुत्र बी०	एससी० I	अवि.	
६६४	श्री हरजाल बरैया	५६	मुखिया		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मदनलाल	१६	पुत्र	एफ० ए०	वि.	सर्विस-कोआपरेटिव बैंक, गोहद
	श्रीमती रामादेवी	१७	पुत्र वधू	छठी	वि.	
६६५	श्री मुरारीलाल गोलालारे	४३	मुखिया	एफ० ए०	वि.	एकाउन्टेन्ट-यू० को० बैंक, सराफा
	श्रीमती जैनोबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
	कु० ऊषारानी	१६	पुत्री	ग्यारवीं	अवि.	
६६६	श्री मुन्नीलाल गोलालारे	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	हलवाई
	श्रीमती मायादेवी	२८	पत्नी		वि.	
६६७	श्री गुलाबचन्द खरीजा	४५	मुखिया		वि.	मैनपुरी तम्बाकू
	श्रीमती पद्मश्री	३३	पत्नी		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री प्रभातचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
६६८	श्री राजाराम जंसवाल	६५	मुखिया		विधुर	नमकीन का ठेला
	श्री किशोरीलाल	४०	पौत्र		वि.	
	श्रीमती गोरीबाई	२५	पौत्र वधू		वि.	
६६९	श्री जगदीशकुमार पाटनी	२६	मुखिया	एम० ए०	विधुर	सर्विस-युनाइटेड कॉमर्सियल बैंक
६७०	श्री सुमनकुमार पाटनी	३६	मुखिया	सातवीं	वि.	तेल और बी का व्यवसाय
	श्रीमती कुन्धादेवी	३०	पत्नी	सातवीं	वि.	
६७१	श्री प्रकाशचन्द पाटनी	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मुल्लाल प्रकाशचन्द, किराना
	श्रीमती कन्धनबाई	३५	पत्नी	मिडिल	वि.	स्टोर्स शिक्षण की छावनी
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० शोभारानी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० सुषमारानी	१४	पुत्री	पांचवीं	अवि.	
६७२	श्री देवेन्द्रकुमार कासलीवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-मंगलाल फेन्ट्री
	श्रीमती पुष्पादेवी	२६	पत्नी	नवीं	वि.	
	श्री आनिलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती चंदादेवी	६०	मां		विधवा	

शिक्षण की छावनी, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७३	श्री कमलचन्द कासलीवाल	२८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सविस्-यू. को बैंक, नया बाजार
	श्रीमती कुसुम	२२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६७४	श्री सुरेन्द्रकुमार	३३	मुखिया	सातवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीदेवी	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सतीशचन्द	१८	माई	D.M.E., B.E. III	अवि.	
	श्रीमती अगूरीबाई	६०	मां		विधवा	
६७५	श्री करणसिंह जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यापार
	श्रीमती घन्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्रीकपूरचन्द	३०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजवती	६०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भागचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती प्रकाशवती	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रामभरोसी	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	सविस्-विद्यकी फॅक्ट्री
	श्रीमती मुन्नीबाई	१८	पुत्र वधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
६७६	श्री यतीन्द्रकुमार परलजीवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सविस्-रेलवे स्टेशन, ग्वालियर
	श्रीमती सरोजकुमारी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
६७७	श्री चम्पालाल लमेंचू	५६	मुखिया		वि.	हलबाई
	श्रीमती राजमती	५६	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती कुमुदनी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री उग्रसेन	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सावित्री	२३	पुत्र वधू	मिडिल	वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती बीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री विनोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६७८	श्री कपूरचन्द लमेंचू	४७	मुखिया	सातवीं	वि.	कपूरचन्द विनोदकुमार, मिष्ठान्त
	श्रीमती कैलाशीबाई	४०	पत्नी		वि.	मन्डार
	श्री विनोदकुमार	१६	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	
	श्री अमोदकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती जैनाबाई	७०	मां		विधवा	

स्वास्थ्य सं० १६६५

फोन नं० : २०७९

हार्दिक शुभकामनायें अर्पित करते हुए—

मस्तुत करते हैं !

सोना, चांदी व उसके आधुनिक आभूषण

नमूने के अनुसार सुन्दर आभूषण बनवाईयेगा

जौहरी शिवदास मोतीलाल जैन (धरसोदी, वाले)

सराफा बाजार, लश्कर-ग्वाळियर

फोन नं० २२८०

- ⊙ टाटा आयरन एण्ड स्टील कंपनी लि०
- ⊙ स्टील कारपोरेशन ऑफ बंगाल लि०
- ⊙ बि इन्डिया आयरन स्टील कंपनी लि०
- ⊙ इन्डियन टूयब कंपनी लिमिटेड के

स्टाकिस्ट →

चन्दरलाल गप्पुलाल

मर्चेण्ट्स एण्ड कन्ट्राक्टर्स, इम्पोर्टर्स एण्ड एक्सपोर्टर्स

डीडवाना ओली, ग्वाळियर-२

अपनी शुभ कामनायें पेश करते हैं !

शिन्दे की छावनी, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६७६—	श्री ग्यासीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		विधुर	जैनग्रन्थ भण्डार, शिन्दे की छावनी
	श्री टीकाराम	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	
६८०—	श्रीमती बादामीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	हलवाई
	श्री कपूरचन्द लमेंचू	४०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती कुसुमदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री गोरेलाल	३५	भाई	नहीं	वि.	
६८१—	श्रीमती शीलादेवी	३०	भाई वधू		वि.	हलवाई
	श्री श्रीचन्द लमेंचू	४०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पुष्पलता	३०	पत्नी		वि.	
६८२—	श्री हृदयकुमार	१४	पुत्र	सातवीं	अवि.	व्यवसाय
	श्री स्वदेशीलाल लमेंचू	३०	मुखिया		वि.	
६८३—	श्रीमती दाखुश्रीदेवी	२५	पत्नी		वि.	छोटे लाल रामनाथ हलवाई, शिन्दे की छावनी-चौराहा
	श्री रामनाथ तिलवारी जैसवाल	३५	मुखिया	पाँचवीं	वि.	
	श्रीमती मालतीदेवी	२५	पत्नी		वि.	
६८४—	श्री प्रकाश	२०	भतीजा	ग्यारवीं	अवि.	हलवाई मंग व गांजे के ठेकेदार
	श्री रामप्रसाद कपरिया	४०	मुखिया		विधुर	
	श्री बाबूलाल जैन	२२	भाई पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२०	भाई पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
६८५—	श्रीमती घनवन्ती	५०	भाभी		विधवा	प्रबन्धक—ग्वालियर जिला सहकारी भू-विकास बैंक
	श्री नेमीचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	M. Com., LL. B.	वि.	
	श्रीमती कान्ताबाई	२०	पत्नी	इन्टर	वि.	

स्टेशनरोड, शिन्दे की छावनी:—

६८६—	श्री गनपतलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	गनपतलाल पन्नालाल, किराना मर्चेन्ट, स्टेशनरोड, ग्वालियर
	श्रीमती लालोबाई	५५	पत्नी		वि.	
६८७—	श्री पन्नालाल	३५	पुत्र	सातवीं	वि.	जैन जनरल स्टोर्स
	श्रीमती छोटीबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मांगीलाल	२५	पुत्र	नहीं	वि.	
	श्रीमती उमिलादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री मुन्नालाल	२३	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती शीलादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री स्वरूपचन्द	२०	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	१४	पुत्रवधू	ग्यारवीं	वि.	

शिबे की छावनी, स्टेशन रोड, लुडकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६५७—	श्री जवाहर गण	५०	मुखिया		वि.	किराना मर्चेट, श्रीकृष्ण चर्मशाला
	श्रीमती सरजूदेवी	४५	पत्नी		वि.	स्टेशन रोड, लुडकर
	श्री मानिकलाल	२५	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती शारदादेवी	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पन्नालाल	६०	भाई		वि.	
	श्रीमती राजमतीदेवी	४५	भाई वधू		वि.	
खन्डवन्दनी नाका: --						
६५८—	श्री रामसहाय	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गवर्नमेंट रीजनल प्रेंस
	श्रीमती लीलावती	३५	पत्नी		वि.	
	श्री लक्ष्मीबाई	५५	बहिन		विधवा	
	श्री बाबूलाल	४०	भाई		अवि.	
६५९—	श्री भगवानलाल बरैया	५२	मुखिया		वि.	किराना मर्चेट
	श्रीमती आनन्दी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	१६	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
६६०—	श्री ओमचन्द्र	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस
	श्रीमती सुप्रभा	२०	पत्नी		वि.	
पाटनकर बाजार: --						
६६१—	श्री कन्हैयालाल शोयल	३३	मुखिया	एम० ए०	वि.	जैन पुस्तक सदन, पाटनकर बाजार
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
६६२—	श्री ओमप्रकाश अग्रवाल	३४	मुखिया	B. A., LL.B.	वि.	मेस. आर.एल.अग्रवाल एण्ड कम्पनी,
	श्रीमती मायादेवी	३०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	वाटर प्रूफ एवं काहें पेपर निर्माता
६६३—	श्री हरीशचन्द्र जैसवाल	३२	मुखिया	ग्यारवी	वि.	हरीशचन्द्र-हाईवेयर मर्चेट, दोलत
	श्रीमती कमला देवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	गंज
६६४—	श्री० बाबूलाल जो पोरवाल	३०	मुखिया	M.Sc (एग्री.)	वि.	व्याख्याता, कृषि महाविद्यालय
	श्रीमती फूलवती	२५	पत्नी	इन्टर	वि.	
६६५—	श्री सूरजमल	२५	मुखिया	B. A., LL.B.	अवि.	
६६६—	श्री प्रकाशचन्द्र बरैया	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	बजलाल प्रकाशचन्द्र, अत्तार
	श्रीमती कमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२४	भाई	सातवीं	वि.	
	श्रीमती निर्मलाकुमारी	१९	भाई वधू		वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	२१	भाई	B. A. II	अवि.	

पाठनकर बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सरस्वतीदेवी	५६ मां		विधवा	
६६७	श्री हजारीलाल बरैया	४५	मुखिया	वि.	नौकरी
	श्रीमती प्रेमाबाई	२६	पत्नी	वि.	
फालके का बाजार:—					
६६८	श्री० नरेन्द्रलाल जैन	३५	मुखिया M Com.	साहित्य रत्न वि.	आनन्दभवन, व्याख्याता-स. ल. वा.
	श्रीमती मालतीदेवी जैन	२६	पत्नी हायर सेकेन्ड्री	वि.	कला एव वाणिज्य महाविद्यालय
	श्री ज्ञानचन्द्र	२०	भतीजा B.Sc. II	अवि.	
	श्री रतनचन्द्र	१४		मिडिल अवि.	
६६९	श्री बाबूलाल कागला	५०	मुखिया	मेट्रिक वि.	मे० मायाचन्द्र गणेशराम
	श्रीमती मुन्नीबाई	४६	पत्नी	वि.	
	श्री हनुमन्चन्द्र	३०	पुत्र	मेट्रिक वि.	मे० हनुमन्चन्द्र विनोदकुमार,
	श्रीमती गिरजाकुमारी	२८	पुत्रवधू	मिडिल वि.	साखान्न विक्रेता
	श्री विनोदकुमार	१७	पुत्र	ग्यारवी अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	दसवी अवि.	
	श्रीमती अशफतीबाई	७०	मां	विधवा	
७००	श्री मनीराम लमेंचू	६०	मुखिया	वि.	जैन मिष्ठान्न भण्डार, फालका
	श्रीमती शान्तीबाई	४२	पत्नी	वि.	बाजार
	श्री धनपतलाल जैन	२५	पुत्र B. Sc., L.L.B.	वि.	
	श्रीमती अशोककुमारी	२२	पुत्रवधू	वि.	
७०१	श्री त्रिलोकचन्द्र शास्त्री जैस.	६५	मुखिया पं० शास्त्री	वि.	साहूकारी, भूमिपति, स्थायी निवास
	श्रीमती राजमती	५८	पत्नी	मिडिल वि.	छोपीटोला, आगरा
	श्री नवीनचन्द्र	२४	पुत्र M. Com.	वि.	एकाउन्टेन्ट, अल्यूमीनियम कार-
	श्रीमती सरलारानी	२२	पुत्रवधू B. A. II	वि.	पोरेशन ऑफ इण्डिया, कलकत्ता
	श्री विपिनचन्द्र	२२	पुत्र बी. ए.	अवि.	
	श्री सुधीशचन्द्र	२१	पुत्र बी. ए.	अवि.	
	श्री जिनेशचन्द्र जैन	१८	पुत्र B, E. I	अवि.	
७०२	श्रीमती शान्ती प्रेमचन्द्र जैस.	५५	मुखिया	मिडिल विधवा	मे. जोषाराम प्रेमचन्द्र जैन,
	श्री रवीन्द्र "मालव"	२०	पुत्र D.M.E. B.A., फिजिकल	अवि.	मे० मालव ट्रेडर्स,
	श्रीमती ऊषा	१८	पुत्री M.A. (Pol. Sc.)	वि.	
७०३	श्री भूलचन्द्र, जैसवाल	५८	मुखिया	मिडिल वि.	किशाना व्यापारी, हरलाल भूलचं
	श्रीमती शान्तीदेवी	५४	पत्नी	वि.	जैन, फालका बाजार

फालका बाजार, लङ्कर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री नरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यापारी, मे० फूलचन्द्र नरेन्द्र
	श्रीमती मनोरमादेवी	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	कुमार, फालके बाजार
	श्री ज्ञानचन्द्र जैन	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	अनाज व्यापारी—मे० फूलचन्द्र
	श्रीमती धन्द्रमुखी	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	ज्ञानचन्द्र
	श्री मानिकचन्द्र	२१	पुत्र	B. Com. III	वि.	सर्विस- सेल्स मैन-लिपटन टी कं०
	कु० लक्ष्मी	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
७०४—	श्री बुद्धसैन	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	हुण्डी के दलाल
	श्रीमती सुशीलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२३	पुत्र	B. Com. III	अवि.	
	कु० माया	१६	पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	नवमी	अवि.	
७०५—	श्री मोहनलाल जैसवाल	७७	मुखिया		विधुर	कास्तकारी
	श्री लक्ष्मीचन्द	६०	दामाद		विधुर	
	श्री कैलाशचन्द	४०	धेवता	मेट्रिक	वि.	दिनेश ओटोमोवाइल्स, पाटनकर,
	श्रीमती सुलोचना	३५	धेवता वधू	मिडिल	वि.	बाजार
	श्री कुशलचन्द	२५	धेवता	B. Sc. I	वि.	
	श्रीमती स्वरूपदेवी	२०	धेवता वधू		वि.	
	कु० चन्द्रलेखा	१६	धेवता पुत्री	ग्यारवी	अवि.	
	श्री दिनेशचन्द	१५	धेवता पुत्र		अवि.	
जरी पटका, फालका बाजार:—						
७०६—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	अवि.	सर्विस—जे० सी० मिल्स, ग्वालियर
	श्री शिवचरणलाल	२६	भाई		वि.	जैन साइकल स्टोर्स, फालके बाजार
	श्रीमती यशोदा देवी	५५	मां		विधवा	
७०७—	श्री ग्यालीराम जैसवाल	५८	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पार्वतीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ग्यालीलाल	३५	दामाद		वि.	
	श्रीमती प्रेमबाई	३२	पुत्री		वि.	
	कु० लक्ष्मीबाई	१४	नातिनी		अवि.	
कमलसिंह का बाग, शिन्धे की छावनी:—						
७०८—	श्री फुन्टीलाल गोलसिंधारे	४५	मुखिया		वि.	कन्ट्रॉल की दुकान
	श्रीमती रामवती	३५	पत्नी		वि.	

कमलसिंह का बाग, शिंदे की छावनी, लखर

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रामबाबू	२७	भाई		विधुर	नौकरी
	श्री किशनलाल	२५	पुत्र		विधुर	
	श्रीमती किशनलाल	२२	पुत्रवधू		वि.	किराना ब्यापारी—किशनलाल
	श्री जयकुमार	२१	पुत्र		वि.	किराना मर्चेट, फालके बाजार
	श्रीमती जयकुमार	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजकुमार	१८	पुत्र		वि.	
	श्रीमती राजकुमार	१५	पुत्रवधू		वि.	
७०६—	श्री जवाहरनाल जैन	३५	मुखिया	M.B., B.S.	वि.	हॉस्पिटल, प्रेमनगर खेडापति
	श्रीमती गुणवती	५४	मां		विधवा	कालोनी
	श्रीमती आशा	२५	पत्नी	बी. ए.	वि.	
	प्रो० चन्द्रकान्त	२५	भाई	M.Sc (Ag.) LL.B.	अवि.	व्य.रूपाता ऐग्रीकलचर कालेज,
	श्री सूर्यकान्त	२३	भाई	B. Sc. (Ag.)	अवि.	
	कु० कमला	३०	बहिन	एम. ए.	अवि.	शासकीय सेवा, भोपाल
	कु० कृष्णा	२४	बहिन	M.A. (Pol) Sc.	अवि.	
	डा० कस्तूरचन्द	३४	मामा	M. B. B. S.	अवि.	टी. टी. नगर अस्पताल, भोपाल

सराफा बाजार:—

७१०—	श्री काशीराम बरैया	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	जल व विद्युत. बिन डिपो मीटर
	श्रीमती कस्तूरी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री नरथीलाल	१४	पुत्र		अवि.	
७११—	श्री भंवरलाल साहू	४६	मुखिया	M. Com. LL.B.	वि.	एकाउन्टेन्ट-बैंक ऑफ बड़ौदा
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७१२—	रिखबचन्द्र बड़जात्या	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मक्सि-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शान्तीबाई	३७	पत्नी		वि.	विक्रय-विभाग, बिरलानगर
	श्री धेयांसकुमार	२०	पुत्र	B. E. Final	अवि.	
	कु० अनिता	१८	पुत्री	B. A. II	अवि.	
	श्री उदककुमार	१७	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	नवीं	अवि.	
७१३—	श्री प्रेमचन्द बरैया	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	
७१४—	श्री बीरेन्द्रकुमार जंसवाल	२३	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस-ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती ऊषा	२०	पत्नी	एफ. ए.	वि.	

सराभा बाजार, माधवगंज, दौलतगंज, लखर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
	श्रीमती सुखदेवी	५५	मा		विधवा	
७१५—	श्री तेजकुमार गंगवाल	२६	मुखिया	एम. ए.	वि.	सर्विस-सोशल बेल फेयर डिपॉ०
	श्रीमती ऊषाकुमारी	२५	पत्नी	एफ ए.	त्रि.	छ्त्री रोड़, लखर
	श्री दुलीचन्द	२८	भाई	मिडिल	अवि.	
	श्री जिनेन्द्रकुमार	२६	भाई	एफ. ए.	अवि.	मरीना जनरल स्टोर्स,
	श्री रूपचन्द	२४	भाई	एफ. ए.	अवि.	सराभा बाजार, फो० नं० २६३५
	श्री हुकमचन्द	२३	भाई	हायर सेकन्ड्री	अवि.	
	श्रीमती कमलाबाई	५०	मा		विधवा	
७१६—	श्री सीभागमल विद्याका	४६	मुखिया	एफ. ए.	वि.	सर्विस- ब्रिजनी घर
	श्रीमती कमलाबाई	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रमोदकुमार	२५	पुत्र	B. Sc.(Engg)	वि.	व्याख्याता-माधव इन्जीनियरिंग
	श्रीमती हेमलता	१८	पुत्र वधु	मेट्रिक	वि	कालेज, ग्वालियर
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	M. B. S. IV	अवि.	
७१७—	श्री पारसमल अश्रीमोड़ वैश्य	३३	मुखिया	M.Sc.	वि.	व्याख्याता, कृषि महाविद्यालय,
	श्रीमती मनोरमा	२६	पत्नी	मिडिल	वि	नई सड़क, लखर
माधव गंज:—						
७१८—	श्री बुद्धामल बरैया	४०	मुखिया		त्रि.	पुटकर व्यवसाय
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पत्नी		वि.	
७१९—	श्री पंचमलाल बरैया	२४	मुखिया		वि.	टेलर-फर्श, माधोगज
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
७२०—	श्री केशरीमल बरैया	२०	मुखिया		वि.	साईकिल रिपेयरिंग, दालबाजार
	श्रीमती केशरीमल	१८	पत्नी		वि.	
	श्री सुपार्श्वचन्द	१७	भाई		वि.	कम्पोजीटर एव टेलर
	श्रीमती सुपार्श्वचन्द	१५	भाई वधु		वि.	
	श्रीमती कलावती	४०	मा		विधवा	सि स-मे० चंद्रमाल गप्पूलाल
७२१	श्रीमती पुनियाबाई	५५	मुखिया		विधवा	साहूकारी, लेन, डेन
दौलतगंज—						
७२२—	श्री सन्तोषकुमार सेठी	१८	मुखिया	B. Com.II	अवि.	स्थाई निवासी कलकत्ता
	श्रीमती कमलादेवी	३८	मा		वि.	
७२३—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२५	मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस. ए० जी० ऑफिस
	श्रीमती कमलादेवी	२२	पत्नी	बी० ए०	वि.	

द्विगम्बर जैन-समाज, ग्वालियर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	धैराहिक स्थिति	भाजीबिका विवरण
मोहल्ला सञ्चाराम :-						
७२४—	श्री गोपाकन्द जैसवाल	४३	मुक्तिया	मिडिल	वि.	सविस-जे० सी० मिस्त
	श्रीमती जेनोबाई	३३	पत्नी		वि.	
७२५—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	४३	मुक्तिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जलदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री मुसालाल	३०	पुत्र		अवि.	सविस
७२६—	श्री बलवन्तराम जैसवाल	६३	मुक्तिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सुगनाबाई	२०	पुत्रवधु		वि.	
७२७—	श्री रामजीदास अग्रवाल	२८	मुक्तिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रामजीदास	२३	पत्नी		वि.	
लोहामण्डी :-						
७२८—	श्री अरविन्द्र कुमार	३८	मुक्तिया		वि.	सविस-जे० सी० मिस्त, बिरसा नगर
	श्रीमती अरविन्द्रकुमार	३३	पत्नी		वि.	
	श्री महेशकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री सोहनलाल	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती सोहनलाल	२८	भाई वधु		वि.	
	श्री सुनीलकुमार	१८	भाई		अवि.	
७२९—	श्री शंकरलाल जैसवाल	३३	मुक्तिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती शंकरलाल	१८	पत्नी		वि.	
७३०—	श्री लखाराम जैसवाल	६३	मुक्तिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रक्कीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री सान्दीप्रसाद	३८	पुत्र	मिडिल	वि.	

टेलीफोन { दुकान २१६१
घर २६७१

गोपीलाल लखमीचन्द सराफ

थोका सोना एवं चांदी के जेवरों के व्यापारी
सराफा बाजार, लखनऊ

हमारी दुकान की विशेषताएँ:—

- * नेवरी
- * ग्रामला
- * कड़ी
- * करघोनी
- * ककना
- * ग्रनोला
- * पाजेब :— मद्रासी, कोलापुरो डेमलकटी, ग्रहमदाबादी
- * घुघरू
- * बिक्रुए इत्यादि हर समय तैयार मिलते हैं।

मुख्य मोहर:—

मोलीलाल आबूलाल तथा गो. ल. देखकर ही खरीदिये।

स्थापित : १९१०

फोन नं० : ३०६४

ग्वालियर गोटा फैक्टरी

सराफा बाजार, ग्वालियर-१

हमारे यहाँ,

शादी, विवाह इत्यादि के अवसर के लिये
जरूरीजी काम की कलात्मक

■ साड़ियाँ ■ ब्लाउज पीसेज ■ शाल आदि

हमेशा सैयार रहते हैं।

कृपया सेवा का अवसर दें !

श्रीहामण्डो, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र		अवि.	
७३१—	श्री ग्यासीराम जैसवाल	८३	मुखिया		वि.	तेल मिल
	श्रीमती रामोबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रभूदयाल	५८	पुत्र		अवि.	
७३२—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस
	श्रीमती रूपकुमारी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	१८	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री आदीशकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
७३३—	श्री जीनाराम जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सबिस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चमेलीबाई	३३	पत्नी		वि.	
	कु० शकुन्तला	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
७३४—	श्री श्रीचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	सबिस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुलकन्दी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री दुलीचन्द	३०	भाई		वि.	
	श्रीमती सावित्रीबाई	२८	भाई वधू		वि.	
७३५—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	६८	मुखिया	सातवी	विधुर	सबिस-जे० सी० मिल्स
७३६—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० अगवानदेई	१८	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	
	श्री जमनाप्रसाद	३५	भाई		अवि.	सबिस-जे० 'सी० मिल्स
	श्री रामनिवास	२७	भाई		अवि.	
	श्रीमती बहामीबाई	६८	मा		विधवा	
७३७—	श्री हरीशचन्द जैसवाल	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सबिस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कान्हीदेवी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री अनिलकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री पवनकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	कु० सरिता	१६	पुत्री		अवि.	
७३८—	श्री मंगलचन्द जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	रिटायर्ड—पटवारी
	श्रीमती मधुराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री केशवचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	

सोहामणी, भालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	१८	पुत्र		अवि.	
७३६—	श्री ब्रह्मचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	सविस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री हरप्रसाद	३५	भाई		अवि.	
	श्रीमती राजोदेवी	५८	मां		विधवा	
७४०—	श्री श्रीगुरीमल जैसवाल	५९	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कपूरीदेवी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	१९	पुत्र.		अवि.	
	श्री शिवनारायण	१६	पुत्र		अवि.	
७४१—	श्री सुखलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती रामश्री	४३	पत्नी		वि.	
	श्री विनेन्द्रकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कु० माया	१५	पुत्री		अवि.	
७४२—	श्री नेमीचन्द जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ला व्यवसायी
	श्रीमती शकुन्तला	३१	पत्नी		वि.	
७४३—	श्री हजारीलाल जैसवाल	६८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसायी
	श्रीमती रामबाई	५९	पत्नी		वि.	
७४४—	श्री भानदीलाल जैसवाल	८०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती रमकोबाई	७३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४८	पुत्र		वि.	सविस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती भगवतीबाई	४१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ब्रह्मचन्द	२०	पौत्र		अवि.	
	श्री हुकमचन्द	१८	पौत्र		अवि.	
	श्री सुरेन्द्रचन्द	१५	पौत्र		अवि.	
७४५—	श्री ओखीलाल जैसवाल	४८	मुखिया		अवि.	सविस
७४६—	श्री नन्दकिशोर जैसवाल	७३	मुखिया		विधुर	आहुत
	श्री पूरनचन्द	५३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कलावती	४३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विमलचन्द	३२	पौत्र	श्वारबी	अवि.	
	श्री भोमप्रकाश	१४	पौत्र		अवि.	
७४७—	श्री तुलसीराम जैसवाल	५३	मुखिया		वि.	किराना
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र	एन. कॉम.	वि.	

श्रीहामण्डी, न्यायिक

परिवार संख्या	नाम	वयु	सम्बन्ध	शिला	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती महावीरप्रसाद	१६	पुत्रवधू		वि.	
७४८—	श्री मोतीलाल अग्रवाल	७३	मुलिया		वि.	बस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती	६८	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	५१	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती	४७	पुत्रवधू		वि.	
	श्री बंगालीप्रसाद	४३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती	३६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकुमार	३६	पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती	३४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती	३०	पुत्रवधू		वि.	
	डा० महावीरप्रसाद	२६	पौत्र	M. Sc.	वि.	डिप्लोमेटरी-वेदापति कालोनी
	श्रीमती	२४	पौत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रदिपमकुमार	२२	पौत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती	१६	पौत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
७४९—	श्री मोतीलाल परवार	४३	मुलिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
७५०—	श्री कस्तूरचन्द परवार	३८	मुलिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती शीलाबाई	२८	पत्नी		वि.	
७५१—	श्री बाबूलाल परवार	५१	मुलिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामश्रीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२६	पुत्र		वि.	हलवाई
	श्रीमती कास्तादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	७८	मा		विधवा	
७५२—	श्री देवीराम परवार	४८	मुलिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सूरिबाई	४१	पत्नी		वि.	
	श्री सुगनचन्द	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	मिजक—न्यायिक
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जमुनाप्रसाद	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

मोहामण्डो, खरालिखर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेशचन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
७५३—	श्री भजनलाल जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती भगवानदेवी	३८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मालती देवी	२०	पुत्रवधू		वि.	
७५४—	श्री रामचन्द जैसवाल	३८	मुखिया		वि.	किराना व्यवसाय
	श्रीमती अशरफीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	कु. मनोरमा	१४	पुत्री		अवि.	
७५५—	श्री हीरालाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती कस्तूरीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री जीवनलाल	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती उर्मिलादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री लक्ष्मीचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१४	पुत्र		अवि.	

कोटा वाला मोहस्ता :—

७५६—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	अनाज का व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्री मुमालाल	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पदमचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
७५७—	श्री फूलचन्द अग्रवाल	५१	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती केशरबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री मुन्नीलाल	३१	पुत्र		वि.	वस्त्र व्यवसाय
	श्रीमती कस्तूरीबाई	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गणेशीलाल	२७	पुत्र	एम. कॉम.	वि.	सर्विस-ए० जी० अफिस
	श्रीमती अजलीदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	१७	पुत्र	ग्यारवी	अवि.	
	श्री प्रेमचन्द	४३	भाई		वि.	
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	भ्रातावधू		वि.	
	श्रीमती रामा	३३				
	कु० सीना	१४	पुत्री		अवि.	
	श्रीमती तुलसीबाई	६३	माँ		विप्रदा.	

कोटा जाला मोहल्ला, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आर्थिक विवरण
७५८—	श्री घन्नालाल जैन "धर्मवीर"	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गन्नामल घन्नालाल सराफ,
	श्रीमती रामस्वरूपीदेवी	५३	पत्नी		वि.	सराफा बाजार, लक्ष्कर ।
	श्री अक्षयदास	३३	पुत्र	B.A., LL M.	वि.	व्याख्याता-विधि-विज्ञान, महारानी
	श्रीमती अजरफीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	लक्ष्मीबाई कालेज, ग्वालियर
	श्री अजितकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	व्यवसाय-सराफ
	श्रीमती पुष्पादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
७५९	श्री मल्हारीलाल जैसवाल	६२	मुखिया		वि.	गल्ले का व्यवसाय
	श्रीमती पतोजाबाई	६०	पत्नी		वि.	
गंज :-						
७६०—	श्री किशोरीलाल अग्रवाल	४३	मुखिया	बी.ए.	वि.	सबिस, ए० जी० आफिस
	श्रीमती रामश्रीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री भरुसीलाल	३३	भाई		अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	८३	मां		विधवा	
७६१—	श्री चोखेलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले का व्यापार
	श्रीमती रामश्रीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री पदमचन्द	२१	पुत्र	ग्यारवीं	अवि.	विस्कुट व्यवसाय
	कु० सुलोचना	१७	पुत्री		अवि.	
७६२—	श्री भोगीराम जैसवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय कपड़ा
	श्रीमती सरमनीयाबाई	४२	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलचन्द	२५	पुत्र	ग्यारवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री शैलचन्द	२३	पुत्र	B.Sc.	वि.	
चन्द्रकान्ता	१७					
७६३—	श्री कूलचन्द जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	हाटल व्यवसाय
	श्रीमती कमलादेवी	२१	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२८	भाई		वि.	
७६४—	श्री चन्दनलाल	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	गल्ले के व्यापारी
	श्रीमती सरवतीबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री फतहचन्द	२९	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

गंज, पञ्जीयाड़ा, फोर्ट रोड—ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६५—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल श्रीमती जैमकती	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	कपड़े के व्यापारी
		३३	पत्नी		वि.	
७६६—	श्री खूबचन्द जैसवाल श्रीमती शांतीबाई	५८	मुखिया		वि.	किराने के व्यापारी
		५३	पत्नी		वि.	
	कु० उमिला	१५	पुत्री		अवि.	
७६७—	श्री जजुट्टीप्रसाद जैसवाल श्रीमती रामम्मी	३८	मुखिया		वि.	हनबाई
		३३	पत्नी		वि.	
पञ्जीयाड़ा :-						
७६८—	श्री राम अबतार सिंहल श्रीमती शकुन्तला	३२	मुखिया	इन्टर	वि.	सर्विस, बोर्ड ऑफ सेकेन्डी एजुकेशन,
		२६	पत्नी	मिडिल	वि.	भोपाल
	श्री कृष्णकुमार	२६	भाई	एम. कॉम.	वि.	असिस्टेन्ट आडीटर, मिनिस्ट्री मुरार
	श्रीमती इन्दिरादेवी	१८	पत्नी	बी. ए.	वि.	
७६९—	श्री प्रभूदयाल जैसवाल श्री अमरचन्द	६८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
		४३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस, नगरपालिका, ग्वालियर
	श्रीमती सुदर्शन माला	३२	पुत्रबन्धु		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	बी.ए.	अवि.	
७७०—	श्रीमती चिन्मोबाई	७३	मुखिया		विधवा	
फोर्ट रोड :-						
७७१—	श्री हरप्रसाद अग्रवाल श्रीमती अंगूरीदेवी	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	अनाज के व्यापारी
		३२	पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द	१८	पुत्र		अवि.	
	कु० मनोरमा	१३	पुत्री		अवि.	
७७२—	श्री नोनकरन अग्रवाल श्रीमती कलानती	४०	मुखिया		वि.	कपड़े का व्यवसाय
		६८	मां		विधवा	
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	२४	पुत्र	११. से.	वि.	तस्वीर की दुकान
	श्रीमती पुष्पादेवी	१७	पुत्रबन्धु		वि.	
	श्री रामबाबू	२०	पुत्र		वि.	
	श्री जयदीशबानू	१७	पुत्र		अवि.	
७७३—	श्री नोनकरन अग्रवाल श्रीमती बरतीबाई	६८	मुखिया		अवि.	व्यवसाय अनाज व सर्राफ
		६३	पत्नी		वि.	

फोटो रोड, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री चासीलाल	६३	भाई	मिडिल	वि.	
	श्री लक्ष्मणदास	२७	पुत्र		वि.	
	श्री ललितप्रसाद	३०	पुत्र		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती अगूरीदेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
७७४—	श्री बिरधीचन्द	६८	पत्निया	मेट्रिक	वि.	सबिस-जे० सी० मिल
	श्रीमती अंगूरीबाई	३१	पत्नी		वि.	
७७५—	श्री बाबूलाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती जयमती	३३	पत्नी		वि.	
	श्री मुसालाल	१६	पुत्र		अवि.	
चौक बाजार :-						
७७६—	श्री पद्मलाल अग्रवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	हलबाई
	श्रीमती बैकुण्ठीदेवी	५१	पत्नी		वि.	
	श्री रामेशचन्द	२१	पुत्र		अवि.	
	श्री० शकुन्तला	१८	पुत्री		अवि.	
	श्री जवाहरलाल	१६	पुत्र		अवि.	
७७७—	श्री नारायणदास अग्रवाल	४५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अत्तार
	श्रीमती भूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री बेहप्रकाश	२४	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सावित्रीदेवी	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री० जीवन्मता	१५	पुत्री		अवि.	
७७८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सुरजदेवी	६३	पत्नी		वि.	
	श्री त्रिलोकचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सबिस-वाटर बगम
	श्रीमती इन्द्रादेवी	३१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	३०	पुत्र		वि.	सदिस
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
७७९—	श्री रामजीदास	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्राफ
	श्रीमती बैकुण्ठीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	श्री कलानारायण	३३	भाई		वि.	

सर्वोत्तम सुनाई के लिये !

OSWAL **जन** RAYMOND
यूनिवर्सल बंगाल

एवं खटाऊ की अनुपम साड़ियां
रिटेल शोखन :-

बूल कॉरनर

सराफा बाजार
ग्वालियर-१

फोन : २१५१



रजत-वर्ष

१ ९ ८ ३

सफलता पूर्वक मनाते हुये, आपके अभूतपूर्व
सहयोग के प्रति आभार के साथ भविष्य
में पारस्परिक स्नेह की आकांक्षा करते हैं।

== जैन स्टोर्स ==

जयाजी चौक, ग्वालियर-१

घन्टाघाट (रजि.)
मैनपुरी लम्बाकू

एवं सुगंधित सुपारियों के एकमात्र
निर्माता।

शुभकामनाओं सहित :-

बापना क्लॉथ स्टोर

: और :

आरं. बापना ब्रदर्स

सराफा बाजार
ग्वालियर-१

फोन : २४३६

जैन

आयरन स्टोर •

लोहिया बाजार, लखनऊ

कुटी काटने की मशीनें

कुषी मशीनें व

घन्य लोहे के सामान को

मुख्य विक्रेता।

चौक बाजार, झांझियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अशरफीबाई	३०	भ्रातावधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती किरनदेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री पदमचन्द	१५	पुत्र		अवि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० ओमवती	१४	पुत्री		अवि.	

सोडा का कुआरा :—

७८०—	श्री हरीशचन्द अग्रवाल	५३	मुखिया	मिडिल	वि.	बंद ए० म् अत्तार
	श्रीमती बादामीदेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती भान्तीबाई	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विष्णुकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री अनन्तकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री पुरुषोत्तमदास	१४	पुत्र		अवि.	
७८१—	श्री राजाराम अग्रवाल	७३	मुखिया		वि.	हलवाई
	श्रीमती वल्लोबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री सीताराम	५३	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती आनन्दीबाई	३६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री श्यामनारायण	१५	पुत्र		अवि.	
७८२—	श्री मोतीलाल बरैया	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	सबिस—जे० सी० मिरस
७८३—	श्री दुर्गाप्रसाद बरैया	३५	मुखिया		वि.	होटल-चौक बाजार
	श्रीमती शिन्दोबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२५	पुत्र		वि.	
	श्री दीनानाथ	२२	पुत्र		अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	पुत्र		अवि.	
	कु० रामबाई	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० छोटीबाई	१४	पुत्री		अवि.	
	कु० चन्दाबाई	१२	पुत्री		अवि.	
७८४—	श्री कैलाशनाथ अग्रवाल	३३	मुखिया	बी० ए०	वि.	अत्तार व बंद
	श्रीमती गंगादेवी	२८	पत्नी		वि.	

सोडा का कुम्रा, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७८५—	श्री बृजलाल परवार	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	टेकेदार
	श्रीमती बृजलाल	५०	पत्नी		वि.	
७८६—	श्री राजाराम अग्रवाल	७१	मुखिया		वि.	
	श्रीमती बसन्तीबाई	६८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	विप्रली का काम ब दबाइयां
	श्रीमती रामस्वरूप	१७	पुत्रबहू		वि.	
	श्री हरप्रसाद	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री भगवानदास	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१४	पुत्र		अवि.	
सखेरा गली :—						
७८७—	श्री मनीराम अग्रवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	बीड़ी का कारखाना
	श्रीमती विमलादेवी	३५	पत्नी		वि.	
	कु० स्नेहलता	१६	पुत्री		अवि.	
	श्री अनिलकुमार	१६	पुत्र		अ. वि.	
७८८—	श्री सुन्दरलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	
	श्रीमती नारोदेवी	४३	पत्नी		वि.	
	कु० किरनदेवी	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० भीला	१७	पुत्री		अवि.	
७८९—	श्री बासुदेव अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	बीड़ी कारखाना, ग्वालियर
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पत्नी		वि.	
७९०—	श्री भूपेन्द्रकुमार अग्रवाल	२६	मुखिया	एम. काम.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, विरलानगर
	श्रीमती कलावती	५८	माँ		विधवा	
	श्रीमती सुशीला	२०	पत्नी		वि.	
७९१—	श्री सुरेन्द्रकुमार जैसवाल	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुरेन्द्रकुमार	२६	पत्नी		वि.	
	श्री सुमतिकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
७९२—	श्री राजेन्द्रकुमार	४३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्रीमती राजेन्द्रकुमार	३८	पत्नी		वि.	
	श्री महेंद्रकुमार	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री सुभाषकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
	श्री नीरजकुमार	१४	पुत्र		अवि.	

सखेरा गली, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६३—	श्री किशनलाल जैसवाल	३३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती गोमतीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१८	भाई		अवि.	
७६४—	श्री बलदेवप्रसाद जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती बलदेवप्रसाद	४३	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	३३	भाई		वि.	
	श्रीमती प्रेमचन्द्र	२१	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० राजमती	१७	पुत्री		अवि.	
७६५—	श्री गेंडालाल जैसवाल	३०	मुखिया	मिडिल	अ वे.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
७६६—	श्री रामबाबू जैसवाल	३३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राजकुमारी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री अमरचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
७६७—	श्री सुनहरीलाल जैसवाल	२८	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२३	पत्नी		वि.	
	श्री मुलालाल	१७	भाई		अवि.	
७६८—	श्री उपसेन जैसवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि-	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती अंगूरीबाई	२८	पत्नी		वि.	
	कु० पदमा	१४	पुत्री		अवि.	
७६९—	श्री छोटेलाल अग्रवाल	५८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२२	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लीलावती	१८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती लोंगधी	२०	पुत्रवधू		वि.	
	कु० शकुन्तला	१५	पुत्री		अवि.	
८००—	श्री प्रेमचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कैलाशी	२८	पत्नी		वि.	
८०१—	श्री हुकमचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मथुराबाई	२३	पत्नी		वि.	
८०२—	श्री शालचन्द अग्रवाल	३३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कमलाक्षी	२३	पत्नी		वि.	

सखेरा गली, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
८०३—	श्री भोतीलाल अग्रवाल	३९	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे. सी० मिल, बिरसानगर
	श्रीमती चन्दनबाई	३३	पत्नी		वि.	
८०४—	श्री नन्हैलाल जैसवाल	६३	मुखिया		विधुर	
	श्रीमती रम्भाबाई	८३	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	४१	पुत्र		अवि.	
८०५—	श्री कंचनलाल जैसवाल	५५	मुखिया	साहित्य-भूषण	बि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती मालती	४६	पत्नी		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	एम० एससी०	वि.	सर्विस
	श्रीमती सुभाषिनी	२५	पुत्रवधू	एम० ए०	वि.	
	श्री रिषभकुमार	१८	भतीजा	मेट्रिक	अवि.	
	श्री सतेन्द्रकुमार	१५	भतीजा	मिडिल	अवि.	
८०६—	श्री हरदयाल जैसवाल	६१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शिक्षक-जे०सी० मिल्स स्कूल
	श्रीमती भगवानदेवी	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुरेन्द्रबाबू	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस
	श्री धनेन्द्रबाबू	२६	पुत्र		वि.	सर्विस
	श्री राजेन्द्रबाबू	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री रवीन्द्रबाबू	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती विमलदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुलोचनादेवी	२७	पुत्रवधू		वि.	
छोटा बाजार :—						
८०७—	श्री सीताराम अग्रवाल	४८	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्स
	श्री हरीशंकर	२५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री गोपालदास	१६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्री भगवानदास	१६	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती सोनादेवी	२१	पत्नी		वि.	
८०८—	श्री बाबूलाल अग्रवाल	३७	मुखिया	मिडिल	वि.	जनरल मॅनेज
	श्रीमती वैजयंतीदेवी	३३	पत्नी		वि.	
	श्री नारायणदास	१६	पुत्र		अवि.	
	कु० उमा	१५	पुत्री		अवि.	
८०९—	श्री किशनलाल कोठीवाले	६१	मुखिया		वि.	नाज, गुड व शक्कर विक्रेता
	श्री रमेशचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	

छोटा बाजार, ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री लक्ष्मीनारायण	२२	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र।	हा० से०	अवि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पुत्र	सानवीं	अवि.	
	श्रीमती शमेलीदेवी	५३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१८	पुत्रवधू		वि.	
घास मण्डी :—						
८१०—	श्री कन्हैयालाल पंच	७३	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्री रामेश्वरदयाल	४३	पुत्र	इन्टर	वि.	सविस-लाईफ इन्श्योरेन्स कं०
	श्री प्रेमचन्द	२१	पुत्र।	इन्टर	वि.	
	श्री नेमीचन्द	१६	पुत्र		वि.	
	श्री विसनकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	श्रीमती कन्हैयालाल	६३	पत्नी		वि.	
	श्रीमती रामेश्वरदयाल	३८	पुत्रवधू.		वि.	
८११—	श्री तोताराम अग्रवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती फूलाबाई	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रामकृष्ण	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती रामबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
८१२—	श्री किमोरीलाल अग्रवाल	५३	मुखिया		वि.	व्यवसाय-सोना-चांदी
	श्रीमती सोनाबाई	३७	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मुनियाबाई	८०	मां		विधवा	
	श्री लक्ष्मणदास	३३	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
८१३—	श्री ग्यासीराम अग्रवाल	४३	मुखिया		वि.	सर्विस-जे. सी० मिल्लस, बिरलानगर
	श्री तोताराम	५३	माई		वि.	
	श्री महावीरप्रसाद	२१	पुत्र		वि.	
	श्रीमती तसोबाई	५३			वि.	
	श्रीमती केतकीबाई	३८	पत्नी		वि.	

घास मण्डी ग्वालियर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती पुष्प.बाई	१६	पत्नी		वि.	
	कु० लक्ष्मी	१६	पुत्री		अवि.	
	कु० शारदा	१६	पुत्री		अवि.	
तामेश्वर महादेव :—						
८१४—	श्री रामजीदास अग्रवाल	३६	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	एडवोकेट
	श्रीमती शान्तीदेवी	३७	पत्नी		वि.	
	श्री अशोककुमार	१५	पुत्र		अवि	
	श्री लक्ष्मणदास	३१	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्जाफ
	श्री श्रीमन्तीदेवी	२६	भाईबधू		वि.	
८१५—	श्री दर्शनलाल	५८	मुखिया		वि.	कपड़े के व्यापारी
	श्रीमती कटोरीबाई	५३	पत्नी		वि.	
	श्री ओमप्रकाश	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पुत्रबधू		वि.	
	श्री राधेश्याम	३०	पुत्र	B. Com.,LL. B.	वि.	सर्विस
	श्रीमती रामरती	२३	पुत्रबधू		वि.	
	श्री जगदीशप्रसाद	२८	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्री कंलाशचन्द	२३	पुत्र	बी० एस-सी०	वि.	
	श्री नेमीचन्द	२०	पुत्र		वि.	
	श्री पदमचन्द	१७	पुत्र		वि.	
	कु० किरण	१६	पुत्री		अवि.	
बिरसानगर :—						
८१६—	श्री नथमल अजमेरा	६०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती मूलीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	B. Com , LL B.	वि.	फेब्टी मैनेजर-जे० सी० मिल्स,
	श्रीमती शान्तीदेवी	२७	पुत्रबधू		वि.	सिमको, फोन ६३७
८१७—	श्री किशनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती गुणाबदेवी	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
८१८—	श्री सुरेन्द्रसिंह जंसवाल	३५	मुखिया	बी० ए०	वि.	लेबर आर्ग सर, सिमको
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री शेलेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६२	मां		विधवा	

द्विगम्बर जैन समाज, मुरार

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
ठाठोपुर कॉलोनी :-						
८१६—	श्री जगदीशचन्द्र श्रीमती मनोरमा	३५	मुखिया बी० कॉम०	वि.	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० ६/२
		२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
८२०—	श्रीचन्द्रशेखर जैसवाल श्रीमती सुशीला	४८	मुखिया बी० कॉम०	वि.	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० ४/५
		४२	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार कुमारी ललिता	२१	पुत्र बी० ई.		अवि.	
		१६	पुत्री बी० ए० प्रथम		अवि.	
८२१—	श्री बी० एस० जैन अन्नवाल श्रीमती रामदुलारी	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० १२/४
		३५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० आशा	१८	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री नवनीत	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
८२२—	श्री एस० एल० परवार श्रीमती कुसुम	४२	मुखिया B. A., LL.B.	वि.	वि.	शासकीय-सेवा प्रिंसीपल, लाईन नं० ६/१३
		४०	पत्नी	हा० से०	वि.	
	कु० कुमुद	१६	पुत्री बी० ए० प्रथम		अवि.	
	श्री बृषभकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८२३—	श्री गणेशप्रसाद परवार श्रीमती लक्ष्मीदेवी	३५	मुखिया बी० ए०	वि.	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० ५/१६
		३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८२४—	डा० पी० सी० जैन गोलालारे श्रीमती सुशीलाबाई	३०	मुखिया बी० ए०	वि.	वि.	चिकित्सक, लाईन नं० १२/१०
		२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
८२५—	श्री आर० एस० जैसवाल श्रीमती राजकुमारी	३८	मुखिया एम० कॉम०	वि.	वि.	एकाऊन्टेन्ट, लाईन नं० एच/४६
		३०	पत्नी		वि.	
	श्री कृष्णवीर	१७	भतीजा बी० एससी.		अवि.	
८२६—	श्री नन्दीलाल जैसवाल श्रीमती प्रमोदकुमारी	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० एच/२५
		३८	पत्नी	बी० ए०	वि.	शासकीय-सेवा
	श्री सुभाषचन्द्र	२२	पुत्र D.M.B., B.A. II		अवि.	
	श्री चन्द्रशेखर	१८	पुत्र	B. Sc. I	अवि.	

अणुवत : जीवन-शुद्धि की मञ्जिल :-

“चाहे कोई किसी भी सम्प्रदाय में विश्वास करता हो, किसी भी जाति या कौम का हो, नैतिकता और सदाचार उनके लिए समान रूप से आवश्यक है। इसके बिना जीवन शान्ति के साथ कैसे चल सकता है ? अणुवत आन्दोलन लोक जीवन में व्यापक रूप से नैतिकता सदाचार को परिव्याप्त करना चाहता है। वह किसी भी तरह की संकीर्णता से जुड़ा नहीं है। यह तो मानव धर्म का विशाल राजपथ है, जिस पर चलता हुआ मानव समुदाय जीवन-शुद्धि की मञ्जिल आसानी से तय कर सके।” आचार्य श्री तुलसी—

विज्ञापित :-

टेलीफोन : २०६६

कमलाप्रसाद ओमप्रकाश

कटपीस कपड़े के थोक व्यापारी

नाधोगंज, लडकर, ब्वालयर (मध्य-प्रदेश)

मिलावट विरोधी अभियान

टेलीफोन : ३३७६

अधिकृत विक्रेता :-

मफालाल व लालमाई शुभ

विज्ञापित :-

गंगाधर इन्द्रचन्द

कटपीस कपड़े के थोक व्यापारी

नाधोगंज, ब्वालयर-१

(मध्य-प्रदेश)

‘व्यापारी व्यापार के द्वारा उचित मार्ग से धन कमाये, इसमें किसी का विरोध नहीं हो सकता। किन्तु व्यापार में मिलावट जैसे अनैतिक और भ्रष्ट तरीके नहीं अपनाये जायें। मैं व्यापार को भी समाज सेवा का एक महत्वपूर्ण साधन मानता हूँ। पिछले कुछ वर्षों में इस विधा में अर्जुन अणुवत समिति द्वारा डोस कार्य हुआ। उसका सुन्दर परिणाम ‘अणुवत उद्योग मंडल’ है-जिसने एक रचनात्मक दशा दी है।’

—वी० पी० नार्डक
मुख्य मन्त्री, महाराष्ट्र

ठाठीपुर कॉलोनी व सदर बाजार, मुरार

परिवार सहया	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	प्राजीविका विवरण
८२७—	श्री एम० एम० गoyal	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय-सेवा, लाईन नं० बी/१६
	श्रीमती पवनबाई	३३	पत्नी		वि.	
	श्री मुरगचन्द	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
सदर बाजार—						
८२८—	श्री गोकलचन्द जैसवाल	४५	मुखिया	हा० से०	विधुर	जनप्रिय फायनेन्स डिस्ट्रीब्यूशन,
	श्री सुरेशचन्द	२२	पुत्र	बी. ई. तृतीय	अवि.	सदर बाजार, फोन नं० १०५६
	कु० सुधा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री पुष्पेन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८२९—	श्री कालीचरन जैसवाल	४८	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती भगवती	४२	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	पुत्र	एम.ए., एम.कॉम.	वि.	सर्विस-नगरपालिका निगम
	श्रीमती मालती	२२	पुत्रवधू	हा.से०	वि.	
	श्री महेंद्रकुमार	१६	पुत्र	बी० ए० प्रथम	अवि.	
८३०—	श्री बिहारीलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-ओखेलाल बिहारीलाल, गज,
	श्रीमती जमेलीबाई	५५	पत्नी	मिडिल	वि.	मुरार, फोन ६७३
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	२३	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री पवनकुमार	२१	पुत्र	एम.बी.बी.एस०	अवि.	
	कु० कमला	२३	पुत्री	एम.बी.बी.एस.	अवि.	डा० जे. ऐ. हॉस्पिटल, लखर
	कु० मधू	१८	पुत्री	B. Sc. III	अवि.	
	कु० अभिलाषा	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८३१—	श्री वृन्दावनदास जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	फर्म-वृन्दावनदास गोपीचन्द, कोत-
	श्रीमती द्रोपतीबाई	७०	पत्नी		वि.	वाली-संतर, मुरार
	श्री मोहनलाल	४६	पुत्र		वि.	फर्म-गोपीचन्द भागचन्द सदर बाजार
	श्रीमती कटोरीबाई	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री गोपीचन्द	४२	पुत्र		अवि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८३२—	श्री बुलजारीलाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	मुनीम
	श्रीमती सुमित्रादेवी	४८	पत्नी		वि.	
	श्री राजेशकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

सबर बाजार व खिक सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कटोरीदेवी।	२१	पुत्री		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र		अवि.	
	श्री महेंद्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
खिक सन्तर :-						
८३३-	श्री श्रीकाराम जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	फर्म-कल्याणदास भीक्षाराम, सबर
	श्रीमती बनवन्तीबाई	८५	मां		विधवा	बाजार, मुरार
	श्रीमती पार्वतीबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री मोतीलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री रामबाबू	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२४	पुत्र	हा. से	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्रीमती भीलाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२०	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० कुसुम	१६	पौत्री	नवमी	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	कु० पुष्पा	१४	पौत्री		अवि.	
८३४-	श्री टुन्डेराम जैसवाल	७८	मुखिया	पाँचवीं	वि.	दुकान-मुरारगंज
	श्रीमती विट्ठोबाई	६६	पत्नी		वि.	
८३५-	श्री ज्ञानचन्द भंडारी जैस.	३५	मुखिया	पाँचवीं	वि.	फर्म-जैन किराना मर्चेन्ट, मुरार
	श्रीमती भान्सीबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१७	पुत्र	नवमीं	अवि.	
८३६-	श्री प्रेमचन्द जैसवाल	४०	मुखिया	आठवीं	वि.	प्राइवेट नौकरी
	श्रीमती अगूरीबाई	३६	पत्नी		वि.	
८३७-	श्री दाताराम नायक जैस.	२५	मुखिया		वि.	दुकान
	श्री अयचन्द	२१	भाई	आठवीं	वि.	
	श्रीमती चन्द्रकला	१८	पत्नी		अवि.	
	कु० सुशीला	१४	बहिन		अवि.	
	श्री सुनेहरीलाल	१७	भाई	बी० ए० प्रथम	वि.	
८३८-	श्री बंशीधर जैसवाल	३२	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-सबर बाजार मुरार
	श्रीमती कमलादेवी	२५	पत्नी		वि.	
८३९-	श्री राजाराम जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	दलाली-विरला नगर स्टेशन

बिक सप्तर्, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	निका	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती बमुनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री जगतप्रसाद जी	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रामबाई	२४	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	कु० शशि	१५	पुत्री	दसवीं	अवि.	
८४०—	श्री प्यारेलाल जैसवाल	८४	मुखिया		वि.	फर्म-प्यारेलाल बिकलचन्द जैन, मुरार
	श्रीमती मन्नीबाई	६३	पत्नी		वि.	
	श्री बिकलचन्द	२८	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती ज्ञानवती	२४	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुरेशचन्द	२१	पुत्र	दसवीं	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	१६	पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री उत्तमचन्द	१८	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
८४१—	श्री कन्हैयालाल जैसवाल	५७	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती मायादेवी	४३	पत्नी		वि.	
	कु० निर्मला	१५	पुत्री	ग्यारहवीं	अवि.	
८४२—	श्री मुरनीवर जैसवाल	७२	मुखिया	आठवीं	विधुर	फर्म-सदर बाजार, मुरार
	श्री कपूरचन्द	३२	पुत्र	बी० ए०	वि.	
	श्रीमती सत्यवती	३०	पुत्रवधू		वि.	
८४३—	श्री बालमुकुन्द जैसवाल	५१	मुखिया		वि.	फर्म-मुरारगंज एवं सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती भूरीदेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री डालचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मनोरमादेवी	१६	पुत्रवधू	दसवीं	वि.	
	श्री सुमतकुमार	१६	पुत्र	नवमीं	अवि.	
	श्री लीलाधर	१६	पुत्र	दसवीं	अवि.	
८४४—	श्री लक्ष्मणलाल जैसवाल	७५	मुखिया		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	७०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३६	पुत्र	बी० ए०	वि.	फर्म-मुरार गज, फोन ६६५
	श्रीमती विद्यादेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१७	पुत्र	हा० ले०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पुत्री	नवमीं	अवि.	
८४५—	श्री जगन्नाथप्रसाद जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-अमरचन्द ओमप्रकाश जैन, सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती राजीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	३२	पुत्र		वि.	फर्म-पोषीराम विनोदकुमार जैन

शिक सभर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री मती विद्यादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री पोथीराम	२८	पुत्र	६सवीं	वि.	फर्म-पोथीराम विनोदकुमार जैन
	श्री मती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री अमरचन्द	२६	पुत्र		वि.	फर्म-पोथीराम विनोदकुमार
	श्रीमती विमलादेवी	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पौत्र	नवमी	अवि.	
८४६—	श्री शोभाराम जैसवाल	४५	मुखिया	आठवीं	वि.	चक्की-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती अंगूरीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	६सवीं	अवि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवमी	अवि.	
८४७—	श्री सुमतचन्द जैसवाल	२५	मुखिया	६सवीं	वि.	मविमन्सू स्पर्निम मिल्ल
	श्रीमती पारोबाई	४६	माँ		विधवा	
	श्रीमती जैनीदेवी	२२	पत्नी		वि.	
८४८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	३३	मुखिया	आठवीं	वि.	फर्म-ज्वालाप्रसाद बाबूलाल, सदर बाजार मुरार
	श्रीमती शारदादेवी	२६	पत्नी		वि.	
८४९—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-सुरेन्द्रसिंह केशवसिंह, मुरार गज
	श्रीमती बतासीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३५	पुत्र		वि.	
	श्री बद्धीप्रसाद	३२	पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२५	पुत्र		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री विजयकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५०—	श्री छोटारमल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती चमेलीबाई	३६	पत्नी		वि.	
	कु० ऊषा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
८५१—	श्री शकरलाल जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-रिसवदास महेन्द्रकुमार, सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती सरमनियाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री रिसवदास	२०	पुत्र		अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१५	पुत्र		अवि.	
८५२—	श्री हजारीलाल जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	फर्म-अनूपचन्द हजारीलाल
	श्रीमती फूलदेवी	३२	पत्नी		वि.	

चिक सन्तर व सत्यनारायण सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री दिनेशकुमार	१६ पुत्र	दसवीं	अवि.	
८५३—	श्री हेमचन्द जैसवाल	४२ मुखिया	आठवीं	वि.	दलाली, इन्सुरेंस लश्कर
	श्रीमती कुन्दीदेवी	४१ पत्नी		वि.	
	श्री संजयकुमार	१७ पुत्र	दसवीं	अवि.	
	श्री संजीवकुमार	१४ पुत्र	नवमीं	अवि.	
	कुमारी करुपना	१६ पुत्री	बी. ए. III	अवि.	
८५४—	श्री मुरलीधर जैसवाल	५३ मुखिया		वि.	फर्म:-मुरलीधर कपूरचम्क जैन,
	श्रीमती अगूरीबाई	४६ पत्नी		वि.	किराता मर्चेन्ट, मुरार
	श्री किशोरीनाल	३३ पुत्र	आठवीं	वि.	
	श्रीमती अंजना	३० पुत्रवधू		वि.	
	श्री कपूरचन्द	३० पुत्र		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२७ पुत्रवधू	पाचवीं	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२७ पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस, जे. मी. मिल्ल बिरलानगर
	श्रीमती गीनाबाई	२४ पुत्रवधू	आठवीं	वि.	
	श्री कमलचन्द	१८ पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
८५५—	श्री केशरीमल वाकलीवाल	६० मुखिया		वि.	व्यवसाय, कुकान, ठेकेदारी, एजेन्सी
	श्रीमती असरफीबाई	५४ पत्नी		वि.	
	श्री कमलचन्द	३६ पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती विमला	२८ पुत्रवधू	उत्तमा	वि.	
	श्री मिलापचन्द	३२ पुत्र	एम. कॉम.	वि.	वाकलीवाल एण्ड सन्स, गर्वमेन्ट,
	श्रीमती इन्द्रा	२२ पुत्रवधू	दसवीं	वि.	कान्ट्रेक्टर मुरार (फोन : ८१६)
	श्री भागचन्द	२४ पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती नन्दा	१६ पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
८५६—	श्री मुझालाल गोलालारे	३० मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्वि-सेन्ट्रल पी. डब्ल्यू डी. मुरार
	श्रीमती शकुन्तला	२८ पत्नी		वि.	
८५७—	श्रीमती लक्ष्मीबाई गोलालारे	४८ मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका, चासमन्डो पाठशाला
८५८—	श्री मोतीलाल पल्लीवाल	४५ मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	४० पत्नी		वि.	
	कुमारी मनोरमा	१६ पुत्री	हा. से.	अवि.	
	श्री पूरनचन्द	१४ पुत्र	नवीं	अवि.	
सत्यनारायण सन्तर—					
८५९—	श्री धनीराम जैसवाल	४५ मुखिया		वि.	फर्म:-धनीराम हरिचन्द;

सत्यनारायण सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	४०	पत्नी		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती बन्नोबाई	७२	मां		विधवा	
	श्री सुगनचन्द	४०	भाई	मेट्रिक	वि.	फर्म:-सुगनचन्द मुन्नालाल,
	श्रीमती सरवतीबाई	३५	भाईवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री देवप्रसाद	३५	भाई	मिडिल	वि.	फर्म:-देवप्रसाद सुरेशचन्द,
	श्रीमती यथुलाबाई	३४	भाईवधू		वि.	गंज, मुरार
	श्री सुरेशचन्द	१६	भाईपुत्र	नबमी	अवि.	
	श्री भागचन्द्र	१४	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री मुन्नालाल (सुगनचन्द)	१६	भाईपुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कुमारी भगवतीबाई	१४	भाईपुत्री	मिडिल	अवि.	
८६०—	श्री गुन्धारीलाल जैसवाल	६५	मुखिया		वि.	फर्म:-जिमीपाल गुन्धारीलाल,
	श्रीमती देवाबाई	४६	पत्नी		वि.	गंज, मुरार (फोन : नं० ६७४)
	श्री कालीचरन	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती विमलादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महावीर प्रसाद	२१	पुत्र	इन्टर	वि.	फर्म:-महावीर ब्रदर्स, माल रोड,
	श्रीमती मधुदेवी	१६	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	मुरार
	श्री लक्ष्मनप्रसाद	१६	पुत्र	बी. एस. सी.	अवि.	
	कुमारी पुष्पलता	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६१—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	६०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	सुष्मी पोलमती	५०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	फर्म:-प्रकाशचन्द कैलाशचन्द,
	श्रीमती अंगूरीदेवी	३०	पुत्रवधू		वि.	सदर बाजार, मुरार
	श्री नेमीचन्द	२८	पुत्र	बी. कॉम	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२५	पुत्र	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री गिरनारीलाल	२८	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती अंगूरीदेवी	१८	पत्नी		वि.	
८६२—	श्री मूलचन्द नायक	५५	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती ग्यान्नोबाई	४८	पत्नी		वि.	

सत्यनारायण व जैन मंदिर सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीबिका विवरण
	श्री रामचरन	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती विमला	१९	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भोमप्रकाश	१८	पुत्र	नवीं	अवि.	
८६३—	श्री प्रेमचन्द जैसवान	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	अध्यापक-प्रासकीय इन्टर कालेज,
	श्री अखलेशकुमार	१६	भाई	मेट्रिक	अवि.	मुरार
८६४—	श्री गिरीशचन्द भीमा	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	अध्यापक
	सुश्री राजमती	५२	मां		विधवा	
	श्रीमती सुधारानी	२४	पत्नी	B.A. II	वि.	
	कु० मुक्ता	१६	बहिन	हा० से०	अवि.	
८६५—	श्री अमीरचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-यातायात विभाग
	श्रीमती कुमुमलता	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	२२	पुत्र	डिप्लोमा	अवि.	
	श्री हेमचन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० रजनी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

जैन मंदिर सन्तर :—

८६६—	श्री कैलाशचन्द अग्रवाल	५०	मुखिया	इन्टर	वि.	चीफ-म्युनिसिपल ऑफीसर, अम्वाह
	श्रीमती कौशल्यादेवी	५१	भाईवधू		विधवा	
	श्रीमती चम्पाबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री नरेशचन्द	६३	भाई	B. Com., LL.B.	वि.	ग्युजिस्ट ऑफीसर, फूलदाग लखकर
	श्रीमती मायादेवी	२९	भाईवधू	मिडिल	वि.	
	श्री रामसिंह	२७	पुत्र	बी० एससी०	वि.	सर्विस-व्येरहाऊस कारपोरेशन,
	श्रीमती प्रेमदेवी	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुगावली
	श्री शमसिंह	२४	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	सर्विस-व्येर हाऊस कारपोरेशन, गुना
	श्री गजराजसिंह	२१	पुत्र	डी० एम० ई०	अवि.	सर्विस-सिमको स्टील फाउन्ड्री,
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	बिरलानगर
	श्री मदनमोहन	२३	भतीजा	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर
	श्रीमती कृष्णादेवी	२१	भतीजा वधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कृष्णमोहन	१७	भतीजा	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० तारा	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

स्थापित : १९१५

फोन : २०५१

आधुनिक एवं सुसुचिपूर्णा से
सुसज्जित साज सज्जा के वस्त्रों
का एक मात्र उत्तम स्थान !



मै. इन्दरचन्द्र फूलचन्द्र एण्ड संस

गवर्नमेन्ट सप्लायर एण्ड क्लॉथ मर्चेन्ट,
दौलतगंज (लश्कर) ग्वालियर-१



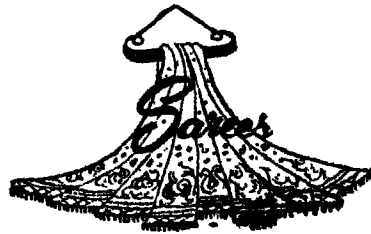
ग्वालियर सूटिंग एवं सर्टिंग

विनार, पैरागौन, अल्पार,
अलौरा तथा मोदी सूटिंग

धारीवाल, लाल इमली, लेन्ड,
जामनगर, O. C. M., मौडैला

चन्देरी, बनारसी,
औरंगावादी, बंगलोरी,
कोयम्बटूरी, बाँकठगिरी,

हैन्डलूम एवं अनेक प्रकार की सड़ियाँ



गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
गंगामाई सन्तर :—						
८६७—	श्री बाबूलाल जैसवाल	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती भाग्यदेवी	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती पुष्पादेवी	२३	पत्नी	हा० से०	वि.	
८६८—	श्री बाबूलाल जैसवाल	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-प्रेमराज एन्ड सन्स, मुरार गंज
	श्रीमती रतनदेवी	३५	पत्नी		वि.	फर्म-प्रेम क्लाय स्टोर्स, सदर बाजार
	श्री ओमप्रकाश	१९	पुत्र	M. Sc.I	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द्र	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० निर्मला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८६९—	श्री गणूनाथ जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५५	भावी		विधवा	
	श्रीमती धनवती	४८	पत्नी		वि.	
	श्री रामस्वरूप	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-कोऑपरेटिव बैंक
	श्रीमती प्रेमवती	२२	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२२	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती शीला	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुमतचन्द	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	कु० मनोरमा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
८७०—	श्री भगवानदास जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक-तिकोनिया कन्या पाठ-
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी		वि.	शाला, मुरार
	श्री सुभाषचन्द्र	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८७१—	श्री पुरुषोत्तमदास जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दुकान-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती पुष्पादेवी	२८	पत्नी		वि.	
८७२—	श्री उवालाप्रसाद जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	फर्म-उवालाप्रसाद बालमुकभद जैन,
	श्रीमती रामप्यारी	५४	पत्नी		वि.	गंज, मुरार
	श्री नत्थीलाल	२०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती मनोरमा	१७	पुत्रवधू		वि.	
८७३—	श्री मांगीलाल जैसवाल	५२	मुखिया	मिडिल	वि.	दाली
	श्रीमती द्वीपदीबाई	६५	भाईवधू		विधवा	
८७४—	श्री विनोदचन्द जैसवाल	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	अध्यापक वि० जैन-पाठशाला, मुरार
	श्रीमती कुमुददेवी	२९	पत्नी		वि.	अध्यापिका-शाम० मा० पाठ०, मुरार
८७५—	श्री धनीराम जैसवाल	५८	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्री उत्तमचन्द	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस:-एल. आर. ऑफिस, इन्दौर

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती मनोरमा	२२	पुत्राभू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशचन्द्र	२०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती उर्मिला	१६	पुत्राभू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुरेशचन्द्र	१७	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७६—	श्री हंसराज जैसवाल	६५	मुखिया		विधुर	फर्म-हंसराज देवलाल-मिष्ठाभ-
	श्री देवलाल	५५	भाई		विधुर	भन्डार, सदर बाजार, मुरार
	श्री विजयकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती गुणमाला	२१	पुत्राभू	मिडिल	वि.	
८७७—	श्री बटनलाल जैसवाल	५३	मुखिया	बी. ए.	वि.	
	श्रीमती पूलकुमारी	४३	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द्र	२८	पुत्र	ओवरसियर	वि.	ओवरसियर-पाली (गुजरात)
	श्रीमती शीलादेवी	२४	पत्नी	हा. से.	वि.	
	श्री जमेशकुमार	१८	पुत्र	हा. से.	अवि.	
८७८—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	ठेकेदार
	श्रीमती पूनाबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री भगवानदास	२८	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुशीलादेवी	२४	पुत्राभू		वि.	
८७९—	श्री नरेन्द्रकुमार जैसवाल	३४	मुखिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती नारायणीबाई	५२	मां	मिडिल	विधवा	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन
	श्रीमती सरस्वती	२८	पत्नी		वि.	पाठशाला, मुरार
	श्री मुकेशकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८८०—	श्रीमती ग्यासोबाई जैसवाल	७०	मुखिया		विधवा	
८८१—	श्री बारेलाल जैसवाल	२८	मुखिया		वि.	अध्यापिका-श्री दिगम्बर जैन,
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	पाठशाला, मुरार
८८२—	श्री गनेशराम जैसवाल	४८	मुखिया		वि.	फर्म:-गनेशराम बाबूलाल जैन,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी		वि.	नदी सन्तर, मुरार
	श्री बाबूलाल	२७	पुत्र		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२१	पुत्राभू	मिडिल	वि.	
	श्री सुगनचन्द्र	२२	पुत्र	हा. से.	वि.	फर्म:-सुगनचन्द्र गनेशराम जैन
	श्रीमती मुष्मीबाई	२०	पुत्राभू		वि.	
	श्री बटनलाल	१७	पुत्र	मिडिल	अवि.	
८८३—	श्री मनोहरलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-गंज, मुरार

गंगाभाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	बैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री परमानन्द	६५	भाई		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती प्यारो	५०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	३६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	सर्विस:- आर. टी. ओ. ऑफिस, इन्दौर
	श्रीमती पुष्पादेवी	३२	पुत्रवधु		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	३४	पुत्र	एम कॉम.	वि.	सेलर्टेक्स ऑफिसर, उज्जैन
	श्रीमती मुन्नीदेवी	३२	पुत्रवधु	मिडिल	वि.	
८८४-	श्री लालपती जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती दुर्गाबाई	५८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	टुनीम
	श्रीमती शांतिदेवी	३०	पुत्रवधु		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	२०	पुत्र		अवि.	
८८५	श्री भजनलाल जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्री शिवरचन्द	४०	पुत्र		वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	३८	पुत्रवधु		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा. से.	अवि.	सर्विस:-पालायात विभाग, भोपाल
	श्री नरेन्द्रकुमार	१६	पौत्र	ओवरसियर	अवि.	
	श्री अरविन्दकुमार	१७	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी सुनीता	१४	पौत्री	मिडिल	अवि.	
८८६-	श्री गुलाबचन्द जैसवाल	८०	मुखिया		वि.	सर्विस:-भोपावरटिक स्टोर, मुरार
	श्रीमती मुन्नीबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री उमेशकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
८८७-	श्री रतनलाल जैसवाल	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	अध्यापक
	श्रीमती कमलादेवी	२६	पत्नी		वि.	
८८८	श्री गिरधारीलाल जैसवाल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	प्रधान अध्यापक
	श्रीमती विद्यादेवी	२२	पत्नी	मिडिल	वि.	
८८९-	श्री बिमलचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्विस:-कमिश्नर ऑफिस, मोतीमहल
	श्रीमती विमलादेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
८९०-	श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती बत्तोबाई	५०	भाईवधु		विधवा	
	श्रीमती धनोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री रामप्रसाद	५०	भतीजा	मिडिल	वि.	
	श्रीमती भगवतीबाई	३२	भतीजावधु		वि.	

गंगामाई सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री रतनचन्द	२३	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-सी० टी० आई
	श्रीमती गुणमाला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती राधादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अशोककुमार	१९	भतीजापुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री जीवनलाल	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८९१—	श्री दीनानाथ जैसवाल	५७	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती कोंसाबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	२६	पुत्र	इन्टर	वि.	अध्यापक-श्री दि० जैन पाठशाला,
	श्रीमती मायादेवी	१८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	मुरार
८९२—	श्री शंकरलाल जैसवाल	४२	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय-गंज, मुरार
	श्रीमती कस्तूरीबाई	३८	पत्नी		वि.	
	कु० सरोज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
८९३—	श्री विधीचन्द जैसवाल	४५	मुखिया		विधुर	व्यवसाय-सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६५	मां		विधवा	
८९४—	श्री सोनपाल जैसवाल	५२	मुखिया		वि.	व्यवसाय-आदि
	श्रीमती सहोद्रीबाई	५७	बहिन		विधवा	
	श्रीमती सन्नोबाई	४९	पत्नी		वि.	
	श्री रमेशचन्द	२२	पुत्र	एम० ए०	वि.	सर्विस-ए. जी. आफिस, मोतीमहल
	श्रीमती गुणमाला	२०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१९	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री महावीरप्रसाद	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८९५—	श्री धनप्रयागदास जैसवाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्ल, ग्ना०
	श्रीमती द्रोपदीबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गनेशीलाल	३०	पुत्र	ग्यारहवीं	वि.	तिलक फाईनेन्स ट्रेडिंग कारपोरेशन
	श्रीमती विद्यादेवी	२६	पुत्रवधू		वि.	जैन बिस्किट गंगामाई सन्तर, मुरार
	श्री सुरेशकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
८९६—	श्री रामकिशन जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	फर्म-जालिमचन्द रामकिशन, गंज
	श्रीमती पांचोबाई	४२	पत्नी		वि.	मुरार
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	बी० एससी०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
८९७—	श्री गोपीचन्द जैसवाल	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	फर्म-सखीराम नन्दराम जैन, गंज

गंगामाई सन्तर व शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती अगूरीदेवी	३१ पत्नी	मिडिल	वि.	
८६८—	श्री दुर्गाप्रसाद जैसवाल	३७ मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-घृत स्टोर सदर बाजार, मुरार
	श्रीमती लज्जावती	३२ पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१५ पुत्र	हा० मे०	अवि.	
८६९—	श्री किशनस्वरूप जैसवाल	२४ मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-घानाघान विभाग लश्कर
	श्रीमती इन्द्रादेवी	२१ पत्नी	मिडिल	वि.	
९००—	श्री टिल्लेभगवान जैसवाल	४० मुखिया		अवि.	व्यवसाय-मिष्ठाभ
	श्रीमती जानकीबाई	८० मा		विधवा	
९०१—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	५५ मुखिया		विधुर	व्यवसाय
	श्रीमती ओछीबाई	७० मा		विधवा	
	श्री पदमचन्द	२० पुत्र	मेट्रिक	वि.	जैन आर्ट स्टूडियो, मदर बाजार
	श्रीमती चन्द्रेश	१९ पुत्रवत्	मिडिल	वि.	मुरार
९०२—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	४५ मुखिया		वि.	फर्म-मुन्शीलाल महेशचन्द, गंजगेट
	श्रीमती सोनाबाई	३६ पत्नी		वि.	
	श्री महेशचन्द्र	१९ पुत्र बी० ए० प्रथम		अवि.	
	कु० मनोरमा	१६ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०३—	श्री ज्ञानचन्द गोलालारे	३२ मुखिया	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती ज्ञानकुमारी	२८ पत्नी		वि.	
९०४—	श्री हरगोविन्ददास पत्नीवाल	५० मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती विमलादेवी	३५ पत्नी		वि.	
	श्री रामअवतार	२१ पुत्र	नवी	वि.	
	श्रीमती कमलादेवी	१९ पुत्रवत्		वि.	
	श्री कैलाशचन्द	१९ पुत्र		अवि.	
	श्री महेशचन्द	१७ पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१४ पुत्र	मिडिल	अवि.	

शम्भूमल की बगीची :-

९०५—	श्री सुरेन्द्रकुमार गर्ग अग्रवाल	३२ मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस:-त्रे. एण्ड के. सेन्टर, केन्टीन,
	श्रीमती प्रफुल्लता	२४ पत्नी	मेट्रिक	वि.	मुरार
९०६—	श्रीमती राजबेटी	३२ मुखिया	मेट्रिक	विधवा	अध्यापिका:-प्राइमरी कक्षा स्कूल
९०७—	श्रीमती अनेकाबाई	६० मुखिया		विधवा	
९०८—	श्री चेतारामजी	५० मुखिया		विधुर	मुनीम:-हिम्मताराम चासीराम जी

शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६०६—	श्री मुन्शीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-गुलाराम घतुखुंज जैन,
	श्रीमती सहोदराबाई	५०	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती केलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२८	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्री अनिलकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६१०—	श्री कपूरचन्द जैसवाल	४२	मुखिया		वि.	फर्म:-भोलाराम प्रेमराज जैन,
	श्रीमती राजेश्वरी	४०	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन नं. ६६४, ८१७
	श्रीमती बासोबाई	६०	मां		विधवा	भोलाराम प्रेमराज जैन, इन्दरगंज
	कुमारी गुणमाला	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	फोन नं. २६५, लखर
	कुमारी वनमाला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
श्रीमती सरोजदेवी	३२	भ्रातावधू	मिडिल	विधवा		
६११—	श्री हजारीलाल जैसवाल	२१	मुखिया	बी. ए. I	त्रि.	संस. - एल. आर डिपॉटमेंट
	श्रीमती गंगाबाई	५५	मां		विधवा	
	श्रीमती गुणमाला	१८	पत्नी		वि.	
६१२—	श्री विमलकुमार	१८	भाई	बी. ए. II	अवि.	
	श्री श्रीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		विधुर	फर्म:-मोतीलाल नेमीचन्द,
	श्रीमती धनकोबाई	८२	मां		विधवा	गंज मुरार
	श्रीमती रमकोबाई	६२	बहिन		विधवा	
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	
६१३—	श्रीमती कमलादेवी	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	१६	पुत्र	बी. एस-सी.	अवि.	
	श्री दीपचन्द	१६	मुखिया	मिडिल	विधुर	व्यवसाय गंज, मुरार
६१४—	श्री ज्ञानचन्द जैसवाल	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म:-ज्ञानचन्द पदमचन्द जैन,
	श्रीमती असफादेवी	४५	पत्नी		वि.	गंज मुरार, फोन. नं. ६१६
	श्री पदमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	श्री केवलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस सी. II	अवि.	
६१५—	कुमारी सुधा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री खूबचन्द जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	फर्म:-खूबचन्द रमेशचन्द, सदरबाजार
	श्रीमती विट्ठोबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री सार/चन्द	३२	पुत्र		अवि.	
श्री रमेशचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.		

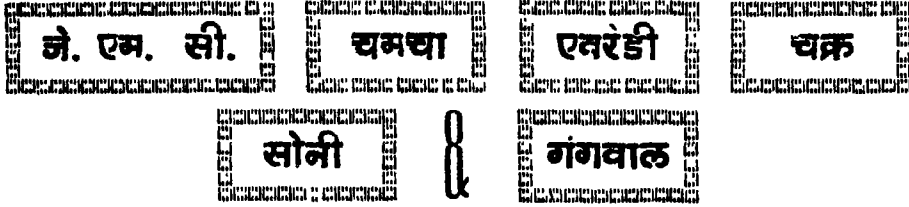
शम्भूमल की बगीची, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कुसुमदेवी	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुमतिचन्द	२१	पुत्र	एम.कॉम.	वि.	सबिस
	श्रीमती महेन्द्री	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
६१६—	श्री ओखेलाल जैसवाल	६५	मुखिया	मिडिल	विधुर	कर्म-ग्यासीलाल ओखेलाल, गंज
	श्री कपूरचन्द	३५	पुत्र	मिडिल	वि.	मुरार
	श्रीमती कपूरचन्द	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कमलकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६१७—	श्री मातादीन जैसवाल	४५	मुखिया		वि.	व्यवसाय
	श्रीमती धनवन्ती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती अंगूरीबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मन्नीलाल	२०	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती विमला	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री रमेशचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६१८—	श्री फूलचन्द जैसवाल	७०	मुखिया		विधुर	कर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार, गंज मुरार
	श्री रामचरन	३७	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सबिस-मन्डी कमेटी मुरार
	श्रीमती किरनदेवी	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२१	पौत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री सुरेशचन्द	१६	पौत्र	बी०एस०सी०/	अवि.	
	श्री नरेशकुमार	१६	पौत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री सुभाषचन्द	१४	पौत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री जैनेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	कर्म-फूलचन्द जैनेन्द्रकुमार
	श्रीमती राजमती	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती हेमलता	२१	पुत्रवधू		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	दुकान-मुरार
	कु० कमला	१७	पुत्री		अवि.	
६१९—	श्री नत्थीलाल जैसवाल	३५	मुखिया	मिडिल	वि.	सबिस
	श्रीमती अंगूरीदेवी	२८	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	कु० लक्ष्मण	१५	पुत्री	नहीं	अवि.	अध्ययन
	श्री चन्द्रसेन	२४	भाई	मेट्रिक	वि.	

जे. एम. सी. उत्पादन के सिलाई एवं कढ़ाई के घागे सदैव प्रयोग करें।
जो आपके वस्त्रों की सिलाई एवं कढ़ाई को सदैव मजबूत, आकर्षक व
टिकाऊ बनाये रखते हैं। जिससे आपके सौन्दर्य-प्रसाधनों में हमेशा वस्त्रा-
लंकृत नजर आते हैं।

हमसेना याद रखिये :-

हमारे प्रसिद्ध ट्रेड मार्कों को !



उत्पादक :-

जैन मैनुफैक्चरिंग कम्पनी

चराफा बाजार, स्वाछियर-१

शुभ कामनाओं सहित,

याद रखने हेतु निवेदन !

आधुनिकतम फैशन में अग्रणी

काल सिल्क टैरीन शूटिंग

उत्कृष्ट डिजायनें, मोहक रंग, टिकाऊ

व एन्टीक्रीज वस्त्रों के निर्माता :-

कलकत्ता सिल्क मेन्यू. कं. लि., कलकत्ता

अधिकृत विक्रेता :-

मुन्शीलाल महेन्द्र कुमार जैन

माधोगंज, लखनऊ • फोन नं० : २५७१

शम्भूमल की बगीची व ठण्डी सड़क, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भागीविका विवरण
	श्रीमती सुमनदेवी	२१	भाईवधू	नवीं	वि.	
६२०—	श्री भजनलाल	६०	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती जनकाबाई	५४	पत्नी		वि.	
	श्री गुलाबचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती लोंगाबाई	२४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री कीमलचन्द	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री राकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

ठण्डी सड़क :-

६२१—	श्री कैलाशचन्द जैसवाल	३६	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-म्युनिसिपैलटी, लखनऊ
	श्रीमती स्वरूपीदेवी	३०	पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	३२	भाई	नवीं	वि.	दलाल-गंज, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० सुन्दरी	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१३	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती भूरीबाई	६०	मां		विधवा	
६२२—	श्री मदनलाल जैसवाल	२५	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस
	श्रीमती विमलादेवी	२२	पत्नी		वि.	
६२३—	श्री गोकुलचन्द नायक	५०	मुखिया	मिडिल	विधुर	अवसाय
	श्री हरीशचन्द	२१	पुत्र	बी. एस्. सी.	वि.	
	श्रीमती गुनमाला	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
६२४—	श्री कैलाशचन्द	३२	मुखिया	एम० ए०	वि.	अध्यापक, गव० हायर० से० स्कूल, मुरार
	श्रीमती शान्तीदेवी	२६	पत्नी		वि.	
६२५—	श्री हरलाल मू०जी	४६	मुखिया		वि.	अवसाय
	श्रीमती कलावती	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	२८	पुत्रवधू		वि.	
६२६—	श्रीमती रमकीबाई	७०	मुखिया		विधवा	
	श्रीमती बारोली	५०	बहू		विधवा	
६२७—	श्री भागचन्द मोलामारे	६०	मुखिया		वि.	अवसाय-सदर बाजार
	श्रीमती केसरबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री बाबूलाल	३२	पुत्र		वि.	

ठण्डी सड़क, गर्म सड़क व घास मण्डी मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती कमलाबाई	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती सरलादेवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६२८	—श्री श्यामलाल	६२	मुखिया		विपुर	
गर्म सड़क :-						
६२९	—श्री शान्तीलाल कोहिले	३८	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-पञ्जाब नेशनल बैंक, मुरार
	श्रीमती लीलादेवी	३२	पत्नी		वि.	
	शु० ऊषा	१४	पुत्री	मेट्रिक	अ.व.	
घास मण्डी :-						
६३०	—श्री कन्हेडीलाल परमार	६५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती नन्दीबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री भीष्मचन्द	१८	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	१४	पुत्रवधू		वि.	
	श्री रमेशचन्द	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३१	—श्री श्यामलाल जैसवाल	५२	मुखिया		अवि.	
	श्रीमती भग्गोबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री दीपचन्द	२६	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री प्रेमचन्द	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-जे. सी. मिल्स, बिरलानगर
	श्रीमती प्रेमवती	२१	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री महेन्द्रचन्द	१८	पुत्र	बी० ए० /	अवि.	
६३२	—श्री हरीशचन्द जैसवाल	३०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	दलाली-इन्डर राज, लखर
	श्रीमती केशरबाई	४८	मां		विधवा	
	श्रीमती प्रेमवती	२५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६३३	—श्री बालाराम जैसवाल	४५	मुखिया		अवि.	ठेकेदारी.
	श्री राजाराम	४०	भाई		वि.	तेल-मिल
	श्रीमती ग्यासोबाई	३२	भाईवधू		वि.	
६३४	—श्री बिकरमलाल परमार	५०	मुखिया		वि.	व्यवसाय-बजाज खाना, मुरार
	श्रीमती रामप्यारी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेशचन्द	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	

घास मण्डी, गंज, अनाज मण्डी व सिंहपुर रोड, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६३५—	श्री छोटेबाल जंसवाल	५८	मुखिया	मिडिल	वि.	किराना मर्चेट सबर बाजार, मुरार
	श्रीमती आनन्दीबाई	५०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री महेशचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कपूरीदेवी	२५	पुत्रवधू		वि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री		अवि.	
गंज :-						
६३६—	श्री गनेशीलाल दोशी	६१	मुखिया		वि.	हजारीमल गुलाबचन्द, ठेकेदार
	श्रीमती गुल्लोबाई	५७	पत्नी		वि.	फोन न० ६६७, ६०७
	श्री बाबूलाल	३६	पुत्र	एम० ए०	वि.	एटको टाईल्स-इन्डस्ट्रियल ऐरिया,
	श्रीमती कमलाबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	ग्वालियर, फोन १२६५
	श्री महेंद्रकुमार	३०	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमकुमार	२८	पुत्र	टे. टा. डिप्लोमा	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती शोभादेवी	२५	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	इन्टर	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र	नवी	अवि.	
अनाज मण्डी :-						
६३७—	श्री कालीचरण जंसवाल	४६	मुखिया		वि.	व्यवसाय-गंज मुरार
	श्रीमती रूपादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री गेंदालाल	२६	भाई	मिडिल	वि.	
	श्रीमती रतनदेवी	२३	भाईवधू		वि.	
	श्री भीलमचन्द	१९	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री हरीशचन्द	१४	पुत्र		अवि.	
सिंहपुर रोड :-						
६३८—	श्री लक्ष्मीराम जंसवाल	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती रम्मोबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४०	पुत्र		वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स, बिरलानगर
	श्री ज्ञानचन्द	३५	पुत्र		वि.	
	श्री जैनोबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री श्रीलाल	३०	पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती/लक्ष्मीबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	

सिंहपुर रोड़, बजाज खाना व कोतवाली सन्तर, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री बाबूलाल	२५ पुत्र	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती फूलाबाई	२१ पुत्रवधू		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२३ पुत्र	हा० से०	वि.	ध्यवसाय
	श्रीमती रतनदेवी	२० पुत्रवधू		वि.	
६३६—	श्री कन्हैयालाल जंसवाल	५८ मुखिया	इन्टर का.र.र.न	वि.	सूचना एवं प्रकाशन विभाग (रिटायर्ड)
	श्रीमती सुमद्राबाई	४८ पत्नी		वि.	
	श्री पूरनचन्द	२५ पुत्र	नवी	अवि.	सैनिक सेवा ३-डॉगरेजीमेंट
	श्री दिनेशचन्द	१७ पुत्र	नवी	अवि.	अध्ययन-आई० टी० आई० वैलिंग
	श्री टेकचन्द	१५ पुत्र	दसवीं	अवि.	

बजाज खाना :—

६४०—	श्री श्यामलाल जंसवाल	७० मुखिया		वि.	फर्म-श्यामलाल रघुवरदयाल, घास मन्डी, मुरार
	श्रीमती केशरबाई	५५ पत्नी		वि.	
	श्री रघुवरदयान	३३ पुत्र		वि.	
	श्रीमती विमलादेवी	३० पुत्रवधू		वि.	
६४१—	श्री रामचरण जंसवाल	५० मुखिया		विधुर	फर्म-रामचरण बट्टीप्रसाद, घास मन्डी
	श्री बट्टीप्रसाद	३४ पुत्र	प्रथमा	वि.	
	श्रीमती केलादेवी	३० पुत्रवधू		वि.	
	श्री अशोककुमार	१४ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
६४२—	श्री कैलाशचन्द जंसवाल	२४ मुखिया	एम. कॉम.	वि.	सर्विस
	श्री वियजदेवी	१८ पत्नी	हा० से०	वि.	
६४३—	श्रीमती राधाबाई जंसवाल	४५ मुखिया		विधवा	
	श्री महावीर प्रसाद	११ पुत्र		अवि.	

कोतवाली सन्तर :—

६४४—	श्री मोतीलाल जंसवाल	५० मुखिया		वि.	ध्यवसाय
	श्रीमती बहामीबाई	३५ पत्नी		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	४५ भाई		अवि.	
	श्री सीताबाई	१४ पुत्री	नवमी	अवि.	
६४५—	श्री श्यामलाल पाण्डवीय	७० मुखिया	इन्टर, विशारद	विधुर	सामाजिक कार्यकर्ता, लेखक एडवोकेट, म. प्र. हाईकोर्ट
	श्री रघुवरदयाल	६५ भाई एनएल० बी०		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६० भ्रातावधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री महेशकुमार	३५ भतीजा	बी.एससी.	वि.	सि.स-जे.सी. मिक्स चापर हाऊस

कोतवाली सन्तर, सौदागर सन्तर व सुवामा पुरी कॉलोने, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती शान्तीदेवी	३०	भतीजा बच्चा		वि.	
	श्री मानवेन्द्रकुमार	२५	भतीजा	बी० ई०	अवि.	इन्जीनियर
	श्री मणीन्द्रकुमार	२३	भतीजा	M B. B.S.	अवि.	हाउस सर्वेन, जे. ए. हास्पीटल
९४६—	श्री कुन्जीलाल जैसवाल	५५	मुखिया		वि.	अध्यक्ष
	श्रीमती राजोबाई	४०	भाई		वि.	
	श्री बाबूलाल	३०	भतीजा	इन्टर	वि.	अध्यापक-प्राथमिक पाठशाला
	श्रीमती शान्तीबाई	२५	भतीजाबच्चा		वि.	गिरगाव
९४७—	श्री रतनलाल सिघल	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	टेकेदार
	श्रीमती रुकमनी देवी	३८	पत्नी		वि.	
	कु० इन्द्रा	१८	पुत्री	बी.ए०//	अवि.	अध्ययन
	कु० गुनमाला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मन्जु	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
९४७—	श्री मानिकचन्द सिघल	२३	मुखिया	बी. काम.	वि.	
	श्रीमती पूलवती	५१	मां		वि.	
	श्रीमती सुशीलाबाई	२०	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजकुमार	१६	भाई	हा० से०	अवि.	

सौदागर सन्तर मुरार—

९४८—	श्री किशोरीलाल जैसवाल	४८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	कर्म-किशोरीलाल राजकुमार जैसवाल
	श्रीमती शान्तीदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री राजकुमार	२३	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती मुन्नीबाई	२२	पुत्रबच्चा	मिडिल	वि.	
	श्री चैतराम	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	

सुवामा पुरी कॉलोनी :—

९४९—	श्री अतुरीमल जैसवाल	४०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती जयेलीबाई	३५	पत्नी		वि.	
९५०—	श्री विशाराम जैसवाल	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुखनीदेवी	४२	पत्नी		वि.	
	श्री छोटारमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सबिस
	श्रीमती रामकली	१८	पुत्रबच्चा		वि.	
	श्री साधुताप्रसाद	१८	पुत्र		अवि.	सबिस

महारानी लक्ष्मीबाई रोड, मालरोड, नदी सन्तर, खुला सन्तर, रिसाला बाजार, मुरार

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
महारानी लक्ष्मीबाई रोड:—						
६५१—	श्री गणेशराम जैसवाल	३२	मुखिया		विधुर	हलवाई की दुकान
	श्री नेमीचन्द	२६	भाई		वि.	
	श्रीमती मूलीदेवी	१८	भाईवधू		वि.	
माल रोड:—						
	श्री रतनलाल जैसवाल	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	क्लाथ मर्चेट गंजगेट, मुरार
	श्रीमती रम्मोबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री दिनेशकुमार	२४	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती पुष्पलता	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री विनोदकुमार	२१	पुत्र	इन्जीनियरिंग	अवि.	
	कु० उमा	१४	पुत्री	नवमी	अवि.	
६५२—	श्री जिनेन्द्रकुमार सिन्घल	२६	मुखिया	इन्टर	वि.	ए. एस. जैन कं., मालरोड, मुरार
	श्रीमती ओमवती	२३	पत्नी	विद्याविनोदनी	वि.	
	श्री अशोककुमार	२०	भाई	बी०कॉम० II	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१६	भानजी	इन्टर	अवि.	
६५३—	श्री प्रेमचन्द शाहवजाज	३२	मुखिया		वि.	सर्विस
	श्रीमती प्रेमचन्द	२६	पत्नी		वि.	
नदी सन्तर:—						
६६४—	श्री नंदलाल शाह	४५	मुखिया	मिडिल	वि.	पटवारी
	श्रीमती काशीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री रामेश्वरदयाल	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
खुला सन्तर मुरार:--						
६६५—	श्री मंगलचन्द डिलवारिया	५५	मुखिया		वि.	कृषि कार्य
	श्रीमतीदेवकुंवर	५०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मुरलीधर	२५	पुत्र	मिडिल	वि.	सर्विस-कोपरेटिव स्टोर्स, मुरार
	श्रीमती केलादेवी	२२	पुत्रवधू		वि.	
६६६—	श्री वृषचन्द डिलवारिया	२८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-कोपरेटिव बैंक साइड
	श्रीमती जमुनीबाई	६०	माँ		विधवा	
	श्रीमती ज्ञानदेवी	२२	पत्नी		वि.	
रिसाला बाजार मुरार:--						
६६७	श्री प्राणनारायण	२५	मुखिया	बी.ई. V	अवि.	विद्यार्थी इन्जीनियरिंग कालेज
६६८	श्री रिखचन्द	२२	मुखिया	बी.ई. IV	अवि.	

मन्दिर मार्गी जैन श्वेताम्बर समाज, लश्कर

(१४ वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों का विवरण)

परिवार सस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
सराफा बाजार:—						
१—	श्री भवरलाल सूया	३८	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म:—आसकरण अबरलाल, मर्राफ
	श्रीमती राजबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती बीसीबाई	८०	माँ		विधवा	
२—	श्री धीसूलाल पारल	५६	मुखिया	मिडिल	वि.	कर्म:—भैरोंदान धीसूलाल सराफ, फोन : नं० २१६८
	श्रीमती अमरदेवी	५०	पत्नी		वि.	
	श्री पारसमल	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती ज्योति	२२	पुत्रवधू	बी. कॉम.	वि.	
	श्री वीरचन्द	२२	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० पया	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३—	श्री मनोहरमल फोफलिया	५०	मुखिया	B.A.,LL.B.	वि.	अभिभावक
	श्रीमती कंचनबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री नरेन्द्रकुमार	२३	पुत्र		अवि.	
	श्री धीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री अजयकुमार	१२	पुत्र		अवि.	
	श्री विजय कुमार	१०	पुत्र		अवि.	
	कुमारी शरोज	१८	पुत्री		अवि.	
४—	श्री सुमनराज धारीवाल	३८	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	३३	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कुमारी विजय	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती सुप्रीबाई	५०	माँ		विधवा	
५—	श्री सुरजराज धारीवाल	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	भाषीदार-अनसेवक फायने. रजि०, नेसक धारि, फोन नं० : २३६४
	श्रीमती सुमना धारीवाल	४७	पत्नी		वि.	

सराफा बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
६—	श्री कानमल काठेड़	५५	मुखिया		वि.	व्यवसाय-रेस्टोरेन्ट
	श्रीमती हीरादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री बोलतकुमार	२९	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस:-पी० डब्ल्यू० डी०,
	श्रीमती विमला	२२	पुत्रवधू		वि.	नवगांव, म० प्र०
	श्री विजयकुमार	२१	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यवसाय-कपड़ा
	कुमारी ज्ञान	१८	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१५	पुत्र	नवीं	अवि.	
७—	श्री मुशालाल कोठारी	४७	मुखिया		बिधुर	कोठारी रेस्टोरेन्ट, सराफा बाजार
	श्री कान्तिकुमार	२१	पुत्र		अवि.	
	श्री शान्तिकुमार	१९	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री लक्ष्मीकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
	कुमारी सुशीला	१५	पुत्री		अवि.	
८—	श्री हजारीमल भूषा	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	शासकीय ठेकेदारी
	श्रीमती कमलाबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	माँ		विधवा	
९—	श्री नेमीचन्द मण्डारी	३५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती पुष्पा	२८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सुमेरचन्द	२५	भाई	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे. सी. प्रिन्स, ग्वालियर
	श्रीमती तारादेवी	२०	भाई वधु	हा. से.	वि.	
	श्री शान्तीलाल	२१	भाई	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी कंचन	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती सायरकंवर	६०	माँ		विधवा	
१०—	श्री कानमल बच्छावत	५०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-टोडरमल सिफारिसमल
	श्रीमती तारादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कैलाशचन्द्र	२८	पुत्र	इन्टर	वि.	सर्विस-सेवान कोर्ट ग्वालियर
	श्रीमती पुष्पा	२४	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री गोकुलचन्द्र	२४	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	सर्विस-सहकारी बाजार
११—	श्री पद्मालाल ततिड़	४५	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती जीवनकंवर	४०	पत्नी		वि.	
	श्री विमलचन्द्र	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१२—	श्रीमानकचन्द्र ततिड़	३८	मुखिया		वि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती नर्मदीबाई	३६	पत्नी		वि.	

सराफा बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	व्याजीयिका विवरण
	श्रीमती मिर्चीबाई	७०	माँ		विधवा	
	श्री जवाहरलाल	२६	भाई		अवि.	
१३—	श्री गुमानमल लच्छावत	५५	मुलिया		वि.	सविस्.—साँ ज़ररस पब्लिकेशन
	श्रीमती गुमानबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द	२८	पुत्र	मिडिल	अवि.	सविस्.—भगवती प्रिन्टिंग, प्रेस
	श्री ज्ञानचन्द	२३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कश्मीरी देवी	१६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नरेन्द्र	१५	पुत्र		अवि.	
१४—	श्री हीराचन्द मेहता	४५	मुलिया	मिडिल	वि.	वरत्र व्यवसाय
	श्रीमती भवरीबाई	३८	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२४	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२०	पुत्र	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री हेमकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती इमरलीबाई	६०	माँ		विधवा	
१५—	श्री गुमानमल लोढा	६२	मुलिया	मिडिल	वि.	
	श्रीमती आदबाई	५५	पत्नी		वि.	
	श्री चन्दनमल	३५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सविस् कलेक्ट्रेट स्वासियर,
१६—	श्री हंसराज कोठारी	४०	मुलिया	मेट्रिक	वि-	कोठारी सन्त,
	श्रीमती प्रेमकुमारी	३७	पत्नी		वि.	महावीर गोटा फैक्ट्री,
	श्री अमरकुमार	२०	पुत्र	B.S.C. III	अवि.	फोन : नं० २४३२
	श्री अजीतकुमार	१६	पुत्र	बी. कॉम. III	अवि.	
	श्रीमती गैदाबाई	६५	माँ		विधवा	
१७—	श्री बागमल कोठारी	६६	मुलिया	मिडिल	वि.	सविस्.—कोठारी सन्त
	श्रीमती गुलाबबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री दीनतमल	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सविस्.—प्रसिस्टेण्ट हेड केजियर,
	श्रीमती राजेन्द्रकुमारी	३०	पुत्रवधू		वि.	स्टेट बैंक आफ इण्डिया, स्वासियर
	श्री सरदारमल	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	श्री कपूरचन्द	१६	पुत्र	बी. कॉम II	अवि.	
	कुमारी लीला	१७	पुत्री	नवीं	अवि.	
१८—	श्री नेपालसिंह खजलानी	५०	मुलिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसाय-सोना चांदी, नया सराफा

सराफा बाजार, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती चन्द्राबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री वरेन्द्रकुमार	३०	पुत्र		वि.	सर्विस:-सार निर्माता कारखाना,
	श्रीमती सुशीलाबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	फरीदाबाद
	श्री नगेन्द्रकुमार	२५	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	सर्विस:-जे. सी. मिलस ग्यालियर
	श्री मनोहरकुमार	२१	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री सुरेशकुमार	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	नवी	अवि.	
	श्री चैतन्यकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
१६-	श्री मांगीनाल कोठारी	५२	मुल्लिया	नवी	वि.	सर्विस
	श्रीमती फूलबाई	४६	पत्नी		वि.	
	श्री भवरलाल	२६	पुत्र	नवी	अवि.	
	कुमारी सुशीला	२३	पुत्री	नवी	अवि.	
	कुमारी इन्द्रा	१६	पुत्री		अवि.	
२०-	श्री रतनचन्द वफ्तरी	६५	मुल्लिया	मिडिल	वि.	शासकीय पुस्तक विक्रेता
	श्री मानिकचन्द वफ्तरी	४७	भ्राता		वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२८	भतीजा	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-हेड केशियर, रोडवेज ग्वा.
	श्रीमती पुष्पा	२६	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री वीरेन्द्रकुमार	२४	भतीजा	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती शशिप्रभा	२०	भतीजावधू	मिडिल	वि.	
	श्री आजाद कुमार	१६	भतीजा	बी.कॉम. II	अधि.	सर्विस:-केशियर रिटेल शॉप
२१-	श्री वस्तीमल नायटा	४६	मुल्लिया	एम. कॉम.	वि.	ऐजेन्ट:-कृष्णराम बलदेव बैंक लि.
	श्रीमती मालकबाई	४४	पत्नी	मिडिल	वि.	फोसारस
	कुमारी आशा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
२२-	श्री देवेन्द्रकुमार लूनिया	१८	मुल्लिया	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती कमेलीबाई	६५	बड़ी माता		विधवा	
	श्रीमती सम्पतबाई	५०	माता	मिडिल	विधवा	
२३-	श्री तेजमल हर्षावत	५६	मुल्लिया	बी. कॉम.	वि.	पार्टनर्स:-कम. एजे. फो. नं. २५७७
	श्रीमती सुशीलाबाई	४८	पत्नी	मिडिल	वि.	मकॅन्टाइम एजेन्सीज फो. नं. ७२५
	श्री अरुणकुमार	२२	पुत्र	बी.ई. फायनल	वि.	ग्वा. अमनेसा फॅक्ट्री, फो. नं. २५५१
	श्री पारसकुमार	२०	पुत्र	M. B., B. S. II	अवि.	रामप्रसाद तेजमल फोन नं २३६५
	श्री अजीतकुमार	१७	पुत्र		अवि.	
२४-	श्री लक्ष्मीचन्द शोडिया	३६	मुल्लिया	मेट्रिक	वि.	जैन मुद्रा ट्रांसपोर्ट ऐजेन्सी,

सरफा बाजार, लइकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	भाजीविका विवरण
	श्रीमती रोमानबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	दालबाजार
	श्री कमलचन्द	३३	भ्राता	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुमीला देवी	२८	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री ताराचन्द	२२	भ्राता	इन्टर	अवि.	नित भूतन, कला मन्दिर, कमन्डियल,
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	६०	मा		विधवा	मार्गटस्ट
२५—	श्री छबीलदास गुजराती	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	व्यवसायी
	श्रीमती रमा बहिन	३६	पत्नी		वि.	
	श्रीमती मणी बहिन	६०	माता		विधवा	
	कुमारी प्रफुल्ला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री हरीश	२३	पुत्र	इलेक्ट्रिक मेकनिक	अवि.	६० मे० जामनगर, गुजरात, सीराष्ट्र
२६—	श्री कमलाबाई दूवेडिया	४५	मुखिया		विधवा	
२७—	श्री सोहनलाल पूंगलिया	६०	मुखिया		विधु	जवाहरात व सोना चांदी के व्यापारी
	श्री विजयकुमार	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	वस्त्र-व्यवसायी बहादुर पुर
	श्रीमती धनवती	२५	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
२८—	श्री बुज्जिलाल पारख	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	भागीदार-फर्म भैरोदान वीसूलाख,
	श्रीमती रूपाबाई	५०	पत्नी		वि.	सर्क फोन : नं० २१६८
	श्री सन्तोषकुमार	३०	पुत्र	बी. क्रॉम	वि.	गल्ला व्यवसाय
	श्रीमती मानिकबाई	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	फर्म:-प्रेमचन्द मानिकचन्द सराफ
	श्रीमती मोनाबाई	२२	पुत्रवधू		वि.	
	श्री शैमचन्द	२४	पुत्र	बी० ई०	वि.	
	श्रीमती कुमुद	२०	पुत्रवधू		वि.	
	श्री मानिकचन्द	२१	पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	फर्म:-पारख बर्ल क्लॉथ मर्चेन्ट,
	कुमारी शीला	१८	पुत्री	बी. ए. I	अवि.	सोल एजेन्ट मफतलाल गुप
	कुमारी चन्द्रकला	१६	पुत्री	हा० से०	वि.	
	कुमारी शशि कला	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	
२९—	श्री बाबूलाल पारख	४२	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	फर्म:-पारख एण्ड सन्स क्लॉथ,
	श्रीमती मैनादेवी	३२	पत्नी		वि.	मर्चेन्ट फोन : नं० २३२१
	श्री रिखचन्द	१८	पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	कुमारी विमला	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
३०—	श्री अनिकचन्द शांते	४६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	एजेन्ट-शासकीय प्रकाशन
	श्रीमती चन्नावती	४१	पत्नी		वि.	

Phone No. 701

with best compliments form :-

PRAKASH

Rolling Shutters

Manufacturers :

PRAKASH IRON INDUSTRIES

LOHIA BAZAR,
LASHKAR - GWALIOR (M. P.)

With best compliment from :-

Phones { Factory. 1295
Resi. 997, 1206

DECORATE YOUR FLOORS WITH :

ACTO TILES

(PLAIN, MOSAIC & TERRAZZO)

Most Durable & Cheaper in Attractive Colours & designs

Approved by the Govt. Test House, Alipore, Calcutta

AND

On the approved list of C. P. W. D., P. W. D. & M. E. S.

Manufactured on

automatic plant under Technical supervision

BY

The Associated Tiles & Cement Industries

25B/26A, Industrial Estate, Gwalior-4 (M. P)

सराफा बाजार व दानाश्रोली, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कुमारी कुसुम	१८	पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
३१—	श्रीमती ताराबाई	२४	मुखिया	बी. ए. II	विधवा	अध्या. हा. से. स्कूल, रेलवे का रीनी
दानाश्रोली:—						
३२—	श्री बागमल सिंधी	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	व्यवसाय, जैन देन, खेती बाड़ी
	श्रीमती श्रेयकंबर	४८	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	२०	पुत्र	बी. एस-सी.	वि.	
	श्रीमती कंचन	१६	पुत्रवधू		वि.	
	कुमारी शकुन्तला	१६	पुत्री	मिडिल	अवि.	
३३—	श्री चांदमल सिंधी	७०	मुखिया	मिडिल	वि.	पेन्शनर एवं स्टाम्प विक्रेता
	श्रीमती हनुम देवी	६५	पत्नी		वि.	
३४—	श्री सोभाग्यमल सिंधी	५२	मुखिया	बी. ए.	वि.	सर्विस:-एम. पी. स्टेट कॉ. बैंक
	श्रीमती ताराबाई	४५	पत्नी		वि.	
	श्री जितमल	२२	पुत्र	बी. ई. IV	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१८	पुत्र	बी. एस-सी. I	अवि.	
	श्री छगनमल	१५	पुत्र	मिडिल	अवि.	
३५—	कन्हैयालाल गोठी	६३	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	
	श्री दुर्गा प्रसाद	३२	पुत्र	एम. ए.	वि.	सर्विस:-स्टेट बैंक ऑफ इन्डिया, ग्वा.
	श्रीमती पद्मा	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हेमचन्द	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	
३६—	श्री कुशलचन्द गुगलिया	५३	मुखिया	७ वीं	वि.	सर्विस:-जे. ए. ग्रुप ऑफ हस्पिटल
	श्रीमती मानकुवर	५०	पत्नी		वि.	
३७—	श्री विजयराम लुनावत	३५	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	पत्रकार
३८—	श्री दानचन्द सेठिया	३५	मुखिया	इन्टर	वि.	एजेन्ट बारदाना अवि
	श्रीमती बसन्तीबाई	२६	पत्नी		वि.	
३९—	श्री भागचन्द दरडा	४०	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	वस्त्र व्यवसायी
	श्रीमती नानीबाई	४७	भावी		विधवा	
	श्री निहालचन्द	१६	भतीजा	मिडिल	अवि.	
४०—	श्रीमती सुमनबाई कुचेरिया	६०	मुखिया		वि.	
४१—	श्री मानमल पुराना	६५	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चांदी
	श्रीमती पानबाई	५८	पत्नी		वि.	

दानश्रोती, लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
४२—	श्री नथमल सुराना	६०	मुखिया		वि.	दलाली-सोना चादी
	श्रीमती छोटीबाई	५०	पत्नी		वि.	
	श्री भागचन्द	२१	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस
	श्रीमती कमलकान्ता कुमारी आशा	१८	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
४३—	श्रीमती लालबाई सचेती	६५	मुखिया		विधवा	
	श्री प्ररनचन्द कोठारी	६५	मुखिया		विधुर	सोने चांदी का व्यवसाय
४४—	श्री प्रेमचन्द	४५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सायरदेवी	४०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री कान्ति कुमार	२०	पौत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री निर्मल कुमार	१७	पौत्र	B. A. I	अवि.	
	श्री ऋषभ कुमार	१५	पौत्र	मेट्रिक	अवि.	
४५—	श्री सेजमल भंसाली	५५	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	सर्विस:-पोस्ट मास्टर
४६—	श्री रतिलाल गुजराती सेठ	६७	मुखिया	मेट्रिक	विधुर	फर्म:-रतिलाल वेचरदास-मोटर
	श्री भोगीलाल	४२	पुत्र	नवी	वि.	पार्ट्स डीलर फोन : २००६
	श्रीमती चन्द्रावती	३८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री चन्द्रकान्त	३२	पुत्र		वि.	फर्म:-ग्वालियर मोटर हाऊस,
	श्रीमती जसुमती कुमारी बीना	१५	पौत्री	मेट्रिक	अवि.	फोन : न० १६८६
४७—	श्री उत्तमचन्द सिन्धी	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे. सी. मिल्स ग्वालियर
	श्रीमती भवरबाई	२७	पत्नी		वि.	
	श्री देवेश कुमार	२७	भ्राता	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	२२	भ्रातावधू	मिडिल	वि.	
	श्री हेमराज	१४	भ्राता	मेट्रिक	अवि.	
श्रीमती चम्पाबाई	४८	माता		विधवा		
४८—	श्री सुपार्श्वमल भंसाली	५३	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस:-कमशियल एजेंसीक
	श्रीमती रतनबाई	४७	पत्नी		वि.	
	श्री कमल कुमार	२०	पुत्र	बी. ई. III	अवि.	
	कुमारी पुष्पा	१५	पुत्री		अवि.	
४९—	श्री सौभाग्यमल कोठारी	५०	मुखिया		वि.	फिरतना व्यवसाय
	श्रीमती राजादेवी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री विजय कुमार	२६	पुत्र	मेट्रिक	वि.	

बानाश्रीली, नया बाजार, लोहिया बाजार, कम्पू रोड लडकर

परिवार संख्या	नाम	वयसु सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२४ पुत्रवधू		वि.	
	श्री नानकचन्द	२३ पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	श्री भानिकचन्द	२० पुत्र	बी. ए. I	अवि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	१४ पुत्र		अवि.	
	कुमारी रतनबाई	१४ पुत्री		अवि.	
नया बाजार:—					
५०—	श्री केशरीमल भंसाली	५० मुखिया	मिडिल	वि.	सोभा चांदी व्यवसायी
	श्रीमती कमलादेवी	३८ पत्नी		वि.	
	श्री सतीशकुमार	१७ पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
लोहिया बाजार :—					
५१—	श्री हीराचन्द कोठारी	५५ मुखिया		वि.	लोहे का व्यवसाय
	श्रीमती सुरजकुमारी	५० पत्नी		वि.	
	श्री नेमीचन्द	२४ पुत्र	D.H.B., B.A. II	अवि.	मेडीसन व्यवसाय
	श्री निर्मलकुमार	२३ पुत्र	बी. कॉम.	अवि.	
	श्री हेमन्तकुमार	२० पुत्र	बी. कॉम. I	अवि.	
	कुमारी पद्मा	२० पुत्री		अवि.	
	कुमारी शशिबाला	१४ पुत्री	मिडिल	अवि.	
५२—	श्री देवेन्द्रकुमार कोठारी	३५ मुखिया	B.Sc., LL.B.	वि.	अभिभाषक
	श्रीमती कमलादेवी	३० पत्नी		वि.	
५३—	श्री प्रतापचन्द कोठारी	५० मुखिया		वि.	
	श्रीमती लीलादेवी	४५ पत्नी		वि.	
कम्पू रोड लडकर :—					
५४—	श्री ज्ञानचन्द भंसाली	४७ मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर.- कर्मशायल एजेन्सी,
	श्रीमती प्रेमलता	४२ पत्नी	मेट्रिक	वि.	जयभारत ओटोमोबाईल्स
	कुमारी सुष्मा	२२ पुत्री	M. B. B. S.	अवि.	
	कुमारी मन्वु	२० पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	कुमारी आशा	१८ पुत्री	बी. ए. II	अवि.	
	श्री अमिलकुमार	१६ पुत्र	बी. ई. II	अवि.	
	कुमारी सरोज	१४ पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

जवाहर कालोनी

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
जवाहर कालोनी :—						
५५—	श्री जीवनमल कोचर	५७	मुखिया	एल.एल.बी.	वि.	रिटायर्ड-आई. एस. ऑफीसर
	श्रीमती रतनदेवी	५४	पत्नी		वि.	फोन : नं० १४६८
	श्री सत्येन्द्रकुमार	३५	पुत्र	केमि. इजी	वि.	केमिकल्स व्यवसायी, देहली
	श्रीमती दर्शनदेवी	३२	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३३	पुत्र	सिविल इजी.	वि.	सिविल इन्जीनियर-बम्बई
	श्रीमती सञ्जन	२७	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भूपेन्द्रकुमार	३१	पुत्र	M.B.B.S., M.B.	वि.	प्राईवेट प्रेजिंटेशन-कलकत्ता
	श्रीमती कुसुम	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	कुमारी डॉ० सन्तोष	२६	पुत्री	M. B. B. S.	वि.	फोडिओटिक डिपा. क. रा. हाट.
	कुमारी पद्मा	२४	पुत्री	M. Sc.	अवि.	टोम्बे ट्रेनिंग स्कूल, बम्बई
	कुमारी सरोज	१७	पुत्री	B. Sc. II	अवि.	
	कुमारी मन्जु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५६—	श्री भवरलाल ढड्डा	४०	मुखिया	इन्टर	वि.	पार्टनर-मर्कन्टाइल ऐजेन्सीज फोन
	श्रीमती इन्दुरानी	३६	पत्नी		वि.	नं० ७२५
	कु० कुसुमलता	२०	पुत्री	M. BB.S.(F.)	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१८	पुत्री	M.B.B.S. (Pre)	अवि.	
	कु० पूर्णिमा	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० मधु	१५	पुत्री	नवीं	अवि.	
५७—	श्री प्रतापसिंह सीपानी	४०	मुखिया	M.A., LL.B.	वि.	असिस्टेंट सेल्स मैनेजर, जे० सी०
	श्रीमती धीसीबाई	५५	माँ		विधवा	मिल्स
	श्रीमती पद्मकुमारी	३५	पत्नी		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	३५	भाई	एम. ए.	वि.	व्याख्या-भाबुबा (म० प्र०)
	श्रीमती स्नेहलता	३२	भाई वधू	एम. ए.	वि.	
	श्री भीतलकुमार	२८	भाई	M. Sc. (P.)	वि.	व्याख्याता, भिन्ड (म० प्र०)
	श्रीमती यशवन्तकुमारी	२५	भाई वधू	हा. से.	वि.	
	श्री जीबनसिंह	२२	भाई	हा.से.	अवि.	सर्विस-म० प्र० कॉम्प्युटरेटिव बैंक
	कु० मदनप्रसा	१६	बहिन	B. Sc. I	अवि.	जबलपुर
	श्री विजयसिंह	१५	भाई	मेट्रिक	अवि.	
५८—	श्री जुगराज भारीवाल	४२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-म० प्र० स्टेट कॉम्प्युटरेटिव
	श्रीमती कमला	३६	पत्नी		वि.	बैंक लि०, ग्वालियर

जवाहर कॉलोनी, माधोगंज, लक्ष्मी कॉलोनी, लाला का बाजार

परिवार संस्था	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० सुशीला	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्री प्रेमराज	१७	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० तारा	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
माधोगंज :—						
५६—	श्री इन्दरचन्द नायटा	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-नेमीचन्द छोटेलाल सराफ
	श्रीमती रतनबाई	४०	पत्नी	हिन्दी	वि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
६०—	श्री बुधराज धारीवाल	४३	मुखिया	मिडिल	वि.	नॉबिस-जैन कोल डिपो
	श्रीमती जीवनबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री कुशलराज	२२	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० इन्द्रा	१७	पुत्री	मिडिल	अवि.	
६१—	श्री विजयराज धारीवाल	३१	मुखिया	हा. से.	वि.	सर्विस-जिला सहकारी मंघ. मुरेना,
	श्रीमती कमलाबाई	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	म० प्र०
	श्री अक्षयराज	२०	भ्राता	B. A. M. S. III	अवि.	
	श्रीमती धनकुंवर	६३	माता	मिडिल	विधवा	
६२—	श्री अनूपचन्द दपतरी	५५	मुखिया	बी० ए०	वि.	दिपो मैनेजर बेंरागढ़, भोपाल
	श्रीमती कमलादेवी	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	
	कु० आशाकुमारी	१६	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
लक्ष्मी कॉलोनी :—						
६३—	श्री वृद्धमान पारख	३५	मुखिया	P. A., LL. B.	वि.	एकसाईज इन्सपेक्टर
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती केशरबाई	५५	मा		विधवा	
लाला का बाजार :—						
६४—	श्री मंगलचन्द श्रीमाल	३५	मुखिया		वि.	सर्विस-सारडा क्लाय स्टोम
	श्रीमती ज्ञानबाई	२५	पत्नी		वि.	
	श्रीमती धन्यकुमारी	७०	मा		विधवा	
	श्री प्रदीपकुमार	१४	पुत्र		अवि.	
६५—	श्री बागमल धारीवाल	६५	मुखिया	मिडिल	वि.	धारीवाल थ्रेड कम्पनी
	श्रीमती धापूबाई	६०	पत्नी		वि.	
	श्री फतेहचन्द	३५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सराफी व्यवसाय
	श्रीमती प्रेमलता	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री शेरसिंह	३०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	बैंकर्स, हुन्डी परचे की दलाली

लाला का बाजार, जीवाजीगंज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती सुशीला	२७	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री सुस्तानसिंह	२५	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	
	श्रीमती राजकुमारी	२२	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री मांगीलाल	२०	पुत्र	बी. कॉम. द्वितीय	अवि.	
	श्री कमलचन्द	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	
	श्री गुलाबदेवी	८५	मां		विधवा	
६६—	श्री सूरजमल घारीवाल	५४	मुलिया	मिडिल	वि.	हुन्डी पर्व की दलाली
	श्रीमती शान्तीबाई	४०	पत्नी		वि.	
	श्री अमप्रकाश	२१	पुत्र	बी. ए. द्वितीय	अवि.	
	श्री विमलचन्द	१६	पुत्र		अवि.	
	श्री ज्ञानचन्द	१७	पुत्र	नवी	अवि.	
जीवाजीगंज :—						
६७—	श्री मानमल सांड	५१	मुलिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल रेल्वे
	श्रीमती कमलाबाई	४६	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री सरदारमल	२८	पुत्र	बी. ए.	वि.	सर्विस-जैन पेट्रोल पम्प
	श्रीमती पुष्पाबाई	२२	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री विजयमल	२४	पुत्र	मिडिल	वि.	ठेकेदारी
	श्रीमती शान्तीबाई	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री अजयमल	२२	पुत्र	मिडिल	अवि.	सर्विस-बस कन्डक्टर
	श्री सुभाषचन्द्र	२०	पुत्र	मिडिल	अवि.	व्यापार
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	बी. ए. कायनल	अवि.	
	कु० हेमलता	१५	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
६८—	श्री बीरेश्वरकुमार नावटा	३६	मुलिया	बी. कॉम.	वि.	ट्रैफिक मैनेजर, डी० टी० यू०
	श्रीमती सजनकुमारी	५३	मां	मिडिल	विधवा	
	श्रीमती सीमाकुमारी	३३	पत्नी	मैट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, मोपाल
	श्रीमती सोभाग्य सुम्हरी	२८	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री महेशकुमार	३२	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन ब्रदर्स पेट्रोल पम्प, लखर
	श्रीमती आनारानी	२७	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री महेशकुमार	३०	भ्राता	B.Sc. Engg.	वि.	अवसाय-जैन मोटर्स इन्जीनियर
	श्रीमती मधुरानी	२६	भ्रातावधू	बी० ए०	वि.	विक्रय लखर

जीवाजीगंज, जनकगंज, दौलतगंज व नई सड़क

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२८	भ्राता	बी० ए०	वि.	जैन मोटर्स-तेल विभाग, लखनऊ
	श्रीमती प्रभाकुमारी	२३	भ्रातावधू	मैट्रिक	वि.	
	कु० आशारानी	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० लषारानी	१४	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
जनकगंज लड़कर :-						
६६-	श्री हरसद गुजराती	२८	मुखिया	मैट्रिक	अवि.	ओटोमोबाइल डीलर
	श्री धीरेन्द्रकुमार	२१	भतीजा	डी.पी.टी.	अवि.	
दौलतगंज लड़कर :-						
७०-	श्री केशरीमल तातेड़	३३	मुखिया		वि.	फर्म-राजस्थान मोटा फैक्टरी
	श्रीमती मनोहरबाई	५५	माँ		विधवा	दौलतगंज फोन न० २४०१
	श्रीमती समन्धरबाई	२८	पत्नी		वि.	
	श्री प्रकाशचन्द	२५	भाई	बी० ए०	वि.	मबिस-अजमेर स्टेट कोभापरेटिव
	श्रीमती उगमबाई	२२	भाईबधू		वि.	बैंक, अजमेर
नई सड़क लड़कर :-						
७१-	श्री उत्तमचन्द कांस्टया	५१	मुखिया	मैट्रिक	वि.	सर्विस-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया,
	श्रीमती केशरबाई	४५	पत्नी	मिडिल	वि.	ग्वालियर
	कु० सुमंगला	१६	पुत्री	बी. ए.	अवि.	
	श्री हेमचन्द	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	
ग्वालियर रेयन, बिरला नगर :-						
७२-	श्री हीरालाल श्रीमाल	४३	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	मैनेजर, ग्वालियर रेयन
	श्रीमती प्रेमलता	४०	पत्नी		वि.	
	कु० मन्जु	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री भुकेशकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
	श्रीमती दुर्गाबाई	६५	माँ		विधवा	
७३-	श्री अंबरलाल श्रीमान	३७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	वेयर हाऊस
	श्रीमती लालबाई	३२	पत्नी		वि.	
७४-	श्री छोटलाल श्रीमाल	३५	मुखिया	मैट्रिक	वि.	असिस्टेन्ट टाईम कीपर
	श्रीमती अंगूरीबाई	३२	पत्नी		वि.	
	श्रीमती तीजाबाई	६०	माँ		विधवा	
७५-	श्री जोगेन्द्रकुमार	२७	मुखिया	बी० ए०	वि.	मोनिंग इन्चार्ज
	श्रीमती सञ्जय	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

ग्वालियर रेयन, बिरलानगर व जीवाजीराव कॉटन मिल्स बिरलानगर

पन्बार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
७६—	श्री पदमचन्द गर्ग	३१	मुखिया	B. Tec.	वि.	बीविंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती सरोजबाई	२५	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
७७—	श्री रमेशचन्द तातेड	२७	मुखिया	एम० कॉम०	वि.	प्रतिनिधि ग्वालियर रेयन
	श्रीमती चन्द्रकान्ना	२१	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
जीवाजीराव कॉटन मिल्स, बिरलानगर :—						
७८—	श्री पर्वतमल मंडारी	४५	मुखिया	इन्टर	वि.	गोडारुन इन्वार्ज, स्टील फाऊन्ड्री
	श्रीमती गुलाबकमल	४०	पत्नी		वि.	
	श्री बीरेन्द्रमल	२४	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	सेल्स, टेक्स, इन्कमटेक्स-जे० सी०
	श्री राजेन्द्रमल	२२	पुत्र	डिप्लोमा	अवि.	मिल
	श्री गजेन्द्रमल	२०	पुत्र	इन्टर	अवि.	
७९—	श्री अनिलकुमार मुराना	३२	मुखिया	बी० कॉम०	वि.	फाईवर पर्चेजर
	श्रीमती कलाशकुमारी	२५	पत्नी	बी० ए०	वि.	
८०—	श्री सरदारसिंह कोठारी	३१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती सुधा	२८	पत्नी		वि.	
८१—	श्री विमलसिंह मेहता	३०	मुखिया	बी०ई०	वि.	सिविल इन्जीनियर
	श्रीमती श्यामा	२२	पत्नी	बी० ए०	वि.	
	श्री महेशकुमार	१४	भाई	मेट्रिक	वि.	
८२—	श्री अक्षयसिंह राका	६५	मुखिया		विधुर	पे-अनर-उदयपुर
	श्री भवरलाल राका	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती प्रेमलता	२५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री भगवतीलाल	२६	पुत्र	बी० ई०	वि.	इन्जीनियर; जे० सी० मिल
	श्रीमती शकुन्तला	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
८३—	श्री चन्द्रभानसिंह ढाबरिया	३०	मुखिया	एम.एस.सी.	वि.	नेल्वा विभाग, जे० सी० मिल
	श्रीमती सुशीला	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	
८४—	श्री त्रिलोकचन्द श्रीमान	४६	मुखिया	बी.एस.सी.	वि.	जनरल ड्राइंग असिस्टेन्ट
	श्रीमती स्वरूप	४२	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री भवरलाल	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	मास्टर-जे० सी० मिल स्कूल
	श्रीमती प्रेमलता	२२	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री राजेन्द्रकुमार	२३	पुत्र	बी० ए०	अवि.	सेल्समेन-ग्वालियर रेयन
	श्री बीरेन्द्रकुमार	२१	पुत्र	B. Sc. II	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१८	पुत्र	B: Sc. II	अवि.	

जीवाजी राव काटन मिहस खिरला नगर

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री महेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	क० मरोज	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
८५—	श्री आनन्दमल अडवत्या	६४	मुखिया		विधुर	पेन्शनर
	श्री शिखरमल	३५	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल
	श्रीमती नवरत्नबाई	३०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
८६—	श्री कचनलाल भंडारी	५४	मुखिया	इन्टर	वि.	डाइग मास्टर-जे० सी० मित्र
	श्रीमती मालतीदेवी	४६	पत्नी		वि.	
	श्री ऋषभचन्द	१८	पुत्र	डाईग डिप्लोमा	अ.ध.	
८७—	श्री रणवीरसिंह धारीवाल	२१	मुखिया	बी० ए०	अवि.	ट्रेनिंग

फर्म रजि० न० १२२६

गोल्ड डीलर लायसेंस नं० ६६/६३

फोन नं० २५२६

मै० गनपतलाल किशनलाल ज्वेलर्स

हमारे यहां भवन निर्माण के लिये डेवलपशुदा व सुधारन्यास से मान्यता प्राप्त फ्री होल्ड प्लोट्स निम्न स्थानों पर उपलब्ध है :

- * गांधी रोड
- * जीवाजी यूनिवर्सिटी रोड
- * स्टेशन रोड (फूलबाग के सामने)
- * मेला ग्राऊन्ड (गोले का मन्दिर)

हमारे यहां २२ कंरेट शुद्धता के आभूषण हमेशा तैयार मिलते हैं आर्डर देने पर अच्छे कारीगर द्वारा तैयार करवा विप्रे जाते हैं ।

लैन्ड एन्ड प्रोपर्टी डीलर्स, कॉलोनाइजर्स एन्ड फाइनेन्सर्स

सराफा बाजार, लखकर (ग्वालिअर)

साधु मार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

माधवगंज:—

८८	श्री ज्ञानचन्द गूगल्या	४७	मुखिया		वि.	जंगलात ठेकेदारी
	श्रीमती कमलादेवी	४०	पत्नी		वि.	
	श्री मूलचन्द	२३	पुत्र	बी० वॉम०	वि.	
	श्रीमती मूलचन्द	१८	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
	श्री नवलचन्द	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० चन्द्रकास्ता	१५	पुत्री	हा० से०	अवि.	
८९	श्री प्रतापचन्द गूगल्या	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-प्रतापचन्द रिलवचन्द ब्रदर्स,
	श्रीमती कपूरीबाई	५०	माँ		विधवा	पिछाडी शितोले, माधवगंज
	श्रीमती हीराबाई	३५	पत्नी		वि.	
	श्री रिलवचन्द	३३	भाई	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती लक्ष्मीबाई	२६	भाई वधू		वि.	
	श्री बालचन्द	२४	भाई	बी एस सी.	वि.	
	श्री यशवन्त	१९	भाई	हा० से०	अवि.	
	कु० मधुला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१७	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० ऊषा	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
९०	श्री सञ्जनमल नायटा	६०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती तेजकुमारी	४५	पत्नी		वि.	
	श्री हस्तीमल	३९	पुत्र	मिडिल	वि.	
	श्रीमती शांतीबाई	२६	पुत्रवधू		वि:	

सराफा बाजार स्विकर:—

९१	श्री डीपचन्द केहूता	५५	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-हमीरमल छानमल सराफा,
	श्रीमती इन्द्राबाई	५०	पत्नी		वि.	सराफा बाजार फोन नं० २४१४
	श्री भानिकचन्द	३४	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती कमलाबाई	२९	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	

सराफा बाजार लखनऊ

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री प्रेमचन्द	३३	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जीन ब्रदर्स, ५५ मारवाड़ी बाजार,
	श्रीमती तिलक सुन्दरी	२८	पुत्रवधू		वि.	बम्बई फोन नं० ३२४५६८
	श्री पद्मचन्द	३१	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती पारसकुमारी	२६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री हेमचन्द मेहता	२५	पुत्र	बी० कॉम०	वि.	
	श्रीमती पुनराज	२२	पुत्रवधू	बी० ए०	वि.	
६२—	श्री उदयचन्द बापना	७४	मुखिया		विधुर	फर्म-उदयचन्द बागमल बापना
	श्री टीकमचन्द	४१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म-बापना क्लोथ स्टोर्स
	श्रीमती चन्द्रकान्ता	३८	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	आर० वागना ब्रदर्स, बस्त्र व्यव-
	कु० वीरकान्ता	२१	प्रपौत्री M.A.		वि.	साय, सराफा बाजार, फोन २४३६
	कु० हेमलता	१७	प्रपौत्री बी० ए०	II	अवि.	
	श्री धीरेन्द्रकुमार	१६	प्रपौत्र	बी० कॉम०	अवि.	
६३—	श्री सुगनचन्द मूया	५८	मुखिया		वि.	सोने-चादी के दलाल
	श्रीमती जलनबाई	४८	पत्नी		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	एम० कॉम०	वि.	सर्विस-यू. को० बैंक सराफा बाजार
	श्रीमती विमलेश	२३	पुत्रवधू		वि.	
	श्री देवेन्द्रकुमार	२४	पुत्र	हा० से०	अवि.	सर्विस-ग्रेयर फोर्स
	कु० ललेश	२०	पुत्री	बी० ए०	II	अवि.
	कु० शुषमा	१७	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	कु० स्नेहलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
	श्रीमती सुगनबाई	७०	मा		विधवा	
६४—	श्री सुगनचन्द मेहता	८१	मुखिया		वि.	
	श्रीमती सुगनबाई	६१	पत्नी		वि.	
	श्री पीरचन्द	४०	पुत्र	मिडिल	वि.	हुण्डी-पर्चे के दलाल
	श्रीमती अंगूरीबाई	३५	पुत्रवधू		वि.	
	श्री नवलचन्द मेहता	३३	पुत्र		अवि.	सर्विस
	श्री नेमीचन्द	३०	पुत्र		अवि.	कृषि कार्य
६५—	श्री स्वर्णचन्द मेहता	५५	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-ग्वालियर अग्रला फवट्री
	श्रीमती भगवती	५०	पत्नी		वि.	फोन नं० २५५१
	श्री विजयकुमार	३१	पुत्र	मेट्रिक	वि.	फर्म लक्ष्मी ट्रेडर्स
	श्रीमती माकुन्तला	२६	पुत्रवधू		वि.	
	श्री हरीशचन्द	२४	पुत्र	एम० ई० टी०	अवि.	

सराफा बाजार, लडकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	कु० बिमला	१८	पुत्री	हा० से०	अवि.	
	कु० सरोज	१५	पुत्री	मेट्रिक	अवि	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
६६—	श्री मोतीलाल मोहता	५५	मुखिया		वि.	
	श्रीमती भंवरबाई	५०	पत्नी		वि.	
६७—	श्री सूरजमल सचेती	७०	मुखिया		विधुर	फर्म-टोडरमल सिकाशिमल,
	श्री चन्द्रकुमार	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	जय भारत ओटोमोवाइल्स,
	श्रीमती चन्द्रकुमारी	३६	पुत्रवधू		वि.	घर फोन न० २२८४
	श्री राजेन्द्रकुमार	३४	पुत्र	इन्टर	वि.	दुकान फोन न० २१६७
	श्रीमती शकुन्तला	३०	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री सुभाष	२३	प्रपौत्र	B Sc., L. B.	अवि.	
	श्री सतीशकुमार	२०	प्रपौत्र	B. Sc. I	अवि.	
	श्री अजीतकुमार	१८	प्रपौत्र	बी०एस सी०	अवि.	
	कु० बीन	१६	प्रपौत्री	नत्री	अवि.	
	श्री प्रमोद	१४	प्रपौत्र	मिडिल	अवि.	
६८—	श्री श्रीचन्द रियावाले	२७	मुखिया	मेट्रिक	वि.	काश्तकारी
	श्रीमती बाई जी	५१	दादी		विधवा	
	श्रीमती बुम्बाई साव	४१	मां		विधवा	
	श्रीमती मुशीला	२२	पत्नी		वि.	
	श्री अजीत	२०	भाई	बी. एस सी.	अवि.	
	कु० ऊषा	१६	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० चन्द्रप्रभा	१८	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० विजया	१६	बहिन	मेट्रिक	अवि.	
	कु० मधु	१४	बहिन	मिडिल	अवि.	
६९—	श्री दीपचन्द भडकतिया	४०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-जैन आभूषण भंडार, सराफा
	श्रीमती जतनबाई	३५	पत्नी		वि.	बाजार
१००—	श्रीमती पद्मलाल कोचेटा	६०	मुखिया		विधवा	
१०१—	श्री सागरमल	६०	मुखिया	मिडिल	विधुर	मुनीम-भैरोंदान श्रीसूलाल सराफ
१०२—	श्री मुन्नालाल भडकतिया	३२	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-धन्नालाल मुन्नालाल सराफ,
	श्रीमती सेफजीबाई	६०	मां		विधवा	सराफा बाजार
	श्रीमती निर्मलाबाई	२४	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्री प्रेमचन्द	२४	भाई	मेट्रिक	अवि.	ओसवाल इलेक्ट्रिक स्टोर्स, सराफा

सरफा बाजार व जनकगंज, लखकर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री हरीशचन्द्र	२२	भाई	मैट्रिक	अवि.	
	श्री कमलचन्द्र	२०	भाई	C. A.(Pre.)	अवि.	
१०३	श्री जगदीशचन्द्र मित्तल	४८	मुखिया	इन्टर	वि.	व्यवसाय
	श्रीमती सरोजलता	४२	पत्नी	इन्टर, विशारद	वि.	
	श्री ऋषभकुमार	२४	पुत्र	बी. ए.	अवि.	सर्विस-स्टेट बैंक भाक इन्दौर
	श्री अरुणकुमार	२१	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	ऐजेंट-इन्स्योरेंस
	कु० शोभारानी	२०	पुत्री	बी० ए० प्रथम	अवि.	
	श्री प्रदीपकुमार	१६	पुत्र	मैट्रिक	अवि.	

जनकगंज, लखकर :—

१०४—	श्री कमलचन्द्र मेहता	४३	मुखिया	मैट्रिक	वि.	खजान्ची-सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया
	श्रीमती मेनाबाई	६५	मा		विधवा	रवानियर
	श्रीमती आशारानी	३७	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री नरेशकुमार	१८	पुत्र	बी. कॉम. प्रथम	अवि.	
	कु० हेमलता	१६	पुत्री	मैट्रिक	अवि.	
१०५—	श्री फूलचन्द्र	४७	मुखिया	मैट्रिक	वि.	मेसर्स-कुशलचन्द्र जैन, टोपी बाजार
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	४३	पत्नी	मिडिल	वि.	लखकर फोन न० २०२२
	श्री मानकचन्द्र	२७	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मुशीता	२४	पुत्रवधू	मैट्रिक	वि.	
	श्री अशोककुमार	१६	पुत्र	बी. एस सी.	अवि.	
	श्री मुसाफ	१८	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री हंसलकुमार	१६	प्रयोग	बी.एस सी. II	अवि.	
१०६—	श्रीमती कमलादेवी	६५	मुखिया	मिडिल	विधवा	मेसर्स-कुशलचन्द्र जैन, घर फोन
	श्री महेशकुमार	२५	पुत्र	बी० ए०	वि.	न० २५५०, दुकान २०२२
	श्रीमती पुष्पलता	२४	पुत्रवधू	इन्टर	वि.	
१०७—	श्री बिनयचन्द्र कोचेटा	४६	मुखिया		वि.	ट्रान्सपोर्ट व्यवसाय फोन० न० २०८४
	श्रीमती उमरावदेवी	४४	पत्नी		वि.	
	श्री निहालचन्द्र	२६	पुत्र	बी० ई० IV	अवि.	
	कु० रतन	२०	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	कु० पवन	१८	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेश	१५	पुत्र	हा० से०	अवि.	
१०८	श्री पी० एन० जैन	४२	मुखिया	बी० ए०	वि.	सर्विस-ए० जी० आफिस

जनकगंज लक्षकर, जीयाजीराव काँटन मिल्स व सिमको, विरलानगर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्रीमती संतोषकुमारी	३७.	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती फूल भड़िया	६३	माँ		विधवा	
१०६—	श्री मुन्शीराम जैन	७५	मुखिया	बी० ए०	विधुर	शिन्डे की छावनी
	श्री राजकुमार	५१	पुत्र	बी० ए०	वि.	सर्विस-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती रत्नप्रभा	४७	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	श्री सुभाषचन्द	२४	प्रपौत्र	हा० से०	अवि.	
११०—	श्री ध्रुवचन्द चन्द्रावत	४८	मुखिया	बी० ए०	वि	अध्यापक-डी० ए० बी०, हा० से०
	श्रीमती पुष्पादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	स्कूल लक्षकर
१११—	श्री फतेहचन्द दरडा	५१	मुखिया	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती चक्रवर्ती	४७	पत्नी		वि.	
	कु० पुष्पा	१६	पुत्री	बी० ए०	अवि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	१६	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
	कु० प्रेमलता	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	
जीयाजीराव काँटन मिल्स, विरलानगर :-						
११२—	श्री सरदारसिंह नीरडिया	४६	मुखिया		वि.	जनरल मैनेजर फोन न० ८३३
	श्रीमती मायादेवी	४०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री वसंतकुमार	१८	पुत्र	B. Sc.	अवि.	
	कु० नीलम	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्रीमती गेंदाबाई	६०	माँ		विधवा	
११३—	श्री सधजनसिंह नीरडिया	३६	मुखिया	इन्टर	वि.	असिस्टेंट प्रोडक्शन मैनेजर, न्यू
	श्रीमती चन्द्रा	३२	पत्नी		वि.	रिपनिंग मिल्स
	कु० कृषा	१६	पुत्री	हा० से०	अ. व.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११४—	श्री श्रीचन्द भंसाली	३१	मुखिया	B. Sc.	वि.	डाय हाऊस सुपरिन्टेन्डेन्ट
	श्रीमती मनोरमा	२८	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
११५—	श्री विक्रमसिंह नीरडिया	३२	मुखिया	बी० ए०	वि.	वेयर हाऊस, जे० सी० मिल्स
	श्रीमती कलादेवी	३०	पत्नी		वि.	
११६—	श्री चन्द्रभानसिंह डारिया	३०	मुखिया	M. Sc.	वि.	पड़ता विभाग-जे० सी० मिल्स
	श्रीमती सुशीलाबाई	२७	पत्नी	मिडिल	वि.	
सिमको विरलानगर :-						
११७—	श्री सोहनसिंह माक	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	सर्विस-सिमको स्टोर
	श्रीमती सन्तोष	४८	पत्नी		वि.	

सिमको व ग्वालियर रेयन, बिरलानगर

परिवार सख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री राजेन्द्रसिंह	३०	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	एजेन्ट-हिन्द साईकिल बम्बई
	श्रीमती कमला	२८	पुत्रवधू		वि.	
	श्री सुरेन्द्रकुमार	२६	पुत्र	बी० कॉम०	अवि.	
	श्री कुशलसिंह	१८	पुत्र	बी० ए० II	अवि.	
	कु० आणा	१६	पुत्री	बी. ए I	अवि.	
	श्री गजेन्द्रकुमार	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
११८—	श्री रतनसिंह पानगढ़िया	३५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	चीफ एकाउन्टेन्ट
	श्रीमती सुशीलाबाई	३०	पत्नी	मिडिल	वि.	
११९—	श्री प्रकाशचन्द कोठारी	४१	मुखिया	बी ए.	वि.	सर्विस-जे० सी० मिस्स
	श्रीमती चन्चल	३६	पत्नी	मेट्रिक	वि.	
	कु० नलिनी	१६	पुत्री।	इन्टर	वि.	
	कु० शालिनी	१४	पुत्री	इन्टर	वि.	
१२०—	श्री आनन्द भडारी	२४	मुखिया	M. sc.	वि.	सर्विस-सेल्स विभाग
	श्रीमती पुष्पा	२०	पत्नी	B. A. II	वि.	
१२१—	श्री कन्हैयालाल चौरड़िया	५०	मुखिया	मेट्रिक	वि.	मैनेजर सिमको
	श्रीमती सरला	३५	पत्नी		वि.	रेसी० फोन ८३६, आफिस ६७०

ग्वालियर रेयन बिरलानगर :—

१२२—	श्री पूनमचन्द सरात्रगी	२५	मुखिया	बी. कॉम.	वि.	सर्विस-ग्वालियर रेयन
	श्रीमती विद्यादेवी	२०	पत्नी	मिडिल	वि.	

वरैया आभूषण भंडार

दुकान नं० ५, राधाकृष्ण मार्केट, ग्वालियर-१

हमारी दुकान की विशेषताएँ :—

ग्राहक की सन्तुष्टी व माल की गारन्टी

एक बार दुकान पर आकर सेवा का उचित समय दें !

संचालक—मकखनलाल लालप्रसाद जैन

तेरापन्थी साधुमार्गी श्वेताम्बर जैन समाज

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
माधवगंज, लक्ष्मण :-						
१२३—	श्री गंगाधर सरावगी	४२	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-गंगाधर इन्दरचन्द, माधवगंज
	श्रीमती विद्यादेवी	४०	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी, फोन न०
	श्री जगदीशप्रसाद	१०	पुत्र	बी० कॉम० II	अवि.	२२७६
	कु० विनोद	१४	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२४—	श्री इन्दरचन्द सरावगी	४०	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म-इन्दरचन्द जगदीशप्रसाद थोक
	श्रीमती मणिदेवी	६०	मा		विधवा	वस्त्र व्यवसायी, माधवगंज फोन
	श्रीमती सावित्री	२०	पत्नी		वि.	न० २२७६
	कु० ज्ञानवती	१६	पुत्री	हा० से०	अवि.	
१२५—	श्री गोरीशंकर सरावगी	३५	मुखिया		वि.	फर्म-गोरीशंकर ओमप्रकाश, थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	६५	मा		विधवा	वस्त्र व्यवसायी फो० न० २०६६
	श्रीमती सारदादेवी	३२	पत्नी		वि.	
१२६—	श्री इन्दरचन्द नौनवा	५१	मुखिया		वि.	फर्म-छगनलाल कन्हैयालाल, वस्त्र
	श्री छगनलाल	३६	भाई		वि	व्यवसायी, माधवगंज
	श्रीमती राईबाई	३४	पत्नी		वि.	
	श्री अभयकुमार	१८	पुत्र	हा० से०	अवि.	
	श्री कन्हैयालाल	१७	भाई पुत्र	हा० से०	अवि.	
	कु० कमला	१४	भाई पुत्री	मिडिल	अवि.	
१२७—	श्री देवरचन्द बंध	२५	मुखिया	मेट्रिक	वि	फर्म-देवरचन्द पवनकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सरोजदेवी	२२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	श्री माणिकचन्द	१६	भाई	बी० कॉम०	अवि.	
१२८—	श्री चादमल बंध	४२	मुखिया		वि.	फर्म-चम्पालाल अशोककुमार, वस्त्र
	श्रीमती मोतीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, माधवगंज
	कु० कमला	१६	पुत्री	इन्टर	अवि.	
	श्री चम्पालाल	१४	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१२९—	श्री सुन्दरमल छाजंड	४५	मुखिया		वि.	फर्म-जयहिन्द स्टोर्स, वस्त्र व्यव-
	श्रीमती मालतीदेवी	४२	पत्नी		वि.	सायी, माधवगंज
	श्री सन्तोषकुमार	१६	पुत्र	बी० कॉम.	अवि.	
	कु० पुष्कराज	१४	पुत्री	मिडिल	अवि.	

चिटनीश की गोठ व दही मन्डी, बौलतगंज, लखर

परिवार संख्या	नाम	आयु	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
---------------	-----	-----	---------	--------	----------------	---------------

चिटनीश की गोठ :—

१३०—	श्री कमलाप्रसाद सरावगी	५०	मुखिया		वि.	फर्म—कमलाप्रसाद ओमप्रकाश
	श्रीमती सीतादेवी	४८	पत्नी		वि.	थोक वस्त्र व्यवसायी; माघवगज
	श्री ओमप्रकाश	२६	पुत्र	बी. कॉम.	वि.	फर्म—गोरीशकर ओमप्रकाश थोक
	श्रीमती लक्ष्मीदेवी	२४	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	वस्त्र व्यवसायी, माघवगज
	श्री प्रेमचन्द	२०	पुत्र	बी. ई. [] [] []	अवि.	फोन न० २०६६
	कु० विमला	१५	पुत्री	इन्टर	अवि.	
१३१—	श्री नेमीचन्द बेद्य	४८	मुखिया		वि.	फर्म—नेमीचन्द भंवरलाल, वस्त्र
	श्रीमती इमरतीबाई	४२	पत्नी		वि.	व्यवसायी, चिटनीश गोठ
	श्री भंवरलाल	२५	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
	श्रीमती सुणी गादेवी	२०	पुत्रवधू	मिडिल	वि.	
	कु० कंचन	१४	पुत्री	मेट्रिक	अवि.	

दही मन्डी, बौलतगंज :—

१३२—	श्री सूरजमल छाजेड	६०	मुखिया		विधुर	फर्म—जयचन्द निहालचन्द, वस्त्र
	श्री जयचन्द	३६	पुत्र		वि.	व्यवसायी, दही मन्डी
	श्रीमती पानाबाई	३०	पुत्रवधू		वि.	
१३३	श्री शुभकरण सेठीया	३०	मुखिया	बी० ए०	वि.	फर्म—एस० के० जैन एण्ड क०, दही
	श्रीमती तारादेवी	२३	पत्नी	मिडिल	वि.	मण्डी
१३४—	श्री राजकुमार छाजेड	१६	मुखिया	मिडिल	अवि.	फर्म—राजकुमार छाजेड, दहीमण्डी
१३५—	श्री लक्ष्मीचन्द छाजेड	७०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती पुष्पादेवी	६०	पत्नी	मिडिल	वि.	
	श्री गोपालचन्द	१८	पुत्र	मेट्रिक	अवि.	
१३६...	श्री चादसिंह वैद्य	३०	मुखिया	इन्टर	वि.	
	श्रीमती मानजीबाई	५७	मा		विधवा	
	श्रीमती रूपवती	२८	पत्नी		वि.	
	श्री उर्मसिंह	२०	भाई	बी० एस सी०	अवि.	
१३७—	श्री रामचन्द्र घोडावत	४४	मुखिया	मिडिल	वि.	फर्म—राजकुमार ब्लोथ स्टोम, दही
	श्रीमती सरलादेवी	३८	पत्नी		वि.	मण्डी, लखर
	श्री राजकुमार	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	
१३८—	श्री रावतमल लूणावत	५४	मुखिया		वि.	फर्म—रावतमल, कमलकुमार, वस्त्र
	श्रीमती सुगनीदेवी	४०	पत्नी		वि.	व्यवसायी, दही मण्डी

दही मन्डी व माधवगंज लइकर

परिवार संख्या	नाम	आय	सम्बन्ध	शिक्षा	वैवाहिक स्थिति	आजीविका विवरण
	श्री चम्पालाल	२६	पुत्र	हा० से०	वि.	
	श्रीमती कमलाकुमारी	१६	पुत्रवधू	मेट्रिक	वि.	
	श्री भवरलाल	२०	पुत्र	हा० से०	अवि.	
१३६...	श्री ताराचन्द लूणावत	२६	मुखिया	मेट्रिक	वि.	फर्म-ताराचन्द प्रवीणकुमार, वस्त्र व्यवसायी, दही मन्डी
	श्रीमती ध्वरीदेवी	२४	पत्नी		वि.	
१४०...	श्री नेमीचन्द सेठीया	५०	मुखिया		वि.	
	श्रीमती केशरबाई	३०	पत्नी		वि.	
	श्री भवरलाल	१४	पुत्र	मिडिल	अवि.	

माधवगंज :—

१४१—	श्री दुरगावत सरावगी	८०	मुखिया		विधुर	फर्म-दुरगावत कुन्दनमल, माधवगंज
	श्री कुन्दनमल	४५	पुत्र	इन्टर	वि.	
	श्री बिसवालाल	४०	पुत्र	मेट्रिक	वि.	होजरी वकसं
	श्री बाबूलाल	३८	पुत्र		वि.	
	श्री भालयाचन्द	३२	पुत्र	मेट्रिक	वि.	
१४२—	श्री गोविन्दप्रसाद	२४	मुखिया	मेट्रिक	अवि.	
	श्री ओमप्रकाश	२०	भाई		अवि.	

दिगम्बर जैन समाज :—

१४३—	श्री श्यामलाल, माधवगंज	३०	मुखिया	मिडिल	वि.	सर्विस-गुलामचन्द रेशमचन्द
१४४—	श्री रामस्वरूप त्रिपाठी	५०	मुखिया	शास्त्री	विधुर	अध्यापक श्वेताम्बर जैन पाठशाला

इन्टरगंज :—

१४५—	श्री हरप्रसाद पल्लीवाल	४४	मुखिया		विधुर	व्यापार, जये-इगंज
	श्रीमती ग्यासोदेवी	६५	माँ		विधवा	
	श्री बनश्यामदास	२५	पुत्र	M. Sc (Phy)	वि.	व्याख्याता-शासकीय विज्ञान महा-
	श्रीमती ऊषादेवी	२०	पुत्रवधू		वि.	विद्यालय, इन्दौर
	श्री राधेश्याम	२५	पुत्र	बी० एस सी०	अवि.	
	श्री रमेशचन्द	२१	भतीजा	इन्टर	अवि.	
	श्री अशोककुमार	१४	पुत्र		अवि.	
	श्री भजनलाल	१४	भतीजा		अवि.	
१४६—	श्री मोतीलाल	४०	मुखिया		वि.	दलाल
	श्रीमती कलावती	३१	पत्नी		वि.	
	श्री दूरनचन्द	१६	पुत्र	मिडिल	अवि.	



रेलवे पार्सलों की घर पहुँच

सेवा से लाभ उठाईयेगा

अनेक मण्डियों व शहर के व्यापारी
आपकी सेवा से सन्तुष्ट हैं। आप भी
सेवा का अवसर वीजिये।

देवचन्द जैन, रेलवे दलाल

मामा का बाजार,

ग्वालियर—१

जन्म तिथी : माघ सुदी ५ वि०सं० १९६६

चम्पालाल जैन एण्ड कं०

श्री चम्पालाल जी जैन—'दी होनसेल क्लॉथ मरकनटाइल एसोसिएशन', नया बाजार, ग्वालियर के प्रख्यात और विश्वासनीय कपड़े के प्रमुख दलाल हैं। साथ ही, म० प्र० चेम्बर आफ कामर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज, ग्वालियर के भी आप सम्माननीय सदस्य हैं।

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा आदि कपड़ा-मण्डियों के बड़े-बड़े व्यापारी कपड़ा खरीद कर चम्पालाल जी की सेवाओं से लाभ उठा रहे हैं। आप भी एक बार अवश्य उनकी निष्काम सेवाओं से लाभान्वित हों।

आपके यहाँ—व्यापारी भाइयों के ठहरने के लिए सुविधा-जनक और उत्तम प्रबन्ध है। आपके माध्यम से कपड़े खरीदने में अनेक लाभ हैं—जैसे कि कपड़े की खरीदी परिश्रम के साथ, ताकि व्यापारियों को अधिकारिक लाभ हो। साथ ही, माल मग्रीन द्वारा पैकिंग होकर, शीघ्र भेजा जाता है। पत्रों का उत्तर अचलित दिया जाता है।

आपके द्वारा—व्यापारी भाइयों के लाभ के लिए—'वस्त्र-व्यापार-समाचार' के माध्यम में, कपड़ों के भाव शीघ्र और निःशुल्क भेजे जाते हैं।

सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में आपकी विशेष रुचि और योगदान सर्वविदित है। आपके द्वारा—मस्यत् २०१५ से—'जैन-तिथि-दर्पण' प्रति वर्ष छपवाकर, हजारों की संख्या में निःशुल्क वितरित किया जाता है। साथ ही, आप के द्वारा—मानागिर जी के मेले के अवसर पर—स्पेशल बसों का प्रबन्ध प्रतिवर्ष किया जाता है।

चम्पालाल जैन एण्ड कं० कपड़ा कमिशन एजेंट, नया बाजार, ग्वालियर-१



विभिन्न छात्रावासों में स्थिति जैन छात्र

न०	विद्यार्थी का नाम	उम्र	शिक्षा	वि. अवि.	पिता का नाम	स्थायी पता
----	-------------------	------	--------	-------------	-------------	------------

श्री जैन बीर नवीन छात्रावास, कटोराताल, लडकर—

१	श्री अशोककुमार गोलालारे	१६	B. Com.F.	अवि.	श्री पन्नालाल	सिविल लाईन, ललितपुर
२	श्री कैलाशचन्द गोलालारे	१७	B. Sc. I	अवि.	श्री पूरनचन्द	जैन क्लाय मर्चेन्ट, कटनी
३	श्री राजेन्द्रकुमार खरोआ	२२	B.A.M.S. (F.)	वि.	श्री बाबूराम	पुराना सराफा, भिन्ड
४	श्री अनिलकुमार गोलसि.	२०	B. A M S-II	अवि.	श्री उल्फतराय	राज कम्पनी गांधी मार्केट, भिन्ड
५	श्री प्रकाशचन्द परवार	१६	बी० कॉम. II	अवि.	श्रीमूलचन्द नायक	तांगा स्टेन्ड, ललितपुर
६	श्री शिशुपाल बुखारिया	१६	बी. कॉम. III	अवि.	श्री कपूरचन्द	नजाई बाजार, ललितपुर
७	श्री सुमतचन्द परवार	२१	B.Com LL.B I	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
८	श्री बीरेन्द्रकुमार गोलालारे	१६	बी. ए. (फा.)	अवि.	श्री जुगलकिशोर	कटरा बाजार, ललितपुर
९	डॉ. बीरेन्द्रकुमार जंसवाल	२३	B.Sc., M. B.B.S.IV	अवि.	श्री बालमुकुन्द	जैन मन्दिर रोड, मुरैना
१०	श्री रतनचन्द जंसवाल	२२	M.Sc. (F.)	अवि.	श्री विधिचन्द	धूल कोट, धोलपुर
११	श्री चौधरी सनतकुमार	२१	B. Com. (F.)	अवि.	श्री मानिकचन्द	कटरा बाजार, ललितपुर
१२	श्री अरुणकुमार परवार	२२	बी० कॉम० (F)	अवि.	श्री गुलाबचन्द	डा० निर्मलकुमार जैन, ललितपुर
१३	डा० विमलकुमार एरन	२०	M. B. B.S. III	अवि.	श्री बाबूलाल	पचायती क्लोथ मर्चेन्ट, कोलागम
१४	डा० विजयकुमार परवार	१६	M.B. B. S. III	अवि.	श्री पूरनचन्द	पी० सी० जैन वकील, गुना
१५	डा० बीरेन्द्रकुमार गोल०	२२	M. B. B. S. III	वि.	श्री भूमनलाल	४८ महावीर गज, भिन्ड
१६	श्री अशोक कुमार खरोआ	१८	I. Sc. (F.)	अवि.	श्री जे० जैन	मोजाव (मैनपुरी)
१७	श्री आनन्दकुमार लमेचू	२१	M. B. B. S. III	अवि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेन्ट, भिन्ड
१८	श्री श्रवणकुमार लमेचू	२३	M. Sc. (F.)	वि.	श्री रिषभदास	क्लोथ मर्चेन्ट, भिन्ड
१९	श्री शिखरचन्द सिधल	२२	B.A. M. S.	वि.	श्री सुगनचन्द	लुकवासा, जिला शिवपुरी
२०	श्री नवीनचन्द	२१		अवि.	श्री ताराचन्द	७० नर्मदामार्ग, बड़वाहा
२१	श्री सोहनलाल	२३	M. Sc. (P.)	अवि.	श्री कपूरचन्द	जैन साईकल स्टोर्स, धयोपुर

शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, ग्वालियर—

१	श्री विमलचन्द परवाल	२१	B. Sc. Final	अवि.	श्री लक्ष्मीचन्द	७७ सरदारपुरा, ललितपुर झांसी
२	श्री विजयकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	"	"
३	श्री चन्द्रकुमार गोलालारे	२१	M.Sc (P) Math	अवि.	श्री भैयालाल	महावीर पुरा, ललितपुर झांसी
४	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	श्री आनन्दीलाल	ललित पुस्तक भण्डार, ललितपुर
५	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री मानिकचन्द	सराफा बाजार, ललितपुर
६	श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री लक्ष्मीचन्द	साबरकर चौक, ललितपुर
७	श्री विजयकुमार परवार	२२	B. Sc. Final	अवि.	" "	" "
८	श्री सुरेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. II	अवि.	श्री प्यारेलाल	पी मर्चेन्ट, कटरा बाजार, ललितपुर

विभिन्न छात्रावासों व स्थानों पर रहने वाले छात्र—

१ श्री प्रकाशचन्द खण्डेलवाल	२३	M. Com (P.)	अवि.	श्री जानकीलाल	कछवाया, जिला गुना
२ श्री कन्होदीलाल परवार	२३	M BB.S. Final	अवि.	श्री दयाचन्द	बलाथ मर्चेट, अशोक नगर
३ श्री बीरेन्द्रकुमार परवार	२०	इन्टर	अवि.	श्री रतनलाल	गांधी पार्क, अशोक नगर
४ श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	इन्टर	अवि.	श्री बाबूलाल चौ.	रामचन्द बाबूलाल, कछवाया गुना
५ श्री प्रकाशेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. I	अवि.	श्री कालूराम	छोटी मुहारी, जिला शिवपुरी
६ श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१६	B. Sc. I	अवि.	श्री बालचन्द्र	जनियाधाना, शिवपुरी
७ श्री रूपचन्द खरीआ	२२	M. Com. Final	अवि.	श्री राजाराम	कैलाशचन्द प्रेमचन्द, जैन मिन्ड
८ श्री बुद्धसैन खरीआ	२४	M. Com LL B.	वि.	श्री गोपीचन्द	नया बाजार, लखर
९ श्री जयकुमार खरीआ	२०	B Com Final	अवि.	श्री गुलाबचन्द	बलाथ मर्चेट, मौ
१० श्री पदमचन्द	१७	B. Com. I	अवि.	;	मिन्ड
११ श्री जिनेन्द्रकुमार	१७	B. Com.	अवि.		मौ, (मिन्ड)
१२ श्री राजकुमार काला	२१	D-M E., B'A. II	अवि.	श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जौरा
१३ श्री पदमकुमार काला	१६	B.A.M.S II	अवि.	श्री प्रकाशचन्द	नया बाजार, जौरा
१४ श्री नरेन्द्रकुमार बरैया	२०	हा० से०	अवि.		शिवपुरी
१५ श्री सूर्यकुमार	२०	B. Com., LL.B.	अवि.	श्री महावीरप्रसाद	शिवपुरी

कृषि महाविद्यालय खालियर—

१ श्री वज्रसैन जैन	२२	B. Sc. Ag. (F.)	वि.	श्री नेमीचन्द	ग्राम जामना, पो० मिन्ड
२ श्री दयाचन्द जैन	२१	B. Sc. Ag. (F.)	वि.	श्री आदीलाल	गोहद (जिला मिन्ड)
३ श्री ताराचन्द जैन	२३	M Sc. Ag. (F.)	अवि.	श्री रामलाल	इटारसी
४ श्री इन्द्रसैन जैन	२१	B.Sc. Ag. (F.)	वि.	श्री जयचन्द	गोहद (जिला मिन्ड)

शासकीय आर्युर्वेदिक महाविद्यालय खालियर—

१ श्री महेन्द्रकुमार बांभल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.		नया छात्रावास, कमरा न० ४
२ श्री सुरेशचन्द गोयल	२०	B. A. M.S. IV	अवि.		नया छात्रावास, कमरा न० ४
३ श्री मुखालाल जैन	२०	B. A. M.S. IV	अवि.		नया छात्रावास, कमरा न० ४

जैन छात्रावास, नई सड़क लखर—

१ श्री आनन्दकुमार गोयल	२३	चार्टर्ड एकउन्टेन्सी	अवि.	श्री फूलचन्द	मानवीगज, मिन्ड
२ श्री उग्रसैन जैन	२३	C.T.C.I	वि.	श्री गाढेराम	गौद व रोष्ट फूप, जिला मिन्ड
३ श्री डालचन्द परवार	२३	M. B.B.S. (F.)	अवि.	श्री फूलचन्द	बामोरा (सागर)
४ श्री ताराचन्द खरीआ	२२	M Com. (F)	अवि.	श्री राजाराम	सदर बाजार, मिन्ड
५ श्री सत्यप्रकाश गोयल	२१	M.Sc (P.)	वि.	श्री ताताराम	जीवाजीगज, मुरैना
६ श्री हरिहरनाथ	२३	M.B. B.S. (F.)	वि.	श्री रामेश्वदयाल	दत्तपुरा, मुरैना
७ श्री बीरेन्द्रनाथ परवार	१८	B. Sc. I	अवि.	श्री रामप्रसाद	मुहारी, जिला शिवपुरी
८ श्री केदारशरण गोयल	२१	B. A. M. S. II	वि.	श्री स्वामीशरण	करैरा
९ श्री राजकुमार परवार	२२	M. Sc. (F.)	अवि.	श्री कन्हैयालाल	कटरा बाजार, ललितपुर
१० श्री राजेन्द्रकुमार परवार	१८	B. Sc. I	अवि.	श्री बालचन्द	मुहारी (शिवपुरी)
११ श्री राजेन्द्रप्रसाद	२१	M. Sc. (P)	वि.		अम्बाह, मुरैना
१२ श्री रमेशचन्द गोवालारे	१७	इन्टर	अवि.	श्री कुन्दनलाल	दत्तपुरा जलवन्त नगर, इटावा
१३ श्री प्रकाशचन्द	१७	C. T. T. I	अवि.	श्री ज्ञानचन्द	बगला बाजार, खन्डा रोड, मिन्ड
१४ श्री पवनकुमार	२३	B. E. Engg	अवि.	श्री राजवहादुर	राजा की मण्डी, आगरा

अनगराना-विवरण क्रमिका, लश्कर

क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर/श्वेताम्बर	क्रम	बाजार	पेज नम्बर दिगम्बर/श्वेताम्बर
१	गुड़ी-गुडा का नाका	१	२६	गस्त का ताजिया	४५
२	तिलक नगर	२	२७	डीडवाना भोली	४८
३	कम्पू रोड	२	२८	मोषी भोली	५१
४	सिकन्दर कम्पू	३	२९	मनीराम का बाड़ा	५३
५	रायसिंह का बाग	३	३०	घोसी बाड़ा	५६
६	जामदार खाना	३	३१	पारल जो का बाड़ा	५७
७	हेमसिंह की परेड़	३	३२	सराफा बाजार	५७, ६५
८	मामा का बाजार	४	३३	नई सड़क	६२
९	माधवगंज	६, २०, ६६	३४	गेहे वाली सड़क	६३
		१४७, १५२, १५८, १६०	३५	दीलतगंज	६५, ६६
१०	कमाठीपुरा	१६	३६	हुजरात मार्ग	६९
११	गाड़वे की गोठ	१६	३७	नया बाजार	७०
१२	आपागंज	१६	३८	लोहिया बाजार	७३
१३	बापू डम्डी की गोठ	१६	३९	इन्दर गंज	७६, १६०
१४	पुलिस चौकी	१७	४०	ललितपुर कॉलोनी	८०
१५	बिटनीस की गोठ	१७	४१	जिम्सी नाला	८०
१६	बालाबाई का बाजार	१९	४२	शिन्दे की छावनी	८३
१७	लाला का बाजार	२०	४३	चन्द्रबवनी नाका	९२
१८	वासगी बाजार	२०	४४	पाटनकर बाजार	९२
१९	फडनीस की गोठ	२१	४५	फालके का बाजार	९३
२०	ढोली बुधा का पुल	२१	४६	जरीपटका	९४
२१	छमी बाजार	२१	४७	कमलसिंह का बाग	९४
२२	जीवाजीगंज	२२	४८	अबाहर कॉलोनी	१४६
२३	जनकगंज	२३	४९	ग्वालियर रेयन, बिरलानगर	१४९, १२२
२४	भाऊ का बाजार	२४	५०	जीवाजीराव कॉटन मिल	१५०, १५६
२५	दानाभोली	२५	५१	सिमको, बिरलानगर	१५६

क्रम	बाजार	पेज नं०	क्रम	बाजार	पेज नं०
ग्वालियर			मुरार		
१	खड्याराम का मोहल्ला	६७	१	ठाठीपुर कॉलोनी	११३
२	लोहा मन्डी	६७	२	सदर बाजार	११५
३	कोटा बाला मोहल्ला	१०२	३	चिक सन्तर	११६
४	गंज	१०३	४	सत्यनारायण सन्तर	११६
५	पक्कीपाड़ा	१०४	५	जैन मन्दिर सन्तर	१२१
६	फोर्ट रोड	१०४	६	गगामाई सन्तर	१२३
७	चौक बाजार	१०५	७	शम्भूमल की बगीची	१२७
८	सोडा का कुआ	१०७	८	ठण्डी सड़क	१३१
९	लखेरा गली	१०८	९	गर्म सड़क, घास मन्डी	१३२
१०	छोटा बाजार	११०	१०	गंज, वनाज मन्डी, सिंहपुर रोड	१३३
११	घास मण्डी	१११	११	बजाज खाना, कोतवाली सन्तर	१३४
१२	तामेश्वर महादेव	११२	१२	मौदागर सन्तर, सुदामा पुरी कॉलोनी	१३५
१३	बिरला नगर	११२	१३	महारानी लक्ष्मीबाई रोड	१३६
			१४	माल रोड, नदी सन्तर, खुना सन्तर	१३६

नम्र निवेदन

इस निर्देशिका में यदि:—

- * कोई विवरण प्रकाशित होने से छूट गया है,
- * प्रकाशित विवरण अधूरा है,
- * प्रकाशित विवरण में त्रुटियां हैं,
- * प्रकाशित विवरण में कोई परिवर्तन हुआ है—

तो कृपया शीघ्र ही निम्नलिखित पते पर पूरा व सही विवरण भेजने का कष्ट करें। साथ ही भविष्य में होने वाली शासकीय जनगणना में नाम के आगे केवल "जैन" ही लिखवायें, जिससे भारत में जैनों की वास्तविक जनगणना जानी जा सके।

दिनीत :

मन्त्री : वरदमान 160 जन नवयुवक सघ

पाटली भवन, आबबगंज, ग्वालियर—१


सहयोगी
त
विज्ञापनदाताओं
की
सूची


क्रम	फर्म का नाम व पता	पेज नं०
१	इन्डो कॉपीयर, इन्दौर	कवर पर
२	कोठारी सन्स, सराफा बाजार, लखर	कवर पर
३	भावना केमिकल एण्ड परफ्यूमरी प्रॉडक्टस्, सराफा बाजार	४२
४	बहुजात्या ट्रेडर्स, विजय नगर, हाथरस	५०
५	दि. बैंक ऑफ बड़ौदा लि. पाटनकर बाजार, लखर	५०
६	मे. सूरजलाल सुमेरचन्द, चाँदनी चौक, देहली	५८
७	मे. मिट्टोमल एण्ड संस, चावड़ी बाजार, देहली	६६
८	मे. गुलाबचन्द रेशम चन्द जैन, सराफा बाजार, लखर	६६
९	मै सोभाग्यमल जी लुकमान जी, राजादरवाजा, वाराणसी	७४
१०	गगवान इण्डस्ट्रीज व मे. गणेशीलाल फूलचन्द, लखर	८२
११	मे. बन्शीधर विमल चन्द, लोहिया बाजार, लखर	८६
१२	मे. रतौलाल बेचरदास, सराफा बाजार, लखर	८६
१३	मे. चन्दरलाल गण्पुलाल, डोडवाना ओली, लखर	९०
१४	मे. रिखवदास मोतीलाल, सराफा बाजार, लखर	९०
१५	मे. गोपीलाल लखमीचन्द सराफा बाजार, लखर	९८
१६	खालियर गोटा केवटी, सराफा बाजार, लखर	९८
१७	वूल कार्नेर, जैन स्टोर्स, जयाजी चौक, लखर	१०६
१८	बापना क्लोथ स्टोर्स, आर बापना ब्रदर्स, सराफा बाजार	१०६
१९	मे. जैन आयरन स्टोर्स, लोहिया बाजार, लखर	१०६
२०	मे. कमला प्रसाद ओमप्रकास, माधवगंज, लखर	११४
२१	मे. गमाधर इन्दर चन्ध, माधवगंज, लखर	११४
२२	मे. इन्दरचन्द फूलचन्द, दीलतगंज, लखर	१२२
२३	जैन मैन्यू० फेक्चरिंग क., सराफा बाजार, लखर	१३०
२४	मे. मुन्शीलाल महेन्द्रकुमार, माधवगंज, लखर	१३०
२५	प्रकाश आयरन इण्डस्ट्रीज, लोहिया बाजार, लखर	१४२
२६	एटको टाईल्स, इण्डस्ट्रियल ऐरिया, खालियर	१४२
२७	मे. गनपतलाल किशन लाल, सराफा बाजार, लखर	१५१
२८	मे. वरैया आभूषण भण्डार सराफा बाजार, लखर	१५७
२९	देवचन्द जैन रेलवे दलाल व चम्पालाल जैन वस्त्र दलाल	१६१
३०	मे. महावीर जैन स्टोर्स, जयेन्द्र गंज, लखर	१६९
३१	ऐपकी पिस्टन, मीयालाल प्रेमचन्द व जैन पुस्तक सदन	१७०
३२	जे० बी० मंगाराम, खालियर	१७१
३३	मे. जैन ब्रदर्स टोपी बाजार लखर	१७२
३४	खालियर रेयन बिरलानगर	कवर
३५	जे. सी. मिस्स बिरलानगर	कवर

प्रकाशकीय परिचय !

✽ वर्तमान दिगम्बर जैन नवयुवक संघ,
श्रीशिवाना ओली, ग्वालियर-१

प्राचीन काल से ही ग्वालियर भारत का प्रमुख नगर रहा है। यह नगर प्राचीन जैन साहित्य एवं कला का केन्द्र है। ग्वालियर दुर्ग यहाँ की कलाकृतियों एवं सस्कृतियों का जीता-जागता प्रमाण है। ग्वालियर के इतिहास से ज्ञात होता है कि यहाँ राजकीय व सामाजिक क्षेत्रों में जैनों का ऊँचा स्थान रहा है। प्राचीन परम्परा को बनाये रखने व सामाजिक कार्यों में गतिशीलता लाने का कार्यभार नवयुवकों के कंधों पर होता है, उसी उत्तरदायित्व को समझते हुए समाज, धर्म, व राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को ध्यान में रखते हुए २ अक्टूबर सन १९६६ को वर्तमान दिगम्बर जैन नवयुवक मण्डल की स्थापना की गई। जिसका प्रथम नेतृत्व अध्यक्ष प्रो० शान्तिलाल जी गिरधरवाल, उपाध्यक्ष श्री उत्तमचन्द्र गगवान, मन्त्री श्री धर्मबन्ध बाकलीवाल कोषाध्यक्ष श्री केशरीमल पाटनी ने किया। इसके अतिरिक्त ४५ उत्साही सदस्यों ने मिलकर मण्डल का प्रारम्भिक गठन कर, कार्य प्रारम्भ किया। द्वितीय वर्ष में अध्यक्ष प्रो० लालचन्द जी, मन्त्री श्री केशरीमल पाटनी व कोषाध्यक्ष श्री मोतीलाल जी बज्र के नेतृत्व में कार्य किया गया। वर्तमान के पदाधिकारी और सदस्यों की विस्तृत सूची पृष्ठ न० एक पर दी गई है।

समाज के युवकों का शारीरिक, नैतिक, आध्यात्मिक, नैतिक, सांस्कृतिक विकास करना। तन, मन, धन से समाज व धर्म की सेवा करना, कुरीतियों को दूर कर व्यवहारिक उचित प्रवृत्तियों को कार्यान्वित करना, गरीबों की शिक्षा आदि आवश्यक कार्यों में मदद करना, बन्धुत्व, सामाजिक एकता, मानवता आदि गुणों को जागृत करते हुए जैन धर्म का प्रचार-प्रसार करना, मण्डल के मुख्य उद्देश्य हैं। सबधित वातावरण उपस्थित करने के लिये समय-समय पर गोष्ठियाँ व समाज आयोजित की जाती हैं। यथा समय बाहर के प्रतिष्ठित बक्तियों को आमन्त्रित कर समाज व सदस्यों को उनके अनुभवों व ज्ञान से लाभान्वित

किया जाता रहा है। वर्तमान में वर्तमान पुस्तकालय एवं वाचनालय, पुस्तक-कोष स्पोर्ट्स क्लब आदि विधिवत रचनात्मक कार्य मस्था द्वारा किये जा रहे हैं। पृथक-पृथक जातियों व सम्प्रदायों में बटे हुए जैन समाज को नगर के भिन्न भिन्न भागों में रहने सहने और उनका ग्वालियर-व्यापी असम्प्रदायिक संगठन न होने के कारण आपस में जानकारी नहीं के बराबर है। इस कारण बहुत समय से आवश्यकता अनुभव की जा रही थी कि ग्वालियर के जैनों के बारे में एक निर्देशिका प्रकाशित की जावे जिससे उनकी सांस्कृतिक सामाजिक, आर्थिक राजनैतिक तथा मन्दिरों धर्मशालाओं, पाठशालाओं संस्थाओं आदि का जनसाधारण को परिज्ञान हो ताकि पारस्परिक जानकारी हो और सम्पर्कों में वृद्धि हो सके। इसी प्रेरणा ने मण्डल को ग्वालियर निर्देशिका प्रकाशित करने को प्रेरित किया।

निर्देशिका में सम्पूर्ण सामग्री के अनुक्रम को नियत करने और विवरण को प्रस्तुत करने में सम्प्रदायिक भेद को गौण रखा गया है। दिगम्बर, श्वेताम्बर जैसवाल आदि सभी की जानकारी विस्तृत दृष्टिकोण रखते हुये दी गई है। अपने ढंग का नया और ग्वालियर जैन समाज के लिये इस तरह का पहला प्रयास होने से अनेक प्रारम्भिक जटिल समस्याओं का सामना करना पडा, बारबार रूप देखा बदलना पडा। कार्य सभी को सुन्दर और उपयोगी लगने पर भी पूरी सामग्री एकत्रित करने में हर किसी का पर्याप्त सहयोग प्राप्त न हो सका। निर्देशिका को पूर्णतया स्थाबलम्बी बनाने हेतु जैन व्यापारियों व उद्योग पतियों से विज्ञापन प्राप्त किये हैं। विज्ञापन दाताओं ने बड़ी उदारता से विज्ञापन देकर हमें आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। जिसके कारण हम इस निर्देशिका को समाज में प्रचारार्थ लागन के एक चौथाई मूल्य पर देने में सफल हुए हैं।

इसमें ग्वालियर के जैन के अतीत व वर्तमान की ऊँकी प्रस्तुत की गई है जिससे समाज को अपनी स्थिति

सामाजिक महत्व व प्रगतियों पर दृष्टिपात करने का अवसर प्राप्त होगा। वैवाहिक सम्बन्धों को तय करने शासकीय और वास्तविक जैन जनगणना की तुलना करने, जैन व्यापारियों डॉक्टरों, वकीलों आदि से सम्पर्क स्थापित करने में यह निर्देशिका सहायक सिद्ध होगी। और अन्त में संघ के रचनात्मक कार्यों के लिये आधार स्तम्भ होगी। यह समाज के सहयोग व सदस्यों के अधिक परिश्रम का फल है। संघ उन सभी बन्धुओं का अत्यन्त आभारी है जिनसे परोक्ष या प्रत्यक्ष रूप से इस कार्य में किसी भी प्रकार की सहायता मिली है। सम्पादक मण्डल सराहना का पात्र है जिसके सुप्रयत्नों से निर्देशिका का प्रस्तुत रूप उपलब्ध हुआ है। सभी ने किसी न किसी रूप में बहुमूल्य योग दिया है। फिर भी कुछ विशिष्ट साधियों व महानुभावों का उल्लेख करना मैं अपना कर्तव्य समझता हूँ।

संघ के अध्यक्ष प्रो. लालचन्द जी सम्पूर्ण योजना के पीछे शांतिस्त्रोत रहें हैं। श्री मिश्रीलाल जी पाटनी के सार्वजनिक अनुभव व उनके सुलभे हुये विचारों का प्रकाशन में पूर्ण उपयोग किया गया है। वे बयोवृद्ध हैं किन्तु उनका उत्साह युवकों से कहीं अधिक है। प्रधान सम्पादक प्रो. एन. एल. जैन ने कर्तव्य परायणता का परिचय देते हुये हर समय प्रकाशन की सफलता के लिये प्रत्येक संभव प्रयास किया है। सह सम्पादक श्री कपूरचन्द जी शर्मा की आकर्षक शुद्ध शैली ने बिस्वरी हुई सामग्री को क्रमबद्ध प्रस्तुत कर सम्बन्धित विषयों का रूप ही बदल दिया है। श्री रविन्द्र मालव, श्री नरेन्द्र कुमार सोनी ने यथा समय अकथनीय सम्भव सहयोग प्रदान किया है श्री कैलाशचन्द्र जैन व श्री धर्मचन्द्र बाकलीवाल ने विज्ञापन कार्य में अमूल्य योग दिया है। संघ के समस्त सदस्यों द्वारा किये गये सम्बन्धित प्रयास अनुकरणीय हैं जो भविष्य में प्रेरणा के स्रोत रहेंगे।

इस कार्य में रूप रेखा बनने के समय से पूर्ण होने तक अनेक कठिनाईयाँ उपस्थित हुई हैं किन्तु सबसे बड़ी कठिनाई व्यक्तियों द्वारा सम्बन्धित सामग्री देते समय बिलम्ब करना है। मुझे खेद है अब भी ऐसे अनेक व्यक्ति हैं जिन्होंने अनेकों बार मौखिक लिखित और व्यक्तिगत रूप से की गई प्रार्थनाओं पर भी जानकारी देने या भेजने का कष्ट नहीं किया। कठिनायों से निश्चित सामग्री प्रारम्भ से ही प्रेस में नहीं दी जा सकी, अन्तिम स्टेज तक नवीन सामग्री आने पर संशोधन करने पड़े। प्रेस के व्यवस्थापक भी जाँब कार्य की अधिकता के कारण यथोचित समय इस ओर न दे सके। इसी कारण निर्देशिका देर से प्रकाशित हो सकी है। इसके लिये मुझे खेद है।

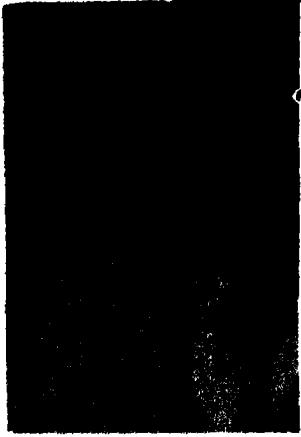
प्राचीन शास्त्रों, लेखों, राज्य पत्रों, बयोवृद्ध व्यक्तियों के अनुभवों व संकथित तथ्यों के आधार पर यत्र तत्र बिस्वरे मोलियों की अतीत की धून व वर्तमान की परिस्थिति से जो कुछ भी हम उठा सके हैं आपके समक्ष प्रस्तुत हैं। सुझाव, अनुद्धियाँ स भोचन आदि के लिये आपके विचार भविष्य में मार्गदर्शन करारेंगे ऐसी आशा है। यदि समाज व सदस्यगण अतीत के आदर्शों से प्रेरणा और वर्तमान परिस्थिति से शिक्षा लेते हुये विकास शील प्रवृत्ति को अपनावेंगे और भविष्य के निर्माण में लगेंगे तो संघ अपने इस श्रम को सफल समझेगा।

संघ के भावी-कार्यक्रम—

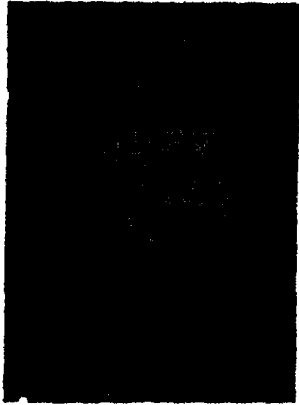
- ✿ मेरिज ब्यूरो, की स्थापना
- ✿ जैन कॉलोनी का निर्माण
- ✿ गरीब व विधवाओं के लिए लघु उद्योग की स्थापना
- ✿ प्रतिष्ठित व्यक्तियों का जीवन परिचय प्रकाशित करना

महामन्त्री
केशरीमल पाटनी

सम्पादक



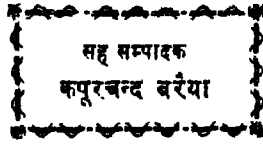
प्रधान सम्पादक व उपाध्यक्ष
प्रो. एन. एन. जैन



सम्पादक सदस्य व सहसम्पादक
कैलाशचन्द्र जैन



अध्यक्ष—
प्रो. लाल चन्द्र जैन



सह सम्पादक
कपूरचन्द्र वरैया



प्रधान संपादक व महामन्त्री
केशरीमल पाटनी

मण्डल

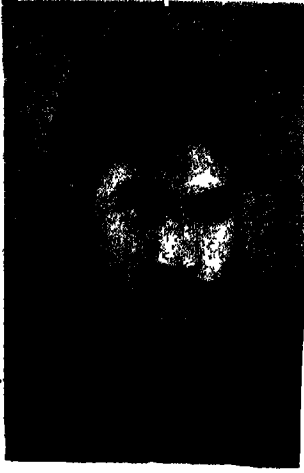


ललित मन्त्री व सम्पादक सदस्य
रविन्द्र 'मालव'



सम्पादक सदस्य
नरेन्द्र कुमार सोनी

कर्मठ कार्यकर्ता



कमलकिशोर गोधा



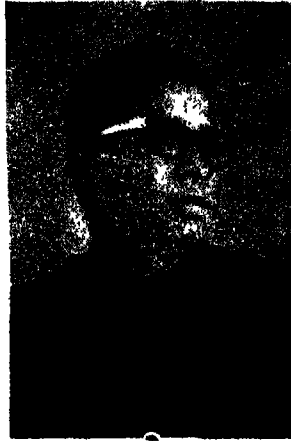
होतोलाल जैन



प्रमोदकुमार पाटनी



धर्मचन्द बाकलीवाल



मोतीलाल बज्र



रतनचन्द जैन



अशषभ कुमार



शान्तिकुमार जैन



प्रकाशचन्द्र वरैया



नरेन्द्र कुमार पाटोदी



ताराचन्द्र बाँठिया
कवर डिजाईनर



अमप्रकाश सरावगी



राजेन्द्र कुमार पांड्या



वीरेन्द्र कुमार बापना



अजीतकुमार रियांबाला

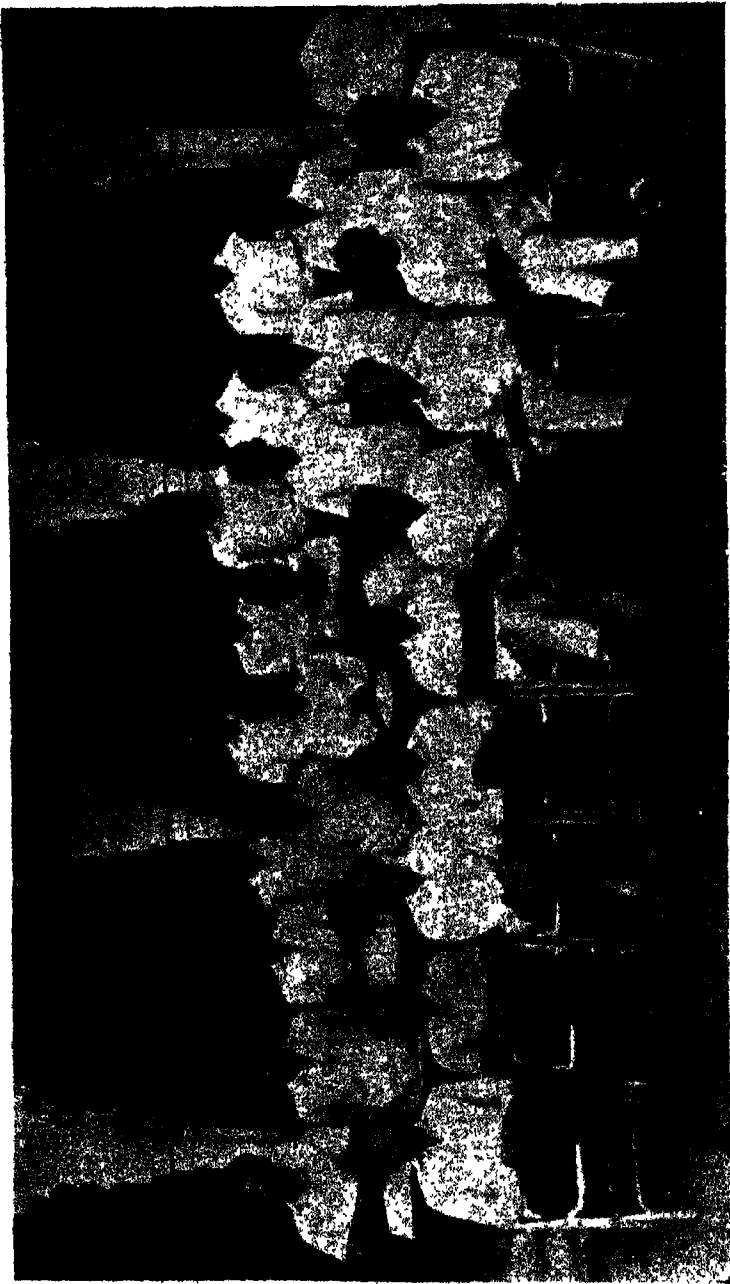


अजीत कुमार बड़जात्या



रमेशचन्द्र जैन, मुरार

वर्द्धमान वि० जैन नवयुवक संघ, श्रीलुवाणा ओली, स्वाखियर-१
 साधारण सदस्य १९६८-६९



श्रेष्ठ गुरु सदस्य—सर्वश्री नरेन्द्र कुमार सोनी, प्रो जी. डी. जैन, अखिलकुमार बड़वालया, धर्मचन्द बाकसीवाल, प्रो. कासचन्द, प्रो. एन. एल. जैन, कैशरीमल पाटनी, रविन्द्र मातब, प्रमोद कुमार पाटनी ।
 प्रथम पंक्ति में खड़े गुरु सदस्य—सर्वश्री ऋषभ कुमार, कमल किशोर गोधा, सुरेशचन्द, निर्मल कुमार विमलचन्द पाटनी, कपूरचन्द सोनी, विनोद कुमार गंगवाल, अनिल कुमार गोधा, सन्तोष कुमार सेठी, वसन्त कुमार पाटनी ।
 द्वितीय पंक्ति में खड़े सदस्य—सर्वश्री सुरेशचन्द पाटनी, सुरेशचन्द जैन, नरेन्द्र कुमार पाटोदी, नरेन्द्र कुमार जैन, बाबूलाल चौधरी, एबम् अनुपस्थित ४५ सदस्यगण ।

For your Requirement please Contact :

RAMCHAND PHUNDILAL & Co.

Stockists :

Imperial Chemical Industries (India) Pvt. Ltd.

The Cement Marketing Co. of India Ltd.

Billick Nixon & Co. Ltd.

Swastie Oil Mills Ltd.

Cables :

HIMACHAL, GWALIOR.

Telephone :

57

Office :

**INDERGANJ, LASHKAR
GWALIOR-1**

Our other Consarns:

MAHAVIR JAIN STORES

HOTEL GUJRI MAHAL



शुभ कामनाओं सहित :—

फोन नं १२०२

सवाई सिंघई अभिनन्दन कुमार सुरेन्द्र कुमार
होलसेल क्लॉथ मर्चेन्ट

नया बाजार, ग्वालियर-९

डिग्री कालिज के कोर्स की पुस्तकें मिलाने का एकमात्र स्थान :—

जैन पुस्तक सदन

पाटनकर बाजार, ग्वालियर-१

दुकान, भवन आदि को चमकाने के लिये
यदि पेन्ट्स वारनिस खरीदना है तो केवल

शालीमार पेन्ट्स

ही खरीदें

- लकड़ी के फर्नीचर आदि—शालीमार बुडकोट
- स्टील के फर्नीचर आदि—शालीमार स्टील कोट
- दीवारों छतों आदि—शालीमार ड्राई डिस्टेम्बर ६६६६
ऑयल बाउंड, डयूरोडोल, सुपर
लंक व प्लास्टिक एमलसन का
ही प्रयोग कीजिये।

हर कार्य के लिये शालीमार पेन्ट्स आपको सेवा करता है।

मिलने का एक मात्र स्थान

जैन ब्रदर्स

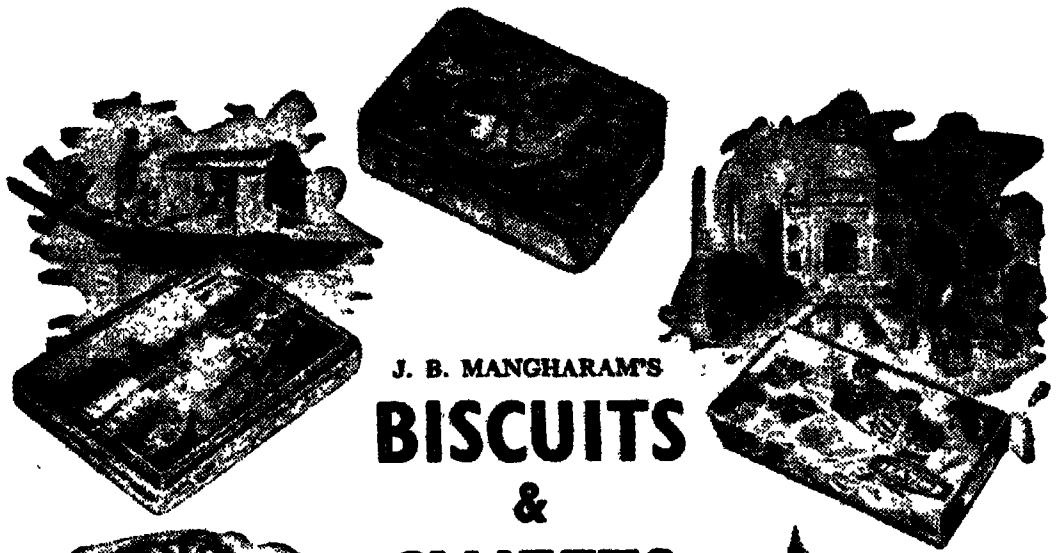
टोपी बाजार लखनऊ

फोन नं० २५६७

अच्छे प्रिन्टर्स (रंग-साज) की आवश्यकता के लिये फोन नम्बर २५६७

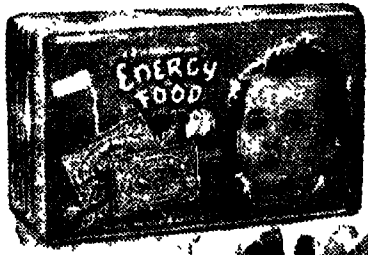
से सम्पर्क स्थापित कीजियेगा।

निर्देशिका मूल्य : एक रुपया, सजिल्द १)५० पैसे



J. B. MANGHARAM'S
BISCUITS
&
SWEETS

WHEREVER
You go
HOWEVER
You enjoy



Choice of millions!

MANGHARAM'S BISCUITS

who
is he ?



बोर सेवा मन्दिर
 पुस्तकालय
 काल नं० ०५८-७/५४५१९) ५३७
 लेखक श्री नरेश प्रसाद
 वीथिक १ वा लियर श्री निदेशीका
 १२१५

what
is
what
is
GW



TING
SWS!